



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 125]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मई 22, 2014/ज्येष्ठ 1, 1936

No. 125]

NEW DELHI, THURSDAY, MAY 22, 2014/JYAISTHA 1, 1936

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 22 मई, 2014

अन्तिम जाँच परिणाम

विषय: मलेशिया, चीन जन.गण., चाइनीज ताइपेई और यूएसए में उदमावित अथवा वहाँ से निर्यातित माइयूल्स या पैनल्स में अथवा काँच या कुछ अन्य उपयुक्त विकृत्यों पर पूर्णतया या आंशिक रूप से असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सौर सेलों (सोलर सेल्स) के आयातों के संबंध में पाटनरोधी जाँच।

सं. 14/5/2012-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसके अन्तर्गत बने समय-समय पर यथासंशोधित सीमाशुल्क प्रशुल्क (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए;

2. यतः, सौर विनिर्माता एसोसिएशन (जिसे एतदपश्चात् आवेदक कहा गया है) ने और सम्बद्ध वस्तु के कुछ घरेलू उत्पादकों अर्थात् मैसर्स इण्डोसालर लिमिटेड, एक 100% निर्यातोन्मुख (ईओयू) इकाई, मैसर्स वेबसाल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड, विशेष आर्थिक जोन (एसईजेड) में एक इकाई और मैसर्स जुपीटर सोलर पॉवर लिमिटेड, घरेलू टैरिफ सीमा (डीटीए) में एक इकाई (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष चीन जन.गण., मलेशिया, चाइनीज ताइपेई और यूएसए (जिन्हें एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) में उदमावित अथवा वहाँ से निर्यातित माइयूल्स या पैनल्स में अथवा काँच या कुछ अन्य उपयुक्त विकृत्यों पर पूर्णतया या आंशिक रूप से असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सौर सेलों (सोलर सेल्स) (जिसे, एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के पाटन का आरोप लगाते हुए एक आवेदन-पत्र दायर किया है।

3. इस आवेदन-पत्र का सम्बद्ध वस्तु के निम्नलिखित अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थन किया गया है:

- i. मोजर बेर फोटोबाल्टिक लिमिटेड
- ii. मोजर बेर सालर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
- iii. पी वी पावर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
- iv. अल्पेक्स एक्सपोट्र्स प्राइवेट लिमिटेड
- v. वारी एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड
- vi. लैन्को सालर प्राइवेट लिमिटेड
- vii. एचएचवी सालर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
- viii. ग्रीनबिलिएंस एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
- ix. यूरो मल्टीविजन लिमिटेड
- x. टाटा बीपी सालर इण्डिया लिमिटेड
- xi. गोल्डी ग्रीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
- xii. अजीत सॉलर प्राइवेट लिमिटेड
- xiii. प्रीमियर सॉलर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
- xiv. महर्षि सॉलर टेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड
- xv. बिरला सूर्या लिमिटेड

4. और यतः, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा प्रस्तुत किए गए पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर, कथित पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा एवं उसके प्रभाव का निर्धारण करने के लिए और पाटनरोधी शुल्क की ऐसी राशि की सिफारिश करने के लिए जो यदि उद्ग्रहित की गई तो, घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी, सम्बद्ध देशों में उद्धवित अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तु के आयातों के संबद्ध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत, नियमावली के उपनियम 6(1) के अनुसार करने के लिए भारत के राजपत्र, असाधारण में दिनांक 23 नवम्बर, 2012 को प्रकाशित एक सार्वजनिक नोटिस जारी किया।

क. प्रक्रिया

5. प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच के संबंध में निम्नलिखित वर्णित प्रक्रिया का अनुपालन किया गया है:

- i. प्राधिकारी ने जांच शुरुआत की प्रक्रिया से पहले प्रमुख नियमावली के नियम 5 के उप नियम (5) के अनुसार पाटनरोधी आवेदन-पत्र प्राप्त होने के बारे में भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों/प्रतिनिधियों को सूचना प्रेषित की।
- ii. प्राधिकारी ने दिनांक 23 नवंबर, 2012 की जांच-शुरुआत अधिसूचना की प्रति भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों/प्रतिनिधियों, संबद्ध देशों के सभी जात निर्यातकों, आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए पतों के अनुरूप संबद्ध वस्तु के सभी जात आयातकों तथा अन्य सभी भारतीय उत्पादकों को प्रेषित की गई और उनसे अनुरोध किया गया कि वे जांच-शुरुआत अधिसूचना की तारीख से 40 दिनों के अंदर अपने विचारों से लिखित रूप में अवगत कराएं।
- iii. चूंकि संबद्ध देशों के भारी संख्या में उत्पादकों/निर्यातकों ने संबद्ध जांच में प्रतिभागिता करने का हित अभिव्यक्त किया इसलिए प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के नियम 17(3) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार सैम्पलिंग का आश्रय लिया।
- iv. इस जांच शुरुआत अधिसूचना के साथ-साथ संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों को नमूना प्रश्नावली भेजी जिसके साथ-साथ भारत में संबंधित राजदूतावासों/प्रतिनिधियों को उसकी प्रति इस सुझाव के साथ भेजी गई कि वे उसे भरकर प्राधिकारी को पत्र की तारीख से 15 (पन्द्रह) दिनों के अंदर उपलब्ध करा दें। प्राधिकारी ने संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों/निर्यातकों को यह भी सूचित किया कि उन्हें निर्धारित प्रपत्र में (चीन जनगण के मामले में एमईटी प्रत्युत्तर) निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर भी प्राधिकारी द्वारा विस्तृत जांच के लिए इस नमूने की प्राप्ति की तारीख से 40 दिनों से अनधिक समय में दायर करना होगा।

v. संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को जांच शुरुआत अधिसूचना की प्रति के साथ-साथ घरेलू उद्योग द्वारा दायर आवेदन-पत्र का अगोपनीय पाठ, नमूना प्रश्नावली, निर्यातक प्रश्नावली और एमईटी प्रश्नावली (चीन जनगण के लिए) प्रपत्र भेजे गए:

1. जेए सोलर, चीन जन.गण
2. गोल्ड पॉली, चीन जन.गण
3. हान्वाह सोलर वन, चीन जन.गण.
4. युक्सी सनटेक पॉवर कं0 लि0, चीन जन.गण.
5. चैंगझऊ ट्रिना सोलर एनर्जी कं0, लि0, चीन जन.गण.
6. सनटेक, चीन जन.गण
7. डॉगफैंग इलैक्ट्रिक (इक्सी) मागी सोलर पॉवर टेक्नोलॉजी कंपनी लि., चीन जन.गण.
8. निंगबो जॉशी सोलर इलैक्ट्रिकल सार्फ्स एंड टेक्नोलॉजी कं0 लि0, चीन जन.गण.
9. नानटांग कुआब्गजेब्ज ओजिटिविक्टाउक टेक्नोलॉजी कं0 लि0, चीन जन.गण.
10. शेनझेन टोपरे सोलर कं0 लि0, चीन जन.गण.
11. इयोप्ली न्यू एनर्जी टेक्नोलॉजी कं0 लि0, चीन जन.गण.
12. संघाई बीवाईडी कं0 लि0, चीन जन.गण.
13. हान्वाह (किडांग) कंपनी लि0, कोरिया
14. जिन्को सोलर कं0 लि0, चीन जन.गण.
15. मोटेक (सुझोठ) नवीकरणीय ऊर्जा कं0 लि0, चीन जन.गण.
16. सीएनपीवी डॉगिंग सोलर पॉवर कं0 लि0, चीन जन.गण.
17. इंजलि एनर्जी (चीन) कं0 लि0, चीन जन.गण.
18. डेलसोलर (वुजियांग) लि0, चीन जन.गण.
19. बाओडिंग टियानवेई सोलर फिल्म्स कं0 लि0, चीन जन.गण.
20. सनजेन इंटरनेशनल लि0, हांगकांग
21. चीन सनएनर्जी (नानजिंग) कं0 लि0, चीन जन.गण.
22. चिंत सोलर झोड़ियांग कं0 लि0, चीन जन.गण.
23. जियांगयिन हेरिओन पॉवर कं0 लि0, चीन जन.गण.
24. जिनगाओ सोलर पॉवर कं0 लि0, चीन जन.गण.
25. माइकल युहआन सिनो सोलर एसएण्टी कं0 लि0, चीन जन.गण.
26. स्कॉट जिआंग, चीन जन.गण.
27. हान्वाह सोलर वन (किडांग) कं0 लि0, चीन जन.गण.
28. जेसन सोलर (चीन) कं0 लि0, चीन जन.गण.
29. निंगबो ओएसडीए सोलर कं0 लि0, चीन जन.गण.
30. एलडीके सोलर हाई-टेक (नॉनचिंग) कं0 लि0, चीन जन.गण.
31. एलडीके सोलर हाई-टेक (जिन्यु) कं0 लि0, चीन जन.गण.
32. एलडीके सोलर हाई-टेक (हीफेई) कं0 लि0, चीन जन.गण.
33. एनडीके सोलर हाई-टेक (सुझोठ) कं0 लि0, चीन जन.गण.
34. हेंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं0 लि0, चीन जन.गण.
35. पर्लाइट सोलर कं0 लि0, चीन जन.गण.

36. अंजिडासोल सोलर एनर्जी साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी, कं0 लि0, चीन जन.गण.

37. जियांगसु जिसारेंग फोटोबाल्टिक टेक्नोलॉजी, कं0 लि0, चीन जन.गण.

38. निंग्बो किम्सिन सोलर इलेक्ट्रिकल एप्लायंस कं0 लि0, चीन जन.गण.

39. दुपोंट अपोलो (शेनझेन) लि0, चीन जन.गण.

40. चाइना चैंबर ऑफ कॉर्मर्स फॉर इम्पोर्ट्स एण्ड एक्सपोर्ट्स ऑफ मशीनरी एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स प्राइवेट्स, चीन जन.गण.

41. सनटेक नॉर्थ एण्ड साउथ अमेरिका, यूएसए

42. प्रिंस सोलर कंपनी लि0, यूएसए

43. सनराइज्जको इंडस्ट्रीज इंक (यूएसए) यूएसए

44. फर्स्ट सोलर इंक, यूएसए

45. कनाडियन सोलर, कनाडा

46. रीयल मैजिक टेक्नोलॉजी एसडीएन.बीएचडी, मलेशिया

47. डिडेलियो इंटरनेशनल एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

48. इपिक इंजीनियरिंग, मलेशिया

49. क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

50. गिन्टेक, चाइनीज ताइपेई

51. सेक कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई

52. डेलसोलर, चाइनीज ताइपेई

53. डेलसोलर कंपनी लि0, चाइनीज ताइपेई

54. निओसोलर कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई

55. सनइंजिन कार्पोरेशन लि0, चाइनीज ताइपेई

56. टॉपसेल सोलर इंटरनेशनल कं0 लि0, चाइनीज ताइपेई

57. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक सोलर डिविजन, चाइनीज ताइपेई

58. सन वेल सोलर, चाइनीज ताइपेई

vi. संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने नमूना प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किया:

- मै. एलडीके सोलर हाई-टेक (हिफेई) कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. एलडीके सोलर हाई-टेक (नॉनचांग) कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. वुक्सी सनटेक पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशु) इंक, चीन जन.गण.
- मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (लुओयोंग) इंक (एलवाईएसपी), चीन जन.गण.
- कनाडियन सोलर इंटरनेशनल लि., हांगकांग
- मै. जेए सोलर टेक्नोलॉजी, यांगझोऊ कं.लि. चीन जन.गण.
- मै. हान्याह सोलर वन (किडॉग) कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. सीईईजी नॉन्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. चिंट सोलर (झेझियांग) कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. जिन्को सोलर कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. जिन्को सोलर इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट कं. लि., चीन जन.गण.
- मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण.

14. मै. डेल सोलर (वुजियांग) लि., चीन जन.गण.
15. मै. सीईईजी (संघाई) सोलर साईंस टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
16. मै. एलडीके सोलर हाइटेक (सुझोऊ) कं. लि., चीन जन.गण.
17. मै. बाओडिंग टियानवेई सोलर फिल्म्स कं. लि., चीन जन.गण.
18. मै. चांगझोऊ ट्रिना सोलर एनर्जी कं. लि., चीन जन.गण.
19. मै. शंगलुओ बीवाईडी इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन.गण.
20. मै. डॉगफेंग इलैक्ट्रिक (इक्सिंग) मागी सोलर पॉवर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
21. जियांगइन हरियोन पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.
22. मै. हेंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.
23. मै. हेन्ज्होऊ दाहे थर्मो मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.
24. मै. चाइना सनर्जी (नानिंग) कं. लि., चीन जन.गण.
25. मै. जियांगएओ सोलर कं. लि., चीन जन.गण.
26. मै. संघाई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
27. मै. झेजियांग जिन्को सोलर ट्रेडिंग कं. लि., 58 युआन्कसी रोड, युआनहुआ टाउन हेनिंगसिटी, झेजियांग प्रांत, चीन जन.गण.
28. मै. अंजीडासोल सोलर एनर्जी साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
29. मै. युहुआन सिनोसुला साईंस एण्ड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
30. मै. पेरलाईट सोलर कं. लि., चीन जन.गण.
31. मै. सीएनपीवी डॉगइंग सोलर पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.
32. मै. झेजियांग जिन्को सोलर कं. लि., चीन जन.गण.
33. मै. निंगबो विकसिन सोलर इलैक्ट्रिकल्स एप्लायांस कं. लि., चीन जन.गण.
34. मै. इंगलि एनर्जी (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.
35. मै. संघाई बीवाईडी कं. लि., चीन जन.गण.
36. मै. रेनसोला जिंगसु लि., चीन जन.गण.
37. मै. शेनझेन टोपरे सोलर कं. लि., चीन जन.गण.
38. मै. एनडीके सोलर इंटरनेशनल क. लि., हांगकांग
39. एमईएमसी पीटीई लि., सिंगापुर
40. निंगबो ओएसडीए सोलर कं. लि.
41. जियांग सु रुंडा पीवी कं. लि.
42. विन विन प्रिसिजन टेक्नोलॉजी कं. लि. चाइनीज ताइपेई
43. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज ताइपेई
44. सनवेल सोलर कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई
45. नेक्स पावर टेक्नोलॉजी कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई
46. सोलरटेक एनर्जी कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई
47. डेल सोलर कंपनी लि., चाइनीज ताइपेई
48. निओ सोलर पॉवर कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई
49. टीएसईसी कार्पोरेशन, चाइनीज ताइपेई
50. टॉपसेल सोलर इंटरनेशनल कंपनी लि., चाइनीज ताइपेई

- 51. एयू आप्ट्रानिक्स कार्पोरेशन चाइनीज टाइपेई
- 52. मै. फर्स्ट सोलर, इंक, यूएसए
- 53. फर्स्ट सोलर, मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया
- 54. फर्स्ट सोलर जीएमबीएच, रिइंस्टर, जर्मनी
- 55. क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

VII. एमईएमसी पीटीसी लि., सिंगापुर और एलडीके सोलर इंटरनेशनल कं. लि., हांगकांग द्वारा दायर नमूना प्रश्नावली प्रत्युत्तरों पर विचार नहीं किया गया क्योंकि सिंगापुर और हांगकांग संबद्ध देश नहीं हैं। इसी तरह निंग्बो ओएसडीए सोलर कं. लि. और जियांगसु रुंडा पीवी कं. लि. द्वारा दायर नमूना प्रश्नावली प्रत्युत्तरों पर भी विचार नहीं किया गया क्योंकि जिन देशों से उनका संबंध है, उनके नाम प्रदान नहीं किए गए। इसके अतिरिक्त, मै. एलडीके सोलर इडिटेक (हिफेई) कं. लि., चीन जन.गण., मै. एलडीके सोलर हाईटेक (नॉनचेंग) कं. लि., चीन जन.गण., मै. एलडीके सोलर इंटरनेशनल कंपनी लि., हांगकांग और मै. विन विन प्रिसिजन टेक्नोलॉजी कं. लि., चाइनीज टाइपेई द्वारा प्रस्तुत किए गए नमूना प्रश्नावली प्रत्युत्तरों पर भी विचार नहीं किया गया क्योंकि नमूना प्रश्नावली में यथाअपेक्षित संपूर्ण जानकारी प्रदान नहीं की गई थी।

VIII. संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों को प्राधिकारी द्वारा नमूनाबद्ध किया गया:-

- I. मै. बुक्सी सनटेक पॉवर कं. लि., बुक्सी, चीन जन.गण
- II. मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशु) इंक, चांगशु सिटी, जियांगशु प्रांत, चीन जन.गण.
- III. मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (लुओयांग) इंक, लुओयांग सिटी, हेनान प्रांत, चीन जन.गण.
- IV. कनाडियन सोलर इंटरनेशनल लि., हांगकांग
- V. मै. चाइना सनर्जी (नान्जिंग) कं. लि. नान्जिंग, चीन जन.गण.
- VI. मै. सीईईजी (संघाई) सोलर साईंस टेक्नोलॉजी कं. लि., संघाई, चीन जन.गण.
- VII. मै. सीईईजी नॉन्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नॉन्जिंग, चीन जन.गण.
- VIII. मै. जेए सोलर टेक्नोलॉजी, यांगझोऊ, चीन जन.गण.
- IX. मै. संघाई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कं. लि., संघाई, चीन जन.गण.
- X. मै. जियांगएओ सोलर कं. लि., निंगजिन, हेबेई, चीन जन.गण.
- XI. मै. बाओडिंग टियानवेई सोलर फिल्म्स कं. लि., बाओडिंग सिटी, हिबेई प्रांत, चीन जन.गण.
- XII. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, टैनान सिटी, चाइनीज टाइपेई
- XIII. मै. सनवेल सोलर कार्पोरेशन, ताऊयूयान, चाइनीज टाइपेई
- XIV. मै. डेल सोलर कंपनी लि., झुनान टाउनशिप, मिओली काउंटी, चाइनीज टाइपेई
- XV. फर्स्ट सोलर, मलेशिया एसडीएन बीएचडी, कुलिम, मलेशिया
- XVI. मै. फर्स्ट सोलर, इंक, टेम्पे, अरिजोना, यूएसए
- XVII. मै. फर्स्ट सोलर जीएमबीएच, रिइंस्टर, मैंज, जर्मनी
- XVIII. क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी, सेलानगोर दारूल एहसान, मलेशिया

IX. संबद्ध देशों के निम्नलिखित नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों तथा उनकी संबद्ध/उनसे जुड़े पक्षकारों ने निर्यातक प्रश्नावली और एमईटी (यथा लागू) प्रत्युत्तर दायर किए:

1. मै. बुक्सी सनटेक पॉवर कं. लि., बुक्सी, चीन जन.गण
2. मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशु) इंक, चांगशु सिटी, जियांगशु प्रांत, चीन जन.गण.
3. मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (लुओयांग) इंक, लुओयांग सिटी, हेनान प्रांत, चीन जन.गण.

4. कनाडियन सोलर इंटरनेशनल लिंग, हांगकांग
5. मै. चाइना सनर्जी (नान्जिंग) कं. लि. नान्जिंग, चीन जन.गण.
6. मै. सीईईजी (संघाई) सोलर साईंस टेक्नोलॉजी कं. लि., संघाई, चीन जन.गण.
7. मै. सीईईजी नॉन्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नॉन्जिंग, चीन जन.गण
8. मै. जेए सोलर टेक्नोलॉजी, यांगझोऊ, चीन जन.गण.
9. मै. संघाई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कं. लि., संघाई, चीन जन.गण.
10. मै. संघाई जेए सोलर पीवी टेक्नोलॉजी कं.लि., चीन जन.गण.
11. मै. जियांगएओ सोलर कं. लि., निंगजिन, हेबई, चीन जन.गण.
12. मै. बाओडिंग टियानवई सोलर फिल्म्स कं. लि., बाओडिंग सिटी, हिबई प्रांत, चीन जन.गण.
13. मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, टैनान सिटी, चाइनीज ताइपेई
14. मै. फर्स्ट सोलर, इंक, टेम्पे, अरिजोना, यूएसए
15. मै. फर्स्ट सोलर जीएमबीएच, रिंस्टर, मैंज, जर्मनी
16. फर्स्ट सोलर, मलेशिया एसडीएन बीएचडी, कुलिम, मलेशिया
17. क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी, सेलानगोर दारूल एहसान, मलेशिया

x. भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/उपयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावली नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगते हुए प्रेषित की गई:

1. एक्सेसर सोलर लि.
2. एमिनी ग्रुप
3. जैन सिंचाई सिस्टम्स लि.
4. केएल सोलर कंपनी प्रा. लि.
5. कोटक ऊर्जा प्रा. लि.
6. फोटोनिक्स सोलर प्राइवेट लिमिटेड
7. पीएलजी पॉवर लिमिटेड
8. जेजेपीवी सोलर प्राइवेट लि.
9. एवरग्रीन सोलर सिस्टम इंडिया प्रा. लि.

xi. इसके प्रत्युत्तर में भारत के निम्नलिखित आयातकों/उपयोक्ताओं ने आयातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया:

1. किरण एनर्जी सोलर प्रा.लि.
2. लॉरेक्स बायो एनर्जीस लि.
3. एसीएमई सोलर एनर्जी प्रा.लि.

xii. प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों एवं आयातकों के अलावा जाँच के दौरान निम्नलिखित अन्य हितबद्ध पक्षकारों ने भी प्रस्तुतिकरण प्रस्तुत किया:

1. सोलर पॉवर डेवलेपर्स एसोसिएशन
2. सोलर इंडेपैडेंट पॉवर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन
3. संयुक्त राज्य अमेरिका का राजदूतावास
4. चाइना चैम्बर ऑफ कॉमर्स फॉर इम्पोर्ट एण्ड एक्सपोर्ट ऑफ मशीनरी एंड इलेक्ट्रानिक प्रोडक्ट्स (सीसीसीएमई)
5. पंज लॉयड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि.

6. चीन का राजदूतावास

7. जैन सिंचाई सिस्टम्स लि.

8. मलेशिया का उच्चायुक्त

9. विक्रम सोलर

10. एम एंड बी स्विच गीयर्स लि.

11. एसीएमई सोलर एनर्जी प्रा. लि.

12. गुजरात बोरोसिल लि.

13. लोरोक्स बायो एनर्जीज लि.

14. वेलस्पन सोलर एपी प्रा. लि.

15. यूएस इंडिया बिजनेस काउंसिल

16. सालर पावर इंडिया

17. एम ओ एफ काम, चीन

18. नेशनल सालर एनर्जी फेडनेशन आफ इंडिया

19. रेन्सोला जियांगसु लिमिटेड चीन जन गण

20. जिन्को सालर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

21. जिन्को सालर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण

22. हेंगियन ग्रुप डी एम ई जी सी मैग्नेटिक्स कंपनी लिमिटेड – चीन जन गण

23. चांगझाऊ ट्रिना सालर एनर्जी कंपनी लिमिटेड – चीन जन गण

24. हान्वहा सालर वन (किंवडांग) कंपनी लिमिटेड

25. एसोचेम

26. राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धा परिषद (एन एम सी सी)

27. विज्ञान एवं पर्यावरण केंद्र

xiii. कुछ अन्य आयातकों/प्रयोक्ताओं ने भी इस जाँच में अपनी रुचि अभिव्यक्त की परन्तु उन्होंने कोई संगत प्रस्तुतिकरण नहीं किया।

xiv. वर्तमान जांच के संबंध में पर्यावरण एवं वन मंत्रालय (एमओईएफ) और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय (एमएनआरई) से प्राप्त विचारों पर भी इस अंतिम जांच परिणाम में विचार किया गया है।

xv. जाँच प्रारंभ करने पहले प्राधिकारी ने संबंधित प्रशासनिक मंत्रालयों से भारत में संबद्ध वस्तु के विवरण उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। संबंधित प्रशासनिक मंत्रालय से प्राप्त व्यौरे के आधार पर संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित अन्य घरेलू उत्पादकों से अनुरोध किया गया कि वे अपनी लागत निर्धारण/क्षति सूचना तथा अपने आयात की स्थिति के व्यौरे प्रस्तुत करें और घरेलू उद्योग द्वारा दायर किए गए आवेदन-पत्र का समर्थन/विरोध प्रकट करें:

1. मोजर बेयर सोलर लि.
2. मोजर बेयर फोटो वोल्टिक लि.
3. यूरो मल्टीविजन लि.
4. टाटा बीपी सोलर इंडिया लि.
5. एमवी सोलर सिस्टम्स प्राइवेट लिमिटेड
6. एचएचवी सोलर टेक्नोलॉजिज प्राइवेट लिमिटेड
7. ग्रीन ब्रिलियेंस एनर्जी प्राइवेट लिमिटेड
8. एलपेक्स सोलर प्राइवेट लिमिटेड
9. विक्रम सोलर प्राइवेट लिमिटेड

10. अजीत सोलर प्राइवेट लिमिटेड
11. पीवी पॉवर टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
12. सोलर सेमिकंडक्टर प्राइवेट लिमिटेड
13. लेन्को इन्फ्राटेक लि.
14. वारी इन्स्ट्रॉमेंट्स लि.
15. एवरग्रीन सोलर सिस्टम्स इंडिया प्राइवेट लिमिटेड
16. फोटोनिक्स सोलर प्राइवेट लिमिटेड
17. गोल्डी ग्रीन टेक्नोलॉजीज प्राइवेट लिमिटेड
18. बोरोसिल ग्लास वर्क्स लिमिटेड
19. मॉडर्न सोलर प्राइवेट लिमिटेड
20. टाप्सन एनर्जी लि.
21. एक्सेल एनर्जी लिमिटेड
22. भारत हैवी इलैक्ट्रिकल्स लिमिटेड (भेल)
23. सीईएल
24. महर्षि सोलर टेक्नोलॉजी
25. केएल सोलर
26. कोटक ऊर्जा प्राइवेट लिमिटेड
27. माइक्रोसोल
28. फोटोन एनर्जी सिस्टम्स
29. फोटोनिक्स
30. पीएलजी पॉवर
31. प्रिमियर सोलर सिस्टम्स (प्रा.) लि.
32. राजस्थान इलैक्ट्रानिम्स एंड इन्स्ट्रॉमेंट्स लिमिटेड
33. रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड
34. शुरजो
35. सुराना वैंचर्स
36. टाइटन एनर्जी
37. यूपीवी सोलर-उदय एनर्जी फोटोवाल्टिक प्राइवेट लिमिटेड
38. यूएसएल फोटोवाल्टिक्स प्राइवेट लिमिटेड
39. यश बिरला

xvi. तथापि, मोजर बेयर सोलर लिमिटेड, मोजर बेयर फोटो वॉल्टिक लिमिटेड और टाटा बीपी सोलर इंडिया लिमिटेड के अलावा किसी भी अन्य समर्थनकर्ता हितबद्ध पक्षकार ने कोई भी लागत निर्धारण क्षति सूचना प्रस्तुत नहीं की।

xvii. कुछ हितबद्ध पक्षकारों से यह अनुरोध प्राप्त हुआ कि प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करने का समय बढ़ा दिया जाए। प्राधिकारी ने पाटनरेधी जांच की समयबद्ध प्रकृति को ध्यान में रखते हुए समय विस्तार करने का अनुमोदन प्रदान कर दिया।

xviii. प्राधिकारी ने मुख्य निमावली के नियम 6(3) के अनुसार भारत में संबद्ध देशों के राजदूतावासों/प्रतिनिधियों को तथा ज्ञात निर्यातकों को आवेदन-पत्र का अगोपनीय रूपांतर प्रदान कर दिया।

xix. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों का अगोपनीय पाठ हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जाँच के लिए रखी गई सार्वजनिक फाइल में भी उपलब्ध कराया।

xx. आवेदन-कर्ता ने क्षति अवधि के लिए और आवेदन के समय जाँच की अवधि के लिए आयात सूचना गौण स्रोत अर्थात् इम्पेक्स स्टेटिस्टिक्स सर्विसेस के आधार पर प्रदान कराई। जाँच के पश्चात् घरेलू उद्योग ने वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से प्राप्त अँकड़े भी प्रस्तुत किए। प्राधिकारी ने भी वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकीय महानिदेशालय (डीजीसीआईएंडएस) से संगत अवधि के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों का विवरण उपलब्ध कराने का भी अनुरोध किया। प्राधिकारी ने वर्तमान जाँच में डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना पर भरोसा किया है।

xxi. घरेलू उद्योग द्वारा सामान्यतः स्वीकृत लेखाकरण सिद्धांतों (जीएएपी) और पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध III के आधार पर प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर भारत में संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की लागत और उसको बेचने तथा बनाने की लागत के आधार पर गैर-क्षतिकारी कीमत का निधारण किया गया जिससे कि यह सुनिश्चिय किया जा सकेकि क्या पाटन मार्जिन से न्यूनतर पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगा।

xxii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की जाँच गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में की गई। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने जहाँ-कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया और उक्त सूचना को गोपनीय माना गया तथा उसका अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्रकटन नहीं किया गया। जहाँ-कहीं संभव हुआ, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को यह निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दर्ज सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी उपलब्ध कराएं।

xxiii. यह जाँच 1 जनवरी, 2011 से प्रारंभ करके 30 जून, 2012 तक की अवधि (पीओआई) के लिए की गई। क्षति विश्लेषण के संदर्भ में प्रवृत्तियों की जाँच में अप्रैल, 2008-मार्च, 2009, अप्रैल, 2009-मार्च, 2010, अप्रैल, 2010-मार्च, 2011 तथा जाँच की अवधि को शामिल किया गया।

xxiv. प्राधिकारी ने हितबद्ध पक्षकारों को मौखिक रूप से सुनने के लिए 18 जुलाई, 2013 को एक मौखिक सुनवाई का आयोजन किया। इस सुनवाई के समय उपस्थित हितबद्ध पक्षकारों से यह अनुरोध किया गया कि वे मौखिक रूप से अभिव्यक्त अपने विचारों का लिखित प्रस्तुतिकरण भी प्रस्तुत करें और उन्हें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा अभिव्यक्त विचारों की प्रत्युक्ति दायर करने का अवसर भी प्रदान किया गया। हितबद्ध पक्षकारों से प्राप्त लिखित प्रस्तुतिकरणों और प्रत्युक्तियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक विचार किया गया।

xxv. घरेलू उद्योग तथा संबद्ध देशों के सहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना का प्राधिकारी द्वारा आवश्यक समझी गई सीमा तक सत्यापन किया गया।

xxvi. प्रमुख नियमावली के नियम 16 के अनुसार इस जाँच के अनिवार्य तथ्यों का प्रकटन सभी ज्ञात हितबद्ध पक्षकारों को दिनांक 13 मई, 2014 के प्रकटन विवरण के तहत किया गया और उन पर प्राप्त टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत रूप से विचार किया गया और तथा इस अंतिम जाँच परिणाम में उनका निराकरण कर दिया गया।

xxvii. *** के इस अंतिम जाँच परिणाम अधिसूचना में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत की गई सूचना का प्रतिनिधित्व किया गया है और प्राधिकारी द्वारा नियमों के अन्तर्गत उस पर विचार किया गया।

xxviii. जाँच की अवधि के लिए अंगीकृत विनिमय दर 1 अमरीकी डॉलर = 48.67 रुपया है।

6. जाँच शुरुआत के पश्चात आवेदक के नाम में संशोधन किया गया और उसे भारतीय सौर विनिर्माता एसोसिएशन(जिसे एतद्पश्चात आवेदक कहा गया है) माना गया।

ख. विचाराधीन उत्पादन और घरेलू समान वस्तु

7. वर्तमान जाँच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) चीन जन.गण., मलेशिया, चाइनीज ताइपेई और यूएसए में उद्घवित अथवा वहाँ से निर्यातित माइयूल्स या पैनल्स में अथवा कांच या कुछ अन्य उपयुक्त विकृत्यों पर पूर्णतया या आंशिक रूप से असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सौर सेल हैं। आवेदक द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार सौर सेलों का विनिर्माण भारत में दो प्रौद्योगिकियों के ज़रिए किया जाता है अर्थात् क्रिस्टालिन सिलिकॉन टेक्नोलॉजी और थिन फिल्म टेक्नोलॉजी। इन दोनों प्रौद्योगिकियों के तहत उत्पादित सौर सेलों को विचाराधीन उत्पादन के अंतर्गत शामिल किया जाता है।

8. सौर सेलों को बाजार में फोटोवाल्टिक सेलों के नाम से भी जाना जाता है। फोटोवाल्टिक का आशय सौर प्रकाश का आणविक स्तर पर विद्युत में सीधे परिवर्तन होना होता है। कुछ सामग्री फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव नामक विशेषता को भी प्रदर्शित करती है जिससे वे प्रकाश को फोटान्स का अवशोषण करने और इलेक्ट्रान्स रिलीज करने में सक्षम होते हैं। जब इन मुक्त इलेक्ट्रान्स का परिग्रहण किया जाता है तो उसके परिणामस्वरूप विद्युतधारा प्रवाहित होती है जिसका प्रयोग विद्युत की तरह से किया जा सकता है। सेमीकन्डक्टर सामग्री जैसे सिलिकॉन, जिसका प्रयोग माइक्रो इलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में किया जाता है, में फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव नामक गुण होता है। जब प्रकाश ऊर्जा इस सेमीकन्डक्टर सामग्री से टकराती है तो इलेक्ट्रान्स को इस सेमीकन्डक्टर सामग्री में अणुओं से मुक्त कर दिया जाता है। यदि विद्युत प्रवाहकों को एक विद्युत परिपथ बनाने वाले घनात्मक और ऋणात्मक साइड को जोड़ा जाता है तो इन इलेक्ट्रान्स का परिग्रहण एक विद्युत प्रवाह अर्थात् विद्युत के रूप में किया जा सकता है। सम्बद्ध वस्तु को सीमाशुल्क वर्गीकरण अध्याय शीर्षक संख्या 85414011 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जाँच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

9. इस विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा जाँच प्रक्रिया के दौरान किए गए वे प्रस्तुतिकरण जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया, निम्नलिखित हैं:

- निर्दिष्ट प्राधिकारी ने जाँच शुरूआत स्तर पर इस विचाराधीन उत्पाद को 'प्रथम वृष्ट्या' निर्धारण ही किया है और इसलिए इस प्रथम वृष्ट्या निर्धारण के आधार पर जाँच की प्रक्रिया को आगे बढ़ाना अनुमेय नहीं होना चाहिए।
- तनु फिल्म और सीएसआईपीवी उत्पाद के लिए संयुक्त रूप से की गई वर्तमान याचिका ओर यह जाँच उपयुक्त नहीं है। तनु फिल्म प्रौद्योगिकी से उत्पादित सम्बद्ध वस्तु का वर्तमान जाँच के दायरे से अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वे समान वस्तु नहीं हैं। क्रिस्टालाइन और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी से उत्पादित सोर सेल मूलभूत कच्चे माल, उत्पादन प्रक्रिया, भौतिक गुणधर्म, कार्यकुशला आदि के रूप में भिन्न हैं। इन दोनों का प्रयोग अलग-अलग होता है और दोनों की ही सीमित अन्तरपरिवर्तनीयता/प्रतिस्थापनीयता होती है। क्रिस्टालाइन और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के बीच माइयूल से माइयूल अन्तर्निमेयता संभव नहीं है।
- घरेलू उद्योग तनु फिल्म का विनिर्माण नहीं करता है और इसलिए उसका विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए।
- जहां तक तनु फिल्म और सी-एसआईपीवी उत्पादों के प्रकार्यों और प्रयोगों में समानता का संबंध है, इन दोनों उत्पादों में से कोई भी बैलेंस ऑफ सिस्टम (बीओएस) के बिना प्रयोग योग्य विद्युत का उत्पादन नहीं कर सकता है। अतः तनु फिल्म और सी-एसआईपीवी केवल मध्यवर्ती उत्पाद हैं जिनका कार्य बीओएस के साथ एकीकृत होकर उपयोग योग्य विद्युत का उत्पादन करना है। चूंकि यह संपूर्ण सौर ऊर्जा संयंत्र के मध्यवर्ती हैं और यह परस्पर(जब तक इन्हें एकीकृत न कर दिया जाए)

कोई कार्य नहीं करते हैं और इसलिए यह अन्तर्निमेय नहीं है। बैलेंस ऑफ सिस्टम के साथ एकीकरण कर दिए जाने के पश्चात ही ये दोनों उत्पाद उपयोग में लाने योग्य विद्युत का उत्पादन कर सकते हैं। यह उन्हें विकल्पों के रूप में ठहराता है न कि समान उत्पाद के रूप में।

v. याचिकाकर्ताओं ने सैलों, माइयूलों और तनु फिल्म को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल करने की मांग इस आधार पर की है कि सैल माइयूलों के समान वस्तु हैं और माइयूल तनु फिल्म के समान वस्तु हैं। इन दोनों उत्पादों को उत्पाद के दायरे के अंतर्गत केवल इस आधार पर शामिल करना अवैध होगा कि वे दोनों समान उत्पाद हैं। उत्पाद के दायरे में सैलों और माइयूलों दोनों को शामिल किया जाता है और माइयूल एक मूल्यवर्धित उत्पाद है और इसलिए उसे पृथक उत्पाद के रूप में माना जाना चाहिए। इसके अतिरिक्त सभी घरेलू उत्पादक इन माइयूलों का विनिर्माण नहीं कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त, कई अन्य प्रकार की सौर विद्युत प्रणालियां भी हैं जैसे सीएसपीवी प्रणाली (संकेन्द्रित सौर फोटो बाल्टिक) और सीएसपी प्रणाली (संकेन्द्रित सौर ताप विद्युत) जो पीवी प्रणाली द्वारा निष्पादित कार्यों के समान हीं कार्य निष्पादित करती हैं परंतु उन्हें वर्तमान जांच के क्षेत्र में शामिल नहीं किया जाता है।

vi. तनु फिल्म और स्फाट उत्पाद न तो उत्पादकों के वृष्टिकोण से अथवा न ही उपभोक्ताओं के वृष्टिकोण से प्रतिस्थापनीय हैं। तनु फिल्म के उत्पादक स्फाट उत्पादों का उत्पादन नहीं कर सकते हैं और इसी तरह स्फाट उत्पाद के उत्पादक तनु फिल्म का उत्पादन नहीं कर सकते हैं। दोनों उत्पादों के गुण-धर्म समान नहीं हैं। उपभोक्तागण इन दोनों उत्पादों का प्रयोग अन्तर्निमेय रूप से नहीं कर सकते हैं।

vii. तनु फिल्म और स्फाट उत्पाद समरूप उत्पाद नहीं हैं। यूएस आईटीसी ने अपने जांच परिणाम में यह उत्पादित किया कि स्फाट और तनु फिल्म उत्पाद असमान उत्पाद हैं। यूरोपीय आयोग ने भी अपने जांच परिणामों में यह प्रेक्षण किया है कि तनु फिल्म पीवी उत्पादों के भौतिक, रासायनिक और तकनीकी गुण-धर्मों की तुलना संबंधित उत्पाद से नहीं की जा सकती है और उन्हें उत्पाद की परिभाषा से सपष्ट रूप से अपवर्जित कर दिया गया है। भारतीय निर्दिष्ट प्राधिकारी को भी तदुसार कार्य करना चाहिए।

viii. याचिकाकर्ताओं ने तर्क दिया है कि स्फाट और तनु फिल्म का भारत में प्रयोग अन्तर्निमेय रूप से किया गया है। यह अभिकथन तथ्यात्मक रूप से सही नहीं है। उपभोक्ताओं के लिए यह संभव नहीं है कि वे तनु फिल्म और स्फाट माइयूलों का प्रयोग अन्तर्निमेय रूप से कर सकें। परियोजना की संकल्पना करने के स्तर पर विकासकर्ता को दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच विकल्प का चयन करने की सुविधा होती है तथापि विकासकर्ता द्वारा दोनों प्रौद्योगिकियों में से एक का चयन कर लेने और बैलेंस ऑफ सिस्टम सहित उत्पादों का ऑर्डर दे देने के पश्चात विकासकर्ता के लिए अन्य तकनीकी का प्रयोग करना संभव नहीं होता है।

ix. तनु फिल्म का प्रतिस्थापन पुनर्स्थापन स्तर पर स्फाट माइयूलों के साथ करना संभव नहीं है। जहां तक विस्तार का संबंध है यदि ये दोनों पृथक संवर्धन हैं तो विकासकर्ता इन दोनों उत्पादों का वैकल्पिक रूप से प्रयोग कर सकता है। तथापि, यदि इन दोनों विस्तारों को मौजूदा परियोजना से जोड़ दिया जाता है और कुछ संतुलन प्रणाली को मौजूदा परियोजना के साथ हिस्सेदारी कर दी जाती है तो उपभोक्तागण तनु फिल्म का पुनर्स्थापन स्फाट के साथ और स्फाट का पुनर्स्थापन तनु फिल्म के साथ नहीं कर सकते हैं।

x. याचिकाकर्ताओं ने यह तर्क दिया है कि स्फाट सैल/माइयूल और तनु फिल्म उत्पाद परियोजना स्तर पर कीमत के रूप में तुलनीय हैं। स्फाट सैलों/माइयूलों और तनु फिल्म के बीच परियोजना स्तर पर कोई भारी अंतर है या नहीं, इसका यह निर्धारण करने के लिए कोई महत्व नहीं है कि इन दोनों के बीच उत्पाद स्तर पर कोई भारी अंतर है या नहीं। तथापि, यह तथ्य कि दोनों उत्पाद परियोजना स्तर

पर कीमत में तुलनीय होते हैं, इसका आशय यह नहीं है कि दोनों उत्पाद स्तर पर कीमत के रूप में तुलनीय हैं।

- xii. स्फाट और तनु फिल्म सर्वोत्तम वैकल्पिक उत्पाद होते हैं और वे समान उत्पाद नहीं हैं। एक वैकल्पिक वस्तु "अन्य वस्तु" होती है जो एक दूसरे से गुण-धर्मों में भिन्न होती है परन्तु वह समान कार्यों का निष्पादन करती है और उसका प्रयोग किया जा सकता है। वैकल्पिक वस्तु भी समान अपेक्षा को पूरा करती है। वैकल्पिक उत्पाद के रूप में वे समान प्रयोग को पूरा कर सकते हैं। तथापि, वे ऐसे समान उत्पाद नहीं होते हैं जिनका समान उपयोग किया जा सकता हो।
- xiii. तनु फिल्म की कीमतें स्फाट की कीमतों से कम होती हैं। ऐसा होने के बावजूद भी भारत में अधिकांश आयात स्फाट सैलों का किया जाता है। तनु फिल्म का भारी आयात यह दर्शाता है कि यह परियोजना विकासकर्ताओं को उत्पादव्यवस्था केवल एक वैकल्पिक उत्पाद है। यदि ये सभी उत्पाद वास्तविक रूप में पूर्णतया प्रतिस्थापनीय होते तो आयातों की संपूर्णता अथवा कम-से-कम अधिकता तो तनु फिल्मों के उत्पादों की होती।
- xiv. यह निर्विवाद है कि तनु फिल्म और स्फाट उत्पाद एक-दूसरे के प्रतिस्पर्धी उत्पाद हैं। तथापि सभी प्रतिस्पर्धी उत्पाद समान उत्पाद नहीं होते हैं। वास्तव में सभी प्रतिस्पर्धी उत्पादों को समान उत्पाद की श्रेणी में नहीं रखा जा सकता है जबकि सभी समान उत्पाद प्रतिस्पर्धी उत्पाद हो सकते हैं।
- xv. न्यू ऐज माइयूल्स, 4 बस बार सोलर सैल नवाचारी टेक्नोलॉजी सहित क्वार्टक माइयूल, बीआईपीवी माइयूल और एंडिस सोलर होम सिस्टम, नामक माइयूल जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, का विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए। न्यू ऐज माइयूलों में उच्च गुणवत्ता और निष्पादन मिश्रित होता है, नवाचारी 4 बस बार सोलर सैल टेक्नोलॉजी सहित क्वार्टक माइयूल में बस बारों के बीच धारा पारेषण पथ का अभाव होता है जिसके कारण सैल अवरोधन में कमी आती है और माइयूल आउटपुट में 3% तक वृद्धि होती है, बीआईपीबी माइयूल जो दोहरे न्यून लौह टैम्पर्ड ग्लास, जिनकी सोलर सैल्स के बीच में लेमिनेशन होता है, छतों, स्कार्फलाइट्स और/या फैकेइस के लिए आदर्श होते हैं और एंडीज सोलर होम सिस्टम्स ऑफ-ग्रिड सोलर पॉवर सिस्टम होते हैं जो घरों और समुदायों को विद्युत प्रदान करते हैं परन्तु जिन तक विद्युत या आपातकाल में पहुंच नहीं होती है। 280 वाट से अधिक की उत्पाद लाइनों अथवा 16.5% से अधिक की कार्यकुशलता वाली उत्पाद लाइनों का भी अपवर्जन विचाराधीन उत्पाद के दायरे से कर दिया जाना चाहिए क्योंकि घरेलू उद्योग इनका विनिर्माण नहीं करता है। विशेषीकृत उत्पाद अर्थात् क्यूएसएआर II (मोनो क्रिस्टलिन) और डब्ल्यूएआरएटीएच (बहु क्रिस्टलिन) का भी विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए।
- xvi. भारतीय उत्पाद निम्न गुणवत्ता वाले उत्पाद होते हैं और निर्यातकों द्वारा दी गई वारंटी काफी लम्बी अवधि जैसे कि 25 वर्षों से अधिक तक की अवधि की होती है।

- xvii. पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण केवल माइयूलों पर किया जाना चाहिए न कि सैलों पर। भारतीय सोलर सैल विनिर्माण 700 मेगावाट के लगभग होता है तथापि माइयूल विनिर्माण 1250 मेगावाट के लगभग होता है। सौर विनिर्माताओं की क्षमता कम होने और उनका उपयोग कम होने के कारण माइयूल विनिर्माण क्षमता उपयोग कम होता है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

10. जांच की प्रक्रिया के दौरान विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण और बे-प्रस्तुतिकरण जिनको प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया, निम्नलिखित है:-

i. उत्पाद दायरे को समुचित रूप से परिभाषित किया जाता है। यह कहने का कोई विधिक आधार नहीं है कि जांच शुरूआत के समय विचाराधीन उत्पाद को ठंडे बस्ते में डाल दिया जाना चाहिए। जांच शुरूआत अधिसूचना में विचाराधीन उत्पाद को समुचित रूप से परिभाषित किया जाता है और इसमें कोई संदेह नहीं रहता है। प्रथमवृष्ट्या वाक्यांश का प्रयोग विचाराधीन उत्पाद को अपरिभाषित और अस्पष्ट नहीं छोड़ता है।

ii. विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) माइक्रोल्स या पैनल्स में अथवा कॉच या कुछ अन्य विकृत्यों पर पूर्णतया या आंशिक रूप से असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सोलर सैल हैं।

iii. इस तर्क का कोई आधार नहीं है कि सोलर सैल और माइक्रूल पृथक उत्पाद हैं। सौर सैल एक ठोस विद्युत डिवायस होती है जो सौर प्रकाश को फोटो-बाल्टिक प्रभाव द्वारा सीधे विद्युत में परिवर्तित करती है। सौर सैलों का व्यावहारिक प्रयोग करने के लिए पैनलों/माइक्रूलों में परिवर्तित किया जाता है। एक माइक्रूल और कुछ नहीं सौर सैलों का एक अनुविन्यास होता है। यूरोपियन यूनियन ने चीन जन.गण. के विरुद्ध चल रही अपनी जांच में सैलों और माइक्रूलों को एक उत्पाद के रूप में माना है।

iv. भारत में सौर सैलों का विनिर्माण दो प्रौद्योगिकियों के जरिए किया जाता है अर्थात् स्फाट सिलिकान प्रौद्योगिकी और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी। इन दोनों प्रौद्योगिकियों के जरिए उत्पादित सौर सैलों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे में शामिल किया जाता है। इस विचाराधीन उत्पाद में स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के सौर सैल शामिल हैं। दोनों तकनीकों से उत्पादित सौर सैलों का समान अंतिम उपयोग होता है और वे दोनों समान उत्पाद होते हैं क्योंकि दोनों ही प्रौद्योगिकियां आधारभूत कच्चे माल के रूप में सेमीकंडक्टर सामग्री का प्रयोग करती हैं। सी-एसआई प्रौद्योगिकी अथवा स्फाट प्रौद्योगिकी के अंतर्गत स्फाट सिलिकान वेफर आधारित सोलर सैलों का निर्माण पृथक रूप से किया जाता है। एक विकृत्य पर विभिन्न सैलों का मोजेइक तैयार किया जाता है और फिर उन सैलों को तांबे(सीयू) रिबन द्वारा अन्तर्संयोजित किया जाता है और ईवीए तथा पृष्ठ शीट का प्रयोग करके उनका प्रावरण किया जाता है। तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के अन्तर्गत सेमीकंडक्टर सामग्री को एक विकृत्य पर जमा किया जाता है और फिर उन्हें सैलों के मोजेइक में स्क्राइब किया जाता है और धातु के संयोजक द्वारा उन सैलों को अन्तर्संयोजित किया जाता है और उनका माइक्रूल निर्माण के लिए ईवीए और बैक शीट के साथ प्रावरण किया जाता है। दोनों ही उत्पाद समान दिखाई देते हैं। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत विनिर्मित सौर सैल विद्युत उत्पादन करने के लिए फोटो इलैक्ट्रिक प्रभाव का प्रयोग करके समान सिद्धांत पर प्रचालन करते हैं। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के सोलर सैलों का प्रयोग फोटोबाल्टिक विद्युत प्रणाली बनाने के लिए किया जाता है जो विद्युत उत्पादन करते हैं। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत विनिर्मित सौर सैल विद्युत का अपेक्षित दिशा में पारेषण करने के लिए पी-एन-जंक्शन डायोड का प्रयोग करते हैं। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत करना फोटोबाल्टिक विद्युत प्रणाली का विनिर्माण संबंधित माइक्रूलों अर्थात् सी-एसआई माइक्रूल या ए-एसआई माइक्रूल का अन्तर्संयोजन करके किया जाता है। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत इन माइक्रूलों का अन्तर्संयोजन करने के लिए केबल्स, इन्वर्टर, स्विचों, संयोजन बॉक्सों आदि का प्रयोग किया जाता है। इन मर्दों को पीवी पावर प्रणाली को पूरा करने के लिए 'प्रणाली संतुलन' (वीओएस) के रूप में जाना जाता है। दोनों तकनीकों का प्रयोग करके विनिर्मित माइक्रूलों को रूफ-टॉप या ऊंचाई पर फिट किया जाता है। उनकी साझा प्रतिस्थापन एवं कमीशनिंग टीम होती है और मूल्य श्रृंखला में साझा बीओएस प्रदायक होते हैं।

v. भारतीय बाजार में मुख्यतः केन्द्रीय सरकार की जवाहरलाल नेहरू राष्ट्रीय सौर मिशन या संबंधित राज्य सरकारों की अन्य स्कीमों के अंतर्गत स्थापित सौर ऊर्जा परियोजनाएं हैं। इन परियोजनाओं में सौर सैल जमीन पर ऊंचाई पर लगाए गए हैं। इन विद्युत संयंत्रों से उत्पादित विद्युत को राष्ट्रीय या क्षेत्रीय ग्रिड से जोड़ा जाता है। उन्हें 'ऑन-ग्रिड' बाजार के नाम से भी जाना जाता है। रूफ-टॉप प्रणाली के लिए भी बाजार है जिसे ग्रिड से नहीं जोड़ा जाता है, इन्हें 'आफ-ग्रिड' प्रणाली कहा जाता है। भारत में जमीन के ऊपर लगाई गई ऑन-ग्रिड सौर-विद्युत प्रणाली का वर्ष 2011-12 की अवधि के

दौरान वर्तमान आकार लगभग 445.55 मेगावाट है। रूफ-टॉप आधारित ऑफ-ग्रिड प्रणाली का बाजार बहुत कम है और वह लगभग 11 मेगावाट है। ऑन-ग्रिड बाजार में प्रौद्योगिकी के लिए विवेकी अधिमानता नहीं है। अंतिम प्रयोक्ताओं को कोई भी प्रौद्योगिकी का प्रयोग करने पर कोई प्रतिबंध नहीं है। वास्तव में किसी भी प्रौद्योगिकी के सोलर सैलों का प्रयोग करके विद्युत परियोजना विनिर्मित की जा सकती है। इन विभिन्न प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करके विनिर्मित परियोजनाओं के लिए जेएनएनएसएम या विभिन्न राज्यों के अंतर्गत सभी परियोजनाओं में न तो किसी प्रौद्योगिकी में अंतर किया गया है और न ही पृथक नीलामी कीमत प्रदान की गई है। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के सौर सैल अंतर्निर्मित हैं और उनका इन विद्युत परियोजनाओं में एक साथ प्रयोग किया जाता है।

- vi. ऑफ-ग्रिड बाजार के लिए भी प्रौद्योगिकी की कोई अधिमानता नहीं है। सरकार द्वारा प्रदान की गई पूंजीगत इमदाद आकार एवं अनुप्रयोग पर आधारित होती है और उसका प्रयोग की गई प्रौद्योगिकी से कोई लेना-देना नहीं होता है। राष्ट्रीय सौर मिशन नीति दस्तावेज स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी दोनों का ही विनिर्देशन करते हैं कि इन दोनों का प्रयोग किया जा सकता है और प्रत्येक के लिए इनमें अपेक्षित स्पष्टीकरण का भी उल्लेख किया गया है। अतः परियोजना विकासकर्ताओं को किसी भी प्रौद्योगिकी में से एक का चयन करने के लिए कोई विशिष्ट अधिमानता नहीं होती है और वे इन दोनों प्रौद्योगिकियों का प्रयोग समान परियोजनाओं के अंतर्गत एकसाथ और अंतर्निर्मित रूप से प्रयोग करते हैं।
- vii. दोनों ही प्रौद्योगिकियों के सौर सैलों की विक्री समान वितरण सारणियों के माध्यम से की जाती है और उनका ग्राहकों का भी एक निश्चित समूह होता है जो मुख्यतः बड़े पैमाने के सौर विद्युत परियोजना विकासकर्ता होते हैं।
- viii. स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकियों के सौर सैलों का प्रयोग विद्युत परियोजनाओं में समान रूप से किया जा सकता है और वे दोनों एक दूसरे के समान प्रतिस्थापित होते हैं। तनु फिल्मों का पाटनरोधी शुल्क के दायरे से अपवर्जन कर दिए जाने की स्थिति में क्रेताओं की पसंद केवल तनु फिल्म होगी। इस प्रकार स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी की संबद्ध वस्तु को समान उत्पाद के रूप में माना जाए।
- ix. नीचे उद्धृत की गई यूएसआईटीसी का अंतिम जांच-परिणाम दर्शाता है कि सैल एवं माइयूल दो भिन्न उत्पाद नहीं होते हैं:

“ प्रारंभिक जांच के रिकॉर्ड के आधार पर कमीशन ने सीएसपीवी सैल और माइयूलों (सामूहिक रूप से “सीएसपीवी उत्पादों”) को ऐसे समान एकल घरेलू उत्पाद के रूप में परिभाषित किया है जो जांच के दायरे के अंतर्गत सह-विस्तारी हैं। ऐसा करने में आयोग ने यह विचार किया कि क्या सीएसपीवी सैलों और सीएसपीवी माइयूलों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में माना जाए और ये विचार किया कि क्या “ऑफ-ग्रिड” सीएसपीवी माइयूलों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है या नहीं। किसी भी पक्षकार ने इनमें से किसी भी मद को पृथक घरेलू समान उत्पाद माने जाने के परिणाम के पक्ष में अधिवक्त्रता नहीं की है और आयोग को ऐसा करने के लिए उनके रिकॉर्ड में कोई आधार नहीं मिला। इन अंतिम जांच-परिणामों में किसी भी पक्षकार ने अपनी असहमति व्यक्त नहीं की और रिकॉर्ड में इन प्रारंभिक निर्धारणों से इन दोनों मुद्दों के संबंध में आयोग के जांच-परिणामों का समर्थन जारी रहा। इसके परिणामस्वरूप हम सीएसपीवी सैलों और सीएसपीवी माइयूलों दोनों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में नहीं मानते हैं और न ही हम “ऑफ-ग्रिड” सीएसपीवी माइयूलों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में परिभाषित करते हैं।”

x. एमएनआरई सूचना के अनुसार जेएनएनएसए चरण I परियोजना के बेच-II त(2012-2013) में तनु फिल्म माड्यूलों का प्रयोग लगभग 78% है जो जेएनएनएसएम बैच I (2011-12) में लगभग 51% था, जबकि तनु फिल्म का वैशिक प्रतिष्ठापन लगभग 15% था। अतः सीमित प्रतिस्थापनीयता/अन्तर्निमेयता और स्थान अवरोध/डिजायन/भौतिक विनिर्देशनों आदि के कारण स्फाट प्रौद्योगिकी के लिए प्रयोक्ता अधिमानता का कोई दावा निराधार है।

xi. स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी की भारत में आयातित सम्बद्ध वस्तु घरेलू रूप से विनिर्मित सम्बद्ध वस्तु के समान वस्तु है। अतः, घरेलू उद्योग द्वारा तनु फिल्म का उत्पादन न किए जाने से संबंधित मुद्दा असंगत है।

xii. प्रौद्योगिकी और सहबद्ध प्रक्रियाओं में अन्तर से उत्पाद में कोई अन्तर नहीं आ जाता है। आईटीसी (एचएस) वर्गीकरण के अनुसार " माड्यूल्स या पैनल्स में असेम्बल की गई या असेम्बल न की गई सोर सेल" में स्पष्टतः स्फाट और तनु फिल्म को सेलों आर माड्यूल/पैनल फार्म में कवर किया जाता है।

xiii. तनु फिल्मों का समावेशन किए जाने के संबंध में ईयू और यूएसए मामलों के तथ्य भारतीय मामले से भिन्न हैं। दोनों देशों में आवेदकों ने विचाराधीन उत्पाद के दायरे में तनु फिल्मों का समावेशन करने के लिए कभी भी नहीं कहा। उत्पाद के दायरे में तनु फिल्मों का अपवर्जन/समावेशन करने के संबंध में ईयू एवं यूएसए के निर्णय का भारतीय संदर्भ में कोई महत्व नहीं है क्योंकि वर्तमान जाँच में अन्तर्गस्त विचाराधीन उत्पाद ईयू एवं यूएस जाँच में शामिल विचाराधीन उत्पाद से भिन्न है।

xiv. वर्तमान मामले में प्रतिस्थापनीयता, परियोजना विकाकर्ताओं को सम्बद्ध वस्तु की दो प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता को जो अन्तर्निमेय भी हैं अभिधेय नहीं करती है। विकासकर्ता डिजायन स्तर पर किसी भी प्रौद्योगिकी या किसी भी संयोजन का चयन कर सकते हैं। दो प्रौद्योगिकियों की उपलब्धता इन दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा की स्वयं योतक हैं। डिजायन स्तर पर विकासकर्ता की पसन्द प्राथमिकतः माड्यूल की लागत द्वारा शासित होती है। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अन्तर्गत बीओएस, भूमि आदि की जरूरत पड़ती है। अतः, विकासकर्ता की पसन्द सदैव पाटित सामग्री का स्रोत होती है। इस प्रकार, सीएसपीवी, एवं तनु फिल्में एक दूसरे की प्रतिस्थापनीय हैं।

xv. स्फाट एवं तनु फिल्मों की लागत उत्पाद या परियोजना स्तर पर तुलनीय हैं, हालांकि तनु फिल्मों की लागत कुछ कम होती है। चूंकि दोनों ही प्रौद्योगिकियों की लागत परियोजना स्तर पर तुलनीय होती है इसलिए विकासकर्ता सदैव ही प्रौद्योगिकी पर ध्यान दिए बिना कम कीमत वाले पाटित उत्पाद के विकल्प का चयन करता है। अतः तनु फिल्मों पर पाटनरोधी शुल्क न लगाने से तनु फिल्मों के आयात में सम्पूर्ण परिवर्तन आ जाएगा।

xvi. वे सम्बद्ध वस्तुएं, जिनका भारत में पाटन किया जा रहा है, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु के समरूप हैं। पाटित आयातों और घरेलू रूप से उत्पादित सम्बद्ध वस्तु के तकनीकी विनिर्देशनों, प्रकार्यों एवं अन्तिम प्रयोग में कोई खास ज्ञात अन्तर नहीं है। अतः, घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तु, सम्बद्ध देशों से पाटित वस्तुओं के 'समान वस्तु' हैं। पाटित वस्तुओं तथा याचिकाकर्ताओं द्वारा विनिर्मित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई अन्तर नहीं है। दोनों ही वस्तुएं वाणिज्यिक एवं प्रौद्योगिकी के रूप में प्रतिस्थापनीय एवं अन्तर्निमेय हैं, इसलिए उन्हें पाटनरोधी नियमों के अन्तर्गत 'समान वस्तु' के रूप में माना जाना चाहिए।

xvii. विचाराधीन उत्पाद में तनु फिल्म का समावेशन किए जाने के संबंध में निर्यातकों, खासकर चीन के निर्यातकों को, का तर्क उनके द्वारा सौर सेलों के संबंध में पाटनरोधी जाँच में यूएसए में अभिव्यक्त विचारों के विपरीत है। चीन के निर्यातकों ने अपनी एसोसिएशन (सीसीसीएमई) के तहत यूएस प्राधिकारी के समक्ष अपना प्रत्युत्तर दायर किया। सीसीएमई ने विचाराधीन उत्पाद में तनु फिल्म को

शामिल किए जाने के संबंध में एक कारणों सहित तर्क दिया। तथापि, भारतीय प्राधिकारी के समक्ष चीन के निर्यातकों ने तर्क दिया कि तनु फिल्म समान वस्तु नहीं है।

xviii. घरेलू उद्योग द्वारा तनु फिल्म उत्पादों का विनिर्माण न किए जाने के संबंध में प्राधिकारी को तनु फिल्म उत्पादों के एक घरेलू उत्पादक अर्थात् मोजर बेअर से संबंधित क्षति सूचना प्रदान कराई गई है। मोजर बेअर पर पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के आशय के अन्तर्गत घरेलू उद्योग के दायरे के अन्तर्गत विचार किया जाना चाहिए। घरेलू उद्योग द्वारा तनु फिल्म उत्पादों का विनिर्माण न किए जाने की पूर्वावधारणा के बिना भी उनका विचाराधीन उत्पाद के दायरे से तब तक अपवर्जन नहीं किया जा सकता है जब तक वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के अन्तर्गत घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित किए जा रहे सम्बद्ध उत्पाद के 'समान उत्पाद' हैं। पाटनरोधी एवं सम्बद्ध शुल्क महानिदेशकलय तथा ईसी जैसी विदेशी एजेन्सियों द्वारा विगत मामलों में इसी दृष्टिकोण का निर्दर्शनकिया गया है कि घरेलू उद्योग द्वारा एक विशिष्ट प्रकार की वस्तु का उत्पादन एक बार 'समान वस्तु' का निर्धारण हो जाने के पश्चात महत्वहीन हो जाता है।

xix. इस तर्क के संबंध में कि सभी घरेलू उत्पादक इन माइयूलों का विनिर्माण नहीं कर रहे हैं, यह नोट किया जाना चाहिए कि सेल एवं माइयूल दो भिन्न उत्पाद नहीं हैं। सेलों का विनिर्माण माइयूलों में प्रयोग करने के लिए किया जाता हा। माइयूल विविध सेलों को साथ-साथ स्थापित करने के ढांचे के अलावा और कुछ नहीं हैं। सेल-दर-सेल और माइयूल-दर-माइयूल आधार पर पाटन/क्षति विशेषण करना युक्तियुक्त नहीं है क्योंकि माइयूलों के आयातों ने सेल उत्पादकों को भी प्रभावित किया होगा और इसके विपरीत भी प्रभाव सम्भव है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

11. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद (पीयूसी) “मलेशिया, चीन जन.गण., चाइनीज ताइपेई और यूएसए में उद्घावित अथवा वहाँ से निर्यातित माइयूल्स या पैनल्स में अथवा कॉच या कुछ अन्य उपयुक्त विकृत्यों पर पूर्णतया या आंशिक रूप से असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सौर सेल हैं”। आवेदक द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार सौर सेलों का विनिर्माण भारत में दो तकनीकों अर्थात् स्फाट सिलिकॉन तकनीक और तनु फिल्म तकनीक के जरिए किया जाता है। दोनों तकनीकों से उत्पादित सौर सेलों को इस विचाराधीन उत्पाद के अन्तर्गत शामिल किया गया है।

12. सौर सेलों को बाजार में फोटोवाल्टिक सेलों के नाम से भी जाना जाता है। फोटोवाल्टिक का आशय सौर प्रकाश का आणविक स्तर पर विद्युत में सीधे परिवर्तन होना होता है। कुछ सामग्री फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव नामक विशेषता को भी प्रदर्शित करती है जिससे वे प्रकाश को फोटोन्स का अवशोषण करने और इलेक्ट्रान्स रिलीज करने में सक्षम होते हैं। जब इन मुक्त इलेक्ट्रान्स का परिग्रहण किया जाता है तो उसके परिणामस्वरूप विद्युतधारा प्रवाहित होती है जिसका प्रयोगविद्युत की तरह से किया जा सकता है। सेमीकन्डक्टर सामग्री जैसे सिलिकॉन, जिसका प्रयोग माइक्रोइलेक्ट्रॉनिक्स उद्योग में किया जाता है, में फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव नामक गुण होता है। जब प्रकाश ऊर्जा इस सेमीकन्डक्टर सामग्री से टकराती है तो इलेक्ट्रान्स को इस सेमीकन्डक्टर सामग्री में अणुओं से मुक्त कर दिया जाता है। यदि विद्युत प्रवाहकों को एक विद्युत परिपथ बनाने वाले घनात्मक और ऋणात्मक साइड को जोड़ा जाता है तो इन इलेक्ट्रान्स का परिग्रहण एक विद्युत प्रवाह अर्थात् विद्युत के रूप में किया जा सकता है। सम्बद्ध वस्तु को सीमाशुल्क वर्गीकरण अध्याय शीर्षक संख्या 85414011 के अन्तर्गत वर्गीकृत किया जाता है। तथापि, यह सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

13. समान वस्तु के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में निम्नलिखित प्रावधान हैः-

“समान वस्तु” का आशय ऐसे वस्तु से हैं जो भारत में पाटित की जा रही जांचाधीन वस्तु के सभी रूपों में समान या समरूप हो या ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य वस्तु जो यद्यपि सभी रूपों में समान न हों परन्तु उसके गुण-धर्म जांचाधीन वस्तु को निकट से प्रतिरूपित करते हों;

14. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित विचाराधीन उत्पाद भौतिक एवं रासायनिक गुण-धर्मों, विनिर्माण प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी, प्रकार्यों एवं प्रयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण और विपणन तथा वस्तु के प्रशुल्क वर्गीकरण जैसे गुण-धर्मों के रूप में तुलनीय हैं। दोनों वस्तुएं वाणिज्यिक एवं तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्तागण इन दोनों वस्तुओं का प्रयोग अदल-बदलकर कर रहे हैं।

15. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैं० इंडो-सॉलर लिमिटेड, मै. वैबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड और मैसर्स जुपिटर सॉलर पावर लिमिटेड नामक घरेलू उत्पादक जो वर्तमान जांच में घरेलू उद्योग हैं, स्फाट सैलों और माइयूलों का उत्पादन करते हैं और वे तनु फिल्मों का विनिर्माण नहीं करते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा किए गए उल्लेख के अनुसार एकमात्र घरेलू उत्पादक जिसकी क्षमता तनु फिल्म का विनिर्माण करने की है और जिसने जांच की अवधि के दौरान बहुत अल्प प्रमाण में तनु फिल्म का विनिर्माण किया है, वह मोजर बेयर की ईकाइयां हैं। तथापि, मोजर बेयर जो संबद्ध देशों में उद्घातित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु का प्रमुख आयातक है, फिर भी उसे नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है। इसलिए घरेलू उद्योग का यह प्रस्तुतिकरण वर्तमान जांच में असंगत है कि मै. मोजर बेयर तनु फिल्म का विनिर्माण करने की क्षमता रखता है और उसने जांच की अवधि के दौरान तनु फिल्म का विनिर्माण किया है।

16. विचाराधीन उत्पाद के दायरे और घरेलू समान वस्तु के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वयारा विभिन्न प्रस्तुतिकरण किए गए हैं और प्राधिकारी द्वारा जिन प्रस्तुतिकरणों को संगत माना गया और जिनकी जांच की गई उनका समाधान निम्नवत् किया गया हैः-

- जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि जांच प्रारंभ करते समय इस विचाराधीन उत्पाद को प्रशीतित कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच शुरुआत अधिसूचना में इस विचाराधीन उत्पाद को एक विस्तृत उत्पाद विवरण देकर स्पष्ट रूप से परिभाषित किया गया है। जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि प्राधिकारी ने इस विचाराधीन उत्पाद को जांच की शुरुआत के समय केवल प्रथमदृष्टया रूप से परिभाषित किया था न कि निर्णायक रूप से, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद और विचाराधीन उत्पाद के दायरे को जांच शुरुआत अधिसूचना में स्पष्ट रूप से एवं व्यापक रूप से परिभाषित किया गया है और इसलिए इस उत्पाद के दायरे के संबंध में कोई संदेह नहीं है।
- जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि उत्पाद के दायरे में सैलों और माइयूलों दोनों को शामिल किया गया है और माइयूल मूल्यसंवर्धित उत्पाद होता है और इसलिए उसे पृथक उत्पाद के रूप में समझा जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सौर सैलों का व्यावहारिक प्रयोग करने के लिए उन्हें पैनलों/माइयूलों आदि जैसे साधनों पर स्थापित किया जाता है और इसलिए वे परस्पर पृथक उत्पाद नहीं हैं। सौलर सैलों का विनिर्माण माइयूलों में प्रयोग करने के लिए किया जाता है। एक सौलर माइयूल/पैनल सौर सैलों का पैकेजड, संयोजित एसेम्बली के अलावा और कुछ नहीं होता है जो फोटोवाल्टिक तकनीक के जरिए विद्युत का उत्पादन करता है। यह भी नोट किया जाता है कि सैलों को माइयूलों/पैनलों में स्थापित करने में कोई बड़ी विनिर्माण प्रक्रिया अन्तर्गत नहीं है अथवा न ही उनका कोई बड़ा मूल्यवर्धन होता है। प्राधिकारी के रिकॉर्ड में उपलब्ध प्रस्तुतिकरण यह दर्शाते हैं कि माइयूलों के भारी संख्या में विनिर्माता इन सैलों का संबद्ध देशों से आयात कर रहे हैं और उनको इन माइयूलों में एसेम्बल कर रहे हैं। प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि सैल और माइयूल

भिन्न उत्पाद नहीं हैं क्योंकि माइक्रॉल या पैनल सैलों का व्यावहारिक प्रयोग करने के लिए इन सैलों के एक पंक्ति व्यूह के अलावा और कुछ नहीं होते हैं।

iii. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चीन से समान उत्पादों के आयात के संबंध में पाटनरोधी जाँच के समय यूरोपियन यूनियन और यूएस प्राधिकारियों के समक्ष भी इसी तरह से तर्क उठाए गए थे। ईयू और यूएस प्राधिकारियों द्वारा अपने जाँच परिणामों में दिए गए निष्कर्षों का उद्धरण अन्य बातों के साथ-साथ यहाँ किया जाता है:-

यूएसआईटीसी जांच संख्या 701-टीए-481 और 731-टीए-1190 नवम्बर, 2012

“ प्रारंभिक जांच के रिकॉर्ड के आधार पर कमीशन ने सीएसपीवी सैल और माइक्रॉलों (सामूहिक रूप से “सीएसपीवी उत्पादों”) को ऐसे समान एकल घरेलू उत्पाद के रूप में परिभाषित किया है जो जांच के दायरे के अंतर्गत सह-विस्तारी हैं। ऐसा करने में आयोग ने यह विचार किया कि क्या सीएसपीवी सैलों और सीएसपीवी माइक्रॉलों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में माना जाए और ये विचार किया कि क्या “ऑफ-ग्रिड” सीएसपीवी माइक्रॉलों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में परिभाषित किया जा सकता है या नहीं। किसी भी पक्षकार ने इनमें से किसी भी मद को पृथक घरेलू समान उत्पाद माने जाने के परिणाम के पक्ष में अधिकता नहीं की है और आयोग को ऐसा करने के लिए उनके रिकॉर्ड में कोई आधार नहीं मिला। इन अंतिम जाँच-परिणामों में किसी भी पक्षकार ने अपनी असहमति व्यक्त नहीं की और रिकॉर्ड में इन प्रारंभिक निर्धारणों से इन दोनों मुद्दों के संबंध में आयोग के जांच-परिणामों का समर्थन जारी रहा। इसके परिणामस्वरूप हम सीएसपीवी सैलों और सीएसपीवी माइक्रॉलों दोनों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में नहीं मानते हैं और न ही हम “ऑफ-ग्रिड” सीएसपीवी माइक्रॉलों को पृथक घरेलू समान उत्पाद के रूप में परिभाषित करते हैं।”

ईसी काउंसिल क्रियान्वयन विनियम (ईयू) संख्या 1238/2013 दिनांक 2 दिसंबर, 2013

(33) हितबद्ध पक्षकारों ने यह उल्लेख किया है कि सैल और माइक्रॉल एकल उत्पाद नहीं हैं और इसलिए उनका पृथम से आकलन किया जाना चाहिए, इन बार-बार दोहराए गए तर्कों का अनन्तिम विनियमन संख्या (27) से (39) में पहले ही निराकरण कर दिया गया है। वेर्फरों के असमान, सैल और माइक्रॉल दोनों के समान गुण-धर्म होते हैं अर्थात् दोनों में ही सौर प्रकाश से विद्युत उत्पादन करने की क्षमता होती है। इसलिए इन तर्कों को खारिज कर दिया गया।

iv. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के जरिए उत्पादित संबद्ध वस्तु को जांच के दायरे से अपवर्जित कर दिया जाना चाहिए क्योंकि वे समान वस्तु नहीं हैं, प्राधिकारी ने इन तर्कों की जांच निम्नवत् की है:-

(क) संबद्ध वस्तु का उत्पाद दो तकनीकों अर्थात् स्फाट फोटोवाल्टिक तकनीक और तनु फिल्म तकनीक से किया जाता है। फोटोवाल्टिक प्रणाली में सौर विकिरणों को विद्युत में परिवर्तन करने के लिए सैलों का प्रयोग किया जाता है। इन सैलों में एक सेमीकन्डक्विटंग सामग्री की परत होती है। जब रोशनी इन सैलों पर चमकती है तो वह इन परतों के आर-पार एक विद्युत क्षेत्र बनाती है जिससे विद्युत प्रवाह होता है। स्फाट सिलिकॉन सैलों का विनिर्माण सिलिकान के एक एकल क्रिस्टल से एक पतला स्लाइस काटकर या सिलिकान क्रिस्टलों के ब्लॉक से किया जाता है। तनु फिल्म सोलर सैल, जिसे तनु फिल्म फोटोवाल्टिक सैल (टीएफपीवी) भी कहा जाता है, एक ऐसा सौर सैल होता है जिसका विनिर्माण एक विकृत्य, अधिमानतः कांच से बने हुए, पर फोटोवाल्टिक सामग्री की एक या उससे अधिक तनु परतें (तनु फिल्म) जमा करके किया जाता है।

(ख) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जाँच के प्रयोजनार्थ परिभाषित विचाराधीन उत्पाद में स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी दोनों ही संबद्ध वस्तु को शामिल किया गया है। दोनों प्रौद्योगिकियों की संबद्ध वस्तु को समान आईटीसी(एचएस) उपरीषक अर्थात् 85414011 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि दिनांक 13 दिसंबर, 1996 के व्यापार सूचना प्रौद्योगिकी उत्पाद की मंत्रीस्तरीय घोषणा संख्या डब्ल्यूटी/एमआईएन(96)/16 के तहत भारत और अन्य डब्ल्यूटीओ सदस्यों के बीच किए गए सूचना प्रौद्योगिकी करार में दोनों प्रौद्योगिकियों की संबद्ध वस्तु अप्रतिम शीर्षक के अंतर्गत अर्थात् माइयूलों में या पैनलों में बने, असेम्बल किए या असेम्बल न किए गए फोटोवाल्टिक सैल के रूप में सूचीबद्ध किया गया है। अतः समान उत्पाद होने के नाते उसका भारत में बिना किसी सीमाशुल्क के आयात किया जाता है।

(ग) प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि यद्यपि उत्पादन प्रौद्योगिकी, आधारभूत कच्चे माल और उत्पादन प्रक्रिया में अंतर होते हुए भी इन दोनों प्रौद्योगिकियों की संबद्ध वस्तु में कई समान गुण-धर्म हैं जैसे दोनों प्रौद्योगिकियों में सेमीक्रॉन्डक्टर सामग्रीयुक्त फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव का प्रयोग किया जाता है जिसमें कच्चे माल की आधारभूत प्रकृति समान रहती है। अन्तर्गत उत्पादन प्रक्रिया भिन्न है परन्तु दोनों ही समान सिद्धांतों का प्रयोग करती हैं अर्थात् फोटोइलेक्ट्रिक प्रभाव से विद्युत उत्पादन करती हैं। इसके अतिरिक्त दोनों प्रौद्योगिकियों से उत्पादित परिष्कृत उत्पाद के समान गुण होते हैं जैसे उनका प्रयोग माइयूलों या पैनलों के रूप में किया जाता है और दोनों ही समान सिद्धांत अर्थात् फोटोवाल्टिक विद्युत उत्पादन पर प्रचालन करते हैं। इसके अतिरिक्त दोनों तकनीकों द्वारा उत्पादित उत्पाद आधारभूत गुण-धर्मों और प्रकार्यात्मक प्रयोगों में भी समान होता है।

(घ) प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि इन समानताओं को पारेषण क्रियापद्धति में भी देखा जा सकता है अर्थात् दोनों प्रौद्योगिकियों से विनिर्मित संबद्ध वस्तु अपेक्षित दिशा में विद्युत का पारेषण करने के लिए पी-एन-जंक्शन का प्रयोग करती है, दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अन्तर्गत फोटोवाल्टिक विद्युत प्रणाली का विनिर्माण संबंधित माइयूलों अर्थात् स्फाट माइयूल या तनु फिल्म माइयूल का अंतरसंयोजन करके किया जाता है। दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत इन माइयूलों का अन्तर्संयोजन करने के लिए केबल्स, इन्वर्टर, स्विचों, संयोजन बॉक्सों आदि का प्रयोग किया जाता है। इन मर्दों को पीवी पावर प्रणाली को पूरा करने के लिए 'प्रणाली संतुलन' या बीओएस के रूप में जाना जाता है। दोनों तकनीकों का प्रयोग करके विनिर्मित माइयूलों को रूफ-टॉप या ऊंचाई पर फिट किया जाता है।

(ङ) यह भी नोट किया जाता है कि स्फाट माइयूलों और तनु फिल्म माइयूलों का कार्यकुशलता स्तर समान नहीं है क्योंकि ऐसा उल्लेख किया जाता है कि स्फाट माइयूलों का कार्यकुशलता स्तर तनु फिल्म कार्यकुशलता स्तर की तुलना में बहुत अधिक होता है। यह भी उल्लेख किया गया है कि कार्यकुशलता स्तर में यह अंतर इन दोनों प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत 5% से 7% के बीच होता है और कार्यकुशलता में इस अंतर के कारण तनु फिल्म प्रौद्योगिकी में समान आउट-पुट प्राप्त करने के लिए माइयूलों की अधिक जरूरत पड़ती है। तथापि कार्यकुशलता स्तर में अंतर से यह स्पष्ट नहीं होता है कि स्फाट माइयूल और तनु फिल्म माइयूल दो भिन्न उत्पाद हैं। यह भी सुस्थापित सिद्धांत है कि गुणवत्ता और तथाकथित कुशलता पाटनरोधी जांच में विचाराधीन उत्पाद के दायरे को परिभाषित करने के लिए संगत नहीं होते हैं। चूंकि दोनों प्रौद्योगिकियों से उत्पादित उत्पाद का प्रयोग अन्ततः सौर प्रकाश से विद्युत उत्पादन करने के लिए किया जाता है। इसलिए उपभोक्तागण यह मानते हैं कि स्फाट और तनु फिल्म उत्पाद दोनों एकल उत्पाद हैं। इसलिए सामान्य व्यक्ति यही जानता है कि स्फाट और तनु फिल्म उत्पाद दोनों बाजार में एक-दूसरे के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं और इसलिए कार्यात्मक रूप से वे प्रतिस्थापनीय हैं।

(च) पुनः यह नोट किया जाता है कि दोनों प्रौद्योगिकियों से उत्पादित संबद्ध वस्तु एक दूसरे की प्रतिस्थानी है और इनमें से किसी भी प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके सौर विद्युत संयंत्र की स्थापना की जा सकती है अथवा प्रौद्योगिकी के रूप में डिजाइन स्तर पर इन दोनों के पृथक संयोजन का अंतिम प्रयोक्ता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।

(छ) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जिन उपभोक्ताओं के पास जगह का अवरोध होता है वह तनु फिल्म का प्रयोग नहीं कर सकते हैं और इसलिए इन दोनों प्रौद्योगिकियों की सीमित प्रतिस्थापनीयता होती है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बड़ी-बड़ी सौर परियोजनाओं के लिए भारत में जगह की कमी होना कोई बड़ा अवरोध नहीं है। इसके अतिरिक्त, दोनों प्रौद्योगिकियों के सौर सैलों का प्रयोग जमीन पर तथा रूफ-टाप दोनों जगहों पर किया जा सकता है। इसलिए यह तर्क देना कि तनु फिल्मों का प्रयोग करने के लिए अधिक जगह की आवश्यकता तनु फिल्मों को स्फाट सौर सैलों से भिन्न बना देती है, संधारणीय नहीं है।

(ज) इसके अतिरिक्त, आयातों की अवसारित कीमत यह दर्शाती है कि उपभोक्ताओं को यह सामग्री तुलनीय कीमतों पर प्राप्त हो रही थी जिससे यह संकेत मिलता है कि स्फाट और तनु फिल्म उत्पादों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है। दोनों प्रौद्योगिकियों का प्रयोग करके उत्पादित संबद्ध वस्तु के बीच वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीयता भी स्पष्ट है क्योंकि स्फाट सौर सैल माड्यूलों और तनु फिल्मों के बीच कीमत अंतर बहुत अधिक नहीं है।

(झ) प्राधिकारी इस तथ्य को भी नोट करते हैं कि भारत में तनु फिल्म उत्पादों की शुरुआत उस समय अधिक कीमत वाले स्फाट प्रौद्योगिकी की तुलना में सस्ते समाधान के रूप में की गई थी। तथापि, सिलिकान वेफर्स की कीमतों में कमी होने के कारण स्फाट और तनु फिल्म उत्पादों की लागत और कीमतों के बीच अंतराल में कमी आई। आयात सूचना दर्शाती है कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से स्फाट माड्यूलों का आयात लगभग 53 रु./वाट पर किया गया था जबकि संबद्ध देशों से तनु फिल्म का आयात 51 रु./वाट पर किया गया था जो दोनों ही प्रौद्योगिकियों के उत्पादों की बीच निकटता और सानिध्य दर्शाती है। जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत में संबद्ध वस्तु के कुल आयातों में से लगभग 25% आयात तनु फिल्म उत्पादों के थे।

(ज) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि माड्यूल से माड्यूल आधार पर और प्रौद्योगिकियों के बीच सीमित अंतरनिमेयता हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच सीमित अंतरनिमेयता है क्योंकि प्रयोक्ता को माड्यूलों में परिवर्तन करते समय प्रणाली संतुलन में परिवर्तन करना पड़ता है। तथापि, सीमित अंतरनिमेयता को स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी की समानता को भंग करने वाले एक महत्वपूर्ण कारक के रूप में नहीं देखा जा सकता है क्योंकि इस उत्पाद की प्रकृति यह सुझाव देती है कि मौजूदा सफाट परियोजना से तनु फिल्म परियोजना में विकासकर्ता द्वारा परिवर्तन के अवसर लगभग भामक होंगे क्योंकि इसका कोई औचित्य नहीं है। प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच प्रतिस्थापनीयता होने पर दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच सीमित अंतरनिमेयता से यह स्पष्ट नहीं हो जाता है कि स्फाट और तनु फिल्म सौर सैल दोनों भिन्न उत्पाद हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने इस आशय का कोई प्रमाण नहीं दिया है कि केवल स्फाट उत्पादों पर शुल्क का अधिरोपण करने से स्फाट उत्पादों का आयात कम होकर तनु फिल्म उत्पादों का आयात अधिक होने लगेगा और बाजार में स्फाट उत्पादों के स्थान पर तनु फिल्म का प्रयोग नहीं होगा।

(ट) प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि विभिन्न प्रौद्योगिकियों के कारण अंतिम उत्पाद भिन्न नहीं हो जाते हैं और इस जांच में विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित करने के प्रयोजनार्थ स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकियों के संबद्ध उत्पादों को समान वस्तु के रूप में माना जाना अपेक्षित है। इसका निर्धारण करते समय प्राधिकारी ने यह स्वीकार किया है कि स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी संबद्ध वस्तु में (क) तकनीकी (ख) आधारभूत कच्चे माल का प्रयोग (ग) उत्पादन प्रक्रिया (घ) संयुक्त एवं मशीनरी (ड.) प्रणाली संतुलन और (च) कार्यकुशलता स्तर का अंतर होता है। तथापि, प्राधिकारी ने अपना भरोसा निम्नलिखित निर्णयक समानताओं और कारकों पर धारित किया है जिससे यह स्पष्ट हो सके कि स्फाट और तनु फिल्म उत्पाद समान वस्तु हैं और इसलिए प्रतिस्थापनीय हैं:

- i. प्रौद्योगिकी में अंतर किसी भी प्रौद्योगिकी के जरिए सौर पैनलों के प्रयोग में कोई अंतर या अवरोध उत्पन्न नहीं करती है;

ii. यद्यपि प्रौद्योगिकी में अंतर है फिर भी दोनों प्रौद्योगिकियों में अपनाया गया सिद्धांत समान है अर्थात् सौर प्रकाश को विद्युत में परिवर्तित करने के लिए फोटोवाल्टिक प्रक्रिया;

iii. यद्यपि आधारभूत कच्चे माल में अंतर है फिर भी दोनों प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत प्रयोग किए जाने वाले कच्चे माल के तकनीकी गुण-धर्मों में फोटोवाल्टिक प्रौद्योगिकी के अनुरूप बनने का गुण होता है;

iv. स्फाट सौर सैल सेमीकन्डक्टर पी-एन-जंक्शन डायोड होते हैं जो प्रकाश को विद्युत में परिवर्तित करते हैं। इसीतरह, तनु फिल्म आधारित सौर सैल भी पी-एन-जंक्शन डायोड होते हैं और वे भी प्रकाश को विद्युत में परिवर्तित करते हैं;

v. दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है क्योंकि दोनों प्रौद्योगिकियों के उत्पाद सौर प्रकाश से विद्युत का उत्पादन कर सकते हैं और विकासकर्ता शुरुआती स्तर पर अपनी विद्युत परियोजनाओं के लिए इन दोनों में से किसी भी प्रौद्योगिकी का प्रयोग कर सकते हैं और उसके पश्चात वे समानरूप से स्वतंत्र लाइनों पर कार्य कर सकते हैं।

vi. भारत में तनु फिल्म उत्पादों का आगमन स्तर स्पष्ट है क्योंकि संबद्ध देशों से किए गए कुल आयातों में से तनु फिल्म उत्पादों का आयात लगभग 25% है।

vii. इन दोनों उत्पादों के बीच प्रतिवाट स्तर पर कीमतों में बहुत कम अंतर है जिससे इनकी वाणिज्यिक प्रतिस्थापनीयता और भी अधिक बढ़ जाती है क्योंकि जांच की अवधि के दौरान तनु फिल्म और स्फाट माड्यूलों की अवसारित कीमत में अंतर 5% से भी कम है;

viii. दोनों ही प्रौद्योगिकियों में अंतिम प्रयोक्ता को संबद्ध वस्तु की पेशकश माड्यूलों/पैनलों के रूप में की जाती है;

ix. कीमत/लागत का निर्धारण वाट प्रति यूनिट, सैल/माड्यूलों की कार्यकुशलता जैसे कारकों पर आधारित होती है और दोनों ही प्रौद्योगिकियों के अंतर्गत स्फाट और तनु फिल्म उत्पादों के बीच बाजार में प्रतिस्पर्धा भी सामान्यतः इन्हीं कारकों पर आधारित रहती है;

x. सभी प्रौद्योगिकियों के सौर सैलों को साझा सीमा-शुल्क वर्गीकरण अध्याय शीर्षक 85414011 के अंतर्गत साझा टैरिफ शीर्ष सहित वर्गीकृत किया जाता है;

xi. एक प्रौद्योगिकी के ऐसे उत्पाद पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण, जो दूसरी प्रौद्योगिकी के उत्पाद के साथ प्रकार्यात्मक रूप से प्रतिस्थापनीय हो, करना निरर्थक होगा क्योंकि शून्य शुल्क वाले उत्पाद के शुल्क को बाजार में अन्य के स्थान पर नहीं लगाया जा सकता है;

xii. जेएनएनएसएम परियोजनाओं के लिए एमएनआरई द्वारा निर्धारित घरेलू प्रक्रिया इन दोनों प्रौद्योगिकियों के बीच कोई अंतर नहीं करती है।

v. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि तनु फिल्म प्रौद्योगिकी और स्फाट प्रौद्योगिकी से निर्मित सौर सैल तकनीकी रूप से और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के आशय और दायरे के अंतर्गत समान वस्तु हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चूंकि यह स्पष्ट हो गया है कि तनु फिल्म उत्पाद घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित स्फाट उत्पादों के समान वस्तु हैं इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा तनु फिल्म उत्पादों का उत्पादन न करने का प्रश्न असंगत है।

vi. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने भी यह माना है कि तनु फिल्म और स्फाट प्रौद्योगिकी से बने सौर सैल वैकल्पिक वस्तु हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जब वे दोनों वैकल्पिक वस्तु हैं तो वे एक-दूसरे से प्रतिस्थापनीय हैं।

vii. घरेलू उद्योग द्वारा तनु फिल्म का उत्पादन न किए जाने के संबंध में विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए तर्कों के परिमाण पर विचार करते हुए प्राधिकारी ने कतिपय पाटनरोधी जांच में यूरोपीय आयोग द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया पर भी ध्यान दिया है जो निम्नवत है:-

(क) चीन में उद्धवित कार्गो स्कैनिंग प्रणाली (ईसी सं0 1242/2009, दिनांक 16 दिसंबर, 2009) में विचाराधीन उत्पाद को “न्यूट्रान प्रौद्योगिकी के प्रयोग के आधार पर या 250 केर्डवी या उससे अधिक के किसी एक्सरे स्रोत के साथ एक्सरे के प्रयोग के आधार पर या अल्फा, बीटा या गामा विकिरणों के प्रयोग के आधार पर स्कैनिंग कार्गो प्रणाली” के रूप में परिभाषित किया गया था। अतः इस विचाराधीन उत्पाद में तीन भिन्न प्रौद्योगिकियों अर्थात् न्यूट्रान प्रौद्योगिकी, एक्सरे प्रौद्योगिकी और अल्फा, बीटा या गामा विकिरण प्रौद्योगिकी के आधार पर उत्पादों को शामिल किया गया था। ईसी के अंतर्गत केवल एक घरेलू उत्पादक था और यह तर्क दिया गया था कि न्यूट्रान प्रौद्योगिकी या गामा प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके कार्गो स्कैनर्स का उत्पादन यूरोपीय समुदाय के अंतर्गत नहीं किया जाता था। इस जांच में यूरोपियन कमीशन ने अपनी अंतिम जांच परिणाम में निम्नलिखित निष्कर्ष निकाला था:

(17) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि न्यूट्रान प्रौद्योगिकी के प्रयोग के आधार पर या 250 केर्डवी या उससे अधिक के किसी एक्सरे स्रोत के साथ एक्सरे के प्रयोग के आधार पर या अल्फा, बीटा या गामा विकिरणों के प्रयोग के आधार पर स्कैनिंग कार्गो प्रणाली के आधार पर कार्गो की स्कैनिंग करने के सभी प्रकार की प्रणालियां इस समय सीएन कोड इएक्स 9022 19 00, इएक्स 9022 29 00, इएक्स 9027 80 17 और इएक्स 9030 10 00 के अंतर्गत आते हैं और इस समय सीएन कोड इएक्स 8705 90 90 के अंतर्गत आने वाले मोटर वाहन समान आधारभूत भौतिक एवं तकनीकी गुण-धर्मों की भागीदारी करते हैं, उनका समान आधारभूत अंतिम प्रयोग होता है और वे यूनियन बाजार में एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा करते हैं। उपर्युक्त के आधार पर अनंतिम विनियमन प्रतिकथन (10) से (15) के निर्णयों की एतद्वारा संपुष्टि उस सीमा तक की जाती है कि वे अल्फा और बीटा विकिरण प्रौद्योगिकियों का उल्लेख नहीं करते हैं (जोर दिया गया है)।

(ख) जापान में उद्धवित ब्लैक कलर फार्मर्स के मामले में (काउंसिल रेग्युलेशन(ईसी) सं0 2263/2000) ईसी ने निम्नलिखित धारित किया है:

(33) यह तर्क दिया गया था कि चंकि समुदाय उद्योग ब्लैक कलर फार्मर्स के केवल दो प्रकार के उत्पादों अर्थात् ओडीबी-1 और ओडीबी-2 का उत्पादन करता है इसलिए विचाराधीन उत्पाद समुदाय उद्योग द्वारा उत्पादित प्रकारों तक ही सीमित होना चाहिए।

(34) प्रथमतः, यह नोट किया जाना चाहिए कि पाटनरोधी प्रक्रिया में विचाराधीन उत्पाद और समान उत्पाद को इनके आधारभूत भौतिक, रासायनिक और/या तकनीकी गुण-धर्मों तथा इनके आधारभूत प्रयोगों के संदर्भ में परिभाषित किया जाता है। विचाराधीन उत्पाद अर्थात् जापान से निर्यातित उत्पाद को एक बार परिभाषित कर दिए जाने के पश्चात् यह जांच की जानी चाहिए कि क्या घरेलू रूप से उत्पादित और बिक्री किया गया उत्पाद तथा समुदाय में समुदाय उद्योग द्वारा उत्पादित और बिक्री किया गया उत्पाद विचाराधीन उत्पाद के समान उत्पाद है या नहीं। इस संबंध में यह तथ्य असंगत है कि निश्चित उत्पाद प्रकार का उत्पादन समुदाय में नहीं किया जाता है।

(ग) चीन जनवादी गणराज्य में उद्धवित अथवा वहां से प्रेषित स्फाट सिलिकान फोटोवाल्टिक माइक्रूलों और प्रमुख संघटकों (अर्थात् सैलों) के मामले [काउंसिल इम्प्लीमेंटिंग रेग्युलेशन (ईयू) सं. 1238/2013] में ईसी ने निम्नलिखित धारित किया है:

(49) एक हितबद्ध पक्षकार ने यह दावा किया कि यूनियन में मोनो स्फाट सैलों का उत्पादन नहीं होता है और यह कि मोनो स्फाट सैलों का उनका निर्यात यूनियन उद्योग के साथ प्रतिस्पर्धा नहीं कर रहा है। जांच में यह स्पष्ट हुआ कि यूनियन में मोनो स्फाट सैलों का उत्पादन वास्तव में होता था। इसलिए इस तर्क

को अस्वीकार कर दिया गया। किसी भी मामले में ब्रॉसमान में जनरल कोर्ट ने यह धारित किया कि किसी विशिष्ट उत्पाद प्रकार का समुदाय उत्पादन न होना निर्णायक नहीं है।

(घ) प्राधिकारी ने ब्रासमैन मामले (टी-401/06) जनरल कोर्ट(आठवा चैंबर) के निर्णय को निम्नवत नोट किया है:

“135 पेटेंटिड प्रौद्योगिकी फुटवियर का विनिर्माण करने के लिए पृथक उत्पादन लाइनों की मौजूदगी, उस प्रकार के फुटवियर का समुदाय उत्पादन न किया जाना और पेटेंट की मौजूदगी से संबंधित दिया गया तर्क निर्णायक नहीं है। उपभोक्ता के अवबोधन को विनिर्माण प्रक्रिया स्वतः प्रभावित नहीं करती है इसलिए कई प्रकार के फुटवियर की अन्तर्निमेयता, यदि भौतिक गुण-धर्म और उन उत्पादों के आशयित प्रयोग समान हों तो उसका भी प्रभाव नहीं पड़ता है। यही तथ्य पेटेंटिड प्रौद्योगिकी फुटवियर का समुदाय उत्पादन करने के अभाव में भी सही है क्योंकि निर्णायक प्रश्न यह है कि क्या उस प्रकार का फुटवियर, अपने भौतिक गुण-धर्मों, इसके आशयित प्रयोग के कारण और उस अवबोधन के आधार पर जो उपभोक्तागण इसके संबंध में रखते हैं, समुदाय उत्पादन के फुटवियर के साथ प्रतिस्पर्धा करता है या नहीं। इस संदर्भ में स्पष्टतः यह तर्क कि किसी प्रकार के फुटवियर को पेटेंट का संरक्षण प्राप्त होने से यह संकेत नहीं मिलता है कि समुदाय मूल के उत्पादों के साथ इसकी प्रतिस्पर्धात्मक स्थिति क्या है।

viii. प्राधिकारी ने स्फाट सौर उत्पादकों और तनु फिल्म उत्पादकों के बीच बाजार में प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा को भी नोट किया है। यूएसए से तनु फिल्म उत्पादकों में से एक उत्पादक अर्थात फर्स्ट सॉलर इंक की वर्ष 2011 की वार्षिक रिपोर्ट में किया गया उल्लेख, जिसका उद्धरण नीचे दिया गया है, यह दर्शाता है कि स्फाट और तनु फिल्म उत्पादों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है:

“प्रतिस्पर्धा – नवीकरणीय ऊर्जा, सौर ऊर्जा और सौर माइयूल सैक्टर अत्यधिक प्रतिस्पर्धी हैं और निरंतर रूप से उद्घवित इन सेक्टरों के प्रतिभागी बाजार में अपनी अलग छवि बनाने के लिए और बड़े विद्युत ऊर्जा उद्योग के साथ प्रतिस्पर्धा करने का प्रयास करते हैं। हमें तीव्र प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ता है जिसके परिणामस्वरूप कीमत में भारी कमी, मार्जिन में कमी होती है और बाजार हिस्से की क्षति होती है। हमारी संघटक बिजनेस के संबंध में प्रतिस्पर्धा के हमारे प्रमुख स्रोत इस समय स्फाट सिलिकॉन सौर माइयूल विनिर्माता तथा अन्य तनु फिल्म माइयूल विनिर्माता हैं और वे कंपनियां हैं जो सौर थर्मल एवं सेकेन्डरी पीवी प्रौद्योगिकियों का विकास कर रही हैं। हमारी प्रतिस्पर्धा के मौजूदा या कतिपय भावी प्रतिस्पर्धी ऐसे बड़े-बड़े निगमों के भाग हो सकते हैं जिनके पास भारी वित्तीय साधन हों और उनके ब्रॉड नाम की पहचान हमारे ब्रांड नाम से अधिक हो और इसके परिणामस्वरूप यह हो सकता है कि वे उद्योग या अर्थव्यवस्था में समग्र रूप से होने वाले परिवर्तनों के प्रति अपना अनुकूलन करने में बेहतर स्थिति में हों। ऐसा भी हो सकता है कि कतिपय प्रतिस्पर्धियों की सम्प्रभु पूँजी पर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष पहुंच हो जिसके कारण ये प्रतिस्पर्धी न्यूनतम या ऋणात्मक प्रचालन मार्जिन पर निश्चित अवधि के समय के लिए प्रचालन करने में सक्षम हों।

पीवी माइयूल और सैल विनिर्माताओं के बीच प्रतिस्पर्धा का प्रमुख तरीका प्रतिवाट कीमत, उत्पादन क्षमता, परिवर्तन कुशलता, विश्वसनीयता, वारंटी निबंधन और भुगतान की शर्तें हो सकता हैं। वर्ष 2011 में उद्योग के औसत माइयूल कीमत निर्धारण में भारी कमी आई क्योंकि प्रतिस्पर्धियों ने यूरोप में तथा अन्यत्र मालसूची के जरिए बिक्री करने के लिए अपनी कीमतें घटा दी थीं। यदि प्रतिस्पर्धी अपने माइयूल की कीमतें घटाकर अपनी विनिर्माण लागत के आसपास या उससे कम के स्तर तक कम कर देते हैं अथवा एक निश्चित अवधि के लिए न्यूनतम या ऋणात्मक प्रचालन मार्जिन पर प्रचालन करने में सक्षम होते हैं तो हमारे प्रचालनों के परिणाम पर इसका विपरीत प्रभाव पड़ सकता है। दिनांक 31 दिसंबर, 2011 की स्थिति के अनुसार संपूर्ण विश्व के पीवी उद्योग में सौर माइयूलों और सैलों के 150 से अधिक विनिर्माता थे। औसत रूप से इन सभी विनिर्माताओं ने ऐसी उत्पादन क्षमता संस्थापित की

थी जो वर्ष 2011 में वैशिक मांग की तुलना में बहुत अधिक थी। हमारा विश्वास है कि मांग और आपूर्ति के बीच यह ढांचागत असंतुलन (अर्थात् जहां उत्पादन क्षमता मौजूदा वैशिक मांग की तुलना में बहुत अधिक हो) निकट भविष्य में भी जारी रहेगा और हम उम्मीद करते हैं कि इसके कारण कीमत निर्धारण पर दबाव बना रहेगा जो हमारे प्रचालनों के परिणामों पर विपरीत प्रभाव डालेंगे।”
(एफएसआई की वर्ष 2011 की वार्षिक रिपोर्ट)

ix. वर्तमान जांच में चीन के निर्यातकों ने यद्यपि यह तर्क दिया है कि तनु फिल्म और स्फाट सैलों में अंतर है और उन्होंने जान-बूझकर विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपना अपवर्जन करने के लिए जमीन तैयार कर ली है, तथापि प्राधिकारी चीन के निर्यातकों द्वारा अपनी सीसीसीएमई(एसोसिएशन) के जरिए यूएस प्राधिकारियों के समक्ष किए गए निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण को नोट करते हैं, जैसाकि उसे यूएसआईटीसी अन्तिम जांच परिणाम सं. 701-टीए-481 और 731-टीए-1190, नवंबर, 2012 से नीचे उद्धृत किया गया है:

“प्रारंभिक जांच में प्रतिवादी सीसीसीएमई ने घरेलू समान उत्पाद को तनु फिल्म उत्पाद को शामिल करने के लिए घरेलू समान उत्पाद के दायरे को और अधिक व्यापक रूप से परिभाषित करने की मांग की जिसका याचिकार्ता ने विरोध किया। उस रिकॉर्ड के आधार पर कमीशन ने घरेलू समान उत्पाद में तनु फिल्म उत्पादों को शामिल नहीं किया परन्तु उल्लेख किया कि वह चूंकि इस समय यह एक महत्वपूर्ण प्रश्न है इसलिए इस मुद्दे पर अपने निर्णय के पश्चात पुनः विचार करेंगे।

अंतिम जांच परिणाम में प्रतिवादी सीसीसीएमई ने कमीशन से एक ऐसे घरेलू समान उत्पाद को परिभाषित करने के लिए कहा जिसमें सीएसपीवी सैलों और सीएसपीवी माड्यूलों तथा तनु फिल्म फोटोवाल्टिक उत्पादों (“तनु फिल्म उत्पादों”) को शामिल किया जा सके। आयोग के सामान्य छह-तथ्य विश्लेषण के आधार पर उन्होंने तर्क दिया कि सीएसपीवी और तनु फिल्म उत्पाद समान घरेलू समरूप उत्पाद का हिस्सा हैं। याचिकार्ता सॉलर वर्ल्ड ने यह तर्क दिया कि आयोग को एक ऐसे एकल घरेलू समान उत्पाद को परिभाषित करना चाहिए जिसमें सीएसपीवी सैल और माड्यूल शामिल हों तथा तनु फिल्म उत्पादों को इसमें शामिल न किया जाए।

प्रतिवादी सीसीसीएमई ने तर्क दिया कि सीएसपीवी और तनु फिल्म उत्पाद प्रत्येक में लेमिनेटेड फोटोवाल्टिक परतें होती हैं, हालांकि तनु फिल्म उत्पादों को सिलिकॉन की कम आवश्यकता होती है। उन्होंने नोट किया कि इन दोनों उत्पादों को जंक्शन बॉक्सों में फिट किया जाता है, इन्वर्टरों से जोड़ा जाता है और फिर जमीन के किसी ऊंचे स्थल पर या छत पर बीओएस उपकरण के साथ जोड़ा जाता है। वे यह मानते हैं कि तनु फिल्म उत्पाद बहु और एकल स्फाट सीएसपीवी उत्पादों की तुलना में न्यूनतम कार्यकुशलता रेज प्रति वर्ग मीटर पर सौर प्रकाश को विद्युत में परिवर्तित करते हैं, परन्तु उन्होंने यह तर्क दिया है कि तनु फिल्म उत्पाद गर्म मौसम में और न्यूतर सौर प्रकाश की अवधि के दौरान अधिक कुशलतापूर्वक कार्य करते हैं। वाणिज्यिक रूप से दोनों ही प्रौद्योगिकियां भारी उपयोगिता, वाणिज्यिक और आवासीय रूफ-टॉप अनुप्रयोगों को पूरा करने के लिए स्पष्ट रूप से प्रतिस्पर्धी करती हैं और दोनों की विक्री वाणिज्यिक एवं रिहायशी अनुप्रयोगों के लिए थोक और खुदरा वितरकों के माध्यम से की जाती है अथवा प्रत्यक्ष रूप से की जाती है। यद्यपि एक टेक्नोलॉजी का प्रयोग अन्य के लिए “ड्रॉप-इन-प्रतिस्थानी” के रूप में नहीं किया जा सकता है और दोनों तकनीकियों को किसी विशिष्ट परियोजना में एक-दूसरे के साथ मिलाया नहीं जा सकता है, फिर भी सीसीसीएमई प्रतिवादियों ने यह तर्क दिया है कि वे दोनों अंतर्रनिमेय हैं और नवीन सौर परियोजनाओं तथा सरकारी इमदादों के लिए वे एक-दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धी करती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि उद्योग प्रकाशनों, विपणन ब्रोसरों, वार्षिक रिपोर्टों तथा प्रश्नावली ऑकड़ों के अनुसार उपभोक्तागण एवं उत्पादक यह मानते हैं कि दोनों तकनीकें प्रतिस्पर्धी, खासकर उपयोगिता अनुप्रयोग के लिए प्रतिस्पर्धी हैं। हालांकि वे यह भी

मानते हैं कि उत्पादन सुविधाओं, प्रक्रियाओं और कर्मचारियों के रूप में वहां अतिच्छादन न्यूनतम है। वे यह तर्क देते हैं कि सीएसपीवी और तनु फिल्म उत्पादों की कीमत निर्धारण डॉलर/किलोवाट के रूप में की जाती है और सीएसपीवी सौर प्रणालियां कीमत आधार पर तनु फिल्म सौर प्रणाली के साथ प्रतिस्पर्धा करती हैं फिर भी एक व्यवस्था में तनु फिल्म संघटक सीएसपीवी संघटकों की तुलना में कम महंगे हैं और तनु फिल्म सिस्टमों को समान ऊर्जा प्राप्त करने के लिए प्रतिस्थापित करना सीएसपीवी को प्रतिस्थापित करने की तुलना में बहुत अधिक है। उन्होंने तर्क दिया है कि पॉलीसिलिकॉन की कीमतों में कमी होने के कारण इन दोनों सिस्टमों के कीमत अंतराल में वर्ष 2009 से कुछ कमी आई है। सीसीसीएमई प्रत्युत्तरदाता पैराग्राफ जिसको संक्षेप में पृष्ठ 4-18 में वर्णित किया गया है” [स्रोत: यूएसआईटीसी जांच परिणाम]

x. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि यूएसए और ईयू ने एक समान पाटनरोधी जांच में यह पाया कि स्फाट के सौर सेल और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के सौर सेल दोनों पृथक उत्पाद हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय द्वारा प्रारंभ की गई यह जांच किसी अन्य एजेंसी द्वारा की गई ऐसी जांच से पूर्णतया मुक्त है। तथापि, प्राधिकारी ने यूएस और यूरोप द्वारा विचाराधीन उत्पाद के उत्पाद दायरे से तनु फिल्म उत्पादों का अपवर्जन करने पर ध्यान दिया है। उन्होंने यूएस प्राधिकारियों के समक्ष सीसीसीएमई (एसोसिएशन) के जरिए चीन के निर्यातकों के इस प्रस्तुतिकरण का संज्ञान लिया है कि तनु फिल्म को उत्पाद के दायरे में शामिल किया जाना चाहिए और सीसीसीएमई ने स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के जरिए उत्पादित सौर सैलों के बीच समरूपता लाने का तर्क दिया। चूंकि भारत में आयात की गई संबद्ध वस्तु में तनु फिल्म प्रौद्योगिकी के सौर सैल और स्फाट प्रौद्योगिकी द्वारा उत्पादित सौर सैल को शामिल किया गया है इसलिए इनको विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत सही ही शामिल किया गया है। इसके अतिरिक्त, यूएस और ईयू द्वारा अपनाई गई उत्पाद की परिभाषा जो वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा से बिल्कुल भिन्न है।

ईयू (ईसी)

“(72) उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए उत्पाद के दायरे को चीन जन.गण. में उद्घापित अथवा वहां से निर्यातित स्फाट सिलिकॉन पीवी माइक्रॉलों या पैनलों में प्रयोग किए जाने वाले स्फाट सिलिकॉन पीवी माइक्रॉलों या पैनलों और सैलों के रूप में निर्णायक रूप से परिभाषित किया गया है जब तक कि गॉट के अनुच्छेद के आशय के अन्तर्गत मार्गस्थ न हों। इन सैलों की मोटाई 400 माइक्रोमीटर से अधिक नहीं होती है। यह उत्पाद इस समय सीएन कोड इएक्स 8501 31 00, इएक्स 8501 32 00, इएक्स 8501 33 00, इएक्स 8501 34 00, इएक्स 8501 61 20, 8501 61 80, इएक्स 8501 62 00, इएक्स 8501 63 00, इएक्स 8501 64 00 और इएक्स 8541 40 90 के अंतर्गत आते हैं।

(73) संबंधित उत्पाद की परिभाषा से निम्नलिखित उत्पाद प्रकारों का अपवर्जन किया गया है:

- सौर चार्जर जिसमें छह से कम सैल होते हैं, जो पोर्टेबल हों और किसी डिवाइस या चार्ज बैटरियों को विद्युत की आपूर्ति करते हों,
- तनु फिल्म फोटोवाल्टिक उत्पाद,
- स्फाट, सिलिकॉन फोटोवाल्टिक उत्पाद जो इलेक्ट्रिकल वस्तु में स्थाई रूप से एकीकृत हों, जहां इलेक्ट्रिकल वस्तु का कार्य विद्युत उत्पादन करने के अलावा कोई अन्य कार्य हो और जहां ये इलेक्ट्रिकल वस्तुएं एकीकृत स्फाट सिलिकॉन फोटोवाल्टिक सैल (सैलों) द्वारा उत्पादित विद्युत की खपत करती हों,

- माइयूल्स या पैनल्स जिनका वोल्टेज आउट-पुट 50 वीडीसी से अधिक न हो और समान वोल्टेज और विद्युत गुण-धर्मों के साथ सिस्टम में विद्युत चार्जर के रूप में प्रत्यक्ष प्रयोग के लिए विद्युत आउट-पुट 50 वाट से अधिक न हो।” [कांसिल इम्प्लीमेंटिंग रेग्युलेशन (ईयू) सं. 1238/2013]।

यूएस (यूएसआईटीसी)

“सैल द्वारा उत्पादित विद्युत का संग्रहण करने और प्रेषण करने के लिए किसी वस्तु की सफाई, ईचिंग, कोटिंग और/या उसके संवर्धन (जिसमें कंडक्टर प्रणालियां और उसको कार्यरूप में परिणत करना शामिल हो, परन्तु यह इसी तक सीमित नहीं होगा) शामिल हो परन्तु यह कार्य इसी तक सीमित नहीं होगा, {सीएसपीवी} सैल युक्त मॉड्यूल्स लेमिनेट्स और पैनल्स तथा {सीएसपीवी} सैल्स, चाहे वो आंशिक रूप से या पूरी तरह से अन्य उत्पादों में एसेम्बल किए गए हों या न किए गए हों।

संबद्ध पण्य को आयात के समय अंतिम परिष्कृत उत्पाद के लिए जिसे आयात के पश्चात् असेम्बल किया जाना हो, पार्ट्स के रूप में वर्णित किया जा सकता है, इसमें मॉड्यूल्स, लेमिनेट्, पैनल्स, बिल्डिंग-एकीकृत माइयूल्स, बिल्डिंग-एकीकृत पैनल्स, अथवा अन्य परिष्कृत वस्तु किंतु शामिल होंगी परन्तु यह उसी तक सीमित नहीं रहेगा।

इस जाँच के दायरे से जिनका का अपवर्जन किया गया है उनमें एमारफस सिलिकॉन (ए-एसआई), कैडमियम टेलुराइड (सीडीटीई), या कॉपर इंडियम गैलियम सेलिनाइड (सीआईजीएस) से उत्पादित तनु फिल्म फोटोवाल्टिक उत्पाद शामिल हैं।

इस जाँच के दायरे से जिनका अपवर्जन किया गया है उनमें {सीएसपीवी} सैल्स, जिनका धरातल क्षेत्र 10,000 एमएम² से अधिक न हो, जो स्थाई रूप से ऐसी उपभोक्ता वस्तु में एकीकृत कर दिया गया हो, जिसका कार्य विद्युत उत्पादन के अलावा कोई अन्य कार्य हो तथा जो एकीकृत {सीएसपीवी} सैल द्वारा उत्पादित विद्युत की खपत करता हो। जहां किसी उपभोक्ता वस्तु में एक से अधिक सैलों को स्थाई रूप से एकीकृत किया गया हो, इस अपवर्जन के प्रयोजनार्थ धरातल क्षेत्र उन सभी सैलों का कुल संयुक्त धरातल क्षेत्र होगा जो उपभोक्ता वस्तु में एकीकृत की गई हों।” (जाँच सं. 701-टीए-481 और 731-टीए-1190 (अंतिम)]

xi. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि वर्तमान जाँच जिसमें तनु फिल्म को शामिल किया गया है, का भाग बनने वाले उत्पाद की परिभाषा के असमान, ईयू और यूएस ने अपनी जाँचों में उत्पाद के दायरे में तनु फिल्म को कभी भी शामिल नहीं किया। इस संबंध में ईयू और यूएसजांच परिणामों के संगत उद्धरण, अन्य बातों के साथ-साथ, नीचे उद्धृत किए गए हैं:

ईयू (ईसी)

“(296) जाँच में यह प्रदर्शित हुआ कि यद्यपि तनु फिल्म फोटोवाल्टिक उत्पाद जांचाधीन उत्पाद की तुलना में कम महंगे हैं फिर भी उनका कुल यूनियन सौर बाजार में बाजार हिस्सा बहुत सीमित है क्योंकि उनकी स्फाट सिलिकॉन माइयूलों की तुलना में परिवर्तन क्षमता बहुत कम है और वॉट-आउटपुट भी बहुत कम है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार जाँच अवधि के दौरान कुल यूनियन सौर बाजार की तुलना में तनु फिल्म उत्पादों का बाजार हिस्सा बहुत अधिक नहीं था, इसलिए अनंतिम विनियमों के प्रस्तुतिकरण (208) में अंतिम जाँच-परिणाम की यद्यपि तनु फिल्म उत्पादों और विचाराधीन उत्पाद के बीच कुछ प्रतिस्पर्धा मौजूद रहेगी फिर भी यह संपुष्टि की जाती है कि यह प्रतिस्पर्धा मामूली ही होगी। इन आधारों पर इस संबंध में प्रस्तुत किया गया तर्क नामंजूर करना पड़ा।” [कांसिल इम्प्लीमेंटिंग रेग्युलेशन (ईयू) सं. 1238/2013]।

यूएस (यूएसआईटीसी)

निष्कर्ष: जैसाकि ऊपर नोट किया गया है, प्रारंभिक निर्धारणों में कमीशन ने तनु फिल्म उत्पादों को शामिल करने के लिए घरेलू समान उत्पाद को परिभाषित नहीं किया है। इस अंतिम जांच में हमें घरेलू उत्पादकों, आयातकों और क्रेताओं का इस मुद्दे पर सर्वेक्षण करने का मौका मिला। वर्तमान रिकॉर्ड के आधार पर हम पुनः यह निष्कर्ष निकालते हैं कि तनु फिल्म उत्पादों को सीएसपीवी सैल और सीएसपीवी माड्यूलों की तरह घरेलू समान उत्पाद में शामिल नहीं किया जाना चाहिए। रिकॉर्ड में सीएसपीवी और तनु फिल्म उत्पादों के बीच कई अंतर प्रदर्शित किए गए हैं। विशेष रूप से इन दोनों उत्पादों का विनिर्माण भिन्न कच्चा माल विनिर्माण सुविधा, विनिर्माण प्रक्रिया और उत्पादन कर्मचारियों का प्रयोग करके किया जाता है। दोनों उत्पादों में रासायनिक संघटक, भार, आकार, संपरिवर्तन कार्यकुशलता, आठटपुट, अन्तर्निहित विशेषताओं के रूप में अंतर होता है तथा कुछ अन्य कारक उनकी अन्तिमीयता को उनके डिजाइन चरण के पश्चात् सीमित कर देते हैं और विशिष्ट परियोजनाओं में वितरण सारणियों में, खासकर गैर-उपयोगिता बिक्रियों के लिए, उनकी अतिव्याप्ति सीमित होती है। कई बाजार प्रतिभागियों ने सीएसपीवी और तनु फिल्म उत्पादों का कभी-कभार प्रतिस्पधी के रूप में रिपोर्ट किया है परंतु सामान्यतः वे भिन्न उत्पाद हैं; उन्होंने सीएसपीवी उत्पादों को तनु फिल्म उत्पादों की तुलना में सामान्यतः अधिक कीमत वाले उत्पाद के रूप में रिपोर्ट किया है। संतुलित रूप से हम यह उत्पादित करते हैं कि सीएसपीवी और तनु फिल्म उत्पादों के बीच अंतर आधुनिक उभरते हुए बाजारों में उनकी समरूपता की तुलना में कहीं अधिक है और जांच के दायरे के अंतर्गत सीएसपीवी उत्पादों सहित एकल घरेलू समान उत्पाद के रूप में जांच परिणाम प्रदान करते हैं।

[जांच सं. 701-टीए-481 और 731-टीए-1190 (अंतिम)]

- xii. ईयू और यूएस मामले में तनु फिल्म का अपवर्जन करने के लिए दिए गए कारण उपर्युक्त पैराग्राफों में स्पष्ट किए गए हैं तथापि प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारत में तनु फिल्मों तथा स्फाट उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा बहुत अधिक एवं महत्वपूर्ण है और तनु फिल्म माड्यूलों की न्यून कार्यकुशलता ने तनु फिल्म उत्पादों की बढ़ती हुई मांग को पूरा नहीं किया है। उपभोक्तागण दोनों उत्पादों को समान उत्पाद मानते हैं और उन्हें एक संपूर्ण प्रतिस्थानी के रूप में पाते हैं। भारत में प्रचलित इन बाजार हालातों के अंतर्गत एक उत्पाद का अपवर्जन दूसरे प्रकार के उत्पाद की पिछले दरवाजे से प्रविष्टि की संपुष्टि करेगा तथा उस प्रयोजन को बिल्कुल निष्क्रिय कर देगा जिसके लिए यह सारा अभ्यास किया गया। अतः संबद्ध वस्तु में स्फाट और तनु फिल्म टेक्नोलॉजी दोनों को शामिल किया गया है।
- xiii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि निर्यातक द्वारा उत्पादित अन्य अग्रणी प्रौद्योगिकियों का भी अपवर्जन किया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस विचाराधीन उत्पाद में केवल स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी को ही शामिल किया गया है।
- xiv. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि क्यूएसएआर II (मोनो क्रिस्टालिन) और डब्ल्यूएआरएटीएएच (बहु क्रिस्टालिन), न्यू ऐज माड्यूल्स, 4 बस बार सोलर सैल नवाचारी टेक्नोलॉजी सहित क्वार्ट्क माड्यूल, बीआईपीवी माड्यूल और एंडिस सोलर होम सिस्टम, नामक माड्यूल जिनका निर्माण घरेलू उद्योग द्वारा नहीं किया जाता है, का विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ये माड्यूल भिन्न उत्पाद नहीं हैं और केवल नवाचार या सुधरे हुए रूप हैं और इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद से भिन्न के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- xv. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि भारतीय उत्पाद की गुणवत्ता अच्छी नहीं है और निर्यातकों द्वारा दी गई उत्पाद वारंटी 25 वर्षों से अधिक के समय के लिए दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने इन तर्कों का समर्थन करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किए हैं। इसके विपरीत, आवेदनकर्ताओं ने यह प्रस्तुत किया है कि भारतीय उत्पाद भारत में आयातित संबद्ध वस्तु के समरूप हैं और उद्योग की परंपरा के अनुसार वारंटी घरेलू उद्योग द्वारा प्रदान कराई जाती है। इसके

अतिरिक्त, पाटनरोधी जांच में समान वस्तु को पृथक करने के लिए गुणवत्ताकारक कोई संगत कारक नहीं है।

xvi. जहां तक कुछ विरोधकर्ता माइयूल विनिर्माताओं द्वारा किए गए इस प्रस्तुतिकरण का संबंध हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण केवल माइयूलों पर किया जाना चाहिए, न कि सैलों पर, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सौर सैल तथा माइयूल दोनों भिन्न उत्पाद नहीं हैं। सौर माइयूल मुख्यतः सौर सैलों का पंक्ति व्यूह है।

ग. घरेलू उद्योग का दायरा एवं आधार

उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

17. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में जांच के दौरान हितबद्ध पक्षकारों/उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा घरेलू उद्योग के दायरे के संबंध में प्रस्तुतिकरण किया गया है और पाया कि प्राधिकारी द्वारा प्रकट किए गए निम्नलिखित विचार संगत हैं:

- अधिकांश याचिकाकर्ता एसईजेड/ईओयू इकाईयां हैं और इसलिए उन्हें पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त, उनका उत्पादन भारतीय उत्पादन में एक बड़ा अनुपात नहीं बनता है और इसलिए इस याचिका का पाटनरोधी नियमावली के अन्तर्गत कोई आधार नहीं है।
- सभी तीन प्रतिभागी कंपनियां तनु फ़िल्मों का विनिर्माण नहीं करती हैं और इसलिए वे घरेलू उद्योग नहीं हैं।
- वर्तमान याचिका ऐसे घरेलू उद्योग द्वारा दायर की गई है जो घरेलू बाजार में लगभग मौजूद नहीं है। भारत में विचाराधीन उत्पाद की कुल मांग में से याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग की जांच की अवधि के दौरान केवल 1.3% भारतीय मांग को ही पूरा किया है और जांच की अवधि के दौरान यह मांग का 1.04% थी।
- सभी प्रतिभागी कंपनियों का कुल उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का केवल 12.10% उत्पादन बनता है। यदि सैलों और माइयूलों को भिन्न उत्पादों के रूप में माना जाता है तो प्रतिभागी कंपनियों ने केवल एक मेगावाट के माइयूल को उत्पादित किया है जो कुल उत्पादन का केवल 0.26% है।
- पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अंतर्गत यथा-अधिदेशित दायर किये गये आवेदन-पत्र घरेलू उद्योग के स्थानीयता के संबंध में 25% की जांच को पूरा नहीं किया है। इसके अतिरिक्त संबद्ध वस्तु के कई घरेलू उत्पादकों को केवल इस प्ली पर अपवर्जित कर दिया गया कि वे संबद्ध वस्तु के आयातक हैं। याचिकाकर्ताओं का यह तर्क कि अन्य सभी घरेलू उत्पादक आयातक हैं, बिना किसी सत्यापन योग्य साक्ष्य के अभिकथन हैं। प्राधिकारी के रिकॉर्ड में ऐसा कोई साक्ष्य नहीं है जो यह सिद्ध करता हो कि सभी उत्पादक वास्तव में विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं। भारत में संबद्ध वस्तु के 90 उत्पादक हैं न कि 42, जैसाकि घरेलू उद्योग द्वारा दावा किया गया है। आवेदनकर्ताओं ने भारत के सभी घरेलू उत्पादकों का उत्पादन विवरण जान-बूझकर उपलब्ध कराया है।
- मोजर बेयर, जो संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का एक बड़ा आयातक है फिर भी उसे पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है। इसके अतिरिक्त, मोजर बेयर से संबंधित किसी जानकारी को इस स्तर पर इस कारण से रिकॉर्ड में नहीं लिया जा सकता है कि उसे अन्य हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध नहीं कराया गया है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

18. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण तथा प्राधिकारी द्वारा किया गया संगत विचार निम्नलिखित हैं:

- i. यह याचिका सौर विनिर्माता एसोसिएशन द्वारा संबद्ध वस्तु भारतीय उत्पादकों की ओर से दायर की गई है। उक्त याचिका के प्रयोजनार्थ तीन घरेलू उत्पादकों अर्थात् इंडो-सॉलर लिमिटेड, जुपिटर सॉलर पॉवर लिमिटेड तथा वैबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड ने सभी संगत सूचना उपलब्ध कराई है। याचिकाकर्ता ने उपलब्ध सूचना के अनुसार ऐसे लगभग 42 उत्पादकों को अभिज्ञात किया है जो भारत में इस संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करते हैं। याचिकाकर्ता ने प्राधिकारी को जांच प्रारंभ करने से पहले इन सभी 42 उत्पादकों के नाम और पते उपलब्ध करा दिए हैं कुछ हितबद्ध पक्षकारों का यह दावा निराधार है कि भारत में इस उत्पाद के कुछ अन्य उत्पादक भी हैं।
- ii. आवेदनकर्ता उत्पादक पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के आशय के अन्तर्गत घरेलू उद्योग है।
- iii. यद्यपि प्रतिभागी घरेलू उत्पादकों के पास स्फाट प्रौद्योगिकी है तथापि मोजर बेयर, जिसने इस याचिका का समर्थन किया है, संबद्ध वस्तु का तनु फिल्म प्रौद्योगिकी का प्रयोग करके उत्पादन करता है। जांच के पश्चात् मोजर बेयर ने प्राधिकारी को समस्त सूचना प्रदान करा दी है और अनुरोध किया है कि उसे घरेलू उद्योग के भाग के रूप में माना जाए। घरेलू उद्योग के दायरे के अंतर्गत मोजर बेयर का समावेशन तनु फिल्म से संबंधित सूचना की उपलब्धता सुनिश्चित करेगा। प्राधिकारी के पास यह विवेकाधिकार है कि वह मोजर बेयर को घरेलू उद्योग के दायरे के अंतर्गत शामिल कर ले यद्यपि मोजर बेयर ने इस उत्पाद का आयात किया है।
- iv. घरेलू उद्योग के दायरे से अथवा घरेलू विनिर्माता के रूप में ईओयू और एसईजेड का अपवर्जन करना पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत स्पष्ट नहीं है। नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत एसईजेड/ईओयू इकाईयों को घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में माने जाने की जरूरत है और एफटीपी या एसईजेड अधिनियम के मानद प्रावधान पाटनरोधी जांच के प्रयोजनार्थ असंगत हैं।
- v. विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा यह गलत तर्क दिया गया है कि एसईजेड और ईओयू इकाईयों को भारत में आयातों पर उद्ग्रहण करने योग्य सीमा शुल्क से जोड़ा गया है इसलिए उन्हें आयातों के रूप में माना जाए न कि घरेलू बिक्रियों के रूप में। घरेलू उद्योग के आशय के अन्तर्गत यह असंगत है कि किस वस्तु की बिक्री डीटीए के अन्तर्गत की जा सकती और किस वस्तु की बिक्री डीटीए के अन्तर्गत नहीं की जा सकती है। पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार घरेलू उद्योग की परिभाषा बिक्री विशिष्ट न होकर उत्पादन विशिष्ट है। घरेलू उद्योग का आशय उन घरेलू उत्पादकों से है जो समग्र रूप से समान वस्तु का विनिर्माण करने में लगे हों और विचाराधीन वस्तु के घरेलू विक्रेता न हों।
- vi. ईओयू और एसईजेड दोनों ही भारत में अवस्थित हैं और वे भारत के अंदर वस्तु का उत्पादन करते हैं तथा उन्हें भारत में निर्मित लेबल मिला हुआ है और इस प्रकार परिभाषा के अनुसार वे भारत में घरेलू उद्योग के भाग बनते हैं। वे भारत और भारतीय अर्थव्यवस्था के सकल घरेलू उत्पाद में घरेलू उद्योग के रूप में अपना अंशदान देते हैं। अधिक कल्पना पर जोर न देते हुए उन्हें विदेशी उद्योग (भारत में घरेलू उद्योग के विपरीत) कहा जा सकता है।
- vii. सीमा शुल्क विधि के अंतर्गत एसईजेड और ईओयू में विनिर्मित वस्तुओं को भारत में आयात के रूप में योग्य नहीं ठहराया जा सकता है। ईओयू और एसईजेड की प्रकृति घरेलू उद्योग की प्रकृति की तरह ही है। तथापि, उनके टैक्स देयता का परिकलन करने के लिए सीमाशुल्क विधि का सहारा लेना पड़ता है।
- viii. याचिकाकर्ता ने अन्य सभी जात भारतीय उत्पादकों के विवरण विश्वसनीय स्रोत के रूप में उपलब्ध कराए हैं। याचिकाकर्ता ने इन सभी अन्य उत्पादकों के संबंध में युक्तिसंगत सूचना उपलब्ध कराई है और युक्तिसंगत रूप से यह निश्चित किया गया है कि वे भी जांच की अवधि के दौरान उक्त वस्तु का आयात कर रहे थे। याचिकाकर्ता के इस आकलन को ऐसे किसी भी अन्य उत्पादक द्वारा गलत सिद्ध नहीं किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

19. घरेलू उद्योग के दायरे एवं आधार के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरण और वे प्रस्तुतिकरण जिन पर प्राधिकारी द्वारा संगत विचार किया गया और जिनका समाधान कर दिया गया निम्नलिखित हैं:

- i. यह आवेदन-पत्र भारतीय सौर विनिर्माता एसोसिएशन द्वारा अपनी तीन सदस्यीय कंपनियों अर्थात् मैं. इंडो-सॉलर लिमिटेड(100% ईओयू), मै. जुपिटर सॉलर पॉवर लिमिटेड(डीटीए इकाई) तथा मै. वैबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड(एसईजेड इकाई) की ओर से दायर किया गया है। आवेदनकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार इस विचाराधीन उत्पाद के भारत में 39 अन्य उत्पादक हैं जिनमें से 21 एसोसिएशन के सदस्य हैं तथा 18 एसोसिएशन के सदस्य नहीं हैं। इन उत्पादकों में से अधिकांश माड्यूलों का विनिर्माण करने में रत हैं, अधिकांशतः स्फाट सैलों का संबद्ध देशों से आयात करते हैं। यद्यपि घरेलू उद्योग सहित कुछ घरेलू उत्पादक स्फाट सैलों का विनिर्माण करते हैं तथापि उनमें से किसी में भी, मोजर बेयर को छोड़कर, तनु फिल्म का विनिर्माण करने की क्षमता नहीं है। यहां तक कि मोजर बेयर भी, जिसके पास तनु फिल्मों का विनिर्माण करने की क्षमता है, संबद्ध वस्तु का एक बड़ा आयातक है और ऐसा उल्लेख किया गया है कि उसने जांच की अवधि के दौरान तनु फिल्मों की मामूली सी मात्रा का विनिर्माण किया है। आवेदनकर्ता द्वारा यह प्रस्तुतिकरण भी किया गया है कि भारत में अन्य सभी उत्पादकों ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है और ऐसे उत्पादकों को जिन्होंने संबद्ध वस्तु का आयात किया है, आधार का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ नियम(ख) के अंतर्गत अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि अन्य घरेलू उत्पादकों सहित किसी भी अन्य हितबद्ध पक्षकार ने इस स्थिति के संबंध में साक्ष्यांकित सूचना सहित विरोध नहीं किया है।
- ii. जैसाकि इस अंतिम जांच परिणाम में पहले से ही उल्लेख किया गया है, इस जांच के प्रारंभ करने से पहले प्राधिकारी ने भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों के संबंध में संबंधित प्रशासनिक विभागों से सूचना प्राप्त की थी। संबंधित प्रशासनिक विभागों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के अनुसार आवेदनकर्ता उद्योगों सहित संबद्ध वस्तु के 42 घरेलू उत्पादक हैं।
- iii. जांच शुरुआत के अनुसरण में भारत के एक अन्य उत्पादक अर्थात् मोजर बेयर जिसने मूलतः इस आवेदन-पत्र का समर्थन किया था और जिसकी संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने के लिए एसईजेड में दो इकाइयां थीं नामशः मोजर बेयर फोटोवाल्टिक लिमिटेड और मोजर बेयर सॉलर सिस्टम्स प्रा. लि. ने संगत क्षति सूचना प्रदान कराई थी और यह प्राधिकारी से अनुरोध किया था कि उन्हें घरेलू उद्योग के दायरे के अंतर्गत माना जाए, यद्यपि उन्होंने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का स्पष्ट रूप से आयात किया था। मोजर बेयर जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का एक बड़ा आयातक होने की स्थिति में प्राधिकारी ने उन्हें नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना। इसी तरह, मै. टाटा बीपी सॉलर इंडिया लि., जिसने इस आवेदन-पत्र का समर्थन किया है, ने भी जांच शुरुआत के पश्चात् क्षति संबंधी कुछ सूचना प्रस्तुत की है तथापि कंपनी ने यह स्वीकार किया है कि उसने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी उन्हें नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के रूप में नहीं मानते हैं।
- iv. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैं. इंडो-सॉलर लिमिटेड(100% ईओयू), मै. जुपिटर सॉलर पॉवर लिमिटेड(डीटीए इकाई) तथा मै. वैबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड(एसईजेड इकाई) संयुक्त रूप से वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग हैं। प्राधिकारी आवेदनकर्ता के प्रस्तुतिकरण से यह भी नोट करते हैं कि शेष उत्पादकों ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है। इसके अतिरिक्त इन उत्पादकों में से किसी ने भी प्राधिकारी को कोई सूचना उपलब्ध नहीं कराई है, यद्यपि उन्हें, मोजर बेयर को

छोड़कर नियमों के अंतर्गत सूचना पदान करने का पर्याप्त अवसर दिया गया था। इसके अतिरिक्त आवेदनकर्ता के दावों का खंडन करने के लिए किसी भी प्रकार की सूचना भारत के इन अन्य सभी ज्ञात उत्पादकों द्वारा प्रदान नहीं कराई गई है। प्रतिभागिता करने वाले तीन उत्पादकों का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 11.96% उत्पादन है। तथापि, इन तीन उत्पादकों के 11.96% उत्पादन को 100% उत्पादन के रूप में माना जाना चाहिए क्योंकि अन्य शेष उत्पादक, उनके द्वारा किए गए आयात पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग के रूप में योग्य नहीं हैं। अतः आवेदनकर्ता घरेलू उत्पादकों का उत्पादन जैसाकि यहां ऊपर उल्लेख किया गया है, भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन का "एक बड़ा अनुपात" बनता है।

v. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आवेदनकर्ता का भारतीय उत्पादन में केवल नाममात्र का हिस्सा है और उनका उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का 25% उत्पादन भी नहीं बनता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं का उत्पादन भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन का "एक बड़ा अनुपात" बनता है। कुल भारतीय उत्पादन में नाममात्र की हिस्सेदारी के संबंध में प्राधिकारी के विचार माननीय मद्रास उच्च न्यायालय द्वारा भारत में सोडा ऐश के पाटन से संबंधित मामले में मै. सेंट गोवैन ज्लास इंडिया लि. द्वारा दायर वर्ष 2011 की रिट याचिका सं. 23515 का निस्तारण करते समय दिनांक 23 दिसंबर, 2011 को दिए गए अपने आदेश में उल्लिखित विचारों से संगत हैं। इस निर्णय का प्रचालनात्मक भाग, अन्य बातों के साथ-साथ, निम्नलिखित है:

“78. उपर्युक्त के आलोक में नियम 2(ख) के निर्वचन के संबंध में याचिकाकर्ता के तर्क से सहमत हूँ, कि इस प्रावधान में निर्दिष्ट प्राधिकारी के विवेक के लिए कोई आरक्षण नहीं किया गया है कि वह घरेलू उद्योग की परिभाषा में किसी अपवर्जित श्रेणी का समावेशन करे, तथापि, उपर्युक्त परिभाषा पर विचार करते हुए यह माना जा सकता है कि मै. डी.सी.डब्ल्यू लि. एक घरेलू उद्योग है और यह नियम 5(3) (क) के परन्तुक के अंतर्गत अपेक्षाओं को पूरा करता है। इन परिस्थितियों में नियम 2(ख) के इस निर्वचन के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी के आदेश के उस भाग को हटाकर मैं निर्दिष्ट प्राधिकारी के उस आदेश का समर्थन करता हूँ जहां तक यह नियम 5(3) (क) के परन्तुक के अंतर्गत अपेक्षाओं को पूरा करता है जिसमें यह कहा गया है कि मै. डी.सी.डब्ल्यू लि. का 4% उत्पादन 100% उत्पादन के रूप में बनता है। मैं इस पहलू से संबंधित रिट-याचिका खारिज करता हूँ।

vi. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों के इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि आवेदनकर्ता 100% ईओयू इकाई या एसईजेड इकाई होने पर उसे घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नवत् परिभाषित किया गया है:

(2)(ख) “घरेलू उद्योग” से आशय उन घरेलू उत्पादकों से है जो समान उत्पाद का विनिर्माण करने या उससे संबंधित किसी अन्य गतिविधि में लगे हों अथवा जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक आकृत-पृष्ठ उस वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा अनुपात बनता हो बशर्ते कि यह उत्पादक उस कथित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित न हों अथवा स्वयं उसका आयात न करते हों, ऐसे मामले में घरेलू उद्योग वाक्यांश को शेष उत्पादकों का उल्लेख करते हुए, के रूप में माना जाएगा।”

vii. 100% ईओयू इकाइयों की पात्रता तथा डीटीए में विक्री की शर्त के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि विदेश व्यापार नीति, 2009 -14 के पैराग्राफ 6.8(क) और (ज) में संगत प्रावधानों का निर्धारण निम्नवत् किया गया है:

“6.8 ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाइयों का संपूर्ण उत्पादन निम्नलिखित के अध्यधीन निर्यात किया जा सकता है:

(क) रत्न एवं आभूषण इकाइयों के अलावा अन्य इकाइयां निर्यात के एफओबी मूल्य के 50% तक की बिक्री, रियायती शुल्क का भुगतान करने पर सकारात्मक एनएफई को पूरा करने के अध्यधीन कर सकती है। डीटीए बिक्री की हकदारी के अंतर्गत कोई इकाई डीटीए में बिक्री उस वस्तु के समान अपने उत्पाद की बिक्री कर सकती है जिसका यूनिट से निर्यात किया गया हो या जिसका निर्यात किए जाने की संभावना हो। तथापि, वे इकाइयां जो एक से अधिक उत्पाद का विनिर्माण करती हैं और उसका निर्यात करती हैं, डीटीए में उन उत्पादों की बिक्री विशेष उत्पादों के निर्यात के एफओबी मूल्य के 90% तक इस शर्त के अध्यधीन कर सकती हैं कि उनकी कुल डीटीए बिक्री उस इकाई के लिए निर्यात के, ऊपर निर्धारित किए गए के अनुरूप, एफओबी मूल्य के 50 प्रतिशत की समग्र हकदारी से अधिक नहीं होगी। मोटरकार, एल्कोहॉलिक शराब, पुस्तकों, चाय (इंस्टेंट चाय को छोड़कर), काली मिर्च एवं काली मिर्च उत्पाद, संगमरमर तथा समय-समय पर अधिसूचित अन्य ऐसी मदों की रियायती शुल्क पर डीटीए बिक्री की अनुमति नहीं होगी। इस तरह की डीटीए बिक्री की अनुमति पैकेजिंग/लेवलिंग/ पृथक्करण/ प्रशीतन/ काम्पेक्टिंग/ माइक्रोनाइजेशन/ पल्वराइजेशन/ ग्रेनुलेशन/ रसायनों के मोनोहाइड्रेट फार्म का एन्हाइड्रैस फार्म या इसके विपरीत परिवर्तन करने के क्रियाकलाप में लगी इकाइयों को भी नहीं दी जाएगी। ईओयू द्वारा निर्यात के एफओबी मूल्य पर पहुंचने के प्रयोजनार्थ एसईजैड इकाई में की गई बिक्रियों पर भी ध्यान दिया जाएगा बशर्ते कि इन बिक्रियों के लिए भुगतान एसईजैड यूनिट के विदेशी विनिमय खाते में किया गया हो। डीटीए को की गई बिक्री भी भेषज उत्पादों (जिसमें बल्कि इंग्स भी शामिल हैं) के पंजीयन की अनिवार्य अपेक्षा के अध्यधीन होगी। आयात के समय संदेय सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9(क) के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क के बराबर राशि का भुगतान इस इकाई से डीटीए को निकासी की गई वस्तु का विनिर्माण या उसका प्रसंस्करण करने के प्रयोजनार्थ प्रयोग की गई वस्तु पर देय होगा।”

“(ज) ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाइयां, काली मिर्च और काली मिर्च उत्पादों तथा संगमरमर को छोड़कर, परिष्कृत उत्पादों की बिक्री करती हैं जो डीटीए में एफटीपी के अंतर्गत, विकास आयुक्त को सूचना देने के पश्चात्, मुक्त रूप से, संपूर्ण शुल्कों का भुगतान करने पर, आयात करने योग्य हैं, बशर्ते कि उन्हें सकारात्मक एनएफई मिल गया हो। सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम, 1975 की धारा 9(क) के अंतर्गत पाटनरोधी शुल्क के बराबर राशि का भुगतान इस इकाई से डीटीए को निकासी की गई वस्तु का विनिर्माण या उसका प्रसंस्करण करने के प्रयोजनार्थ प्रयोग की गई वस्तु पर देय होगा।”

viii. एसईजैड इकाइयों की पात्रता तथा डीटीए में बिक्री की शर्त के संबंध में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एसईजैड नियमावली, 2006 की धारा 47 में निर्धारित संगत प्रावधान निम्नलिखित हैं:

“47. घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में बिक्रियां – (1) कोई इकाई विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान या उससे संबंधित प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हुए रिजेक्ट्स या कचरा या कतरन या शेष भाग या टूटे हुए हीरों या सह-उत्पादों सहित किसी वस्तु या सेवाओं की बिक्री घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में धारा 30 के अंतर्गत सीमाशुल्क का भुगतान करने पर निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन कर सकती है, अर्थात्:-

(क) किसी यूनिट द्वारा विनिर्मित वस्तु की उप-नियम (1) के अंतर्गत घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में बिक्री, भारत में समान वस्तु के आयातों पर यथा लागू आयात लाइसेंस प्रस्तुत करने पर, विदेश व्यापार नीति के निम्नलिखित प्रावधानों के अंतर्गत किया जा सकता है:

यह कि घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में उत्पादित या आयातित वस्तु और किसी ऐसी वस्तु जिसकी बिक्री किसी विनिर्माण प्रक्रिया के अध्यधीन होकर न की गई हो, की बिक्री, भारत में समान वस्तु के आयातों पर यथा लागू विदेश व्यापार नीति के प्रावधानों के अंतर्गत की जाएगी।

(ख) विनिर्माण प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न हुए रिजेक्ट्स या कचरा या कतरन या शेष भाग की उप नियम (1)के अंतर्गत घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में बिक्री या यूनिट द्वारा उससे संबंधित कोई कार्य आयात-निर्यात मर्दों के वर्गीकरण के आयात व्यापार नियंत्रण (सुमेलीकृत प्रणाली) प्रावधानों के अध्यधीन नहीं होगी: बशर्ते कि केन्द्रीय सरकार इस खंड के अंतर्गत उल्लिखित किसी वस्तु की सभी या किसी एक श्रेणी के लिए उपयुक्त समझे गए प्रतिबंधों अधिसूचित कर सकती है।

ix. चीन जन.गण., हांगकांग, सिंगापुर और चाइनीज ताइपेई से काम्पेक्ट डिस्क्स रिकॉर्डबल(सीडी-आरएस) के आयातों से संबंधित पिछली कई जाँचों में जैसे (फा. सं. 14/15/2005-डीजीएडी), ईरान, मलेशिया, कोरिया आरओके, थाइलैंड, यूएई और वियतनाम से काम्पेक्ट डिस्क्स रिकॉर्डबल(सीडी-आरएस) के आयातों से संबंधित पिछली कई जाँचों में जैसे (फा. सं. 14/9/2007-डीजीएडी), चीन जन.गण., हांगकांग और चाइनीज ताइपेई से डिजिटल वर्सेटाइल डिस्क्स- रिकॉर्डबल (डीवीडी-आर और डीवीडी आरडब्ल्यू) आदि के आयातों से संबंधित पिछली कई जाँचों में प्राधिकारी ने 100% निर्यातोन्मुख इकाईयों को घरेलू उद्योग के रूप में माना है।

x. पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उत्पादक/घरेलू उद्योग की स्थिति के संबंध में एसईजेड इकाई की पात्रता से संबंधित यद्यपि प्राधिकारी द्वारा की गई किसी पाटनरोधी जाँच में कोई पूर्वाभास हारण प्रतीत नहीं होता है तथापि निम्नलिखित बिंदु संगत होंगे:

क. यद्यपि एसईजेड इकाईयां सीमाशुल्क जोन से परे विशेष रूप से निरूपित क्षेत्र होते हैं फिर भी वे भारत के राष्ट्रीय भौगोलिक भूभाग से जुड़े होते हैं।

ख. एसईजेड अधिनियम और एसईजेड नियमावली में एसईजेड इकाईयों को डीटीए में अपने उत्पाद की बिक्री सकारात्मक एनएफई को पूरा करने तथा सीमाशुल्क एवं अन्य लागू शुल्कों का भुगतान करने के अध्यधीन अनुमति होती है।

ग. पाटनरोधी नियमावली, खासकर नियम 2(ख) और 5(3) में एसईजेड इकाईयों को कहीं भी यह निषेध नहीं किया गया है कि उन्हें घरेलू उद्योग/घरेलू उत्पादक के एक भाग के रूप में माना जाएगा।

घ. जब कोई एसईजेड इकाई या ईओयू इकाई अपने उत्पाद की बिक्री घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में करती है तो उन्हें अपने डीटीए प्रतिपक्षियों तथा आयातित वस्तुओं से भी प्रतिस्पर्धा करनी पड़ती है।

ड. याचिकाकर्ता द्वारा किए गए दावे के अनुसार संबद्ध वस्तु आईटी उत्पाद हैं और वे डब्ल्यूटीओ आईटी करार के भाग हैं तथा उन पर शून्य सीमाशुल्क लगता है, तद्वारा वे डीटीए से निर्गमित संबद्ध वस्तु के साथ प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा करती हैं।

xii. उपर्युक्त नियमों के अनुरूप ईओयू/एसईजेड इकाईयों का घरेलू उद्योग के दायरे से अपवर्जन करने का कोई प्रावधान नहीं है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि एसईजेड/ईओयू इकाईयां घरेलू उद्योग का भाग केवल उसी सीमा तक बन सकती हैं जिस सीमा तक उन्हें भारत की विदेश व्यापार नीति और समय-समय पर यथासंशोधित एसईजेड नियमावली, 2006 के अंतर्गत उनकी अनुमत हकदारी की सीमा के अंतर्गत घरेलू बिक्री करने की अनुमति हो।

xiii. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि ईओयू के संबंध में विदेश-व्यापार नीति के पैराग्राफ 6.5 और एसईजेड इकाईयों के संबंध में एसईजेड नियमावली की धारा 53 यह निर्धारित करती है कि ईओयू/एसईजेड इकाई सकारात्मक निवल विदेशी विनिमय (एनएफई) इकाई होगी। पुनः यह नोट किया जाता है कि विदेश व्यापार नीति का पैराग्राफ 6.9 (च) और एसईजेड नियमावली की धारा 53(क) (।) में प्रावधान है कि ईओयू/एसईजेड इकाईयों से सूचना प्रौद्योगिकी करार (आईटीए -1) डीटीए में भी प्रभावी होगा और यह सकारात्मक एनएफई के पूरा करने पर ही माना जाएगा। चूंकि संबद्ध वस्तु आईटीए सूची के अंतर्गत आती है, इसलिए इकाईयों बिनाकिसी वास्तविक निर्यात पर ध्यान दिए बिना सकारात्मक एनएफई हालात को बनाए रख सकती है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईओयू/एसईजेड

स्कीम की शर्तें उन उत्पादकों की योग्यता को प्रतिबंधित नहीं करती हैं जो डीटीए में आपूर्ति करने के लिए ईओयू/एसईजेड इकाईयां होती हैं।

6.5 ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाई, एचबीपीवी-। के परिशिष्ट 14-।-सी के सैक्टर विशिष्ट प्रावधानों को छोड़कर सकारात्मक निवल विदेशी मुद्रा अर्जक होंगी, जहां उच्चतर मूल्यवर्धन अपेक्षित होगा। एनएफई अर्जन को संचयी रूप से, उत्पादन प्रारंभ होने से लेकर, पांच वर्षों के खण्ड में परिकलित किया जाएगा। जब कोई इकाई एलओपी में उल्लिखित किसी उत्पाद के निर्यात पर लगे किसी प्रतिबंध/निषेध के कारण निर्यात करने में असमर्थ रहती है तो एनएफई अर्जन का परिकलन करने के लिए 5 वर्षों के ब्लॉक में बीओए द्वारा समुचित संवर्धन किया जाएगा। बीओए उन इकाईयों के संबंध में जिनके निर्यात में केवल आर्थिक मंदी के कारण दिनांक 30.9.2008 और दिनांक 30.9.2009 के बीच की अवधि में गिरावट आई है। पांच वर्षों के ब्लॉक अवधि को पूरा करने के लिए मामला-दर-मामला आधार पर, एनएफई का परिकलन करने हेतु एक अन्य वर्ष के ब्लॉक अवधि का विस्तार प्रदान कर सकता है।

6.9 ईओयू/ईएचटीपी/एसटीपी/बीटीपी इकाईयों से डीटीओ को की गई निम्नलिखित आपूर्तियों के लिए सकारात्मक एनएफई पूरा होना आवश्यक है:

(च) सूचना प्रौद्योगिकी करार (आईटीए-1) मर्दों और अधिसूचित शून्य शुल्क टेलीकॉम/इलैक्ट्रानिक्स मर्दों की आपूर्ति।

53. निवल विदेशी मुद्रा अर्जन- कोई इकाई सकारात्मक निवल विदेशी मुद्रा अर्जन प्राप्त करेगी जिसका परिकलन उत्पादन शुरू होने की तारीख से 5 वर्षों के लिए निम्नलिखित सूत्र के आधार पर किया जाएगा अर्थात् :-

सकारात्मक निवल विदेशी मुद्रा= क-ख>>0

जहाँ:-

क: यूनिट द्वारा मुक्त रूप से संपरिवर्तनीय मुद्रा में नेपाल और भूटान को किए गए निर्यात सहित फ्री ऑन बोर्ड मूल्य के निर्यात और उनके उत्पादों की निम्नलिखित आपूर्तियों के मूल्य, अर्थात्

(I) सूचना प्रौद्योगिकी करार (आईटीए-1) मर्दों और अधिसूचित शून्य शुल्क टेलीकॉम/इलैक्ट्रानिक्स मर्दों की आपूर्ति अर्थात् मानीटरों के लिए रंगीन डिस्प्ले ट्रूब्स और रंगीन मानीटरों के लिए डिफलेक्शन संघटक या केन्द्रीय सरकार द्वारा अधिसूचित कोई अन्य मद;

xiii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि उन घरेलू उत्पादकों का जिन्होंने संबद्ध वस्तु का आयात बिना किसी अनुमति के किया है, स्वतः ही अपवर्जन हो जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि कुछ उत्पादक पाटनरोधी अनुप्रयोग का समर्थन करना केवल इस आधार पर नहीं चाहेंगे कि वे स्वयं ही उत्पाद का आयात कर रहे हैं। इस संबंध में प्राधिकारी में निहित स्व-विवेक प्राधिकारी को इन निकायों का अपवर्जन करने में उस समय स्वतः सक्षम बना देता है जब उन घरेलू उत्पादकों को, जो पाटित वस्तुओं का आयात करने में संलिप्त नहीं हैं, कारित की जाने वाली क्षतिका निराकरण करना अनिवार्य हो।

20. विस्तृत जांच के पश्चात् प्राधिकारी यह निर्धारित करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का उनका उत्पादन कुल घरेलू उत्पादन का यहां किए गए प्रावधान के अनुसार एक बड़ा हिस्सा बनता है और इसलिए वे नियमावली के नियम 2(ख) के अन्तर्गत घरेलू उद्योग हैं और पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार आधार के मापदंड को पूरा करते हैं।

घ. गोपनीयता

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण:

21. गोपनीयता के संबंध में उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरण और उन पर प्राधिकारी द्वारा किया गया संगत विचार निम्नलिखित हैं:-

- आवेदक ने अपने प्रस्तुतिकरणों में अत्यधिक एवं अनवांछित गोपनीयता का दावा किया है।
- घरेलू उद्योग के निर्यात एवं आयात आंकड़ों को प्रदान कराई गई गोपनीयता वांछित नहीं है।

घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुतिकरण

22. गोपनीयता के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरण और उन पर प्राधिकारी द्वारा किया गया संगत विचार निम्नलिखित हैं:-

- निर्यातकों ने पाटनरोधी नियमावली के संपूर्ण उल्लंघन में याचिकाकर्ता द्वारा दी गई सार्थक टिप्पणियों से संबंधित प्रत्येक सूचना पर अत्यधिक गोपनीयता का दावा किया है।
- कुछ ऐसे उदाहरण हैं जिनमें निर्यातकों ने केवल गोपनीयता का दावा किया है परंतु वह सूचना सार्वजनिक रूप से उपलब्ध है।

प्राधिकारी द्वारा जाँच

23. गोपनीयता से संबंधित किए गए प्रस्तुतिकरण के संबंध में प्राधिकारी ये नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 7 में निम्नलिखित प्रावधान हैं:-

गोपनीय सूचना: (1) नियम 6 के (7), नियम 12 के उप-नियम (2),(3) (2), नियम 15 के उप-नियम (4) और नियम 17 के उप-नियम (4) तथा उप-नियमों में किसी बात का उल्लेख होने के बावजूद नियम 5 के उप-नियम (1) के अंतर्गत प्राप्त आवेदन-पत्रों की प्रतियां या किसी पक्षकार द्वारा जाँच की प्रक्रिया के दौरान निर्दिष्ट प्राधिकारी को गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई कोई अन्य सूचना को, यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी उसकी गोपनीयता से संतुष्ट हो जाते हैं तो उनके द्वारा उसे गोपनीय के रूप में माना जाएगा और उसका ऐसी सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार द्वारा विशिष्ट रूप से प्राधिकृत किए गए बिना वह किसी अन्य पक्षकार को प्रकट नहीं करेंगे।

(2) निर्दिष्ट प्राधिकारी गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों से यह अपेक्षा करते हैं कि वे उसका अगोपनीय सार प्रस्तुत करें और यदि, ऐसी सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकार के विचार से उक्त सूचना का सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है तो वह पक्षकार निर्दिष्ट प्राधिकारी को उन कारणों का विवरण प्रस्तुत करेगा जिनकी वजह से उसका सार प्रस्तुत करना संभव नहीं है।

(3) उप नियम(2) में किसी बात का उल्लेख होते हुए भी, यदि निर्दिष्ट प्राधिकारी इस बात से संतुष्ट हो जाते हैं कि गोपनीयता के लिए किया गया अनुरोध वांछित नहीं है अथवा सूचना प्रदाता ऐसी सूचना को सार्वजनिक करने का इच्छुक नहीं है अथवा उसका सामान्यीकृत या सारांश रूप में प्रकटन करने को प्राधिकृत करना नहीं चाहता है तो प्राधिकारी ऐसी सूचना की अनदेखी कर सकते हैं।

24. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदान कराई गई सूचना की गोपनीयता के दावे की पर्याप्तता के संबंध में जाँच की गई है। संतुष्ट होने पर, प्राधिकारी ने, जहां कहीं आवश्यक हुआ, गोपनीयता के दावे को स्वीकार कर लिया है और उक्त सूचना को गोपनीय माना गया है तथा उसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है। जहां कहीं संभव हुआ, वहां गोपनीय आधार पर सूचना प्रदान कराने वाले पक्षकारों को ये निदेश दिया गया कि वे गोपनीय आधार पर दायर की गई सूचना का पर्याप्त अगोपनीय पाठ भी प्रस्तुत करें। प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान कराए गए साक्ष्यों के अगोपनीय पाठ को सार्वजनिक फाइल में रखा है।

ड. विविध प्रस्तुतिकरण

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणः

25. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरण और उन पर प्राधिकारी द्वारा किया गया संगत विचार निम्नलिखित हैं:

- i. जांच की अवधि के दौरान यूरोपियन से संबद्ध वस्तु का आयात जांच की अवधि के दौरान भारत में कुल आयातों का लगभग 5.5% है जो न्यूनतम मार्जिन से अधिक है। जहां तक कीमतों का संबंध है इस विचाराधीन उत्पाद का आयात 41 रु. प्रतिवाट की आकलनीय दर से किया जाता है। अतः यूरोपियन यूनियन को एक संबद्ध देश/भूभाग के रूप में शामिल न करना उचित नहीं है और यह विभेदकारी है। याचिकाकर्ता द्वारा यूरोपियन यूनियन और जापान से संबद्ध वस्तु के आयातों के संबंध में पृथक पाटनरोधी आवेदन-पत्र प्रस्तुत करना इस स्थिति को और भी अधिक परिरुद्ध कर देता है। अतः वर्तमान जांच प्रारंभ से ही निर्थक है और इसलिए उसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए।
- ii. प्राधिकारी को जांच प्रारंभ करने से पहले आवेदन-पत्र में प्रदान कराई गई सूचना/आंकड़ों की उपयुक्तता एवं यथार्थता की जांच कर लेना अपेक्षित होता है। तथापि, प्राधिकारी द्वारा जांच प्रारंभ करने से पहले उपयुक्तता एवं यथार्थता की जांच नहीं की गई है। इस जांच के प्रारंभ को न्यायोचित ठहराने के लिए दायर किए गए आवेदन-पत्र में कोई भी पर्याप्त साक्ष्य नहीं है। इस जांच की शुरुआत का कोई वैध आधार नहीं है क्योंकि जनवरी, 2011 से जून, 2012 तक की अवधि के लिए क्षतिकारित करने वाले पाटन का साक्ष्य जांच प्रारंभ करने से पहले प्राधिकारी को प्रस्तुत नहीं किया गया था।
- iii. याचिकाकर्ताओं द्वारा यह तर्क दिया गया है कि भारतीय उपभोक्ताओं को उपलब्ध एंजिम फाइनेंसिंग को ध्यान में रखते हुए तनु फिल्म का आयात किया गया है। ऐसा मामला होने पर इस तर्क का कोई आधार नहीं रह जाता है कि तनु फिल्म उत्पादों को अधिमानता इस उत्पाद के संभावित पाटन के कारण दी जा रही है। भारतीय क्रेताओं को उपलब्ध एंजिम फाइनेंसिंग पाटन के मुद्दे से पूर्णतया असंगत है। इसने न तो सामान्य मूल्य पर प्रभाव डाला है और न ही निर्यात कीमत को प्रभावित किया है।
- iv. गुजरात बोरोसिल द्वारा किए गए किसी भी प्रस्तुतिकरण को इस जांच के प्रयोजनार्थ संगत नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि कंपनी में प्रतिबद्ध पक्षकार के दर्जे का अभाव है।
- vi. याचिकाकर्ताओं ने भारत में आयातों की मात्रा एवं मूल्य का निर्धारण करने के लिए इंपेक्स स्टेटिस्टिक सेवाओं को अपनाया है। याचिकाकर्ता ने मापन की इकाई के रूप में “वाट” को अपनाया है। उक्त आयात आंकड़ों में “वाट” के रूप में अभिव्यक्त व्यक्तिगत आयात समव्यवहारों में आयातों की मात्रा के संबंध में पर्याप्त सूचना प्रदान नहीं कराई गई है।
- vii. वर्तमान मामले में शुल्क का भूतलक्षी प्रभाव से अधिरोपण करना इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए न्यायोचित नहीं है कि यह भारी पाटन का मामला नहीं है। याचिकाकर्ताओं ने पाटनरोधी शुल्क का भूतलक्षी प्रभाव से अधिरोपण करने के लिए अपने दावे को पाटनरोधी नियमावली में निर्धारित अपेक्षाओं के आधार पर सुस्पष्ट नहीं किया है।
- viii. आयातित सौर उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करना भारत के समग्र जनहित के विपरीत होगा। पाटनरोधी शुल्क का उद्ग्रहण करने से फोटोवाल्टिक विद्युत केन्द्रों की निर्माण लागत में बढ़ोतरी होगी और उनके द्वारा उत्पादित विद्युत ऊर्जा की लागत भी बढ़ेगी जो भारत के दीर्घावधि हित और समग्र विकास के लिए उचित नहीं होगा।
- ix. चीन और भारत दोनों ही ब्रिक्स देश हैं जिनकी कार्यनीतिक साझेदारी है और जिनकी हरित ऊर्जा के क्षेत्र में व्यापक सहकारिता परिवृश्य एवं विभिन्न व्यवसाय अवसर हैं। भारत इस

मामले का निपटारा विवेकपूर्ण ढंग से करेगा और हरित ऊर्जा पर व्यापार उपचारी उपाय अनुप्रयोग करने से बचेगा और दोनों देशों में उद्योगों को विचार-विमर्श एवं संप्रेषण संवर्धन करने हेतु प्रोत्साहित करेगा।

xx. याचिकाकर्ताओं का यह दावा कि ईयू औरयूएसए द्वारा किए गए सख्त उपायों से चीन के उत्पादकों पर दबाव बढ़ा है और भारत जैसे बाजार में पाटन करना उचित नहीं है। ईयू और चीन दोनों राष्ट्रों के बीच अभी हाल ही में हुए कीमत निर्धारण करार के उपरांत एक सामान्य सूझा उत्पन्न हुई है। इसके परिणामस्वरूप भारत में पाटन करने के लिए चीन के उत्पादकों पर दबाव बढ़ा है।

xxi. पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण केवल माइयूलों पर किया जाना चाहिए न कि सैलों पर। भारतीय सौर सैल विनिर्माता लगभग 700 मेगावाट का विनिर्माण करते हैं तथापि माइयूल विनिर्माण लगभग 1250 मेगावाट के बराबर होता है। सौर विनिर्माताओं की क्षमता कम है और उसका उपयोग भी कम होता है, इसके कारण माइयूल विनिर्माण क्षमता उपयोग में कमी आई है।

xxii. आयात लेन-देनों को किलोवाट/मेगावाट में संपरिवर्तित करने के लिए अपनाई गई क्रिया पद्धति का खुलासा नहीं किया गया है और आवेदक द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़े त्रुटिपूर्ण एवं अविश्वसनीय हैं।

xxiii. प्रत्येक मेगावाट की लागत और कीमत, जब उसकी बिक्री सौर सैल के रूप में की जाती है और दूसरी ओर जब उसकी बिक्री सौर माइयूल के रूप में की जाती है तो, मैं भारी अंतर होता है और आशय के तथ्यों का प्रकटन प्राधिकारी के समक्ष नहीं किया गया है।

xxiv. यूएस से आयातों की मात्रा न्यूनतम स्तर से कम है और त्रुटिपूर्ण आयात संव्यवहारों का अपवर्जन यूएसए से क्रृत्यात्मक पाटन मार्जिन दर्शाएगा जिसके कारण यूएसए के विरुद्ध जांच समाप्त कर देना अपेक्षित होगा।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

26. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरण और प्राधिकारी द्वारा उन पर की गई संगत जांच निम्नलिखित है:

i. ईयू का अपवर्जन करने के संबंध में कुछ पक्षकारों द्वारा किए गए आरोपण का कोई आधार नहीं है क्योंकि ईयू के विरुद्ध एक याचिका प्राधिकारी के पास पहले से ही रिकॉर्ड में मौजूद है।

ii. याचिकाकर्ता ने गौण स्रोत अर्थात् इंपेक्स सांख्यिकीय सेवाओं के अनुरूप आवेदन-पत्र के प्रयोजनार्थ आयात सूचना पर भरोसा किया है जिस पर प्राधिकारी द्वारा वर्तमान जांच प्रारंभ करने के लिए भरोसा किया गया है। याचिकाकर्ताओं को अब डीजीसीआईएण्डएस के अनुसार सूचना प्राप्त होने वाली है। भारत में संबद्ध वस्तु के आयातों का डीजीसीआईएण्डएस तथा इंपेक्स सांख्यिकीय सेवाओं के अनुसार तुलनात्मक विवरण निम्नलिखित हैं:

जांच की अवधि	इंपेक्स सांख्यिकीय के अनुसार		डीजीसीआईएण्डएस के अनुसार	
देश	मात्रा किलो वाट	मूल्य/वाट	मात्रा कि.वाट	मूल्य/वाट
चीन जन.गण	613145	43.33	636667	50.91
ताईवान	148145	41.37	249866	40.57
मलेशिया	350434	46.93	177943	50.19
यूएसए	90417	38.65	143884	45.19
संबद्ध देश कुल	1202,142	43.79	1208,362	47.99

याचिकाकर्ता ने उपर्युक्त तुलनात्मक विश्लेषण करने के लिए निम्नलिखित क्रिया पद्धति अपनाई है।

क) डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त अपरिष्कृत आंकड़ों को विचाराधीन उत्पाद और गैर-विचाराधीन उत्पाद के लिए अभिज्ञात किया गया क्योंकि संबद्ध वस्तु के लिए कवर किए गए उप-शीर्षक में कतिपय अन्य उत्पादों को भी शामिल किया गया है।

ख) संबद्ध वस्तु से संबंधित कुछ परिविष्टियाँ जिनमें विवरण स्पष्ट नहीं हैं कि क्या सैल, माइूल या तनु फ़िल्म या इसके वाटेज एवं नंबरों को गैर-विचाराधीन उत्पाद के रूप में अभिज्ञात किया गया है जिससे कि त्रुटिपूर्ण निष्कर्ष निकालने की संभावना कम हो सके।

ग) संबद्ध वस्तु की प्रविष्टियाँ को संबद्ध उत्पादक के उत्पाद ब्रोसरों का उल्लेख करते हुए और आवेदक के सर्वोत्तम ज्ञान के अनुरूप जहां अपेक्षित सूचना अन्यथा उपलब्ध नहीं थी, सैलों/माइूलों की संख्या और इसके वाट के संबंध में परिविष्टियाँ में उपलब्ध सूचना के अनुसार समकक्ष किलोवाट में संपरिवर्तित कर दिया गया।

यह नोट किया जा सकता है कि डीजीसीआईएंडएस आंकड़े इंपेक्स स्टेटिस्टिक्स सर्विसेज द्वारा रिकॉर्ड किए गए आंकड़ों की तुलना में आयातों की उच्चतर मात्रा और उच्चतर कीमत प्रदर्शित करते हैं।

iii. ईयू को संबद्ध देशों के दायरे से अलग करने के मुद्दे पर हमारे विगत प्रस्तुतिकरणों, जिनको विरोधकर्ता हितबद्धपक्षकारों द्वारा उठाया गया था, के अलावा यह भी नोट किया जा सकता है कि डीजीसीआईएंडएस ने ईयू से 80,213 किलोवाट मात्रा का समग्र आयात दर्शाया है जो देश में हुए कुल आयातों का 5.37% है। तथापि, ईयू के मामले में डीजीसीआईएंडएस द्वारा रिपोर्ट की गई कीमत 61.43 रु. प्रतिवाट है जो संबद्ध देशों से बहुत अधिक है। यह प्रस्तुत किया जाता है कि विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों द्वारा ईयू का अपवर्जन करने से संबंधित मुद्दा केवल इस तथ्यपरक स्थिति के आधार पर असंगत है। प्राधिकारी वर्तमान मामले में जांच-परिणाम के प्रयोजनार्थ डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त सूचना पर विचार कर सकते हैं।

iv. इंपेक्स सांख्यिकीय के अनुरूप आयात आंकड़ों का तुलनात्मक विश्लेषण जिसके आधार पर यह याचिका दायर की गई और प्राधिकारी द्वारा जांच शुरू की गई, तथा डीजीसीआईएंडएस आंकड़े निम्नलिखित हैं:

	मात्रा (किलोवाट)	मूल्य (लाख रु.)	कीमत/रु. वाट	आयातों में हिस्सेदारी
इंपेक्स सांख्यिकी के आधार पर आयात				
कुल आयात	13,74,402	6,05,996.77	44.09	100
संबद्ध देशों से आयात	12,02,143	5,26,361.48	43.79	87.47
ईयू से आयात	75,026	30,786.72	41.03	5.46
डीजीसीआईएंडएस के अनुसार आयात				
कुल आयात	13,98,874	6,84,441.33	48.93	100
संबद्ध देशों से आयात	12,08,362	5,79,780.68	47.98	86.38
ईयू से आयात	80,213	49,278.23	61.43	5.73

v. याचिकाकर्ता पुनः यह प्रस्तुत करते हैं कि निर्दिष्ट प्राधिकारी जांच की अवधि के दौरान ईयू के विभिन्न सदस्यों से संबद्ध वस्तु के आयात के संबंध में डीजीसीआईएंडएस और इंपेक्स सांचियकी सेवाओं के तुलनात्मक अध्ययन पर निम्नलिखित रूप से विचार कर सकते हैं जो पर्याप्त रूप से यह स्पष्ट करता है कि डीजीसीआईएंडएस स्रोत से दर्शाए गए आंकड़े इंपेक्स सांचियकी सेवाओं की तुलना में युक्तिसंगत कीमतें प्रस्तुत करते हैं:

देश	इंपेक्स सांचियकी			डीजीसीआईएंडएस		
	किलोवाट	दर/वाट	हिस्सा %	किलोवाट	दर/वाट	हिस्सा %
बेल्जियम	506	12.15	0.0%	518	11.75	0.04%
चेक गणराज्य	1941	24.31	0.1%	960	32.90	0.07%
फ्रांस	3925	20.34	0.3%	412	48.69	0.03%
जर्मनी	36027	54.80	2.6%	53324	58.84	3.81%
इटली	6916	70.05	0.5%	18371	69.91	1.31%
नीदरलैंड	10292	18.77	0.7%	3696	71.00	0.26%
नार्वे	2272	10.69	0.2%	147	18.63	0.01%
पोलैंड	24	68.72	0.0%	24	68.04	0.00%
स्पेन	15310	18.87	1.1%	2720	65.74	0.19%
स्वीडन	24	35.98	0.0%	27	48.39	0.00%
यूके	61	33.89	0.0%	0	0.00	0
ब्रिस	0	0.00	0	5	102.94	0.00%
आयरलैंड	0	0.00	0	9	66.19	0.00%
कुल योग	77297	40.14	5.6%	80213	61.43	5.73%

vi. यह देखा जा सकता है कि डीजीसीआईएंडएस ईयू के मामले में 61.43 रु. प्रति किलोवाट की उच्चतर कीमतों पर आयात दर्शाता है जबकि इंपेक्स सांचियकी के अनुसार 40.14 रु. प्रतिवाट कीमत की दर से आयातों की 77297 किलोवाट मात्रा को दर्शाया गया है। यह भी नोट किया जा सकता है कि ईयू के सदस्यों में जर्मनी ने सर्वाधिक आयात किया और दोनों ही स्रोतों के अनुसार जर्मनी की कीमत तुलनीय बनी रही। चेक गणराज्य, फ्रांस, नीदरलैंड, स्वीडन और स्पेन के मामले में इंपेक्स द्वारा रिपोर्ट की गई कम कीमतें डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार तर्कसंगत प्रतीत होती हैं, यद्यपि बेल्जियम, चेक गणराज्य और नार्वे की कीमत समग्र ईयू कीमतों से अभी भी कम प्रतीत होती है जबकि डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों के अनुसार यह कीमत लगभग 20 रु. बढ़ी हुई है।

vii. संबद्ध देशों से ईयू के अपवर्जन का आशय यह नहीं है कि गैर-विभेदकारी सिद्धांत का किसी भी तरह से उल्लंघन किया गया है। यह याचिका द्वितीयक स्रोत से प्राप्त अर्थात् इंपेक्स स्टेटिस्टिक्स सर्विसेज के आंकड़ों पर आधारित थी। उक्त स्रोत के अनुसार जांच की अवधि के दौरान ईयू से आयात न्यूनतम स्तर से अधिक था और प्रति यूनिट प्राइस संबद्ध देशों के आयातों की कीमत से कम थी। तथापि, जांच प्रारंभ होने के पश्चात याचिकाकर्ता को डीजीसीआईएंडएस स्रोत से आंकड़े प्राप्त हुए जिसमें यह पाया गया कि जांच की अवधि के दौरान ईयू से आयात न्यूनतम स्तर से अधिक थे परंतु प्रति यूनिट कीमत संबद्ध देशों की प्रति यूनिट कीमत से अधिक थी। आयातों की कुल मात्रा और मूल्य, डीजीसीआईएंडएस आंकड़ों से प्राप्त रिपोर्ट के अनुसार इंपेक्स सांचियकी सेवा स्रोत से प्राप्त आंकड़ों से उच्चतर स्तर पर था। अतः विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों का यह तर्क कि ईयू का संबद्ध देशों के क्षेत्र से अपवर्जन कर दिया जाना चाहिए, वर्तमान जांच को प्रारंभ से ही निरर्थक सिद्ध कर देता है और इस कारण से इसे समाप्त कर दिया जाना चाहिए क्योंकि इसकी अब कोई संगतता नहीं है।

viii. ऐसा होते हुए भी ईयू से आयात एक अल्प मुद्दा है क्योंकि इसमें संबद्ध देशों से पाटित आयातों और घरेलू उद्योग द्वारा सहन की गई वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों को भंग नहीं किया है।

वर्तमान जांच के दायरे में ईयू का समावेशन न किए जाने से वर्तमान जांच पर किसी भी तरह का कोई प्रभाव नहीं पड़ा है। ईयू का अपवर्जन इस तथ्य को पुष्ट करता है कि नगण्य आयातों की जांच करने का उचित प्रशासन था क्योंकि ईयू के किसी भी सदस्य, जर्मनी को छोड़कर, ने ऐसा प्रतीत होता है कि भारत को कोई वाणिजियक निर्यात नहीं किया है। जर्मनी से आयातों की व्यक्तिगत जांच यह दर्शाती है कि जर्मनी से आयात न्यूनतम स्तर के निर्धारण से तीन प्रतिशत तक कम थे और ईयू के अन्य सदस्यों से निर्यात भारत में कुल आयातों का एक प्रतिशत अथवा उससे भी कम और नगण्य रहे हैं। हर हाल में याचिकाकर्ता ने जांच की अवधि के पश्चात् की अवधि में ईयू से आयातों की मात्रा में मामूली सी बढ़ोतरी पाई है और ईयू तथा जापान के विरुद्ध पाटनरोधी जांच प्रारंभ करने के लिए एक याचिका दायर की गई है।

- ix. जांच शुरुआत के समय संबद्ध देशों से जांच की अवधि में आयातों की मात्रा वार्षिकीकृत रूप से 801 मेगावाट थी जबकि ईयू से आयात केवल 41 मेगावाट हुए थे जिनमें 24 मेगावाट आयात 54 रु. प्रतिवाट की दर से जर्मनी से किए गए थे। यह दर संबद्ध देशों की दर से अधिक थी। जर्मन आयातों का हिस्सा 3% की सीमा से कम था।
- x. पेंटाइरायथिटाल के मामले में स्वीडन के अलावा ईयू से एक समान स्थिति प्रचलित थी क्योंकि सऊदी अरेबिया से होने वाले आयात न्यूनतम स्तर से अधिक थे तथापि उसे जांच में शामिल नहीं किया गया था। ऐसा होते हुए भी घरेलू उद्योग द्वारा एक पृथक याचिका दायर की गई और एक मामला उत्तरवर्ती रूप से शुरू किया गया।
- xi. संबद्ध देशों द्वारा आयातों की कम रिपोर्टिंग करना एक बड़ी समस्या है जिसकी प्राधिकारी द्वारा निराकरण किए जाने की जरूरत है। यदि सीसीसीएमई द्वारा यथास्वीकृत आयातों की कम रिपोर्टिंग में सुधार किया जाता है तो ईयू से इस तरह का न्यूनतम स्तर कुल आयातों के उनके प्रतिशत के रूप में और भी अधिक कम हो जाएगा।
- xii. चीन के उत्पादक अपनी बेशी क्षमता और घरेलू बाजार में कम मांग के कारण भारी चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। चूंकि ईयू और यूएसए ने चीन के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित कर रखा है इसलिए चीन के निर्यातक भारत जैसी सुदृढ़ बाजार में अपने माल का और अधिक तेजी से पाटन करने को अधिमानता प्रदान कर सकते हैं।
- xiii. आयातकर्ता विदेशों से वित्तपोषित पाटन, खासकर यूएसए से वित्तपोषित पाटन का लाभ उठा रहे हैं। आयातकर्ता/उपयोगकर्ताओं को संबद्ध वस्तु पाटित कीमतों पर प्राप्त हो रही है और उन्हें निधियों का लाभ भी मिल रहा है।
- xiv. वर्तमान मामला भूतलक्षी प्रभाव से साधन की सिफारिश करने के लिए एक उपयुक्त मामला है क्योंकि संबद्ध उत्पाद के भारी पाटन द्वारा कारित क्षति संगत रूप से अल्प अवधि में हुई है और इन आयातों की भारी मात्रा पर विचार करते हुए यदि पाटनरोधी अधिनियम की धारा 3 में यथापरिकलिप्त भूतलक्षी प्रभाव से शुल्क की सिफारिश नहीं की जाती है तो वर्तमान मामले में पाटनरोधी शुल्क के वांछित उपचारी प्रभाव सिद्ध नहीं होंगे। पाटन तथा घरेलू उद्योगद्वारा सहन की गई क्षति के परिमाण पर विचार करते हुए पाटनरोधी शुल्क भूतलक्षी प्रभाव से अधिरोपण करना चाहिए।
- xv. एसआईपीपीए जैसे पक्षकारों ने भी अपने प्रस्तुतिकरण किए हैं जबकि उन्हें अभी भी यह सिद्ध करना है कि वे पाटनरोधी नियमावली के आशय के अन्तर्गत हितबद्ध पक्षकार हैं।
- xvi. इस जांच शुरुआत अधिसूचना में कोई निर्धारण, विचार, जांच आदि केवल प्रथमदृष्टया है। वर्तमान जांच शुरुआत अधिसूचना में प्रयोग किए गए शब्द प्रथमदृष्टया में कुछ भी असामान्य नहीं है।
- xvii. भारत के पास अपनी घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता है।
- xviii. पाटित माइयूलों के आयात का कांच के प्रदायकों की बाजार पर विपरीत प्रभाव पड़ा है, जोकि माइयूलों का एक बड़ा संघटक है।

xix. यह भी तर्क दिया गया कि चीन और यूएस की कंपनियां भारतीय प्रदायकों के अननुरूप अपने उत्पादों पर 25 वर्षों की वारंटी दे रही हैं। उक्त पक्षकारों से अपने तर्क के समर्थन में भरोसेमंद साक्ष्य प्रदान कराए जाने के लिए कहा जाना चाहिए।

xx. यूएसए की एगिजम बैंक यूएसए की सरकारी निर्यात ऋण एजेंसी है। एगिजम का मिशन यूएस वस्तुओं एवं सेवाओं के निर्यात को सहायता देना एवं उनका वित्तपोषण करना है। यूएसए के सौर सैलों के उत्पादक एगिजम बैंक से वित्तीय सहायता प्राप्त कर रहे हैं जबकि वे अपने माल का निर्यात भारत को कर रहे हैं। इस तरह की वित्तीय सहायता के उचित समायोजन पर, यूएस उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करते समय विचार करना चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए विविध मुद्दों और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गये उन मुद्दों की जांच का उल्लेख निम्नलिखित रूप से किया गया है:

- i. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण केवल माड्यूलों पर किया जाना चाहिए न कि सैलों पर क्योंकि सौर विनिर्माताओं की क्षमता कम है और उनका कम उपयोग होने से माड्यूल विनिर्माण क्षमता का उपयोग और भी कम होगा, प्राधिकारी ये नोट करते हैं कि अधिरोपित पाटनरोधी शुल्क यहां ऊपर यथानिर्धारित संबद्ध उत्पाद पर लागू होगा।
- ii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि आयात लेन-देनों को किलोवाट/मेगावाट के रूप में संपरिवर्तित करने के लिए अपनाई गई क्रियापद्धति का खुलासा नहीं किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ करने से पहले याचिकाकर्ता से स्पष्टीकरण मांगा गया था तथा याचिकाकर्ता से प्राप्त उत्तरों को याचिका के अगोपनीय पाठ में निगमित के रूप में सार्वजनिक रूप से उपलब्ध करा दिया गया है जो स्वतः स्पष्ट एवं व्यापक है।
- iii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि एक और सौर सैल के रूप में बेचे जाने पर और दूसरी ओर सौर माड्यूल के रूप में बेचे जाने पर प्रत्येक मेगावाट की लागत और कीमत में भारी अंतर होता है और इससे संबंधित तथ्यों का खुलासा प्राधिकारी को नहीं किया गया है, यह नोट किया जाता है कि विहित प्रपत्र के अनुरूप संबद्ध वस्तु से संबंधित क्षति सूचना तथा आवश्यक समझी गई सीमा तक सूचना को याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान करा दिया गया था।
- iv. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि दायर किए गए आवेदन पत्र में इस जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त साक्ष्य का अभाव है, यह नोट किया जाता है कि यह जांच प्रारंभ करने के लिए पर्याप्त औचित्य मौजूद है। प्रस्तुत जांच लिखित आवेदन-पत्र जो प्राधिकारी द्वारा यथानिर्धारित स्वरूप और ढंग में था, प्राप्त होने के पश्चात प्रारंभ की गई थी और इसका समर्थन पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंधों से संबंधित संगत एवं आवश्यक साक्ष्य द्वारा किया गया था। यह जांच यह निर्धारित करने के पश्चात प्रारंभ की गई थी कि उसके लिए आवेदन-पत्र घरेलू उत्योग द्वारा या उसकी ओर से किया गया है और आवेदन-पत्र में प्रदान कराए गए साक्ष्यों की यथार्थता और उपयुक्तता के संबंध में पर्याप्त जांच करने के पश्चात तथा प्राधिकारी की इस उचित संतुष्ट के पश्चात की गई थी कि पाटन क्षति एवं कारणात्मक संबंधों के बारे में पर्याप्त साक्ष्य हैं जो इस जांच के प्रारंभ को न्यायोचित ठहराते हैं।
- v. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि याचिकाकर्ताओं द्वारा किया गया जांच शुरुआत पूर्व किया गया प्रस्तुतिकरण हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान कराया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि आवेदन-पत्र की जांच शुरुआतपूर्व संवीक्षा एक नैमित्तिक प्रक्रिया है। याचिकाकर्ता द्वारा एक बार अद्यतनीकृत आवेदन-पत्र दायर कर दिए जाने, जिसमें जांच शुरुआत से पहले की सूचना/प्रस्तुतिकरण को निगमित किया गया हो, के पश्चात यह आवश्यक नहीं है कि प्राधिकारी की जांच शुरुआत पूर्व संवीक्षा का भाग बनने वाली सूचना का प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को किया जाए।

vi. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि यूरोपियन यूनियन (ईयू) को संबद्ध देश/भू-भाग के रूप में शामिल न करना सही नहीं है और वह विभेदकारी है और वर्तमान जांच को केवल इसी आधार पर समाप्त कर दिया जाना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता द्वारा प्रस्तुत वित्तीय स्रोत से प्राप्त सूचना के अनुरूप जिसके आधार पर वर्तमान जांच प्रारंभ की गई थी, ईयू सदस्यों से, जर्मनी को छोड़कर अन्य सभी की अपनी-अपनी निर्यात मात्रा बहुत कम है और उससे ऐसा प्रतीत नहीं होता है कि वह कोई वाणिजियक मात्रा है। जर्मनी से किए गए आयात कुल आयातों का केवल 2.62% है और यह आयात 55 रु. प्रति वाट की कीमत पर किए गए यह कीमत संबद्ध देशों की औसत कीमत से अधिक है। ईयू के बाकी बचे सदस्यों ने बहुत ही नगण्य आयात रिपोर्ट किए हैं जो सभी को जोड़कर ईयू से आयातों का समग्र प्रतिशत भारत को होने वाले कुल आयातों का लगभग 5.46% है। अतः यह नहीं दर्शाया गया है कि ईयू से आयातों का घरेलू उद्योग पर इतना अधिक महत्वपूर्ण विपरीत प्रभाव पड़ा है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति और संबद्ध देशों से पाटन के बीच कारणात्मक संबंध भंग हो गया हो। ईयू का अपवर्जन कर देने से पाटन के द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जाने वाली क्षति किसी भी रूप में कम नहीं हो जाती है।

vii. डीजीसीआईएंडएस से प्राप्त आयात आंकड़े और वर्तमान जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा भरोसा किए गए आंकड़े दर्शाते हैं कि ईयू से संबद्ध वस्तु का 80.21 मेगावाट आयात 61.43 रु. प्रति मेगावाट की औसत कीमत पर हुआ था। यह औसत कीमत संबद्ध देशों से रिपोर्ट की गई 47.98 रु. प्रति मेगावाट की औसत कीमत से बहुत अधिक है। फिर भी, ईयू से आयातों का हिस्सा भारत को किए गए कुल आयातों का 5.73% बनता है, प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि संबद्ध देशों से आयात की कीमतों की तुलना में इतनी अधिक कीमत होने पर ईयू का अपवर्जन कर देने का वर्तमान जांच पर कोई खास प्रभाव नहीं पड़ेगा। इसलिए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ईयू का वर्तमान जांच के दायरे से अपवर्जन कर दिए जाने से संबंधित मुद्दा असंगत हो जाता है वर्तमान जांच को शुरुआत से ही समाप्त कर दिए जाने की जांच में भी कोई ठोस दम नहीं रह जाता है।

viii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि शुल्क का अधिरोपण जनहित के विरुद्ध होगा प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन, सामान्यतः, पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षति का निराकरण करना है जिससे कि भारतीय बाजार में मुक्त एवं उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति पुनः स्थापित हो सके जो देश के सामान्य हित में होगी। पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण से संबद्ध देशों से होने वाले आयातों पर किसी भी रूप में प्रतिबंध नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इस उत्पाद की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

ix. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि याचिका में साक्ष्यों की उपयुक्तता एवं यथार्थता यूएसए के संबंध में प्रश्न करने योग्य है और यूएस से आयात न्यूट्रिम स्तर से कम है और आयात संव्यवहारों का त्रुटिपूर्ण अपवर्जन यूएसए से ऋणात्मक पाटन मार्जिन दर्शाएगा जिससे यूएसए के विरुद्ध जांच को समाप्त कर दिया जाना अपेक्षित होगा, यह नोट किया जाता है कि यूएसए के संबंध में पाटन की इस अंतिम जांच परिणाम में संबंधित स्थानों पर विस्तार से जांच की गई है जो स्वयं स्पष्ट है। पाटनरोधी उपायों का मुख्य उद्देश्य घरेलू उद्योग तथा पाटित आयातों के लिए समान क्षेत्र सृजित करना है न कि आयातों को प्रतिबंधित करना है। वर्तमान मामले में पाटनरोधी शुल्क लगाने से घरेलू उद्योग अधिक प्रतिस्पर्धी ढंग से पुनर्जीवित होने में सक्षम होगा तथा इससे भारतीय तथा विदेशी निवेश को सुविधा होगी।

x. जहां तक घरेलू उद्योग के इस तर्क का संबंध है कि यूएस एजेंसियों द्वारा विकाकर्ताओं के दीर्घावधि वित्त पोषण के कारण अमेरिकी निर्यातकों की निर्यात कीमत का समुचित समायोजन किया जाना चाहिए जिसे भारतीय प्रदायकों से उत्पाद की खरीद किए जाने पर उपलब्ध नहीं कराया जाता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसा उल्लेख किया जा सकता है कि इस दीर्घकालिक वित्तपोषण का अमेरिकी निर्यातकों की बाजार परिवर्त्य पर प्रभाव पड़ सकता है परन्तु यह नहीं कहा जा सकता है कि उससे पाटन को बढ़ावा मिलेगा।

28. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों के अलावा जिन पर प्राधिकारी द्वारा विचार किया गया और जिनका निराकरण किया गया, पर्यावरण और वन मंत्रालय, (एम ओ ई एफ) भारत सरकार तथा नवीकरणीय एवं नवीन ऊर्जा मंत्रालय, (एम एन आर ई) भारत सरकार, इलेक्ट्रानिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी विभाग राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धा परिषद और विज्ञान तथा पर्यावरण केन्द्र (सी एस ई) से निम्नलिखित विचार भी प्राप्त हुए थे:-

क) पर्यावरण एवं वन मंत्रालय ने यह विचार व्यक्त किया है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से सौर ऊर्जा उत्पादन करने की लागत में वृद्धि होगी।

ख) नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने यह विचार व्यक्त किया कि घरेलू संघटक की शर्त युक्त सौर ऊर्जा का परिरक्षण/अधिप्रापण करने की स्कीम से भारतीय सैल एवं माइयूल के विनिर्माताओं को पर्याप्त व्यवसाय एवं संरक्षण प्राप्त होगा। एम एन आई ई ने पुनः विचार व्यक्त किया कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण चल रही जे एनएनएसएम परियोजनाओं पर विपरीत निहितार्थ डाल सकता है।

ग) एनएसीसी का विचार है कि घरेलू सौर विनिर्माण सेक्टर चीन से सस्ते आयातों से प्रभावित हो रहा है। इस उभरते हुए उच्च प्रौद्योगिकी सेक्टर को पोषित करने के लिए पाटनरोधी शुल्क अनिवार्य है। शैशव अवस्था में पड़ा घरेलू विनिर्माण उद्योग परेशानी में है और पाटनरोधी शुल्क के अधिरोपण में किया गया विलंब राष्ट्रीय सौर मिशन के प्राथमिक उद्देश्यों में से एक, जो घरेलू विनिर्माणक्षमता का सृजन करना है, को प्राप्त करने के आडे आ रहा है।

घ) सीएसई का विचार है कि सौर विनिर्माण सेक्टर अच्छी स्थिति में नहीं है इसलिए घरेलू सौर विनिर्माताओं को यूएसए, चीन के निर्यातकों के साथ प्रतिस्पर्धा करने के योग्य बनाना चाहिए।

ड.) इलेक्ट्रानिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी विभाग ने विचार व्यक्त किया कि पाटनरोधी शुल्क के अभाव में घरेलू उद्योग भीषण वित्तीय दबाव का सामना कर रहा है। लगभग सभी सौर सैल विनिर्माताओं का मामला बी आई एफ आर में चल रहा है और निवेश हो ही नहीं रहा है। जब तक घरेलू विनिर्माण नहीं होता है, तब तक सौर उत्पादों एवं प्रौद्योगिकी के लिए आयातों पर निर्भरता बनी ही रहेगी।

प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के नियम 4 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि वह किसी वस्तु के आयात के संबंध में कथित किसी पाटन की मौजूदगी, उसकी मात्रा और उसके प्रभाव की जांच करे, पाटन क्षति एवं कारणात्मक संबंधों को अभिज्ञात करे और ऐसी पाटनरोधी शुल्क की राशि की सिफारिश करे जो, यदि केन्द्र सरकार द्वारा उदग्रहीत की जाती है तो घरेलू उद्योग की क्षति को दूर करने के लिए पर्याप्त होगी। पाटनरोधी उपाय आयातों को न ही प्रतिबंधित करते हैं और न ही उनको रोकते हैं। पाटनरोधी शुल्क का आशय घरेलू उद्योग तथा पाटित आयातों के लिए समान अवसरों का सृजन करना है।

च. बाजार अर्थव्यवस्था उपचार, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

29. प्राधिकारी नोट करते हैं कि विगत तीन वर्षों के दौरान चीन जन.गण. को भारत द्वारा तथा डब्ल्यूटीओ के अन्य सदस्यों द्वारा की गई पाटनरोधी जांच में गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है। चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार निर्यातक देश या व्यक्तिगत निर्यातकों द्वारा खंडन की प्रकल्पना के अध्यधीन माना गया है।

30. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-। के पैराग्राफ 8 के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की प्रकल्पना का खंडन किया जा सकता है यदि चीन जन.गण. के निर्यातक पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ 3 में विनिर्दिष्ट मापदण्ड के आधार पर सूचना एवं पर्याप्त साक्ष्य प्रदान कराते हैं और उसके विपरीत तथ्य स्थापित करते हैं। चीन जनवादी गणराज्य के संबद्ध वस्तु के सहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों से यह अपेक्षा की जाती है कि वे बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रश्नावली के प्रत्युत्तर में पैराग्राफ 8 के उप-पैराग्राफ 3 में उल्लिखित आवश्यक सूचना/पर्याप्त साक्ष्य प्रस्तुत करें जिससे कि प्राधिकारी निम्नलिखित प्रक्रिया पर विचार करने में सक्षम हो सके कि क्या:

क. चीन जन.गण. में कीमतों, लागत और इनपुट, जिसमें कच्चे माल, प्रौद्योगिकी की लागत और श्रम, आउटपुट और बिक्रियों तथा निवेश शामिल है, के संबंध में संबंधित फर्मों का निर्णय बाजार संकेतकों के अनुरूप किया जाता है जिसमें मांग एवं आपूर्ति प्रतिबिंबित होती हो और वह इस संबंध में राज्य के हस्तक्षेप के बिना हुआ हो और यह कि क्या प्रमुख इनपुटों की लागत पर्याप्त रूप से बाजार मूल्यों को प्रतिबिंबित करती है।

ख. इन फर्मों की उत्पादन लागत और वित्तीय स्थिति पूर्ववर्ती गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रणाली के रूप में की गई बड़ी-बड़ी विकृतियों, खासकर परिसंपत्तियों के अवक्षाया, बट्टे खाते में डाले गए अन्य, विनिमय व्यापार और ऋणों की प्रतिपूर्ति के ज़रिए भुगतान के अध्यधीन होती है;

ग. ऐसी फर्मों द्विवालियापन और संपत्ति विधियों के अध्यधीन होती हैं जो इन फर्मों के प्रचालन के विधिक निश्चितता और स्थाईत्व की गारंटी प्रदान करती हैं।

घ. विनिमय दर संपरिवर्तन बाजार दर पर की गई है।

31. प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्राधिकारी द्वारा जारी जांच शुरुआत नोटिस के परिणामस्वरूप चीन के निम्नलिखित उत्पादकों और निर्यातकों ने अपने बाजार अर्थव्यवस्था प्रश्नावली प्रत्युत्तर सहित प्रश्नावली प्रत्युत्तर प्रस्तुत किए हैं और गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रकल्पना का खंडन करने की मांग की है।

- i. सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊजा कं. लि.
- ii. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कं., लि.
- iii. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशु) इंक
- iv. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग(तुओयॉग) इंक
- v. सीईईजी(संघाई) सौर विज्ञान प्रौद्योगिकी कं. लि.
- vi. बाओडिंग टियानवेई सोलर फिल्म्स कं. लि.
- vii. जेए सोलर टेक्नोलॉजी, यांगझोऊ कं.लि.
- viii. जियांगएओ सोलर कं. लि.
- ix. संघाई जिंगएओ सोलर फोटोवाल्टिक टेक्नोलॉजी कं. लि.
- x. संघाई जेए सोलर टेक्नोलॉजी कं. लि.

32. प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों और निर्यातकों के प्रश्नावली प्रत्युत्तरों और बाजार व्यवस्था प्रत्युत्तरों की जांच की गई और प्रस्तुतिकरणों में कमियों का उल्लेख किया गया तथा उनसे स्पष्टीकरण मांगा गया।

33. उत्पादकों/निर्यातकों/आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में किए गए प्रस्तुतिकरण और प्राधिकारी द्वारा संगत समझे गए प्रस्तुतिकरण निम्नलिखित हैं:

- i. संबद्ध देशों के संबंध में घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य गलत है।
- ii. यूएस और मलेशिया के फर्स्ट सॉलर द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में पाटन मार्जिन न्यूनतम है। इसलिए इस जांच को तत्काल समाप्त कर दिया जाना अपेक्षित होगा।
- iii. कनाडियन सॉलर इंक, चीन जन.गण. एक बाजार अर्थव्यवस्था वाला देश है और संबद्ध वस्तु के निर्यात के सामान्य मूल्य का प्राधिकारी द्वारा निर्धारण निर्यातकों द्वारा प्रदान कराए गए लागत एवं कीमत निर्धारण के आंकड़ों के आधार पर किया जाना चाहिए।
- iv. इस तथ्य के बावजूद कि चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देश के रूप में माना गया है, चीन सनर्जी ग्रुप बाजार अर्थव्यवस्था के सिद्धांतों का प्रचालन करना है और उसे प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य पर पहुंचने के लिए उसी रूप में माना जाना चाहिए।

v. निर्यात कीमत का परिकलन फैक्टरी के बाजार होने वाले विभिन्न खर्चों को कम करके, प्रतिवाट कुल सकल मूल्य के प्रतिशत के रूप में परिकलित करके फैक्टरी बाह्य स्तर पर किया जाना चाहिए। पत्तन व्यय, अन्तरदेशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा और कमीशन जैसे व्ययों को प्रतिवाट आधार पर परिकलित नहीं किया जाता है।

34. घरेलू उयोग द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था, सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में प्रस्तुतिकरण और वे-प्रस्तुतिकरण जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया है, निम्नलिखित है:

- चीन का कोई भी उत्पादक बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति को संतुष्ट नहीं करता है और इसलिए सामान्य मूल्य का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध 1 के पैरा 7 में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप किया जाना चाहिए।
- ईयू और यूएसए द्वारा अभी हाल ही में की गई जाँच के निष्कर्ष में चीन के उत्पादकों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था शर्तों के अध्यधीन प्रचालन करते हुए पाया गया है और चीन के सभी उत्पादकों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा देने से मना कर दिया गया है। आवेदन-कर्ता यह दोहराते हैं कि वे परिस्थितियां जिनके आधार पर ईयू और यूएसए ने चीन के उत्पादकों को एमईटी प्रदान करने से मना कर दिया, अभी तक बदली नहीं हैं और भारत को भी चीन के किसी भी उत्पादक को एमईटी प्रदान करने से मना कर देना चाहिए।
- चीन के उत्पादकों के लिए भारत एक बहुत ही उपयुक्त देश है। इसलिए भारत में उत्पादन की लागत को चीन जनगण के संबंध में कुछ समायोजनों सहित सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए।
- संबद्ध देशों से पाटन मार्जिन न केवल न्यूनतम से अधिक है परन्तु वह बहुत अधिक भी है।
- भारी संख्या में उन आयातकों ने कोई प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है जिन्होंने वर्तमान जाँच में भाग लिया है। उसको ध्यान में रखते हुए निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत भरोसेमंद प्रतीत नहीं होती है। प्राधिकारी को भारतीय सीमाशुल्क द्वारा रिपोर्ट की गई कीमत की तुलना निर्यातकों द्वारा दावा की गई निर्यात कीमत से की जानी चाहिए।

प्राधिकारी द्वारा जांच

35. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. में उदभवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु अभी हाल ही की अवधि में यूरोपियन यूनियन तथा यूएसए में पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन रही है। ईयू और यूएसए चीन की कंपनियों को बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा चीन में गैर-बाजार अर्थव्यवस्था प्रचलित होने और चीन के उत्पादकों द्वारा एमईटी मापदंड को पूरा करने की अक्षमता के आधार पर प्रदान नहीं करते हैं। प्राधिकारी नोट करते हैं कि ईयू तथा यूएसए के निम्नलिखित जांच-परिणाम संगत हैं:

ईयू (ईसी)

(54) सत्यापन से यह सिद्ध होता है कि बाजार अर्थव्यवस्था के दर्जे का दावा करने वाले सभी सात निर्यातक उत्पादक (कंपनियों का समूह) आधारभूत नियमावली के अनुच्छेद 2 (7) (ग) में निर्धारित मापदण्ड की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं।

(64) मुख्य टिप्पणियां अधिमानी व्यापार प्रणाली और अनुदानों से संबंधित हैं। निर्यातकगण स्थापित तथ्यों का तर्क प्रदान नहीं करते हैं परंतु उन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा के मापदंड 3 को पूरा करने के लिए अपने महत्व पर प्रश्न उठाया है। विशेषरूप से उन्होंने तर्क दिया है कि राज्य द्वारा प्रदान कराए गए लाभ उनके संबंधित कारोबार के भारी अनुपात का प्रतिनिधित्व नहीं करते हैं।

(65) इस संबंध में यह नोट किया जाता है कि आयकर की एक प्रणाली जो सरकार द्वारा मानद कार्यनीतिक कतिपय कंपनियों का अनुकूल व्यवहार करती है, वह स्पष्ट्या एक बाजार अर्थव्यवस्था नहीं है। ऐसी प्रणाली अभी भी राज्य नियोजन द्वारा अन्यथिक प्रभावित होती है। यह भी नोट किया जाता है कि आयकर घटौती द्वारा शुरू की गई विकृतियां महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे कंपनी के कर-पूर्व लाभ की राशि

में पूरी तरह से परिवर्तन कर देती हैं जिससे कि उसे आकर्षक निवेशक प्राप्त हो सकें। यह विकृतियां स्थाई भी होती हैं और जांच की अवधि के दौरान प्राप्त निरूपाधि लाभ की प्रकृति के कारण होता है इसमें यह आकलन करना असंगत होता है कि क्या विकृति महत्वपूर्ण है। इसके अतिरिक्त महत्वता का आकलन कंपनी की वित्तीय एवं आर्थिक स्थिति के मापन के समग्रपरिणाम के आधार पर है।

(66) मापदंड 2 के संबंध में कंपनियों के तीन समूहों ने दावा किया है कि उन्होंने अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानदंडों के संबंधित नियमों का अनुपालन किया है क्योंकि उनकी यूएस समेकीकृत लेखाएं उन मानदंडों के पूर्णतया अनुरूप हैं। कुछ कंपनियों ने यह दावा भी किया है कि सामान्य रूप से उनके खाते चीन के लेखाकरण मानदंडों का अनुपालन करते हैं जिन्हें वह अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के समरूप समझते हैं। तथापि, समीपस्थ यह मुद्दा नहीं है कि क्या चीन के लेखाकरण मानदंड अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण मानदंडों के अनुरूप हैं। निकटस्थ मुद्दा यह है कि क्या एकाउंट्स लेखाकरण मानदंडों का अनुपालन करते हैं या नहीं। विशेष रूप से वे टिप्पणियां इस तथ्य का समाधान करने में असफल रहती हैं कि चीन की प्रश्नाधीन कंपनियों के व्यक्तिगत वित्तीय विवरण के संबंध में कई अंतर्राष्ट्रीय लेखाकरण सिद्धांतों (और चीन के समकक्ष समनुरूपियों), जिसमें विशिष्ट माल-सूची मूल्य छास और संबद्ध पक्षकारों को समर्थवहारों का प्रकटन उल्लंघन करते हुए पाया जाता है।

(67) मानदंड 1 के संबंध में पक्षकारों से प्राप्त टिप्पणियों और मामला सं. सी-337/09 पी(1), के निर्णय के प्रकाश में यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि सभी कंपनियों ने इस मानदंड को पूरा किया है। तथापि, सभी नमूनाकृत निर्यातकों के लिए समग्र एमईटी निर्धारण अपरिवर्तित ही रहता है क्योंकि वे मानदंड 2 और 3 की अपेक्षाओं को पूरा करने में अब भी असफल रहते हैं।

(68) मानदंड 4 के संबंध में कंपनी ग्रुप ने ऊपर उल्लिखित अभिकथन 57 का उल्लेख किया है जिसने यह प्रदर्शित किया है कि इसी बीच में चीन की सभी प्रमुख ग्रुप कंपनियों के विरुद्ध दिवालियापन का मामला शुरू किया गया। अतः यह निष्कर्ष निकाला जाता है कि इस कंपनी ग्रुप द्वारा इस मानदंड को पूरा कर लिया गया है। तथापि, इस कंपनी ग्रुप के लिए समग्र एमईटी निर्धारण अपरिवर्तित ही रहता है क्योंकि वे मानदंड 2 और 3 की अपेक्षाओं को पूरा करने में अब भी असफल रहते हैं।

(69) निष्कर्ष रूप में, यह नहीं दर्शाया गया है कि किसी भी नमूनाकृत निर्यातक उत्पादक द्वारा एमईटी मानदंड 2 और/या 3 को पूरा किया गया है। इसलिए इन कंपनियों में से किसी को भी एमईटी का दर्जा नहीं दिया जा सकता है।

(85) बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा के संबंध में अन्य टिप्पणियों के अभाव में प्रस्तुतिकरण (50) से (69) में किए गए सभी निर्धारणों के अनंतिम विनियमनों की संपुष्टि कर दी जाती है। (काउंसिल इम्प्लीमेंटिंग विनियम (ईयू) सं. 1238/2013 और कमीशन विनियम (ईयू) सं. 513/2013

यूएस(डीओसी)

“गैर बाजार अर्थव्यवस्था देश: यह विभाग चीन जन.गण. गैर-बाजार अर्थव्यवस्था (“एनएमई”) देश मानता है। अधिनियम की धारा 771(18) (ग) (i) के अनुसार कोई भी निर्धारण कि कोई भी देश एनएमई देश कहलाएगा तब तक प्रभावी रहेगा जब तक कि उसका प्रशासनिक प्राधिकारी द्वारा प्रतिसंहरण नहीं कर लिया जाता है। यह विभाग इस अंतिम निर्धारण के प्रयोजनार्थ चीन जन.गण. को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान करता है”। (77 एफआर 63791, अक्टूबर 17, 2012)

36. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि संबद्ध देशों के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा निर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत सही नहीं है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच की शुरुआत के समय आवेदक द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना प्रथमदृष्टया सूचना थी। तथापि इस अंतिम जांच-परिणाम के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत का निर्धारण नियमानुसार किया है। निर्यातकों द्वारा उनके सामान्य

मूल्य और निर्यात कीमत के संबंध में किए गए विशिष्ट प्रस्तुतिकरणों का निराकरण इस अंतिम जांच-परिणाम के संगत पैराग्राफों में कर दिया गया है।

37. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बाओडिंग टियान वेई सौर फिल्म कंपनी लि. ने उसके आंकड़ों/सूचना का सत्यापन करने की सहमति नहीं प्रदान की। इसका ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी उक्त कंपनी को असहयोगकर्ता कंपनी के रूप में मानते हैं और उस कंपनी को बाजार अर्थव्यवस्था के रूप में भी नहीं मानते हैं। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि मै. वुक्सी सनटेक पॉवर कं. लि., वुक्सी, चीन जन.गण. ने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा नहीं किया है।

38. चीन के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने, जिन्होंने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा किया और उसी आशय का प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया, अपने स्थल सत्यापन के दौरान अपने दावे के संबंध में पर्याप्त प्रमाण प्रस्तुत नहीं किए और उन्होंने एक पत्र प्रस्तुत करके अपने बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के दावे को वापस ले लिया:

- सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय एनर्जी क. लि.
- चाइना सनर्जी (नान्जिंग) कं. लि.
- सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान प्रौद्योगिकी कं. लि.
- कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशु)इंक
- कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग(लुओयांग)इंक

39. प्राधिकारी द्वारा चीन की संबंधित कंपनियों को अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने हेतु सत्यापन रिपोर्ट भेजी गई। प्राधिकारी ने अपनी सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में यह नोट किया है कि चीन की ऊपर उल्लिखित कंपनियों ने, अपने एमईटी दावे के संबंध में यह उल्लेख किया कि बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे के अधिकार से छूट प्राप्त करना उपर्युक्त होगा क्योंकि समय के अभाव के कारण इन कंपनियों द्वारा एमईटी के दावे को संतुष्ट करना संभव नहीं है।

40. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी जॉच एक समयबद्ध जांच होती है। सत्यापन के संबंध में सूचना और चीन की संबंधित कंपनियों का सत्यापन दल को प्रदान कराने के लिए अपेक्षित सूचना और साक्ष्य प्रस्तुत करने को तैयार रहना जिससे कि उनके एमईटी दावे को सिद्ध किया जा सके, इस सबकी सूचना उन्हें सत्यापन से पहले ही अग्रिम रूप से दे दी गई थी। पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुसार गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की शर्त की पूर्वावधारणा का खंडन करने का उत्तरदायित्व चीन की संबंधित कंपनियों पर है न कि प्राधिकारी पर।

41. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सौर सैलों के संबंध में ईयू और यूएसए की पाटनरोधी जॉच-परिणाम में अपने-अपने टेशों के प्राधिकारियों ने चीन की किसी भी कंपनी को जिसमें उपर्युक्त कंपनियां भी शामिल हैं, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा प्रदान नहीं किया है।

42. ऊपर उल्लिखित स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने चीन की उपर्युक्त कंपनियों को गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अंतर्गत प्रचालन करते हुए माना है।

जेए सॉलर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कंपनी लि., जिंगएओ सोलर कंपनी लि., संघाई जेए सॉलर फोटोवाल्टिक टेक्नोलॉजी कं. लि. और संघाई जेए सॉलर टेक्नोलॉजी कं. लि.

- i. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जेए सॉलर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कंपनी लि., जिंगएओ सोलर कंपनी लि., संघाई जेए सॉलर फोटोवाल्टिक टेक्नोलॉजी कं. लि. और संघाई जेए सॉलर टेक्नोलॉजी कं. लि. जिन्होंने एमईटी प्रत्युत्तर दायर किया है और वर्तमान जॉच में बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे का दावा किया है, संबद्धपक्षकार हैं। प्रत्युत्तरदाता कंपनियों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण के अनुसार इन सभी कंपनियों का नियंत्रण मै. जेए सॉलर होल्डिंग कं. लि. में निहित है और वह जिंगलॉग ग्रुप का एक भाग है।
- ii. उपर्युक्त संबद्ध पक्षकारों की सहमति और सुविधा के अनुसार प्राधिकारी ने उक्त पक्षकारों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना/आंकड़ों का स्थल सत्यापन किया। इन संबंधित पक्षकारों को काफी पहले से यह सूचना दे दी गई थी कि वे अन्य बातों के साथ-साथ अपनी कंपनी के उद्घव और उसके इतिहास,

उसकी शेयरधारिता प्रणाली, निवेश, संबंध एवं क्रियाकलाप, पूँजीगत माल, कच्चे माल और उपयोगी वस्तुओं की खरीद, इतिवृत्त, स्वामित्व और उससे संबंधित एवं उसकी मूल कंपनियों के क्रियाकलाप आदि से संबंधित सूचना/आंकड़े/दस्तावेज अग्रिम रूप से तैयार रखें जिससे कि चीन की संबंधित कंपनियों द्वारा अपने एमईटी प्रत्युत्तर में किए गए एमईटी दावे का प्रमाण प्रस्तुत किया जा सके। सत्यापन के दौरान प्रतिवादी कंपनियों से यह पूछा गया कि वह समर्थनकारी दस्तावेज देकर अपने एमईटी दावे के संबंध में प्रमाण प्रस्तुत करें परंतु, यह कंपनियां संतोषजनक सूचना/दस्तावेज प्रस्तुत करके अपनी गैर-बाजार स्थिति का खंडन करने में असमर्थ रहीं। इसकी बजाय, चीन की संबंधित कंपनियों ने लिखित रूप में अपनी यह अक्षमता व्यक्त की कि वे स्थल सत्यापन की प्रक्रिया के दौरान अपेक्षित दस्तावेज प्रदान कराने में सक्षम नहीं हैं।

- iii. प्राधिकारी ने यह सत्यापन रिपोर्ट चीन की संबंधित कंपनियों के पास उनकी टिप्पणियों हेतु प्रेषित की। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में, एमईटी दावे के संबंध में, चीन की ऊपर उल्लिखित कंपनियों ने यह स्वीकार किया कि सत्यापन के संबंध में और चीन की संबंधित कंपनियों का अपेक्षित सूचना एवं साक्ष्य देकर तैयार रहने के संबंध में दी गई जानकारी की सूचना जो उन्हें एमईटी दावा सिद्ध करने के लिए सत्यापन दल को प्रदान करनी थी, 17 फरवरी, 2014 को प्राप्त हुई थी। जहां तक उनकी इस टिप्पणी का संबंध है कि चीन की कंपनियों द्वारा किए गए एमईटी दावे के प्रमाण में प्रस्तुत दस्तावेज मांगना और उनका सत्यापन करना प्राधिकारी का उत्तरदायित्व है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि गैर-बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति की प्रकल्पना का खंडन करने का उत्तरदायित्व चीन की संबंधित कंपनियों का है न कि पाटनरोधी नियमावली के अनुसार प्राधिकारी का है।
- iv. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सौर सैलों के संबंध में ईयू और यूएसए के पाटनरोधी जाँच-परिणाम में संबंधित देशों के प्राधिकारियों ने चीन की किसी भी कंपनी को जिसमें ऊपर उल्लिखित कंपनियां भी शामिल हैं, बाजार अर्थव्यवस्था का दर्जा नहीं दिया है।
- v. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने जेए सॉलर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कंपनी लि., जिंगएओ सोलर कंपनी लि., संघाई जेए सॉलर फोटोवाल्टिक टेक्नोलॉजी कं. लि. और संघाई जेए सॉलर टेक्नोलॉजी कं. लि. को बाजार अर्थव्यवस्था दर्जा प्रदान नहीं किया है।

छ. सामान्य मूल्य का निर्धारण

चीन जन.गण. के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

43. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि नियमावली के अनुबंध-I के पैरा-6 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए चीन जन.गण. के किसी भी नमूनाकृत उत्पादक/निर्यातक को बाजार अर्थव्यवस्था की स्थिति के अंतर्गत प्रचालन करते हुए नहीं पाया गया है। इन परिस्थितियों में प्राधिकारी नियमावली के अनुबंध -I के पैरा 8 को चीन की उपर्युक्त कंपनियों के संबंध में लागू करने की स्थिति में नहीं हैं और प्राधिकारी को नियमावली के अनुबंध -I के पैरा 7 में उल्लिखित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ना पड़ा।

44. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -I के पैरा 7 में निम्नलिखित प्रावधानकिया गया है :

“गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश में कीमत या निर्मित मूल्य या ऐसे तृतीय देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, की कीमत के आधार पर निर्धारित किया जाता है अथवा जहां ऐसा संभव न हो वहां किसी अन्य तर्क संगत आधार पर इसका निर्धारण किया जा सकता है जिसमें भारत में समान उत्पाद के लिए संदेय या संदत्त कीमत, यदि जरूरी हुआ तो, उपर्युक्त लाभ मार्जिन को शामिल करते हुए उसका विधिवत् समायोजन करके किया जाएगा”।

45. इस नियमावली के अनुसार चीन में सामान्य मूल्य का निर्धारण निम्नलिखित आधारों पर किया जा सकता है:

क) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में कीमत के आधार पर; या

(ख) बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में निर्मित कीमत के आधार पर; या

(ग) ऐसे तृतीय देश से किसी अन्य देश, जिसमें भारत भी शामिल है, को कीमत

(घ) यदि ऊपर उल्लिखित विकल्पों के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं किया जा सकता है तो निर्दिष्ट प्राधिकारी किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण कर सकते हैं जिसमें भारत में समान उत्पाद के लिए वास्तव में भुगतान की गई या भुगतान योग्य कीमत, जिसका तर्कसंगत लाभ मार्जिन शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजन किया गया हो, के आधार पर किया जा सकता है।

46. प्राधिकारी नोट करते हैं कि तृतीय देश की लागत और कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बिक्रियों या तृतीय देश की निर्यात बिक्रियों तथा इन उत्पादकों का तृतीय देश में सहयोग एवं उत्पादन की लागत से संबंधित संपूर्ण एवं व्यापक आंकड़े अपेक्षित होते हैं जो वर्तमान जाँच में प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं हैं। इसके अतिरिक्त, ऐसे किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तृतीय देश में प्रचलित लागत और कीमत के संबंध में कोई सत्यापन योग्य सूचना आवेदक द्वारा या प्रत्युत्तरदाता निर्यातकों द्वारा न तो प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई है और न ही सार्वजनिक रूप से उपलब्ध किसी अन्य सूचना पर पहुंचा जा सका, और न चीन की प्रत्युत्तरदाता कंपनियों ने उपयुक्त बाजार अर्थव्यवस्था तृतीय देश के संबंध में कोई दावा किया है। ऐसे हालात में प्राधिकारी ने किसी अन्य तर्कसंगत आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण किया है।

47. चीन जन.गण. के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करने हेतु प्राधिकारी ने नियमावली के अनुबंध - I के पैरा 7 में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। तद्वारा विचाराधीन उत्पाद के लिए कारखाना-बाज्य भारित औसत सामान्य मूल्य का निर्धारण स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौर माइयूलों और तनु फिल्मों पर विचार करते हुए सर्वाधिक कार्यकुशल घरेलू उद्योग की विनिर्मित उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है जिसमें बिक्री, सामान्य एवं प्रशासनिक लागत/व्यय तथा तर्कसंगत लाभ अर्थात् 5 प्रतिशत को शामिल करने के लिए विधिवत् समायोजन किया गया है। तनु फिल्मों के लिए निर्मित सामान्य मूल्य पर विचार स्फाट सौलर माइयूलों के लिए निर्मित सामान्य मूल्य के अनुरूप ही किया गया है क्योंकि दोनों को प्रतिस्थापनीय और समान उत्पाद के रूप में माना गया है। स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौर माइयूलों और तनु फिल्मों को कवर करते हुए इस विचाराधीन उत्पाद के लिए प्राधिकारी द्वारा विनिर्मित सामान्य मूल्य (सीएनवी) का निर्धारण क्रमशः ***यूएस डॉलर/वाट, ***यूएस डॉलर/वाट और ***यूएस डॉलर/वाट किया गया है। प्राधिकारी द्वारा इस विचाराधीन उत्पाद के लिए निर्धारित विनिर्मित सामान्य मूल्य (सीएनवी) ***यूएस डॉलर/वाट है।

यूएसए, मलेशिया और चाइनीज टाइपेई के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

48. धारा 9 क (1) (ग) के अंतर्गत किसी वस्तु के संबंध में सामान्य मूल्य का आशय:

(i) समान वस्तु के लिए व्यापार के सामान्य अनुक्रम में उस तुलनीय कीमत से होता है जब उसका आशय निर्यातकर्ता देश या भू-भाग में खपत करने के लिए हो, जैसा कि उप-धारा (6) के अंतर्गत बनाए गए नियमों के अनुसार निर्धारित किया गया है, या

(ii) जब निर्यातकर्ता देश की घरेलू बाजार या भू-भाग में व्यापार के सामान्य अनुक्रम में समान वस्तु की बिक्री नहीं होती हो या विशेष बाजार स्थिति के कारण अथवा निर्यातकर्ता देश की घरेलू बाजार या उसके भू-भाग में बिक्री की मात्रा कम हो और जहां उन बिक्रियों से समुचित तुलना न की जा सकती हो, वहां सामान्य मूल्य का निर्धारण या तो;

(क) किसी निर्यातकर्ता देश या भू-भाग से निर्यातित या उप-धारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित समुचित तृतीय देश से निर्यातित समान वस्तु की तुलनीय कीमत होगी; या

(ख) उद्गम के देश में ऐसी वस्तु की उत्पादन लागत जिसमें उपधारा (6) के अंतर्गत बने नियमों के अनुसार यथानिर्धारित प्रशासनिक, बिक्री, सामान्य लागत और लाभ के लिए तर्कसंगत संवर्धन को जोड़कर होगी:

परंतु यह कि यदि उद्गम के देश के अलावा किसी अन्य देश से इस वस्तु के आयात के मामले में और निर्यात के ऐसे देश के मामले में जहां उस वस्तु का उत्पादन न करके केवल उसका पोत-परिवहन किया गया हो, वहां निर्यात के देश में इसकी तुलनीय कीमत न हो तो, सामान्य मूल्य का निर्धारण उद्गम के देश में इसकी कीमत के संदर्भ में किया जाएगा।

यूएसए के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएसए के केवल एक उत्पादक फर्स्ट सॉलर इंक ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए ने सामान्य मूल्य कि रूप में विचार करने के लिए यूएसए के बाजारों में प्रचलित उत्पादन लागत और बिक्री कीमत प्रदान कराई है। मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए ने रिपोर्ट किया है कि जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल ***मेगावाट की घरेलू बिक्री हुई जिसका कुल बीजक मूल्य ***यूएस डॉलर था।

50. सत्यापन के दौरान यह पाया गया कि मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए द्वारा ***किलोवाट की बिक्री यूएसए के बाजारों में अपने एक संबद्ध पक्षकार मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी के जरिए लेन-देन करके की है। मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए ने दावा किया है कि यह लेन-देन घरेलू उद्योग के रूप में किया गया है और उन्होंने यह तर्क दिया है कि वस्तु की आपूर्ति यूएसए के अंदर ही की गई थी। यद्यपि उसका भुगतान मुक्त विदेशी विनियम में प्राप्त हुआ था। सत्यापन रिपोर्ट में मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए को यह तथ्य बता दिया गया था। इसके प्रत्युत्तर में मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए ने अपनी विगत स्थिति का उल्लेख किया और वे यह दावा करते रहे कि वे बिक्रियां घरेलू बिक्रियां थीं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए ने संबद्ध वस्तु की आपूर्ति स्थानीय रूप से की है परन्तु उसका भुगतान मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी के जरिए विदेशी मुद्रा में प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए ने संबद्ध वस्तु की बिक्री यूएसए के बाजारों में अपने अन्य सहबद्ध और असहबद्ध पक्षकारों को मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी के जरिए न करके की है और उसका भुगतान यूएस डॉलर में प्राप्त किया है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फर्स्ट सॉलर इंक यूएसए ने यूएसए में बिक्री तीन तरीकों से की है। अर्थात् यूएसए में सहयोगी पक्षकारों को प्रत्यक्ष बिक्री, असहयोगी पक्षकारों को प्रत्यक्ष बिक्री तथा यूएसए में संबद्ध/असंबद्ध पक्षकारों को जर्मनी के एक संबद्ध पक्षकार के जरिए। फर्स्ट सालर यूएसए ने स्पष्ट रूप से यह स्पष्ट नहीं किया है कि वह यूएसए के पक्षकार को की गई बिक्री की बीजक जर्मनी के अपने संबद्ध पक्षकार के जरिए क्यों कर रहा था जब कि यूएसए में उसका बीजक विभाग है। इससे ऐसा लगता है कि इस लेनदेन के पीछे कोई अस्पष्ट कारण है। इसलिए यूएसए के अंदर वस्तु की आपूर्ति और उसका बीजक फर्स्ट सालर जी एम बी एच जर्मनी के जरिए बनवाना और उसे घरेलू बिक्री के रूप में घोषित करना स्वीकार्य नहीं है। स्थानीय बिक्रियों का विदेश में बीजक बनाकर उसका बिक्री प्राप्त विदेशी मुद्रा में करने को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बिक्री के रूप में नहीं माना जाता है।

51. इसके अतिरिक्त, फर्स्ट सॉलर इंक यूएसए ने सम्बद्ध वस्तु की भारी मात्रा की बिक्री इसके सम्बद्ध पक्षकार अर्थात् फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक इंक, यूएसए को की है और उन्होंने उसकी घरेलू बिक्री न होने का दावा इस आधार पर किया है कि फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक इंक, यूएसए ने तनु फिल्म उत्पादों की खरीद इसकी सम्बद्ध कम्पनी से यूएस या अन्य अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों में पुनर्बिक्री के लिए नहीं की है। फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक ने तनु फिल्म उत्पादों की खरीद/प्राप्त अपनी सम्बद्ध कम्पनियों से केवल उर्जा संयंत्र स्थापित करने के लिए की है। यह कम्पनी यूएसए में अवस्थित है इसलिए, फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक को की गई बिक्रियों को विचाराधीन उत्पाद की बिक्री के रूप में नहीं माना जा सकता है। पुनः यह दावा किया गया कि यह लेनदेन कम्पनी की अन्तरण कीमत नीति द्वारा शासित लागत आधार पर किए जाते हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि सम्बद्ध कम्पनी को की गई बिक्रियाँ अन्तरण कीमत नीति के अनुसार लागत कीमत आधार पर की गई हैं जो उन कीमतों से बहुत कम कीमत है जिन पर ऐसी बिक्रियाँ असम्बद्ध कम्पनियों को की जाती हैं और इसलिए वे आम्स लेनदेन आधार पर नहीं की गई हैं। पुनः यह नोट किया जाता है कि फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक इंक, यूएसए तनु फिल्म माइयूलों की बिक्री नहीं कर रही है। उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी फर्स्ट सॉलर इंक यूएसए द्वारा फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक इंक, यूएसए को की गई बिक्रियों को घरेलू बिक्री के रूप में नहीं मानते हैं।

52. इसलिए, मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए द्वारा मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी के जरिए की गई बिक्रियों और मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए द्वारा मै. फर्स्ट सॉलर इलेक्ट्रिक इंक, यूएसए को की गई बिक्रियों का अपवर्जन करके और केवल यूएसए में असहबद्ध पक्षकारों को की गई बिक्रियों को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मै. फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण ***यूएस डॉलर/वाट के रूप में करते हैं।

यूएसए के असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

53. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में यूएसए के किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। यूएसए में इस विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी सामान्य मूल्य का निर्धारण उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर करते हैं। यूएसए ने स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौर माइक्रोलों और तनु फिल्मों को कवर करते हुए विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का निर्धारण क्रमशः ***यूएस डॉलर/वाट, ***यूएस डॉलर/वाट और ***यूएस डॉलर/वाट के रूप में की है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित इस विचाराधीन उत्पाद का औसत भारित सामान्य मूल्य ***यूएस डॉलर/वाट है।

मलेशिया के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

54. मलेशिया के निम्नलिखित नमूनाकृत उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है:

- i. फर्स्ट सॉलर एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया
- ii. क्यू- सैल्स मलेशिया एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया

फर्स्ट सॉलर एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया

55. मै. फर्स्ट सॉलर एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया ने मलेशिया के बाजार में उत्पादन लागत और बिक्री लागत को सामान्य मूल्य के रूप में विचार करने के लिए प्रदान कराया है। कंपनी द्वारा दायर की गई सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है और कंपनी को एक सत्यापन रिपोर्ट प्रदान की गई है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत की गई टिप्पणियों पर प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई सीमा तक जांच की है और उनका इस अंतिम जांच-परिणाम में निराकारण कर दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि फर्स्ट सॉलर एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया ने अपने संबद्ध पक्षकार अर्थात् मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी के जरिए किए गए निर्यातों के अलावा जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत में पर्याप्त मात्रा में निर्यात कर्ता अन्य पक्षकारों के ज़रिए किया है जिन्होंने वर्तमान जांच में सहयोग नहीं किया है। इसके परिणामस्वरूप मै. फर्स्ट सॉलर एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए संबद्ध वस्तु के निर्यातों की कुल मूल्य श्रृंखला प्राधिकारी को उपलब्ध नहीं है। इस मामले के संबंध में विवरण की जांच की गई है तथा उसका इस अंतिम जांच-परिणाम संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मै. फर्स्ट सॉलर एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया के बारे में सामान्य मूल्य का व्यक्तिगत निर्धारण उक्त निर्यातक द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर नहीं करते हैं।

क्यू- सैल्स मलेशिया एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया

56. क्यू- सैल्स मलेशिया एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया ने सामान्य मूल्य के रूप में विचार करने के लिए मलेशिया के बाजारों में प्रचलित उत्पादन लागत और बिक्री कीमत प्रदान कराई है। क्यू- सैल्स मलेशिया एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया ने जांच की अवधि के केवल एक माह के दौरान संबद्ध वस्तु की ***किलोवाट संपूर्ण घरेलू बिक्रियों की सूचना दी है जिसका कुल बीजक मूल्य ***यूएस डॉलर है। प्राधिकारी द्वारा किए गए स्थल सत्यापन के दौरान कंपनी, कंपनी द्वारा अनुरक्षित किए जाने के लिए दावाकृत एसएपी प्रणाली में लागत निर्धारण और वित्तीय आंकड़ों की प्रामाणिकता का प्रदर्शन नहीं कर सकी। इस स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी उक्त निर्यातक द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन-बीएचडी, मलेशिया के लिए व्यक्तिगत सामान्य मूल्य का निर्धारण नहीं करते हैं।

मलेशिया के असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

57. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मलेशिया के किसी भी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को प्रत्युत्तर नहीं दिया है। मलेशिया के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों: /उत्पादकों, जिसमें ऊपर उल्लिखित कंपनियां भी शामिल हैं, प्राधिकारी ने स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौर माइयूलों और तनु फिल्मों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। प्राधिकारी द्वारा मलेशिया में स्फाट सौर माइयूलों और तनु फिल्मों को शामिल करते हुए इस विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए सामान्य मूल्य (एनवी) का निर्धारण क्रमशः: *** यूएस डालर/वाट, *** यूएस डालर/वाट और *** यूएस डालर/वाट के रूप में किया है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित इस विचाराधीन उत्पाद का औसत भारित सामान्य मूल्य *** यूएस डालर/वाट है।

चाइनीज टाइपेई के उत्पादकों और निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण

मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाइपेई

58. मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाइपेई ने सामान्य मूल्य के रूप में विचार करने के लिए चाइनीज टाइपेई के बाजार में प्रचलित उत्पादन लागत और बिक्री कीमत प्रदान कराई है। मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाइपेई ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की कुल *** मेगावाट घरेलू बिक्री की सूचना दी है जिसके लिए *** लाख यूएस डालर के बीजक मूल्य की सूचना प्रदान की है।

59. निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के पैरा क.5 में सभी देशों में उन सभी अनुषंगियों या संबद्ध कंपनियों के संबंध में सूचना के संबंध में जो संबंधित उत्पाद में अंतरग्रस्त हैं मोटेक इंडस्ट्रीज इंक ने केवल एई पॉली सिलिकॉन कार्पोरेशन यूएसए को ही संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करने में लगी अनुषंगी के रूप में मांगा है। परंतु, स्थल सत्यापन के दौरान प्राधिकारी के संज्ञान में यह बात आई कि मोटेक इंडस्ट्रीज इंक की चाइनीज टाइपेई तथा अन्य देशों में अन्य संबद्ध कंपनियां भी हैं अर्थात् टीएसएमसी सॉलर, ताइवान, मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण., मोटेक अमेरिका एलएलसी और इटोगुमी मोटेक जापान, जो संबद्ध वस्तु में अंतरग्रस्त हैं परंतु मोटेक इंडस्ट्रीज इंक द्वारा प्राधिकारी के समक्ष दायर किए गए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में उनके बारे में घोषणा नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी के पास उपलब्ध सूचना के अनुसार इसकी संबद्ध कंपनियों में से एक मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में निर्यात किया है, जिसका विवरण वर्तमान जांच में चीन जन.गण. एक संबद्ध देश होने के बावजूद प्राधिकारी के समक्ष मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में उसके संबंध में कोई घोषणा नहीं की गई है।

60. प्राधिकारी द्वारा मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाइपेई को टिप्पणियों के लिए सत्यापन रिपोर्ट प्रेषित कराई गई थी। सत्यापन रिपोर्ट पर की गई अपनी टिप्पणियों में मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक ने उल्लेख किया कि मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. ने सम्पलिंग प्रश्नावली प्रस्तुत की थी परंतु प्राधिकारी द्वारा उसे नमूनाकृत नहीं किया गया, इसके अतिरिक्त यह भी माना गया कि मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाइपेई ने सौर सैलों की मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. को बिक्री भारत के अलावा अन्य देशों में बिक्री करने के लिए माइयूलों का उत्पादन करने हेतु की थी। मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु चीन मूल की होती है।

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. का सैम्पलिंग प्रक्रिया में चयन न होने से उक्त संबद्ध पक्षकार का विवरण अन्य संबद्ध पक्षकारों के साथ में मै. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक चाइनीज टाइपेई द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में घोषित न किए जाने को न्यायोचित नहीं ठहराती है। इसके अतिरिक्त, चीन जन.गण. एक संबद्ध देश होने के नाते मोटेक इंडस्ट्रीज इंक चाइनीज टाइपेई के सत्यापन पश्चात् किया गया प्रस्तुतिकरण की मोटेक इंडस्ट्रीज इंक चाइनीज टाइपेई द्वारा जांच की अवधि के दौरान मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. को की गई सौर सैलों की बिक्री भारत के अलावा अन्य देशों में बिक्री के लिए मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा उत्पादित माइयूल बिक्री भारत के अलावा अन्य देशों में

बिक्री के लिए हैं और जांच की अवधि के दौरान भारत को मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा किए गए संबद्ध वस्तु के निर्यात चीन मूल के हैं इसलिए वे सत्यापन योग्य नहीं हैं और उनको स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

62. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मोटेक इंडस्ट्रीज इंक चाइनीज टाइपेई द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली और उसमें प्रदान कराए गए आंकड़ों पर भरोसा नहीं करते हैं। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मोटेक इंडस्ट्रीज इंक चाइनीज टाइपेई के लिए व्यक्तिगत सामान्य मूल्य का निर्धारण उक्त निर्यातक द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर नहीं करते हैं।

चीनी टाइपेई के असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य

63. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में चीन टाइपेई के किसी अन्य निर्यातक/उत्पादक ने प्रत्युत्तर नहीं दिया है। चीनी टाइपेई के सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी ने स्फाट सौर सेलों, सफाट सौर माइयूलों और तनु फिल्म का निर्धारण सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर किया है। चीनी टाइपेई के, स्टाफ सौर सेलों, स्फाट और माइयूलों तथा तनु फिल्मों सहित विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता उत्पादकों/निर्यातकों के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण क्रमशः ***यूएस डालर/वाट, ***यूएस डालर/वाट, तथा ***यूएस डालर/वाट किया है। इस विचाराधीन उत्पाद के लिए प्राधिकारी द्वारा निर्धारित भारित औसत विनिर्भित सामान्य मूल्य (सीएनवी) ***यूएस डालर/वाट है।

छ. निर्यात कीमत

चीन जन.गण के सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण:

64. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि बाओडिंग टिआनवेई सॉलर फिल्म कंपनी लिमिटेड चीन जन.गण., जिसे यद्यपि प्राधिकारी द्वारा सैम्पल्ड किया गया था, परन्तु उसने सत्यापन के लिए सहयोग/सहमति प्रदान नहीं की, और इसलिए प्राधिकारी ने उसे असहयोगकर्ता निर्यातक के रूप में माना है।

65. चीन जन.गण. के निम्नलिखित वे सैम्पल्ड प्रत्युत्तरदाता सहयोगकर्ता उत्पादक/निर्यातक हैं जिनके आंकड़ों/सूचना का प्राधिकारी द्वारा सत्यापन किया गया है:

- I. मै. बुक्सी सनटेक पॉवर कं. लि., बुक्सी, चीन जन.गण
- II. मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशु) इंक, चांगशु सिटी, जियांगशु प्रांत, चीन जन.गण.
- III. मै. कनाडियन सोलर मैन्यूफैक्चरिंग(लुओयांग) इंक, लुओयांग सिटी, हेनान प्रांत, चीन जन.गण.
- IV. कनाडियन सोलर इंटरनेशनल लि., हांगकांग
- V. मै. चाइना सनर्जी (नान्जिंग) कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण.
- VI. मै. सीईईजी (संघाई) सोलर साईस टेक्नोलॉजी कं. लि., संघाई, चीन जन.गण.
- VII. मै. सीईईजी नॉन्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नॉन्जिंग, चीन जन.गण.
- VIII. मै. जे.ए सोलर टेक्नोलॉजी, यांगझोऊ, चीन जन.गण.
- IX. मै. संघाई जे.ए सोलर टेक्नोलॉजी कं. लि., फेन्किसंग जि संघाई, चीन जन.गण.
- X. मै. संघाई जे.ए सोलर पीवी टेक्नोलॉजी कं. लि., झाबैई, चीन जन.गण.
- XI. मै. जियांगएओ सोलर कं. लि., निंगजिन, हेबैई, चीन जन.गण.

क. बुक्सी सनटेक पॉवर कम्पनी लिमिटेड, बुक्सी, चीन जन.गण.

66. बुक्सी सनटेक पॉवर कम्पनी लिमिटेड चीन जन.गण. स्फाट सौर सेलों और माइयूलों दोनों का उत्पादक है। जांच की अवधि के दौरान बुक्सी सनटेक ने भारत को केवल स्फाट और माइयूलों का निर्यात किया था। जांच की अवधि

के दौरान, इसने भारत में विभिन्न आयातकों को *** निर्यात लेन-देनों की सूचना दी है। जांच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात किए गए माड्यूलों की कुल मात्रा *** नग (*** किलोवाट) थी जिसका बीज मूल्य *** यूएस डालर है।

67. भारत को जाँच की अवधि के दौरान रिपोर्ट किए गए कुल निर्यातों में से वुक्सी सनटेक ने मैसर्स*** सिंगापुर और *** जर्मनी के जरिए क्रमशः *** नगों (*** यूएस डालर का निर्यात मूल्य) और *** नगों (*** यूएस डालर का निर्यात मूल्य) का निर्यात किया था जो जाँच की अवधि के दौरान भारत को निर्यात का दावाकृत कुल मात्रा का ***% थी। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मैसर्स*** सिंगापुर और *** जर्मनी ने सहयोग नहीं किया है और उन्होंने वर्तमान जाँच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है, इसके अभाव में, निर्यातों की उक्त सरणियों के संबंध में संपूर्ण मूल्य चैन को स्पष्ट नहीं किया जा सकता है।

68. सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में मैसर्स वुक्सी सनटेक ने प्रस्तुत किया कि मैसर्स*** सिंगापुर और *** जर्मनी को निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करने की प्रतिबद्धता नहीं है क्योंकि वे चीन के न तो निर्यातक हैं और न ही उनका संबंध वुक्सी सनटेक से है। तथापि, एक बार पुनः यह नोट करते हैं कि संबंधित निर्यातकों द्वारा प्राधिकारी के समक्ष इन निर्यातों का खुलासा न किए जाने पर सम्पूर्ण मूल्य शृंखला की स्थापना नहीं की जा सकती थी। इस तथ्य के मद्देनजर कि मैसर्स वुक्सी सनटेक ने भारी मात्रा में निर्यात *** सिंगापुर और *** जर्मनी के जरिए किया है, उसे प्राधिकारी के समक्ष नहीं रखा गया है क्योंकि *** सिंगापुर और *** जर्मनी असहयोगकर्ता निर्यातक हैं, इसलिए प्राधिकारी वुक्सी सनटेक पावर कम्पनी लिमिटेड, चीन जन.गण. को व्यक्तिगत निर्यात कीमत प्रदान नहीं करते हैं।

ख. जे.ए. सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कम्पनी, जिंगएओ सॉलर कम्पनी, लिमिटेड, शंघाई, जेए सालर पीवी टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड और संघाई जे.ए. सॉलर टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड

69. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जे.ए. सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कम्पनी, जिंगएओ सॉलर कम्पनी, लिमिटेड, शंघाई, जेए सालर पीवी टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड और संघाई जे.ए. सॉलर टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड एक दूसरे से संबद्ध पक्षकार हैं। इन संबद्ध कम्पनियों में से जे.ए.सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कम्पनी लिमिटेड जाँच की अवधि के दौरान भारत को सम्बद्ध वस्तु का निर्यात करने वाली प्रमुख कम्पनी (इस ग्रुप द्वारा कुल निर्यात में लगभग ***/ का योगदान किया गया) है।

70. प्राधिकारी ने ऊपर बताई गई चीनी कंपनियों द्वारा उपलब्ध कराए गए डाटा/सूचना की समीक्षा की और उनके विचार जानने के लिए रिपोर्ट इन चीनी कंपनियों को भेजी गई। प्राधिकारी द्वारा रेलिवेंट विचारों का जिकर अंतिम जाँच-परिणाम में किया गया है।

71. जे.ए. सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कम्पनी लिमिटेड स्फाट और सेलों और माड्यूलों दोनों की उत्पादक हैं। जाँच की अवधि के दौरान कम्पनी ने भारत को स्फाट सेलों की *** नगों (*** किलोवाट) का *** संव्यवहारों में प्रत्यक्षतः निर्यात करने का दावा किया जिसका सकल बीजक मूल्य *** यूएस डॉलर है। इस कंपनी ने सोर सेलों का जेए सॉलर पीवी टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड के जरिए भी निर्यात किया है।

72. स्थल सत्यापन के दौरान यह प्रेक्षण किया गया कि एक बड़ा निर्यातक होने के नाते जे.ए. सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कम्पनी लिमिटेड ने सम्बद्ध वस्तु के कुल निर्यातों के ***% निर्यात तीन आयातकों अर्थात ***%, *** और *** को किया था। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऐसा दावा किया गया है कि इन तीन आयातकों को किए गए उक्त निर्यातों की सूचना डीजीसीआईएण्डएस आंकड़ों में नहीं दी गई है जिन पर वर्तमान जाँच में प्राधिकारीद्वारा भरोसा किया गया है। इस विसंगति के कारणों के संबंध में उक्त निर्यातक से स्थल सत्यापन के दौरान पूछा गया है। उपर्युक्त कम्पनियों को सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी करने हेतु प्रदान की गई। इस सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तीर में जेए सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कंपनी लिमिटेड ने सूचित किया कि चीन में एक निर्यातक होने के नाते वे इस तरह की विसंगित के लिए वास्तविक कारण प्रदान नहीं कर सकते हैं।

73. चीन की संबंधित कम्पनियों द्वारा दिए गए प्रत्युत्तर पर विचार करने के पश्चात् प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तु के ***% निर्यात (ग्रुप द्वारा किए गए कुल निर्यातों का ***%), जिसका दावा जेए सालर

टेक्नोलॉजी यांगझोऊ द्वारा किए जाने का किया गया है, पर भरोसा नहीं किया जाता सकता है क्योंकि ऐसा पाया गया है कि उन संव्यवहारों की सूचना डीजीसीआईएण्डएस को प्रदान नहीं की गई है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी द्वारा अवसर प्रदान किए जाने के बावजूद जेए सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कंपनी लिमिटेड अपने दावा किए गए निर्यातों में उक्त विसंगति के उल्लेख को न्यायोचित नहीं ठहरा सकता। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर और इस तथ्य पर विचार करते हुए कि जे.ए. सालर टेक्नोलॉजी यांगझोऊ कम्पनी, जिंगएओ सॉलर कम्पनी, लिमिटेड, शंघाई, जेए सालर पीवी टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड और संघाई जे.ए. सॉलर टेक्नोलॉजी कम्पनी लिमिटेड संबद्ध कंपनियां हैं, प्राधिकारी इन कम्पनियां को व्यक्तिगत निर्यात कीमत का अनुमोदन नहीं करते हैं।

ग कनाडियन सालर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक, चीनजन.गण. और कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग

74. कनाडियन सालर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक, चीनजन.गण. और कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग जिन्होंने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है, एक दूसरे से सम्बद्ध कंपनियां हैं। प्राधिकारी ने उपर्युक्त उल्लिखित कम्पनियों द्वारा प्रस्तुत किए गए आंकड़ों/सूचना का सत्यापनन किया है और इसकी रिपोर्ट टिप्पणियां प्रदान करने हेतु उनके पास भेजी गई। प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई टिप्पणियों का इस अन्तिम जाँच परिणाम में निराकरण कर दिया गया है।

75. कनाडियन सालर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक, स्फाट और माइयूलों की उत्पादक है और कनाडियन सालर इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग एक हांगकाग आधारित सम्बद्ध व्यापारिक कम्पनी है। कनाडियन सालर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशू) इंक द्वारा उत्पादित और माइयूल का भारत को जाँच की अवधि के दौरान निर्यात कनाडियन सालर इंटरनेशनल लिमिटेड, हांगकांग द्वारा किया गया है।

76. स्थल सत्यापन के दौरान यह नोट किया गया कि प्राधिकारी के पास उपलब्ध जानकारी के अनुसार कनाडियन सालर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशू) इंक ने जाँच की अवधि के दौरान भारत को सौर माइयूलों की बहुत अल्प मात्रा का प्रत्यक्ष निर्यात किया है। कम्पनी को इस प्रेक्षण की सूचना टिप्पणी करने के लिए सत्यापन रिपोर्ट में प्रदान करा दी गई। इस सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में कम्पनी ने यह टिप्पणी की है कि सीसीएएस ने भारत में किसी भी निकाय के लिए किसी वस्तु का प्रत्यक्षतः बीजक तैयार नहीं किया है। इन वस्तुओं का बीजक सिंगापुर स्थित एक कम्पनी को किया गया और इसलिए यह कंपनी के डाटाबेस में भारत को की गई बिक्री के रूप में नहीं दर्शाई गई है।

77. जाँच की अवधि के दौरान कनाडियन सालर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगशू) इंक ने स्फाट सालर माइयूलों के *** नगों (*** किलोवाट) का भारतीय क्रेताओं को प्रत्यक्षतः पोतलदान किया है परंतु उसका बीजक कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लि. हांगकांग द्वारा तैयार किया गया था। कनाडियन सॉलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक ने कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लि. हांगकांग को एकमुश्त आधार पर कतिपय अंतरालों के उपरांत भुगतान किया और भारतीय क्रेताओं से भुगतान कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लि. हांगकांग द्वारा वसूल किया गया। इस संबद्ध वस्तु का भारत को बीजक मूल्य *** यूएस डालर है। अंतर्देशीय भाड़ा, समुद्री भाड़ा, बीमा प्रभार, बैंक प्रभार, कार्गो हैंडलिंग प्रभार और ऋण लागत तथा मै. कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लि. हांगकांग के एसजीए प्रभारों के कारण *** यूएस डालर का समायोजन किया गया। उपर्युक्त समायोजन करने के पश्चात प्राधिकारी ने कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लि. हांगकांग के जरिए कनाडियन सॉलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक द्वारा किए गए निर्यातों की निवल निर्यात कीमत का निर्धारण *** यूएस डालर/वाट किया है।

घ. मै. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लि., चीन जन.गण., सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊजा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. और सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण.

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लि., चीन जन.गण., सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊजा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. और सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण. संबद्ध कंपनियां हैं। प्राधिकारी ने चीन की उपर्युक्त कंपनियों द्वारा प्रस्तुत

आंकड़ों/सूचना का सत्यापन किया है और उसकी रिपोर्ट टिप्पणियों के लिए उनके पास भेजी है। प्राधिकारी द्वारा संगत समझी गई टिप्पणियों पर विचार किया गया है और उनका इस अंतिम जांच परिणाम में निराकरण कर दिया गया है।

79. मै. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लि., चीन जन.गण. केवल स्फाट सौर सैलों का उत्पादन करती है। जांच की अवधि के दौरान मै. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लि., चीन जन.गण. ने भारत को स्फाट फोटोवाल्टिक सैलों के *** नग (***किलोवाट) का निर्यात किया है जिसका सकल बीजक मूल्य *** यूएस डालर है।

80. सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. केवल स्फाट फोटोवाल्टिक माइयूलों का विनिर्माण करती है। यह स्फाट फोटोवाल्टिक माइयूलों का विनिर्माण अपनी सहबद्ध कंपनियों से सौर सैलों का प्रापण करके करती है। सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. ने जांच की अवधि के दौरान भारत को इन माइयूलों के *** नगों (*** किलोवाट) का निर्यात किया है जिनका सकल बीजक मूल्य *** यूएस डालर है। भारत को की गई कुल विक्रियों में से *** नगों का भारत को निर्यात मै. *** सिंगापुर के जरिए और *** नगों का भारत को निर्यात मै. *** हांगकांग के जरिए किया गया जो कुल मिलाकर निर्यात का लगभग ***% है। तथापि, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि *** सिंगापुर और *** हांगकांग ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है, जिसके अभाव में उक्त निर्यातों के उक्त सरणियों के बारे में संपूर्ण मूल्य ऋखला, जो सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. द्वारा भारत को किए गए कुल निर्यातों का लगभग *** % है, का स्पष्टीकरण नहीं किया जा सकता है।

81. सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण. केवल स्फाट फोटोवाल्टिक माइयूलों का विनिर्माण करती है। यह स्फाट फोटोवाल्टिक माइयूलों का विनिर्माण अपनी संबद्ध कंपनी अर्थात मै. सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. से सौर सैलों का प्रापण करके करती है। जांच की अवधि के दौरान सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण. ने माइयूलों के *** नगों (*** किलोवाट) का निर्यात किया है जिनका सकल बीजक मूल्य *** यूएस डालर है। कुल *** नगों की विक्री में से कुल *** नगों (*** %) का निर्यात *** हांगकांग के जरिए किया गया और केवल *** नगों का भारत को प्रत्यक्षतः निर्यात किया गया। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि *** हांगकांग ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है, जिसके अभाव में उक्त निर्यातों के उक्त सरणियों के बारे में संपूर्ण मूल्य ऋखला, जो सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण. द्वारा भारत को किए गए कुल निर्यातों का लगभग *** % है, का स्पष्टीकरण नहीं किया जा सकता है।

82. प्राधिकारी ने चीन की उपर्युक्त कंपनियों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों/सूचना का सत्यापन किया है और उसकी रिपोर्ट टिप्पणियों के लिए उनके पास भेजी है। सत्यापन रिपोर्ट में किए गए प्रेक्षणों में उक्त कंपनियों ने यह प्रस्तुत किया है कि *** हांगकांग और *** सिंगापुर के जरिए भारत को इन कंपनियों द्वारा प्रत्यक्षतः केवल पोत-लदान किया गया है और उसका उन्होंने निर्दिष्ट प्राधिकारी को दायर परिशिष्ट 2 के अंतर्गत विधिवत् रिपोर्ट और खुलासा कर दिया है। उन्होंने पुनः यह प्रस्तुत किया है कि *** हांगकांग और *** सिंगापुर एक दूसरे से संबद्ध कंपनियां नहीं हैं और इसलिए उन्हें निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करने के लिए बाध्य नहीं किया जा सकता है।

83. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि ऊपर उल्लिखित संबद्ध प्रत्युत्तरदाता उत्पादकों/निर्यातकों ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का *** हांगकांग और *** सिंगापुर के जरिए भारी मात्रा में निर्यात किया है। तथापि, *** हांगकांग और *** सिंगापुर ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है, जिसके अभाव में मै. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लि., चीन जन.गण., सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. और सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण. द्वारा किए गए निर्यात की उक्त सारणियों के संबंध में संपूर्ण मूल्य ऋखला को सिद्ध नहीं किया जा

सकता है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मै. चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लि., चीन जन.गण., सीईईजी नान्जिंग नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., नान्जिंग, चीन जन.गण. और सीईईजी (संघाई) सौर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी कंपनी लि., संघाई, चीन जन.गण. को व्यक्तिगत निर्यात कीमत की अनुमति प्रदान नहीं करते हैं।

84. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी लि., चीन जन.गण. ने सैम्पलिंग प्रश्नावली दायर की है परंतु प्राधिकारी ने उनको सैम्पल नहीं किया है। कंपनी द्वारा दायर की गई सैम्पलिंग प्रश्नावली में यह घोषणा की गई है कि पॉवर आईलैंड लि. का इस कंपनी पर 100% स्वामित्व है। परंतु वर्तमान जांच में चाइनीज ताइपेई के एक प्रत्युत्तरदाता उत्पादक/निर्यातक मै. मोटक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज ताइपेई का स्थल सत्यापन करने के दौरान, प्राधिकारी के संज्ञान में यह आया कि मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी लि., चीन जन.गण., मै. मोटक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज ताइपेई की एक अनुषंगी कंपनी है जो मै. मोटक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज ताइपेई से सौर सैलों का अधिप्रापण करके सौर माइयूलों का निर्माण करने में संलिप्त है और उसने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात किया था। चूंकि प्राधिकारी ने इस अंतिम जांच-परिणाम में मै. मोटक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज ताइपेई को व्यक्तिगत निर्यात कीमत जिन कारणों से प्रदान नहीं की है, उनका स्पष्टीकरण मै. मोटक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज ताइपेई से संबंधित पैराग्राफों में कर दिया गया है। प्राधिकारी मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी लि., चीन जन.गण. को चीन जन.गण. के निर्यातकों की सैम्पल न किए गए श्रेणी के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करने हेतु पात्र नहीं मानते हैं।

चीन जन.गण. के असहयोगकर्ता निर्यातक

85. चीन जन.गण. के गैर-सहयोगकर्ता निर्यातक के रूप में माने गए अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। चीन जन.गण. में स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौल माइयूलों और तनु फिल्मों को शामिल करते हुए इस विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः *** यूएस डालर/वाट, *** यूएस डालर/वाट और *** यूएस डालर/वाट के रूप में किया है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित इस विचाराधीन उत्पाद की औसत भारित निवल निर्यात कीमत *** यूएस डालर/वाट है।

यूएसए के सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

86. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएसए के केवल फस्ट सॉलर इंक, यूएसए ने अपनी संबद्ध निर्यातक कंपनी अर्थात् फस्ट सॉलर जीएमबीएच, जर्मनी के साथ मिलकर, जिनके आंकड़ों/सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा नहीं किया गया है, निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। दायर किए गए और सत्यापित किए गए प्रत्युत्तरों के अनुसार प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. फस्ट सॉलर इंक, यूएसए तनु फिल्मों का उत्पादक है और इसने संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात अपनी संबद्ध निर्यातक कंपनी अर्थात् फस्ट सॉलर जीएमबीएच, जर्मनी के जरिए किया है। जांच की अवधि के दौरान मै. फस्ट सॉलर इंक, यूएसए ने भारत को संबद्ध वस्तु (तनु फिल्म माइयूलों) का कुल *** किलोवाट का निर्यात अपनी संबद्ध कंपनी मै. फस्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के जरिए किया है जिसका सकल सीआईपी मूल्य *** यूएस डालर है। सभी मामलों में माल का पोत-लदान प्रत्यक्षतः भारत को किया गया और बीजक मै. फस्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के जरिए किया गया। भारत को किए गए कुल निर्यातों में से मै. फस्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी द्वारा केवल अल्प मात्रा (*** किलोवाट) का बीजक *** यूएसए के जरिए किया गया था जिसके संबंध में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी ने कुल निर्यातों में से संबद्ध वस्तु के *** किलोवाट निर्यातों का अपवर्जन कर दिया और मै. फस्ट सॉलर इंक, यूएसए तथा मै. फस्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के लिए निवल निर्यात कीमत का निर्धारण कर दिया। प्राधिकारी ने अन्तरदेशीय/समुद्रपारीय भाड़ा, समुद्रपारीय बीमा और पैकेजिंग लागत, जिसका निर्यातक द्वारा दावा किया गया और जिसे प्राधिकारी द्वारा

सत्यापित किया गया, का समायोजन करने के पश्चात् संबद्ध निर्यातक/उत्पादक के बारे में *** यूएस डालर/वाट निवल निर्यात कीमत (एनईपी) निर्धारित की है।

यूएसए के असहयोगकर्ता निर्यातक

87. यूएसए के गैर-सहयोगकर्ता निर्यातक के रूप में माने गए अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। यूएसए में स्फाट सौर सैलौं, स्फाट सौल माइयूलों और तनु फिल्मों को शामिल करते हुए इस विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः *** यूएस डालर/वाट, *** यूएस डालर/वाट और *** यूएस डालर/वाट के रूप में किया है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित इस विचाराधीन उत्पाद की औसत भारित निवल निर्यात कीमत *** यूएस डालर/वाट है।

मलेशिया

मलेशिया के सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

88. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मलेशिया के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने सैम्पलिंग प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है और उन्हें प्राधिकारी द्वारा सैम्पल किया गया। इसके अतिरिक्त मलेशिया के सैम्पल किए गए उक्त उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है।

- i क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी (जिसको हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी के रूप में पुनर्नामित किया गया है)।
- ii फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी (जिसको हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी के रूप में पुनर्नामित किया गया है)

89. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मलेशिया से केवल एक क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी (जिसको हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी के रूप में पुनर्नामित किया गया है) ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है, जिसके आंकड़ों/सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा किया गया है। कंपनी ने जांच की अवधि के दौरान केवल स्फाट सौर सैलौं का उत्पादन किया है और उनका भारत को निर्यात किया है। यह निर्यात जांच की अवधि के दौरान भारत को कारखाना-बाह्य आधार पर चार ग्राहकों को किया गया है। सत्यापन के दौरान यह प्रेक्षण किया गया कि संबद्ध वस्तु का निर्यात हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी द्वारा जर्मन की एक संबद्ध कंपनी, *** जर्मनी के जरिए किया गया है। उक्त संबद्ध जर्मन कंपनी के जरिए हुए लेन-देनों की रूपात्मकताओं का स्पष्टीकरण पूछे जाने पर, जबकि इस तथ्य का खुलासा हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी द्वारा दायर किए गए निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में नहीं किया गया है, यह सूचना दी गई कि *** जर्मनी भारतीय क्रेताओं से ३०डर प्राप्त करता है, भारतीय क्रेताओं के लिए बीजक तैयार करता है और उस वस्तु का भारतीय क्रेताओं को प्रदाय करने के लिए हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी को निदेश देता है। इसके अतिरिक्त, क्यू-सैल्स मलेशिया के लिए और उसकी ओर से बिक्री कर देने के पश्चात् *** जर्मनी भारतीय क्रेताओं से बिक्री प्राप्त करता है और धन हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया को आवधिक आधार पर अपनी कमीशन, एजेंसी करार में सहमत हुए ***% की दर से, काटकर भुगतान करता है।

90. सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणी के लिए हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी को प्रेषित कर दी गई थी। सत्यापन रिपोर्ट पर की गई अपने टिप्पणियों में प्रत्युत्तरदाता कंपनी ने अपनी स्थिति को पुनः दोहराया जिसे संतोषजनक नहीं पाया गया। प्राधिकारी नोट करते हैं कि समस्त पोतलदान मै. हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी द्वारा *** जर्मनी के नाम पर किया गया। इसके अतिरिक्त, भारतीय क्रेताओं से भुगतान की वसूली भी *** जर्मनी द्वारा की गई। लेन-देन की उपर्युक्त प्रकृति के बावजूद न तो हान्वाह

क्यू-सैल्स मलेशिया ने अपनी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में भारत को निर्यात बिक्री सरणी के रूप में *** जर्मनी की अन्तरग्रस्तता की घोषणा की और न ही *** जर्मनी ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए *** जर्मनी से निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अभाव में जांच की अवधि के दौरान भारत को दावाकृत निर्यातों के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला को सिद्ध नहीं किया जा सकता है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में हान्वाह क्यू-सैल्स मलेशिया एसडीएन बीएचडी को व्यक्तिगत निर्यात कीमत प्रदान नहीं की है।

फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया

91. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया ने मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के साथ निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर किया है जिनके आंकड़ों/सूचना का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा नहीं किया गया है। दायर किए गए प्रत्युत्तर और उसका सत्यापन किए गए के अनुरूप,प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि मै. फर्स्ट सॉलर मलेशिया तनु फिल्मों का उत्पादन करता है जिसका उसने भारत को निर्यात अपनी एक संबद्ध कंपनी अर्थात् मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के जरिए किया है। जांच की अवधि के दौरान मै. फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया संबद्ध वस्तु का *** किलोवाट का कुल निर्यात मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के माध्यम से किया है जिसका कुल सीआईपी मूल्य *** यूएस डालर है। सभी मामलों में माल का भारत को प्रत्यक्षतः पोतलदान मै. फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया द्वारा किया गया है और उसका बीजक मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के जरिए भेजा गया है। जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के किए गए कुल *** किलोवाट निर्यातों,जिनका उत्पादन मै. फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया द्वारा किया गया था, में से *** किलोवाट (***%) का भारत को निर्यात प्रत्यक्षतः मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी (*** किलोवाट), *** किलोवाट (*** किलोवाट), *** यूएसए (*** किलोवाट), *** स्पेन (*** किलोवाट) और *** नीदरलैंड्स (*** किलोवाट) का निर्यात, के जरिए किया गया था,जिसके बारे में संबद्ध पक्षकारों द्वारा निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है।
92. यह तथ्य निर्यातक सत्यापन रिपोर्ट में फर्स्ट सॉलर की जानकारी में लाया गया था। सत्यापन रिपोर्ट के प्रत्युत्तर में फर्स्ट सॉलर द्वारा यह तर्क दिया गया कि इनमें से अधिकांश लेन-देनों में मूल्य और परिणामी कीमत फर्स्ट सॉलर द्वारा अपनी प्रश्नावली प्रत्युत्तर में रिपोर्ट किए गए मूल्य और परिणामी कीमत की तुलना में अधिक है। फर्स्ट सॉलर द्वारा पुनः यह तर्क दिया गया कि वर्तमान मामले में याचिका के एक समर्थनकर्ता मोजर बेयर एक संबद्ध कंपनी है और उसने *** से संबद्ध वस्तु की खरीद की है और इसी कारण से *** ने वर्तमान जांच में प्राधिकारी को सहयोग नहीं दिया है।
93. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि *** ही एकमात्र ऐसा पक्षकार नहीं है जो फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया द्वारा उत्पादित और मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु का निर्यात करने में संलिप्त हो। ऐसी कई अन्य कंपनियां भी हैं जैसे*** जर्मनी, *** जर्मनी, *** जर्मनी, *** जर्मनी, *** यूएसए,*** स्पेन आदि जो यह कार्य करने में लगी हुई हैं। इनमें से किसी भी पक्षकार ने वर्तमान जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। प्राधिकारी पुनः नोट करते हैं कि मोजर बेयर जो वर्तमान जांच में एक समर्थनकर्ता घरेलू उत्पाद है, संबद्ध वस्तु का संबद्ध देशों से एक आयातक है और इसलिए उसे प्राधिकारी द्वारापात्र घरेलू उद्योग के रूप में नहीं माना गया है। इसके अतिरिक्त न तो फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया द्वारा और न ही मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी ने कोई दस्तावेजी साक्ष्य दिया है कि उन्होंने *** सहित तृतीय पक्षकारों जिनका *** निर्यात के साथ होता है प्रतिभागिता और सहयोग सुनिश्चित करने का सर्वोत्तम प्रयास किया

है। उपर्युक्त स्थिति में इन पक्षकारों के बीच किसी क्षतिपूरक व्यवस्था की मौजूदगी को नकारा नहीं जाता है।

94. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इन पक्षकारों द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अभाव में फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया द्वारा मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी के जरिए किए गए निर्यातों के बारे में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला सिद्ध नहीं किया जा सकता है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी ने फर्स्ट सॉलर मलेशिया एसडीएन बीएचडी, मलेशिया और मै. फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी व्यक्तिगत निर्यात कीमत प्रदान नहीं की है।

मलेशिया के असहयोगकर्ता निर्यातक

95. मलेशिया के गैर-सहयोगकर्ता निर्यातक के रूप में माने गए अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। मलेशिया में स्फाट सौर सैलॉ, स्फाट सौल माइयूलों और तनु फिल्मों को शामिल करते हुए इस विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः *** यूएस डालर/वाट, *** यूएस डालर/वाट और *** यूएस डालर/वाट के रूप में किया है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित इस विचाराधीन उत्पाद की औसत भारित निवल निर्यात कीमत *** यूएस डालर/वाट है।

चाइनीज टाइपेई

चाइनीज टाइपेई के सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण

96. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चाइनीज टाइपेई के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों को सैम्पलिंग प्रक्रिया के लिए चुना गया है:

- i. मोटेक इंडस्ट्रीज इंक।
- ii. मै. सनवैल सॉलर कार्पोरेशन
- iii. मै. डेल सॉलर कंपनी लि.

97. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि चाइनीज टाइपेई का मैं मोटेक इंडस्ट्रीज इंक ही केवल एक ऐसा प्रत्युत्तरदाता सहयोगकर्ता उत्पादक/निर्यातक है जिसके आंकड़ों/सूचना का सत्यापन किया गया था। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि मैं मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाइपेई ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु के *** नगों (*** किलोवाट) का निर्यात करने का दावा किया था जिसका सकल मूल्य *** यूएस डालर है।

98. इसकी सभी अनुषंगियों या सभी देशों में उन सभी संबद्ध कंपनियों जो संबद्ध उत्पाद में अन्तरग्रस्त हैं, से संबंधित सूचना निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के पैरा 5 में उपलब्ध कराई गई है, इसमें मोटेक इंडस्ट्रीज इंक ने घोषित किया है कि एई पॉली सिलिकॉन कारपोरेशन, यूएसए ही एकमात्र ऐसी अनुषंगी है जो संबद्ध वस्तु का विनिर्माण करती है। परन्तु स्थल सत्यापन के दौरान प्राधिकारी के संजान में यह बात आई कि मोटेक इंडस्ट्रीज इंक की चाइनीज टाइपेई और कुछ अन्य देशों में कई अन्य संबद्ध कंपनियां भी हैं जैसे टीएसएमसी सॉलर, टाइवान, मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण., मोटेक अमेरिका एलएलसी और इटोगुमी मोटेक जापान हैं, वे कंपनियां भी संबद्ध वस्तु में व्यापार करती हैं परंतु मोटेक इंडस्ट्रीज इंक ने प्राधिकारी से समक्ष दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में उन कंपनियों का जिक्र नहीं किया है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी को उपलब्ध कराई गई सूचना के अनुसार मैं मोटेक(सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण., जो संबद्ध कंपनियों में से एक है ने जांच की अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का भारी मात्रा में निर्यात किया था जिसका वर्तमान जांच में चीन जन.गण. एक संबद्ध देश होते हुए भी मोटेक इंडस्ट्रीज

इंक ने प्राधिकारी के समक्ष दायर अपनी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक द्वारा घोषणा नहीं की गई है।

99. प्राधिकारी ने सत्यापन रिपोर्ट टिप्पणियों के लिए में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई को प्रदान कर दी है। सत्यापन रिपोर्ट के संबंध में की गई अपनी टिप्पणियों मोटेक इंडस्ट्रीज इंक ने उल्लेख किया है कि मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. ने सैम्पलिंग प्रश्नावली दायर की है परंतु प्राधिकारी द्वारा उसे सैम्पल के रूप में नहीं माना गया। इसके अतिरिक्त यह माना गया कि सौर सैलों की बिक्री में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई द्वारा मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. को अन्य देशों में, न कि भारत में, बिक्री करने के लिए माड्यूलों का उत्पादन किया है। मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा निर्यातित संबद्ध वस्तु चीन जन.गण. के मूल की हैं।

100. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सैम्पलिंग प्रक्रिया में मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. का चयन न होने से यह न्यायोचित नहीं हो जाता है कि अन्य संबद्ध पक्षकारों के साथ इस पक्षकार का विवरण में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई द्वारा दायर प्रश्नावली प्रत्युत्तर में न किया जाए। इसके अतिरिक्त, चीन जन.गण. एक संबद्ध देश होने के कारण, में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई द्वारा किया गया सत्यापन पश्चात् प्रस्तुतिकरण कि में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई द्वारा सौर सैलों की जांच की अवधि के दौरान मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. को की गई बिक्री भारत के अलावा अन्य देशों में बिक्री के लिए मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा माड्यूलों का उत्पादन करने के लिए की गई थी और जांच की अवधि के दौरान भारत को मै. मोटेक (सुझोऊ) नवीकरणीय ऊर्जा कं. लि., चीन जन.गण. द्वारा संबद्ध वस्तु का किया गया निर्यात चीन मूल का है और इसलिए वह सत्यापन योग्य नहीं है तथा उसे स्वीकार नहीं किया जा सकता है।

101. उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई द्वारा दायर निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर को विश्वसनीय के रूप में स्वीकार नहीं करते हैं और इसलिए में मोटेक इंडस्ट्रीज इंक, चाइनीज टाईपेई को वर्तमान जांच में व्यक्तिगत निर्यात कीमत प्रदान नहीं करते हैं।

चाइनीज टाईपेई के असहयोगकर्ता निर्यातक

102. चाइनीज टाईपेई के गैर-सहयोगकर्ता निर्यातक के रूप में माने गए अन्य सभी निर्यातकों के संबंध में प्राधिकारी ने निवल निर्यात कीमत का निर्धारण नियमावली के नियम 6(8) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार उपलब्ध तथ्यों के आधार पर किया है। चाइनीज टाईपेई में स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौल माड्यूलों और तनु फिल्मों को शामिल करते हुए इस विचाराधीन उत्पाद के असहयोगकर्ता निर्यातकों/उत्पादकों के लिए प्राधिकारी द्वारा निवल निर्यात कीमत का निर्धारण क्रमशः *** यूएस डालर/वाट, *** यूएस डालर/वाट और *** यूएस डालर/वाट के रूप में किया है। उपर्युक्त आधार पर निर्धारित इस विचाराधीन उत्पाद की औसत भारित निवल निर्यात कीमत *** यूएस डालर/वाट है।

झ. पाटन मार्जिन

चीन जन.गण. के नमूनाकृत और सहयोगकर्ता निर्यातक

103. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए चीन जन.गण. के नमूनाकृत सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है:

क्र.सं.	निर्यात की सरणी	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस डालर/वाट	निवल निर्यातकीमत यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
1	चीन-हांगकांग-भारत	कनाडियन सॉलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक,	कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लिमिटेड	***	***	***	***	60-70

		चीन जन.गण.	हांगकांग					
--	--	---------------	----------	--	--	--	--	--

चीन के गैर नमूनाकृत निर्यातक

104. ऐसे निम्नलिखित निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन जिन्होंने स्वयं की सैम्पलिंग प्रश्नावली प्रत्युत्तर में पहचान बनाई है परन्तु जिनका प्राधिकारी द्वारा नमूनाकृत नहीं किया गया, का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 18(2) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चीन के ऊपर उल्लिखित सहयोगकर्ता निर्यातकोंके लिए निर्धारित किए गए पाटन मार्जिन के आधार पर किया गया है। अतः चीन जन.गण. गैर नमूनाकृत निर्यातकों के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नलिखित तालिका के अनुसार किया गया है।

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	निर्यातक का नाम	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेज - %
1	हान्वाह सॉलर वन (विडांग) कं. लि. चीन जन.गण.	हान्वाह सॉलर वन (विडांग) कं. लि. चीन जन.गण.			
2	चिंत सॉलर (झेझियांग)कं. लि. चीन जन.गण.	चिंत सॉलर (झेझियांग)कं. लि. चीन जन.गण.			
3	जिंको सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	जिंको सॉलर आयात एवं निर्यात कं. लि., चीन जन.गण.			
4	झेझियांग जिंको सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	जिंको सॉलर आयात एवं निर्यात कं. लि., चीन जन.गण.			
5	डेल सॉलर (वुजियांग) लि., चीन जन.गण.	डेल सॉलर (वुजियांग) लि., चीन जन.गण.			
6	एलडीके सॉलर हाईटेक (सुझोऊ) कं. लि. चीन जन.गण.	एलडीके सॉलर हाईटेक (सुझोऊ) कं. लि. चीन जन.गण.			
7	चांगझोऊ ट्रिना सॉलर ऊर्जा कं. लि. चीन जन.गण.	चांगझोऊ ट्रिना सॉलर ऊर्जा कं. लि. चीन जन.गण.			
8	शेंगलुओ बीवाईडी इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन.गण.	शेंगलुओ बीवाईडी इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन.गण.			
9	डॉगफैग इलैक्ट्रिक (इपिसंग)मैगी सॉलर पावर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.	डॉगफैग इलैक्ट्रिक (इपिसंग)मैगी सॉलर पावर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.			
10	जियांगइन हेरिओन पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.	जियांगइन हेरिओन पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.			
11	हेंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.	हेंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.			
12	हान्ज्योऊदाहे थर्मो मैग्नेटिक्स कं.लि., चीन जन.गण.	हान्ज्योऊदाहे थर्मो मैग्नेटिक्स कं.लि., चीन जन.गण.			
13	झेजियांग जिन्को सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	झेजियांग जिन्को सॉलर ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन.गण.			
14	अंजीदासोल सॉलर एनर्जी साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं.	अंजीदासोल सॉलर एनर्जी साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं.			

	लि., चीन जन.गण.	लि., चीन जन.गण.			
15	युहुआन सिनोसुला साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.	युहुआन सिनोसुला साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.			
16	पर्लाइट सोलर कं. लि., चीन जन. गण.	पर्लाइट सोलर कं. लि., चीन जन. गण.			
17	सीएनपीवी डॉग्यिंग सोलर पावर कं. लि., चीन जन.गण.	सीएनपीवी डॉग्यिंग सोलर पावर कं. लि., चीन जन.गण.			
18	निंगबो क्यूक्सिन सॉलर इलैक्ट्रिकल्स एप्लायांस कं. लि., चीन जन.गण.	निंगबो क्यूक्सिन सॉलर इलैक्ट्रिकल्स एप्लायांस कं. लि., चीन जन.गण.			
19	इंगली एनर्जी (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.	इंगली एनर्जी (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.			
20	शंघाई बीवाईडी कं. लि., चीन जन.गण.	शंघाई बीवाईडी कं. लि., चीन जन.गण.			
21	रेनसोला जिंगसु लि., चीन जन. गण.	रेनसोला जिंगसु लि., चीन जन. गण.			
22	शेनझेन टोप्रे सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	शेनझेन टोप्रे सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.			
पाटन मार्जिन			***	***	60-70

चीन जन.गण. के अन्य सभी निर्यातक

105. चीन जन.गण. के अन्य सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों के मामले में प्राधिकारी द्वारा पाटन मार्जिन का निर्धारण उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर निम्नलिखित तालिका में दिए गए के अनुसार किया है:

विवरण	सामान्य मूल्य यूएस डालर/वाट	निवल निर्यात कीमत यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन रेंज
अन्य सभी उत्पादक/ निर्यातक	***	***	***	***	100-110

यूएसए के मामले में पाटन मार्जिन

106. ऊपर यथानिर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत पर विचार करते हुए यूएसए के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है:

क्र.सं.	निर्यात की सरणी	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस डालर/वाट	निवल निर्यात कीमत यूएस डालर/ वाट	पाटन मार्जिन यूएस डालर/ वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेंज - %
1	यूएसए- जर्मनी - भारत	फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए	फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी	***	***	***	***	5-15
2	कोई	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक	यूएसए के अन्य सभी निर्यातक	***	***	***	***	40-50

मलेशिया के मामले में पाटन मार्जिन

107. पिछले पैराग्राफों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना करते हुए मलेशिया के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा निम्नवत किया गया है:

विवरण	सामान्य मूल्य यूएस डालर/वाट	निवल निर्यात कीमत यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रैंज - %
सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	60-70

चाइनीज टाइपेई के मामले में पाटन मार्जिन

108. पिछले पैराग्राफों में यथानिर्धारित सामान्य मूल्य एवं निर्यात कीमत की तुलना करते हुए चाइनीज टाइपेई के संबंध में पाटन मार्जिन का निर्धारण प्राधिकारी द्वारा सर्वोत्तम उपलब्ध तथ्यों के आधार पर निम्नलिखित तालिका में दिए गए के अनुसार किया गया है:

विवरण	सामान्य मूल्य यूएस डालर/वाट	निवल निर्यात कीमत यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रैंज - %
सभी उत्पादक/निर्यातक	***	***	***	***	70-80

ज) क्षति निर्धारण और क्षति तथा कारणात्मक संबंधों की जांच की किया-पद्धति

क्षति जांच

उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

109. उत्पादकों/ निर्यातकों/ आयातकों/ अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा क्षति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए गए हैं:

- क्षति का विश्लेषण भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन के केवल 12% के क्षति आंकड़ों पर आधारित है और उसे घरेलू उद्योग के प्रतिनिधिक के रूप में नहीं माना जा सकता है।
- क्षमता एवं मांग के बीच भारी अंतर है। 100% क्षमता उपयोग पर कार्य कर रहे घरेलू माइयूल उत्पादक कुल मांग के केवल 13% की पूर्ति कर पाएंगे। भारतीय मांग आयात के कारण पूरी हो रही है क्योंकि भारतीय उद्योग ने अपना अधिकांश ध्यान निर्यात पर केन्द्रित कर रखा है।
- डब्ल्यू टी ओ करार के अंतर्गत पक्षपात रहित तुलना की जरूरत को पूरा करने के लिए पीसीएन वार विश्लेषण विषमजातीय विचाराधीन उत्पाद के लिए अपेक्षित होता है।
- प्रमुख इनपुटों तथा विचाराधीन उत्पाद की कीमत में जांच की अवधि के दौरान माह-वार आधार पर कीमतों में भारी गिरावट आई है। विचाराधीन उत्पाद तथा उसके बड़े इनपुटों की कीमतों में उतार-चढ़ाव माह-वार विश्लेषण की मांग करता है जिससे कि अनुचित परिणामों से बचा जा सके।
- घरेलू उद्योग को भारत में आयातों के कारण क्षति नहीं हुई है। घरेलू उद्योग के निष्पादन में घरेलू बाजार के संबंध में वास्तव में सुधार हुआ है। कीमतों में भारी गिरावट का मुख्य कारण आधार-भूत इनपुट, सिलिकान वेफर की कीमत में भारी गिरावट के कारण आई है। घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि घरेलू उद्योग का निर्यातों में विघटन होने के कारण स्थिर लागत की घटना के कारण हुई है। घरेलू उद्योग ने निर्यात बाजारों पर विचार करते हुए भारी बेशी क्षमता सृजित कर ली थी, जो समाप्त हो गई। याचिकाकर्ताओं ने विचाराधीन उत्पाद पर बहुत भारी निवेश किया है जो न केवल क्षमता संवर्धन से तुलना करने पर बहुत अधिक था परन्तु वह निर्यात के आशय से भी किया गया था।

vii. क्षति के निर्धारण में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा समान वस्तु के लिए घरेलू बाजार में कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) इन आयातों का ऐसे उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर परिणामी प्रभाव दोनों की उद्देश्यपरक जांच अंतरग्रस्त होगी। निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह इन दोनों का निर्धारण करें।

viii. वर्ष 2008-09 में घरेलू उद्योग का क्षमता उपयोग 88.61% था जिसका आशय है कि घरेलू उद्योग जांच की अवधि के दौरान 410.26 मेगावाट का उत्पादन करने में सक्षम था। इसके विपरीत घरेलू उद्योग ने केवल 26.03 मेगावाट का ही उत्पादन किया। अतः घरेलू उद्योग को इस अवधि के दौरान भारी स्थिर लागत, उच्च मूल्य हास, उच्च ब्याज लागत का सामना करना पड़ा जिसके लिए केवल 26.03 मेगावाट के उत्पादन से अवशोषण करना था। अतः याचिकाकर्ताओं का इस अवधि के दौरान बहुत अधिक स्थिर लागत सहन करनी पड़ी जो लाभप्रदायकता में गिरावट का एक बहुत बड़ा कारण है।

ix. याचिकाकर्ताओं ने कच्चे माल की लागत में भारी गिरावट होने के बावजूद लाभ में तीव्र कमी होने का दावा किया है जो स्पष्टया यह सिद्ध करता है कि लाभ में गिरावट निर्यात बाजार समाप्त हो जाने के परिणामस्वरूप नियत लागत में भारी वृद्धि होने के कारण आई है।

x. क्षति मार्जिन का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी को तनु फिल्म की गैर क्षतिकारी कीमत का निर्धारण करना अपेक्षित होगा। तथापि, निर्दिष्ट प्राधिकारी तनु फिल्म के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण इस कारण से नहीं कर सके कि तनु फिल्म का कोई ऐसा उत्पादक नहीं है जो याचिकाकर्ता का एक भाग हो। अतः तनु फिल्म के स्थान पर स्फाट उत्पादों का प्रयोग करने की संभावना या किसी भी हाल में विचाराधीन उत्पाद के दायरे के अंतर्गत तनु फिल्मों को शामिल करने का कोई आधार नहीं है।

xi. तनु फिल्म के लिए मोजर बेयर की उत्पादन लागत को एक समुचित बैंच मार्क के रूप में नहीं माना जा सकता है क्योंकि मोजर बेयर की उत्पादन संविधाएं स्वयं ही अपर्याप्त/अनुपयुक्त/अप्रतिस्पर्धी हैं और कंपनी ने उत्पादन करने के बजाए आयात करने का आश्रय लिया है।

xii. संबद्ध देशों और असंबद्ध देशों से आयात कीमत तुलनीय स्तर पर हैं। अतः यदि याचिकाकर्ता ये तर्क देते हैं कि कि ये आयात पाटित कीमतों पर किए गए हैं तो उन्होंने नियम 19 का उल्लंघन करते हुए भेदकारी आधार पर निर्णय लिया है। इसके अतिरिक्त यदि याचिकाकर्ता यह उल्लेख करते हैं कि यह आयात गैर-पाटित आयात हैं, इससे प्रत्यक्षतः कारणात्मक संबंध का प्रावधान सिद्ध होता है। किसी भी रूप में यह याचिका अपने वर्तमान रूप में अनुरक्षणीय नहीं है।

xiii. यह देखा जा सकता है कि दो कंपनियों की मूल्यहास लागत में 267 लाख रु. से बढ़ोतरी होकर 5417 लाख रु. हो गई अर्थात् इसमें 20 गुना वृद्धि हो गई, जबकि ब्याज लागत 960 लाख रु. से बढ़कर 9100 लाख रु. हो गया अर्थात् इसमें दस गुनी वृद्धि हो गई। मूल्यहास एवं ब्याज लागत में अननुपातिक वृद्धि निर्यात बाजार समाप्त हो जाने के कारण हुई है। यद्यपि याचिकाकर्ताओं ने यह उल्लेख किया है कि उन्होंने निर्यात के कारण होने वाली क्षति का पृथक्करण किया है तो इससे यह प्रतीत होता है कि यह कार्य उन्होंने केवल लाभ की खातिर किया है और न कि अन्य प्राचलों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री मात्रा आदि के कारण और न ही यह कार्य घरेलू और निर्यात व्ययों के बीच प्रभाजन करने के लिए किया है। मूल्यहास और ब्याज लागत को क्षमता के अनुपात में घरेलू लाभ का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ घरेलू उत्पादन से प्रभारित किया जाना चाहिए।

xiv. इसके अतिरिक्त, इसी तरह कंपनी की संपरिवर्तन एवं सभी अन्य नियत लागतों को घरेलू उत्पादन से क्षमता के अनुपात में प्रभारित किया जाना चाहिए। चूंकि याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग ने इसकी क्षमताओं में इतनी अधिक वृद्धि होने जितना यह विगत में उत्पादन करता था, के बावजूद संगत अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद का उत्पादन भी नहीं किया है, इसलिए इतनी अधिक नियत लागत को अनुबंध-॥ के अधीन घरेलू लाभ का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ घरेलू उत्पादन से प्रभारित नहीं किया जा सकता है।

xv. चूंकि निर्यात बाजार समाप्त हो जाना स्पष्ट: एक भिन्न कारक है और चूंकि इस क्षति को अनुबंध-
|| के अंतर्गत लाभ का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ घरेलू बाजार से प्रभारित नहीं किया जा सकता है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी को नियत लागत मानक बना देनी चाहिए और तत्पश्चात् लाभ का निर्धारण करना चाहिए।

xvi. आयातों का विश्लेषण तथा आयातों की मात्रा एवं मूल्य का निर्धारण गंभीर त्रुटियों से भरा हुआ है। सैकड़ों ऐसे लेन-देन हुए हैं जहां आयात मात्रा के आकलन को त्रुटिपूर्ण बताया गया है। यदि आयात मात्रा में इन सभी लेन-देनों में सुधार किया जाता है तो आने वाली स्थिति उस स्थिति से बिल्कुल भिन्न होगी जिसका याचिकाकर्ताओं ने दावा किया है।

xvii. गैर संबद्ध देशों से आयातों में विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है। अतः संबद्ध देशों से आयातों के विरुद्ध विभेदकारी ढंग से आगे बढ़ना और गैर संबद्ध देशों से होने वाले आयातों की अनदेखी करना उचित नहीं होगा।

xviii. घरेलू उद्योग अपने उत्पाद की बिक्री आयातों की अवसारित कीमत से वस्तुतः कम कीमत पर कर रही है। ऐसा मामला होते हुए भी घरेलू उद्योग यह दावा नहीं कर सकता है कि आयातों ने घरेलू उद्योग पर विपरीत प्रभाव डाला है।

xix. यह प्रस्तुत किया जाता है कि इस जांच में यूएसए का सहयोग स्तर 100% है। इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे घरेलू उद्योग पर कथित पाटित आयातों के कीमत प्रभाव की जांच करने के प्रयोजनार्थ सहयोगकर्ता निर्यातकों की भारित औसत निर्यात कीमत पर विचार करेंगे।

xx. याचिकाकर्ताओं ने जांच की अवधि के दौरान प्रति यूनिट लागत में भारी वृद्धि होने की सूचना दी है। जांच की अवधि के दौरान लागत में इतनी अधिक वृद्धि होने के लिए कोई औचित्य नहीं है खासकर इसलिए क्योंकि संबंधित उत्पाद का उत्पादन करने में खपत होने वाली विभिन्न सामग्रियों/इनपुटों की कीमत में वास्तव में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है।

xxi. घरेलू उद्योग ने उक्त अवधि के दौरान अपनी क्षमता में भारी वृद्धि की है। यह स्पष्ट है कि इतनी अधिक क्षमता वृद्धि का तत्काल वाणिज्यीकरण नहीं किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, यह भी स्पष्ट होता है कि क्षमता में यह वृद्धि बाजार की स्थिति पर पर्याप्त ध्यान दिए बिना की गई है। यह देखा जा सकता है कि क्षमता में यह वृद्धि घरेलू मांग को ध्यान में रखकर नहीं की गई है। क्षमताओं में यह वृद्धि केवल निर्यात मांग को ध्यान में रखकर की गई है। तथापि, दुर्भाग्यवश याचिकाकर्ता के लिए इस विचाराधीन उत्पाद की मांग वैशिक बाजार में अच्छी नहीं बनी रही और वैशिक स्थिति के समक्ष गंभीर आर्थिक मंदी का संकट आ गया जिससे घरेलू उद्योग के कार्य निष्पादन में कमी आई।

xxii. घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत में कमी उसकी उत्पादन लागत में कमी की तुलना में बहुत अधिक है। साथ ही, आयातों की अवसारित कीमत में भी वृद्धि हुई है। इसलिए लागत, कीमत और अवसारित कीमत के बीच कोई संबंध नहीं है।

xxiii. याचिकाकर्ताओं ने निर्दिष्ट प्राधिकारी से एक प्रमुख तथ्य पूरी तरह से छुपा रखा है और वह है कि सिलिकॉन वैफर की कीमतों में क्षति अवधि के दौरान बहुत नाटकीय ढंग से गिरावट आई है जोकि सी-एसआई फोटोवाल्टिक उत्पादों की कीमतों में गिरावट होने का एक प्रमुख कारण है।

xxiv. तनु फिल्म और सी-एसआई पीवी एक दूसरे के साथ प्रतिस्पर्धा न तो करती हैं और न ही कर सकती हैं। ये दोनों वैकल्पिक हैं और समान वस्तुएं नहीं हैं। तनु फिल्क या सी-एसआई पीवी या अन्यों के संबंध में विकासकर्ता का निर्णय पूर्णतया समग्र परियोजना लागत और विकासकर्ता की लाभप्रदायकता पर निर्भर करता है। इसलिए तनु फिल्म की कीमतों की तुलना सी-एसआई पीवी की कीमत से करना अनुचित होगा।

xxv. याचिकाकर्ता का यह दावा सही नहीं है कि विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान प्रति यूनिट लागत में बढ़ोतरी हुई है। विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन में अन्तरग्रस्त किसी भी इनपुट की

लागत में इतनी भारी वृद्धि प्रदर्शित नहीं हुई है जिसके परिणामस्वरूप उत्पादन लागत में इतनी अधिक वृद्धि हो सके। वास्तव में, विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान लागत में 50% तक वृद्धि होना बहुत भारी वृद्धि होती है और यह वृद्धि बिल्कुल भी युक्तिसंगत नहीं है। लागत में इतनी अधिक वृद्धि होने का एक संभावित कारण जांच की अवधि के दौरान उत्पादन में गिरावट होना प्रतीत होता है जिसे निर्यातों में भारी गिरावट के कारण हुआ कहा जा सकता है। अतः उत्पादन लागत में वृद्धि होने का कारण इनपुट की लागत में वृद्धि होना या घरेलू बाजार के लिए जुड़े किसी अन्य कारक को नहीं बताया जा सकता है बल्कि यह वृद्धि निर्यातों में कमी आने के कारण हुई है।

xxvi. मूल्यग्नास में वृद्धि, क्षमता, उत्पादन और सकल अचल परिसंपत्तियों में वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक है। स्पष्टतः विचाराधीन उत्पाद पर घरेलू बाजार में प्रभारित मूल्यग्नास वास्तव में घरेलू प्रचालनों से संबंधित नहीं है और इससे उत्पादन लागत में बहुत अधिक वृद्धि हुई और उसके परिणामस्वरूप विचाराधीन उत्पाद के लाभ में कमी आई।

xxvii. जबकि घरेलू उत्पादन और घरेलू बिक्रियों में संपूर्ण अवधि के दौरान निरंतर वृद्धि प्रदर्शित हुई है वहीं घरेलू उद्योग के लाभ में संपूर्ण अवधि के दौरान तेजी से गिरावट आई है। लाभप्रदायकता में इतनी अधिक गिरावट आने के लिए ऐसी स्थिति में कोई भी औचित्य नहीं हो सकता है जब (क) घरेलू उत्पादन और घरेलू क्षमता उपयोग में सुधार हुआ हो, (ख) उत्पादन लागत में इनपुट लागत में वैशिक रूप से कमी होने के कारण गिरावट आई हो और (ग) कीमत अधोरदन ऋणात्मक हो।

xxviii. यह स्पष्ट न होने पर कि क्या लगाई गई पूंजी के संबंध में सूचना का घरेलू और निर्यातों के लिए पृथक्करण किया गया है, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रस्तुत की गई सूचना समग्र प्रचालनों से संबंधित है। लगाई गई पूंजी में वृद्धि क्षमताओं में हुई वृद्धि की तुलना में बहुत अधिक अनुपातिक है।

xxix. कार्यशील पूंजी की प्रवृत्ति भी बहुत अधिक त्रुटिपूर्ण है। वर्ष 2009-10 के दौरान कार्यशील पूंजी में भारी वृद्धि हुई और उसके पश्चात् इसमें गिरावट आई। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि के दौरान भी कार्यशील पूंजी में गिरावट आई है।

xxx. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के रोजगार, उत्पादकता और पारिश्रमिक जैसे प्राचलों में भी सुधार प्रदर्शित हुआ है।

xxxi. जहां तक कीमत अधोरदन का संबंध है, याचिकाकर्ता का दावा आयात मात्रा का आकलन करने और उसके परिणामस्वरूप आयात कीमत का आकलन करने में हुई गंभीर त्रुटि का परिणाम है। जांच की अवधि के दौरान कीमत अधोरदन वस्तुतः ऋणात्मक रहा है।

xxxii. निवेश का उपयोग न होना निर्यात के विपरीत निष्पादन के कारण हुआ है न कि घरेलू निष्पादन के कारण।

xxxiii. याचिकाकर्ता की संस्थापित क्षमता में पहले 12 महीनों के दौरान वृद्धि प्रदर्शित हुई है और फिर उत्तरवर्ती छह महीनों के दौरान इसमें गिरावट आई है। इस अप्रेरण के लिए आंकड़ों में कुछ संभावित अयथार्थता को छोड़कर कोई अन्य औचित्यता प्रतीत नहीं होती है।

xxxiv. इस अवधि के दौरान याचिकाकर्ताओं के उत्पादन में भारी कमी आई है। याचिकाकर्ता का उत्पादन वर्ष 2007-08 में 157 मेगावाट से घटकर पहले 12 महीनों में 81 मेगावाट और फिर जांच की अवधि के उत्तरवर्ती 6 महीनों में 10 मेगावाट हो गई।

xxxv. घरेलू उद्योग की घरेलू बिक्री मात्रा में निरंतर वृद्धि हुई है। यह आधार वर्ष में लगभग शून्य से बढ़कर उत्तरवर्ती अवधि में क्रमशः 2, 3, 5 और फिर 10 मेगावाट हो गई। इसके अतिरिक्त, जांच की अवधि के उत्तरवर्ती 6 महीनों में बिक्री मात्रा में जांच की अवधि के पहले 12 महीनों की बिक्री मात्रा की तुलना में लगभग दो गुनी वृद्धि हो गई (अर्थात् बाद वाले 6 महीनों में यह वृद्धि चार गुना हो गई जबकि पहले 12 महीनों के दौरान बिक्री मात्रा में यह वृद्धि विगत वर्ष की तुलना में पहले से ही बहुत अधिक थी।

xxxvi. उत्पादन और बिक्री की तुलना यह दर्शाती है कि उत्तरवर्ती छह महीनों के दौरान किया गया संपूर्ण उत्पादन घरेलू बाजार के लिए था और निर्यात घटकर शून्य हो गए।

xxxvii. बिक्री कीमत में गिरावट अवधि के दौरान आयात कीमत में गिरावट से बिलकुल व्यनुपाती प्रतीत होती है।

xxxviii. याचिकाकर्ताओं ने बारहवें और अठारहवें महीने में समान प्रति यूनिट लागत का दावा किया है, जिसका आशय है कि जांच की अवधि के पहले बारह महीनों और फिर अगले छह महीनों में प्रति यूनिट लागत समान बनी रही। यह असंभव है और यह स्पष्टतः यह दर्शाती है कि या तो इसमें कहीं कुछ गलती हुई है या घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादन लागत को अद्यतन नहीं किया गया है।

xxxix. कर-पूर्व लाभ में इस तथ्य के बावजूद तीव्र गिरावट आई है कि पहले बारह महीनों और बाद वाले छह महीनों के बीच बिक्री मात्रा लगभग दोगुनी हो गई। यह स्पष्टतः भारी नियत लागत के विपरीत प्रभाव को दर्शाती है जो याचिकाकर्ता द्वारा निर्यातोन्मुखी होने के कारण और निर्यात बाजार पूरी तरह से समाप्त हो जाने के कारण हुई है।

xl. बारह महीनों की तुलना करने पर अठारह महीनों में ब्याज में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई है इसका आशय यह है कि जांच की प्रस्तावित अवधि के पहले बारह महीनों की तुलना में बाद वाले छह महीनों में ब्याज लागत में भारी वृद्धि हुई है।

xli. कर एवं ब्याज पूर्व लाभ, कर पूर्व लाभ के समान ही स्थिति प्रदर्शित करता है। वास्तव में आंकड़े यह दर्शाते हैं कि ब्याज लागत में भारी बढ़ोतरी के कारण करपूर्व लाभ की तुलना में ब्याज पूर्व लाभ में भारी गिरावट आई है।

xlii. मूल्यहास की प्रवृत्तियाँ भी ब्याज के समान ही स्थिति प्रदर्शित करती हैं। घरेलू उत्पादन और घरेलू बिक्री में तीन गुना वृद्धि होने के बावजूद छह महीनों में मूल्य हास में भारी वृद्धि हुई है।

xliii. जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादकता में भारी गिरावट आई है और उसके लिए कथित पाटित आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।

xliv. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में छह माह में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

xlv. यद्यपि जांच की अवधि के बाद वाले छह महीनों में घरेलू उद्योग के कार्य-निष्पादन में भारी गिरावट आई है परंतु यह गिरावट निर्यात बाजार समाप्त हो जाने के कारण आई है जो जांच की अवधि के उत्तरवर्ती छह महीनों में घटकर शून्य हो गई। घरेलू उद्योग के निष्पादन में घरेलू बाजार में जबरदस्त सुधार प्रदर्शित हुआ है जबकि निर्यात निष्पादन ढह गया। अतः क्षति के लिए संबद्ध वस्तु के होने वाले आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।

xlvi. इंडो-सॉलर की प्रखंडित परिसंपत्तियों को विशुद्धतः भौगोलिक आधार परपृथक करके दिखाया गया है और भारत में इसके परिसंपत्ति आधार को पूर्णतः घरेलू प्रचालनों के लिए नहीं विचारा जाना चाहिए। इंडो-सॉलर और वेब सॉल दोनों की उच्च पूँजीगत निवेश और उधार के कारण बहुत अधिक ब्याज एवं मूल्यहास लागत है, खासकर निर्यात बाजार की मांग को पूरा करने के लिए, और तद्वारा यह कारणात्मक संबंध को भंग कर देता है।

xlvii. भारतीय उत्पादकों द्वारा पेशकश किए गए न्यूनतर गुणवत्ता वाले सैलों और माइयूलों के कारण याचिकाकर्ता विश्व में होने वाले नवीन तकनीकी परिवर्तनों को नियोजित करने में प्रत्यक्षतः अक्षम रहे हैं। अतः कथित पाटन और क्षति के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है।

xlviii. आवेदनकर्ताओं द्वारा प्रदान कराया गया क्षति विश्लेषण पाटन के अपने निजी दावे से असंगत है। एक स्थान पर याचिकाकर्ताओं ने पाटन की तुलना उत्पाद से उत्पाद के साथ की है। वहीं दूसरी ओर ऐसा प्रतीत होता है कि क्षति विश्लेषण संपूर्ण विचाराधीन उत्पाद को एक उत्पाद समझकर प्रस्तुत किया गया है। इस तरह का विश्लेषण सैलों, माइयूलों और तनु फिल्मों के बीच अन्तरनिर्मयता की पूर्वकल्पना प्रस्तुत करता है। इससे असंतुलित और अपुष्ट क्षति विश्लेषण सृजित होना प्रतीत होता है।

xlix. भारत के अधिकांश सौर सैल एवं माइयूल विनिर्माता संभावित इन्डियूस्ट्रियल डिग्रेडेशन (पीआईडी) अर्थात उच्च वोल्टेज और उच्च तापमान पर प्रवाह के लीकेज द्वारा कारित सिस्टम प्रणाली को क्षति से संरक्षित करने के लिए प्रतिविंबनरोधी कोटिंग नहीं करते हैं।

1. जबकि अधिकांश आयातित माड्यूलों पर 25 वर्षों की वारंटी और बीमा पॉलिस प्रदान की जाती है वहीं भारतीय उद्योग ऐसी सुविधा प्रदान नहीं करता है।
- ii. सभी घरेलू उत्पादनकर्ता माड्यूलों का विनिर्माण नहीं करते हैं और इसलिए सैलों और माड्यूलों, दोनों के लिए क्षति पर अलग-अलग विचार किया जाना चाहिए।
- iii. कथित पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंध नहीं हैं। घरेलू उद्योग ने अन्य कारकों द्वारा कारित की जा रही क्षति के लिए त्रुटिवश पाटन को उत्तरदायी बना दिया है (इस तथ्य को उनकी वार्षिक रिपोर्टों में भी स्वीकार किया गया है)।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरण

110. घरेलू उद्योग ने क्षति के संबंध में निम्नलिखित प्रस्तुतिकरण किए हैं:

- i. यह मुद्दा कि याचिकाकर्ता 100% ईओयू/एसईजेड इकाईयां हैं, इससे उनके घरेलू बाजार में अधिकार एवं हित निषिद्ध नहीं हो जाते हैं। पृथक्कृत क्षति सूचना दर्शाती है कि घरेलू उत्पादकों को संबद्ध देशों से पाटन के कारण वास्तविक क्षति सहन करनी पड़ी है।
- ii. यह आरोप निराधार है कि घरेलू उद्योग के पास घरेलू मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त क्षमता नहीं है।
- iii. आयातों के प्रभाव का संचयी आकन उपयुक्त है क्योंकि संबद्ध वस्तु समान मर्दे हैं और वे समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं: आयातित उत्पादों की बिक्री वितरण के तुलनीय श्रणियों के जरिए ग्राहकों की तुलनीय श्रेणी को की जा रही है; संबद्ध देशों से उत्पाद बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं और संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि हो रही है।
- iv. यद्यपि आधार वर्ष की तुलना में जांच की अवधि के दौरान मांग में भारी वृद्धि हुई है फिर भी घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली वृद्धि हुई है जो स्पष्टतः यह प्रदर्शित करती है कि घरेलू उद्योग के आस-पास पाटित आयातों का भारी जखीरा लगा हुआ है। मांग में संपूर्णवृद्धि किंतु इन पाटित आयातों द्वारा अवशोषित कर लिया गया है और घरेलू उद्योग को बिल्कुल विपरीत परिस्थिति में छोड़ दिया गया है।
- v. संबद्ध देशों से आयातों में समग्र रूप में और भारत में कुल आयात, उत्पादन और खपत के संबंध में भारी वृद्धि हुई है। संबद्ध देशों से आयात कुल भारतीय मांग का लगभग 87 प्रतिशत है।
- vi. जांच की अवधि के दौरान कीमत अधोरदन बहुत अधिक रहा। इसके अतिरिक्त बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में इतनी अधिक थी कि घरेलू उद्योग, वित्तीय घाटे में ही बना रहा। इससे यह प्रदर्शित होता है कि कीमत अवमंदन भी हुआ है।
- vii. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है और उसे निरंतर क्षति की चुनौती बनी हुई है।
- viii. घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग दोनों में जांच की अवधि के दौरान समग्र और संगत रूप से गिरावट आई है। घरेलू उद्योगका उत्पादन और बिक्री जिसे भारत में इस उत्पाद की मांग में वृद्धि होने के साथ-साथ बढ़ना चाहिए था, उसमें जांच की अवधि के दौरान इसके विपरीत भारी गिरावट प्रदर्शित हुई है। मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग की लगभग 80 प्रतिशत क्षमता निष्क्रिय पड़ी हुई है।
- ix. घरेलू उद्योग के निष्पादन में संबद्ध देशों से पाटित आयातों में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप वर्षों से गिरावट आई है। पाटन से घरेलू उत्पादकों को भारी वित्तीय घाटा कारित किया जा रहा है और घरेलू उद्योग, लाभ की बात तो छोड़िए, ग्राहकों को बिक्री लागत भी प्रदान कराने में सक्षम नहीं है।
- x. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में तीव्र गिरावट आई है या उसको कभी वास्तविक रूप प्रदान नहीं किया जा सका है जबकि संबद्ध देशों से आयातों में वास्तव में वृद्धि हुई और उसने भारतीय बाजार पर एक तरह से अपना कब्जा जमा रखा है और भारतीय उत्पादकों के लिए कोई स्थान ही नहीं छोड़ा है।

- xi. सौर सैल उद्योग में भारी संख्या में कुशल, अर्धकुशल श्रेणी के श्रमिकों को रोजगार प्रदान करने की क्षमता है। उद्योग की रोजगार प्रदान करने की इस क्षमता का वास्तविक रूप से कभी भी उपयोग नहीं किया जा सका क्योंकि घरेलू उद्योग को बाजार से लगभग समाप्त कर दिया गया था।
- xii. घरेलू उद्योग की उत्पादकता में विगत वर्ष की तुलना में जांच की अवधि में गिरावट उत्पादन में गिरावट के अनुरूप ही आई है।
- xiii. निवेश पर अर्जन और नकद लाभ दोनों में वर्ष 2010-11 तक वृद्धि हो रही थी परंतु इसमें पश्चात् भारी गिरावट आई है।
- xiv. चूंकि याचिकाकर्ता अपनी क्षमता का पूर्णतया उपयोग करने में सक्षम नहीं था, इसलिए माल सूची स्तर को यथा संभव इतने न्यून स्तर पर रखा गया जिससे कि कार्यशील पूँजी में अवरोध न्यूनतम हो। इस तथ्य के बावजूद, वर्ष 2010-11 के दौरान और उसके पश्चात् मालसूची में भारी बढ़ोतरी हुई है।
- xv. उत्पादन, क्षमता उपयोग, बाजार हिस्सा, प्रतिवाट लाभ, व्याज एवं कर-पूर्व लाभ, नकद लाभ और निवेश पर अर्जन के रूप में ऋणात्मक वृद्धि हुई है।
- xvi. घरेलू उद्योग के कार्य-व्यवहार को ध्यान में रखते हुए पर्याप्त नवीन निवेश नहीं किया जा सका फिर भी उत्पादन का उच्च स्तर प्राप्त करने के लिए किए गए प्रयासों में क्षमताओं में उत्पन्न अवरोधों को दूर करने के लिए छोटे-छोटे निवेश किए गए।
- xvii. आयेदक घरेलू उद्योग की संस्थापित क्षमता लगभग 308 मेगावाट है। विचाराधीन उत्पाद के लिए बढ़ती मांग के परिवृश्य में घरेलू उद्योग को भारी बाजार हिस्सा प्राप्त कर लेना चाहिए था और उसे 100% क्षमता उपयोग पर प्रचालन करना चाहिए था। इसके विपरीत घरेलू उद्योग संबद्ध देशों से कम कीमत वाले पाटित आयातों के कारण अपना संयंत्र केवल 20% क्षमता उपयोग (जांच की अवधि) पर प्रचालन करने में सक्षम हुआ है।
- xviii. कीमत अधोरदन और कीमत अधो-विक्रयण इतने अधिक हैं कि घरेलू उद्योग उस कीमत का मुकाबला करने में सक्षम नहीं है जिसमें उसकी लागत कीमत भी हासिल न होती हो।
- xix. घरेलू उत्पादकों ने समग्र रूप से केवल अचल परिसंपत्तियों में ही 10,000 करोड़ रु. से अधिक का निवेश किया हुआ है जिसके, यदि पाटन का निराकरण करने के लिए तत्काल सुधारात्मक उपाय शुरू नहीं किए गए तो इबा हुआ निवेश बन जाने की संभावना है।
- xx. विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क दिया है कि घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति स्वतः निर्मित कारणों से हुई है, इस संबंध में उन्होंने कुछ उत्पादकों की वार्षिक रिपोर्टों का उल्लेख किया है। इस दावे का कोई विधिक या तथ्यात्मक आधार नहीं है। गैर-गुणारोपण विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग को क्षति मुख्यतः पाटित आयातों के द्वारा ही कारित की गई है।
- xxi. याचिकाकर्ता ने विचाराधीन उत्पाद का निर्यात किया है। तथापि, घरेलू उद्योग को दावाकृत क्षति विचाराधीन उत्पाद के संबंध में केवल घरेलू प्रचालनों के कारण ही हुई है।
- xxii. घरेलू उद्योग द्वारा पेशकश की जा रही कीमत और विदेशी उत्पादकों द्वारा पेशकश की जा रही कीमत में भारी अंतर है। इसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को बिक्री मात्रा में क्षति हुई है। अतः बिक्री मात्रा में क्षति संबद्ध देश से पाटित आयातों का प्रत्यक्ष परिणाम है।
- xxiii. आयात मात्रा में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्रियों और क्षमता उपयोग में गिरावट आई है।
- xxiv. संबद्ध देशों से आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है या वे नगण्य स्तर पर बने रहे।
- xxv. घरेलू उद्योग का विकास कई पैरामीटरों के संबंध में नकारात्मक हो गया।
- xxvi. घरेलू उद्योग को क्षति केवल पाटन के कारण हो रही है। इस मामले का तथ्य यह है कि इस उत्पाद की मांग में देश में भारी वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग का बिक्री हिस्सा न्यूनतम स्तर पर ही बना रहा जिससे उसकी लाभप्रदायकता पर गंभीर प्रभाव पड़ा। जब संबद्ध देशों से पाटित आयात जांच की

अवधि के दौरान लगभग 810 मेगावाट (वार्षिकीकृत) था तब घरेलू उद्योग की बिक्री केवल 9.67 मेगावाट थीं ।

xxvii. घरेलू उद्योग की क्षमता जो आधार वर्ष में 10 मेगावाट थी, जांच की अवधि के दौरान बढ़कर 308 मेगावाट हो गई, वहीं इस उत्पाद की मांग जो आधार वर्षमें 130 मेगावाट थी, बढ़कर लगभग 931 मेगावाट हो गई। इसलिए क्षमता में की गई कोई भी वृद्धि भारतीय मांग में हो रही वृद्धि को ध्यान में रखकर की गई थी और एक कारक जिस पर यहाँ विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है वह यह है कि संबद्ध देशों से आयात जो आधार वर्ष में केवल 28 मेगावाट थे, बढ़कर जांच की अवधि में 801 मेगावाट हो गए। अतः यह कहा जा सकता है कि याचिकाकर्ता द्वारा क्षमता में की गई वृद्धि घरेलू मांग में हुई वृद्धि के विपरीत नहीं थी।

xxviii. संबद्ध देशों के उत्पादकों/निर्यातकों द्वारा अपनाई गई आक्रामक पाटन प्रणाली से घरेलू उद्योग लगभग तहस-नहस हो गया और घरेलू उद्योग को गंभीर क्षति की हालत में छोड़ दिया गया।

xxix. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा में गिरावट संबद्धदेशों से पाटित आयातों के प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप आई है; आयातित उत्पाद घरेलू उद्योग की कीमतों का गंभीरता से अधोरदन कर रहे हैं और उससे गंभीर कीमत अधोविक्रयण हुआ है; घरेलू उद्योग की कीमतों का आयातित उत्पाद द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया जा रहा था और उसके परिणामस्वरूप भारी कीमत अधोविक्रयण हुआ; आयात मात्रा में वृद्धि के कारण घरेलू उद्योग के उत्पादन, घरेलू बिक्रियों और क्षमता उपयोग में कमी आई है; संबद्ध देशों से होने वाले आयातों के बाजार हिस्से में भारी वृद्धि हुई है। इसके प्रत्यक्ष परिणामस्वरूप भारतीय उत्पादकों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है या वह मांग में भारी वृद्धि होने के बावजूद नकारात्मक स्तर पर बना रहा; घरेलू उद्योग का विकास कई पैरामीटरों के रूप में ऋणात्मक हो गया।

xxx. घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति की जांच, नियमों के अनुसार विभिन्न क्षति पैरामीटरों के आधार पर किए जाने की जरूरत है और इनपुट कीमतों में उत्तर-चढ़ाव अथवा वार्षिक रिपोर्टों में उल्लिखित किसी अन्य कथित कारण को क्षति और कारणात्मक संबंध का निर्धारण करने के संबंध में एकमात्र कारक के रूप में नहीं गिना जाना चाहिए।

xxxi. कंपनी के निर्यातनिष्पादन का आवेदन-पत्र में दी गई क्षति सूचना से कोई संबंध नहीं है क्योंकि आवेदक ने घरेलू और निर्यातों के लिए क्षति आंकड़ों को अलग-अलग कर दिया है। आवेदकों द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में सूचना भी इस अंतिम जांच-परिणाम में समुचित स्थानों पर प्रदान करा दी गई है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

111. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध ॥ और डब्ल्यूटीओ करार के अनुच्छेद 3.1 में (क) पाटित आयातों की मात्रा और घरेलू बाजार में समान उत्पादों के लिए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव; और (ख) इन उत्पादों के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव की उद्देश्यपरक जांच किए जाने का प्रावधान किया गया है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वे यह जांच करें कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से अथवा भारत में उत्पादन अथवा खपत के संगत रूप से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी को यह जांच करना अपेक्षित होता है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया जा रहा है या इन आयातों का प्रभाव कीमतों को भारी मात्रा में अन्यथा निगृहित किए जाने का है या कीमतों में वृद्धि होने से रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती।

112. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (4)(i) में निम्नलिखित उल्लेख किया गया है:-

“संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों एवं देश नामकों का मूल्यांकन करना शामिल होगा जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जिसमें बिक्रियों, लाभ, आउटपुट बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर अर्जन या क्षमता उपयोग में प्राकृतिक

एवं संभावित गिरावट, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, विकास, पूंजीगत निवेश उगाहने की क्षमता में वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभाव शामिल हैं”।

113. प्राधिकारी द्वारा एतदीन किया गया क्षति विश्लेषण वस्तुतः कई हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विभिन्न प्रस्तुतिकरणों का समाधान करता है। तथापि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विशिष्ट प्रस्तुतिकरणों का प्राधिकारी द्वारा अधोलिखित ढंग से निराकरण कर दिया गया है:

- i. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि क्षति विश्लेषण भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल उत्पादन में से केवल 12% के क्षति आंकड़ों पर आधारित है और उसे घरेलू उद्योग के प्रतिनिधिक के रूप में नहीं माना जा सकता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के साथ पठित नियम 11 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी घरेलू उद्योग को क्षतिका निर्धारण पाटित आयातों के संबंध में करेंगे। इसके अतिरिक्त नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत घरेलू उद्योग को परिभाषित किया गया है। वर्तमान जांच में पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अंतर्गत याचिकाकर्ता घरेलू उद्योग हैं और क्षति विश्लेषण घरेलू उद्योग के संबंध में सत्यापित सूचना के आधार पर किया गया है।
- ii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि भारत में मांग और क्षमता के बीच भारी अंतर है तथा आयात अनिवार्य हो गए हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग के लिए यह अनिवार्य नहीं है कि वह बाजार में उचित कीमतों के लिए पात्र बनने हेतु संपूर्ण मांग को पूरा करे और न ही इससे किसी देश द्वारा पाटन को न्यायोचित ठहराया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयात करने से वंचित नहीं करता है बल्कि उचित एवं प्रतिस्पर्धी कीमतों के लिए आपूर्ति के विभिन्न स्रोत सुनिश्चित करता है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू मांग में वृद्धि होने के बावजूद घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में मामूली सी वृद्धि हुई इससे यह सिद्ध होता है कि संपूर्णघरेलू मांग को पाटित आयातों द्वारा कब्जे में कर लिया गया।
- iii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि उचित तुलना के लिए पीसीएन-वार विश्लेषण अपेक्षित होता है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद में स्फाट सैल और माइयूल तथा तनु फिल्म माइयूल शामिल हैं और क्षति विश्लेषण वर्तमान जांच के लिए यथापरिभाषित विचाराधीन उत्पाद के आंकड़ों पर व्यक्तिगत रूप से और संचयी रूप से विचार करने के पश्चात् किया गया है।
- iv. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि जांच की अवधि के दौरान प्रमुख इनपुटों तथा परिष्कृत उत्पाद की कीमतों में भारी उतार-चढ़ाव के कारण वर्तमान जांच में माह-वार विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कीमत अधोरुदन माहवार आधार पर किया गया है।
- v. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि घरेलू उद्योग को क्षति आयातों के कारण नहीं हुई है, बल्कि यह क्षति इनपुट कीमतों में उतार-चढ़ाव, निर्यात बाजार में गिरावट आदि के कारण हुई है, नीचे उल्लिखित क्षति विश्लेषण में यथानिर्धारित तथ्यों जिनपर इन सभी कारकों पर विचार किया गया है, स्वयं सिद्ध हैं। इसके अतिरिक्त क्षति विश्लेषण करते समय प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निर्यातों से संबंधित सूचना को पृथक कर दिया और निर्यात निष्पादन का वर्तमान जांच में क्षति निर्धारण करने पर कोई प्रभाव नहीं है। जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि गैर-क्षतिकारी कीमत का

निर्धारण घरेलू उद्योग की निर्यातोन्मुखता पर विचार किया जाना चाहिए, यह नोट किया जाता है कि गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार किया गया है।

- vi. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग ने निर्यात बाजारों पर विचार करते हुए अधिक क्षमता का सृजन कर लिया है और निर्यात बाजार में गिरावट ने घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति कारित की है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यद्यपि जांच की अवधि के दौरान अपनी क्षमताओं में संवर्धन किया है परंतु यह संवर्धन केवल समुद्रपारीय बाजारों की मांग को पूरा करने के लिए ही नहीं किया गया है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि उसी अवधि के दौरान घरेलू बाजार में मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई है। बढ़ती मांग और संवर्धित क्षमता के बावजूद घरेलू उद्योग पाटन के कारण अपने बाजार हिस्से में वृद्धि नहीं कर सकी। अतः घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा क्षति अवधि के दौरान न्यून ही बना रहा।
- vii. जहां तक इस तर्क का संबंध है कि क्षति अवधि के दौरान सिलिकॉन बेफर की कीमतों में नाटकीय ढंग से कमी आई है और सी-एसआईपीवी उत्पादों की कीमतों में गिरावट के लिए वह प्रमुख कारण है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में इस गिरावट का प्रभाव एक अंतर्राष्ट्रीय मुद्दा है और यह सभी बाजारों पर समान रूप से लागू होता है। अतः प्रमुख कच्चे माल की कीमतों में गिरावट होने से बाजार में उचित कीमत वसूल करने के लिए उत्पादक की पात्रता कम नहीं हो जाती है और संबद्ध देशों से आयातों की अवसारित कीमत ने भी घरेलू कीमतों को प्रभावित किया है।
- viii. जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि कोई क्षति नहीं हुई और क्षति तथा पाटन के बीच कोई कारणात्मक संबंध नहीं है और उत्पादकों की वार्षिक रिपोर्ट क्षति के अन्य कारणों को दर्शाती हैं जैसे दीर्घकालिक कच्चे माल की संविदा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जरूरी नहीं है कि घरेलू उद्योग की क्षति के लिए पाटन ही एकमात्र निर्णायक कारण होना चाहिए परंतु महत्वपूर्ण यह है कि अन्य कारणों से हुई क्षति को पाटन के कारण हुई क्षति के लिए उत्तरदायी नहीं बताया गया है और इस अंतिम जांच परिणाम में ऐसे अन्य कारकों का उचित स्थानों पर समाधान कर दिया गया है।

ट. संचयी आकलन

114. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II (iii) में यह अपेक्षा की जाती है कि जहां एक से अधिक देश से किसी उत्पाद के आयातों पर पाटनरोधी जांच के अंतर्गत एक साथ विचार किया जाता है, वहां निर्दिष्ट प्राधिकारी इन आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करेंगे, जहां यह निर्धारित करता है कि:

- i. प्रत्येक देश से आयात के संबंध में स्थापित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में अभिव्यक्त दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से आयात की मात्रा समान वस्तु के आयात के तीन प्रतिशत है या जहां व्यक्तिगत देशों का निर्यात तीन प्रतिशत से कम है वहां आयात सामूहिक रूप से समान वस्तु के आयात के सात प्रतिशत से अधिक होते हैं; और
- ii. आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना आयातित वस्तु तथा समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में उपर्युक्त है।

115. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटित आयातों का आगमन भारतीय बाजार में समान रूप से हो रहा है। इसलिए इन स्रोतों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को कारित की जा रही क्षति के संचयी आकलन के मुद्दे की जाँच उपर्युक्त पैरामीटरों के संबंध में की गई है और यह पाया गया है कि:

- i. प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों के पाटन का मार्जिन न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- ii. प्रत्येक संबद्ध देश से अलग-अलग उत्पादों के आयात की मात्रा न्यूनतम सीमा से अधिक है;

iii. संबद्ध देशों से आयात बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का भारी कीमत अधोरदन कर रहे हैं।

116. उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी घरेलू समान उत्पाद और आयातित उत्पादों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति के आलोक में संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के घरेलू उद्योग पर पड़ने वाले प्रभावों का संचयी आकलन करना उपर्युक्त समझाते हैं। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि संबद्ध देशों से पाटन का मार्जिन और आयातों की प्रमात्रा ऊपर निर्धारित की गई सीमा से अधिक है।

117. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II में (क) पाटित आयातों की मात्रा तथा घरेलू बाजार में समान वस्तु के लिए कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव और (ख) इन वस्तुओं के घरेलू उत्पादकों पर इन आयातों के परिणामी प्रभाव दोनों की उद्देश्यपरक जांच करने का प्रावधान है। पाटित आयातों के मात्रा प्रभाव के संबंध में प्राधिकारी से यह अपेक्षा की जाती है कि वह यह जांच करेंगे कि क्या पाटित आयातों में समग्र रूप से या भारत में उत्पादन अथवा खपत के संगत रूप से भारी वृद्धि हुई है। पाटित आयातों के कीमत प्रभावके संबंध में प्राधिकारी से यह जांच करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया जा रहा है अथवा इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों में एक भारी मात्रा में निग्रहण करना है अथवा कीमतों में होने वाली वृद्धि को रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती।

118. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-II के पैरा (4)(i) में निम्नलिखित उल्लेख किया गया है:-

“संबंधित घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव की जांच में उन सभी संगत आर्थिक कारकों एवं देश नामकों का मूल्यांकन करना शामिल होगा जिनका उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जिसमें बिक्रियां, लाभ, आउटपुट बाजार हिस्से, उत्पादकता, निवेश पर अर्जन या क्षमता उपयोग में प्राकृतिक एवं संभावित गिरावट, घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक, पाटन के मार्जिन की मात्रा, नकदी प्रवाह, मालसूची, रोजगार, वेतन, विकास, पूंजीगत निवेश उगाहने की क्षमता में वास्तविक एवं संभावित ऋणात्मक प्रभाव शामिल हैं।”

119. भारत में घरेलू उद्योग पर आयातों के प्रभाव की जांच करने के लिए प्राधिकारी ने ऐसे देशनांकों पर विचार किया है जिनका घरेलू उद्योग की स्थिति पर प्रभाव पड़ता है जैसे प्रमुख नियमावली के अनुबंध-II (iv) के अनुसार उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री प्रमात्रा, स्टॉक, लाभप्रदायकता, निवल बिक्रीप्रापण, पाटन की मात्रा एवं मार्जिन आदि।

ठ. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का मात्रा प्रभाव

क) मांग एवं बाजार हिस्सा

120. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी ने मांग अथवा इस उत्पाद की भारत में स्पष्ट खपत को सभी स्रोतों से आयात तथा भारतीय उत्पादकों की घरेलू बिक्रियों के योग के रूप में परिभाषित किया है। इस तरह आकलित की गई मांग निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

i) मांग

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
मांग	किलोवाट	1,45,833	1,67,455	2,43,277	14,17,230	9,44,820
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	115	167	648	648
संबद्ध देशों से आयात	कि.वा.	57,661	1,00,871	1,73,015	12,08,362	8,05,575
अन्य देशों से आयात	कि.वा.	84,593	59,623	61,930	1,90,512	1,27,008

घरेलू उद्योग की बिक्री	कि.वा.	70	1,982	3,482	10,181	6,788
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री (अनुमानित)	कि.वा.	3,510	4,980	4,850	8,175	5,450

II. मांग में बाजार हिस्सा

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
संबद्ध देशों से आयात	%	39.54	60.24	71.12	85.26	85.26
अन्य देशों से आयात	%	58.01	35.61	25.46	13.44	13.44
घरेलू उद्योग की बिक्री	%	0.05	1.18	1.43	0.72	0.72
अन्य भारतीय उत्पादकों की बिक्री	%	2.41	2.97	1.99	0.58	0.58

121. भारत में मांग में संबद्ध आयातों के बाजार हिस्से की जांच भारतीय उत्पादकों की बिक्रियों तथा विभिन्न स्रोतों से आयातों पर विचार करते हुए की गई है। यह देखा जाता है कि देश में इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में संपूर्ण क्षति अवधि तथा जांच की अवधि के दौरान भी भारी वृद्धि हुई है। यद्यपि संबद्ध देशों से आयातों का हिस्सा जो आधार वर्ष में 39.54% था, बढ़कर जांच की अवधि में 85.26% हो गया, वहीं घरेलू उद्योग का हिस्सा जिसमें तत्काल विगत वर्ष में 1.43% की वृद्धि हुई थी, जांच की अवधि के दौरान इसमें 0.72% की कमी आ गई। अतः संबद्ध देशों से आयातों में भारी वृद्धि हुई है जबकि घरेलू उद्योग का हिस्सा कम ही बना रहा है।

ख) आयात मात्रा एवं बाजार हिस्सा

122. संबद्ध देश एवं अन्य देशों से आयात की मात्रा निम्नलिखित है:

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
मात्रा	संबद्ध देश	कि.वाट	57,661	1,00,871	1,73,015	12,08,362
	अन्य देश	कि.वाट	84,593	59,623	61,930	1,90,512
	कुल आयात	कि.वाट	1,42,253	1,60,494	2,34,945	13,98,874
आयातों में बाजार हिस्सा	संबद्ध देश	%	40.53	62.85	73.64	86.38
	अन्य देश	%	59.47	37.15	26.36	13.62

123. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि संबद्ध देशों से आयातों में भारी वृद्धि हुई है। यह भी नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों के आयात का भारत में विचाराधीन उत्पाद के कुल आयातों में भारी अनुपात है। अन्य देशों से आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है।

ग) उत्पादन के संबंध में आयातों का हिस्सा

124. प्राथिकारी यह प्रेक्षण करते हैं कि संबद्ध देशों से आयातों में घरेलू उद्योग के उत्पादन के संबंध में वृद्धि हुई है जैसाकि अधोलिखित तालिका से स्पष्ट है:

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
संबद्ध देशों से आयात	कि.वा.	57,661	1,00,871	1,73,015	12,08,362	8,05,575
घरेलू उद्योग का उत्पादन	कि.वा.	8,861	42,039	1,56,313	89,621	59,747
घरेलू उद्योग के उत्पादन के	%	651	240	111	1,348	1,348

संबंध में आयात						
----------------	--	--	--	--	--	--

घ) उत्पादन

125. घरेलू उद्योग के उत्पादन आंकड़े निम्नलिखित तालिका में दिए गए हैं:

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादन	कि.वा.	8,861	42,039	1,56,313	89,621	59,747
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	474	1,764	674	674
मांग	कि.वा.	1,45,833	1,67,455	2,43,277	14,17,230	9,44,820
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	115	167	648	648
मांग के संबंध में उत्पादन	%	6.08	25.10	64.25	6.32	6.32

यह प्रेक्षण किया जाता है कि घरेलू उत्पादन जो वर्ष 2008-09 में 6.08 प्रतिशत था और 2010-11 में बढ़कर 64.25 प्रतिशत हो गया और उसके पश्चात् जांच की अवधि में यह घटकर 6.32 प्रतिशत हो गया।

यह पाया जाता है कि घरेलू उद्योग के उत्पादन में वर्ष 2010-11 तक बढ़ोतरी हुई है परंतु जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है जबकि उसी अवधि के दौरान मांग में भारी वृद्धि हुई है।

ड.) बिक्री मात्रा

126. घरेलू उद्योग की बिक्री मात्रा निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
घरेलू बिक्री	कि.वा.	70	1,982	3,482	10,181	6,788
मांग	कि.वा.	1,45,833	1,67,455	2,43,277	14,17,230	9,44,820
मांग में घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा	%	0.05	1.18	1.43	0.72	0.72

उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि वर्ष 2008-09 तथा 2010-11 के बीच घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में बढ़ने की प्रवृत्ति प्रदर्शित हुई है और उसके पश्चात् जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है जबकि इस उत्पाद की मांग में क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि हुई है। यह नोट किया जाता है कि वर्ष 2010-11 में घरेलू उद्योग का मांग के चरम स्तर 64.25 प्रतिशत तक पहुंच गया।

I. घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का कीमत प्रभाव

127. कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव के संबंध में निर्दिष्ट प्राधिकारी से यह विचार करने की अपेक्षा की जाती है कि क्या भारत में समान उत्पाद की कीमतों की तुलना में पाटित आयातों की कीमतों द्वारा भारी कीमत अधोरदन किया गया है या इन आयातों का प्रभाव अन्यथा कीमतों का भारी मात्रों में नियंत्रण करना है या कीमतों में वृद्धि होने से रोकना है जो अन्यथा भारी मात्रा में हुई होती। इस विश्लेषण के प्रयोजनार्थ घरेलू उद्योग के उत्पादन की भारित औसत लागत (सीओपी), भारित औसत निवल बिक्री प्रापण (एनएसआर) और गैर-क्षतिकारी कीमत (एनआईपी) की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की उत्तराई लागत से की गई है।

I. कीमत अधोरदन

128. बाह्य भाडे और करों को घटाने के पश्चात् निवल बिक्री प्रापण निर्धारित की गई। चूंकि यह उत्पाद आईटीए करार के अंतर्गत आता है इसलिए संबद्ध वस्तु का भारत में मुक्त रूप से आयात किया जाता है। आयातों के उत्तराई मूल्य का परिकलन केवल एक प्रतिशत प्रहस्तन प्रभार जोड़कर किया गया है और उसकी तुलना घरेलू उद्योग के निवल बिक्री प्रापण से की गई है और यह पाया गया कि पाटित आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का निम्नलिखित तालिका के अनुरूप कीमत अधोरदन कर रहे हैं। प्राधिकारी ने भारित औसत के संबंध में कीमत अधोरदन का निर्धारण करने के लिए स्फाट सौर सैलों, स्फाट और माइयूलों और तनु फिल्मों से बने विचाराधीन उत्पाद के संबंध में माहवार आंकड़ों का विश्लेषण किया है जैसा कि निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	मलेशिया	ताइवान	यूएसए	संबद्ध देश
आयात मूल्य	कि.वा.	6,36,668	1,77,943	2,49,867	1,43,884	12,08,362
सीआईएफ मूल्य	लाख रु.	3,24,073.95	89,316.77	1,01,371.08	65,018.88	5,79,780.68
सीआईएफ कीमत	रु./वाट	50.90	50.19	40.57	45.19	47.98
आधारभूत सीमा शुल्क	%	-	-	-	-	-
उपकर पर बीसीडी	%	-	-	-	-	-
उत्तराई मूल्य	रु./वाट	51.41	50.70	40.98	45.64	48.46
निवल बिक्री प्रापण	रु./वाट	***	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रु./वाट	***	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	%	***	***	***	***	***
कीमत अधोरदन	रेंज %	10-20	25-35	5-15	25-35	15-25

उपर्युक्त तालिका से यह प्रेक्षण किया जाता है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का कीमत अधोरदन कर रहे हैं। यह अधोरदन बहुत अधिक पाया गया है और संबद्ध देशों के मामले में यह सकारात्मक है।

i. कीमत अधोविक्रयण

129 प्राधिकारी नोट करते हैं कि कीमत अधोविक्रयण क्षति के आकलन का एक महतवपूर्ण संकेतक है। कीमत अधोविक्रयण पर पहुंचने के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया गया है और उसकी तुलना संबद्ध वस्तु के उत्तराई मूल्य से की गई है। गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-III के अनुसार जांच की अवधि के दौरान विचाराधीन उत्पाद के लिए घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए किया गया है।

130 प्राधिकारी ने भारित औसत पर कीमत अधोविक्रयण का निर्धारण करने के लिए स्फाट सौर सैलों, स्फाट सौर माइयूलों और तनु फिल्मों द्वारा निर्मित विचाराधीन उत्पाद के संबंध में आंकड़ों का विश्लेषण किया है जो निम्नलिखित तालिका में दिया गया है।

विवरण	इकाई	चीन जन.गण.	मलेशिया	ताइवान	यूएसए	संबद्ध देश
आयात मात्रा	कि.वा.	6,36,668	1,77,943	2,49,867	1,43,884	12,08,362
सीआईएफ मूल्य	लाख रु.	3,24,073.95	89,316.77	1,01,371.08	65,018.88	5,79,780.68
सीआईएफ कीमत	रु./वाट	50.90	50.19	40.57	45.19	47.98
आधारभूत सीमा शुल्क	%	-	-	-	-	-
उपकर पर बीसीडी	%	-	-	-	-	-
उत्तराई मूल्य	रु./वाट	51.41	50.70	40.98	45.64	48.46
गैर क्षतिकारी कीमत	रु./वाट	***	***	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण	रु./वाट	***	***	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण	%	***	***	***	***	***
कीमत अधोविक्रयण	रेंज %	50-60	55-65	70-80	70-80	60-70

उपर्युक्त तालिका से यह प्रेक्षण किया जाता है कि संबद्ध देशों से आयात घरेलू उद्योग की कीमतों पर अधोविक्रयण प्रभाव कारित कर रहे हैं।

iii. कीमत निग्रहण/अवमंदन

131. प्राधिकारी ने यह जांच की कि क्या पाटित आयात भारत में समान वस्तु की कीमतों का अवमंदन कर रहे हैं या कीमतों को बढ़ाने से रोक रहे हैं जो अन्यथा भारी मात्रा में घटित हुआ होता। इसका विवरण निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादन लागत	रु./वाट	***	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	55	49	77	77
बिक्री कीमत	रु./वाट	***	***	***	***	***
अनुक्रमित	प्रवृत्ति	100	32	35	26	26

132. उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि उत्पादन लागत जो वर्ष 2008-09 में 100 थी, घटकर जांच की अवधि की दौरा 77 (अनुक्रमित बिंदु) रह गई, जो मुख्यतः सिलिकॉन बेफर की कीमतों के संबंध में वैशिक प्रवृत्ति के अनुरूप आधारभूत कच्चे माल की कीमतों में गिरावट के कारण हुआ है, उसी अवधि के दौरान बिक्री कीमत 100 से घटकर 26(अनुक्रमित बिंदु) हो गई, तद्वारा पाटित आयातों के कारण कीमत अवमंदन हुआ।

ड. घरेलू उद्योग के आर्थिक पैरामीटर

i. क्षमता एवं क्षमता उपयोग

133. निम्नलिखित तालिका से नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की क्षमता में वर्ष 2009-10 और 2010-11 की अवधि में वृद्धि हुई है तथा उसने मांग में हुई वृद्धि के साथ अपनी गति बनाए रखी है। तथापि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में संबद्ध देशों से आयातों में वृद्धि के समक्ष मांग में वृद्धि कि बावजूद गिरावट आई है।

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच की अवधि वार्षिकीकृत
क्षमता	कि.वाट	10,000	2,63,093	2,96,869	4,45,303	2,96,869
क्षमता उपयोग	%	88.61	15.98	52.65	20.13	20.13

ii. लाभ/हानि

134. घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
लाभ	रु./वाट	***	***	***	***	***
	अनुक्रमित	100	-118	-59	-321	-321
नकद लाभ	रु./वाट	***	***	***	***	***
	अनुक्रमित	100	-51	-23	-178	-178
आरओसीई	%	***	***	***	***	***
	अनुक्रमित	100	-18	-32	-149	-149

उपर्युक्त तालिका से यह देखा जाता है कि जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की लाभप्रदायकता में गिरावट आई है।

iii. **नकदी प्रवाह**

135. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग की नकदी प्रवाह की स्थिति पर पाटन के प्रभाव की जांच करने के उद्देश्य से नकद लाभ की प्रवृत्तियों की जांच की है। घरेलू उद्योग के नकद लाभ से संबंधित सूचना निम्नलिखित तालिका में दी गई है:

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
नकद लाभ	रु./वाट	***	***	***	***	***
प्रवृत्ति	अनुक्रमित	100	-51	-23	-178	-178

यह देखा जाता है कि घरेलू उद्योग के नकद लाभ में क्षति अवधि के दौरान गिरावट आई है और उसे नकद घाटा हुआ है।

iv. **मालसूची**

136. घरेलू उद्योग की माल सूची स्थिति निम्नवत है:

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
औसत स्टॉक	कि.वा.	664	6,041	15,332	17,437	17,437
बिक्री के दिनों की संख्या के रूप में स्टॉक	दिन	27	69	38	107	107

यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की मालसूची में आधार वर्ष एवं विगत वर्ष से तुलना करने पर जांच की अवधि के दौरान वृद्धि हुई है।

V. **उत्पादकता**

137. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादकता ने उत्पादन के समान ही प्रवृत्ति प्रदर्शित की है। उत्पादकता में 2010-11 तक वृद्धि हुई है और जांच की अवधि में इसमें गिरावट आई है।

विवरण	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
उत्पादकता प्रति कर्मचारी	कि.वा./सं.	***	***	***	***	***
उत्पादकता प्रति दिन	कि.वा./दिन	24	115	428	164	164

vi. **रोजगार एवं पारिश्रमिक**

138. निम्नलिखित तालिका से यह देखा जाता है कि क्षति अवधि के दौरान रोजगार स्तर में वृद्धि हुई है।

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
रोजगार	सं.	***	***	***	***	***
	अनुक्रमित	100	272	360	373	373
पारिश्रमिक	लाख रु.	***	***	***	***	***
	अनुक्रमित	100	444	670	651	651

vii. **पाटन की मात्रा**

139. संबद्ध देशों के बारे में उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में निर्धारित पाटन मार्जिन न्यूनतम से अधिक है।

viii. **वृद्धि**

140. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उत्पादन, क्षमता उपयोग, कीमत और लाभ एवं निवेश पर अर्जन के संबंध में घरेलू उद्योग की ऋणात्मक वृद्धि हुई है।

	इकाई	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि
उत्पादन	%	--	374	272	(62)
घरेलू बिक्रियां	%	--	2742	76	95
क्षमता उपयोग	%	--	(72.63)	36.68	(32.53)
संबद्ध देशों से आयात	%	--	75	72	366
लाभ/वाट	%	--	218	50	(445)
निवेश पर अर्जन	%	--	(20.56)	(2.49)	(20.51)
बिक्री कीमत/वाट	%	--	(67.71)	8.66	(25.49)

ix. पूँजी निवेश उगाहने की क्षमता

141. यह नोट किया जाता है कि घरेलू उद्योग की कोई अन्य निवेश करने की क्षमता बाजार की स्थिति पर निर्भर करती है। जैसाकि स्पष्ट है, घरेलू उद्योग का बाजार हिस्सा अभी भी विचारणीय स्तर पर पहुंचना बाकी है।

x. घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाले कारक

142. संबद्ध देशों तथा अन्य देशों से आयात कीमतों की जांच लागत ढांचे में परिवर्तन घरेलू बाजार में प्रतिस्पर्धा, पाटित आयातों के अलावा, अन्य कारक जिनसे घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों प्रभावित होती हैं की जांच दर्शाती है कि संबद्ध देशों से आयातित माल का उत्तराई मूल्य घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत और गैर-क्षतिकारी कीमत से कम है जिससे भारतीय बाजार में कीमत अधोरदन तथा कीमत अधोविक्रयण हुआ। यह भी नोट किया जाता है कि क्षति अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु की मांग में भारी वृद्धि प्रदर्शित हुई है और इसीलिए यह घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला एक कारक नहीं हो सकता है। इस प्रकार घरेलू कीमतों को प्रभावित करने वाला प्रधान कारक संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का उत्तराई मूल्य है।

ठ. वास्तविक क्षति संबंधी निष्कर्ष

143. घरेलू उद्योग को क्षति से संबंधित तथ्यों एवं आंकड़ों की जांच एवं विश्लेषण करने के पश्चात् प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालता हैं कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में समग्र रूप से और भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन एवं खपत के संबंध में वृद्धि हुई है। पुनः यह नोट किया जाता है कि संबद्ध देशों से इस उत्पाद के आयातों से बाजार में घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन हो रहा है। यद्यपि क्षति अवधि के दौरान उत्पादन लागत में कमी आई है फिर भी बिक्री कीमत में गिरावट उत्पादन लागत में आई गिरावट की तुलना में अधिक है। इस प्रकार आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का नियहण/अवमन्दन कर रहे हैं और कीमतों को बढ़ने से रोक रहे हैं जो अन्यथा पाटित आयात न होने से भारी मात्रा में बढ़ी होती। घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के परिणामी प्रभाव के संबंध में यह नोट किया जाता है कि संबद्ध वस्तु की मांग घरेलू बाजार में बहुत अधिक बढ़ी है जबकि घरेलू उद्योग का उत्पादन एवं उसकी बिक्री न्यूनतम स्तर पर बनी रही और संबद्ध देशों से पाटित आयातों की भारी मौजूदगी से समक्ष वह कमोबेश रूप से स्थिर ही बनी रही।

ण. कारणात्मक संबंध तथा अन्य कारक

144. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति, उनकी कीमतों पर पाटित आयातों के मात्रा एवं कीमत प्रभाव की जांच कीमत अधोरदन एवं कीमत अधोविक्रयण तथा अवमन्दन प्रभाव के रूप में करने के पश्चात् पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध अन्य संकेतात्मक पैरामीटरों की जांच यह देखने के लिए की गई कि क्या पाटित आयातों के अलावा किसी अन्य कारक ने घरेलू उद्योगको क्षति पहुंचाने के लिए अपना योगदान दिया है। तद्वारा, निम्नलिखित पैरामीटरों की जांच की गई है:

(क) तृतीय देशों से आयातों की मात्रा एवं कीमत

145. जांच की अवधि के दौरान गैर-संबद्ध देशों से (ईयू को छोड़कर) संबद्ध देशों का आयात बहुत अधिक महत्वपूर्ण नहीं रहा है। जहां तक ईयू के आयातों का संबंध है, जिसकी जांच इस अंतिम जांच परिणाम के संगत पैरामीटरों में पहले ही कर दी गई है और उनका समाधान कर दिया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि जांच की अवधि के दौरान ईयू

से संबद्ध वस्तु के आयात मात्रा के रूप में न्यूनतम स्तर से अधिक रहे हैं परंतु कीमत-वार, उपर्युक्त आयात संबद्ध देशों से होने वाले आयातों की तुलना में बहुत अधिक हैं। अतः ईयू से संबद्ध वस्तु के आयातों ने घरेलू उद्योग की स्थिति को इतना अधिक प्रथावित नहीं किया जिससे संबद्ध देशों से पाटित आयातों और घरेलू उद्योग द्वारा सहन की गई क्षति के बीच कारणात्मक संबंध भंग हो सके।

(ख) घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा तथा व्यापार प्रतिबंधात्मक प्रक्रियाएं

146. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि भारत में संबद्ध वस्तु के आयात मुक्त रूप से किए जा सकते हैं। जहां तक घरेलू एवं विदेशी उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा का सवाल है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि आयातित संबद्ध वस्तु तथा घरेलू रूप से उत्पादित वस्तु दोनों समान वस्तुएं हैं और उन दोनों का प्रयोग समान अनुप्रयोगों/अन्तिम प्रयोगों के लिए किया जाता है और वे समान बाजार में प्रतिस्पर्धा कर रही हैं। इसके अतिरिक्त, प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. से संबद्ध वस्तु के आयातों पर ईयू और यूएसए द्वारा पाटनरोधी शुल्क अधिरोपित करने के परिणामस्वरूप भारतीय बाजार में चीन के पाटन में तीव्रता आई क्योंकि भारतीय बाजार में मांग बढ़ रही थी। एमएनआरई द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर भारत में सैल/माइयूल उत्पादन क्षमता की मात्रा और वैशिक क्षमता/मांग निम्नलिखित हैं:

- क) भारत में सौर परियोजनाओं का प्रतिस्थापन – अब तक 1700 मेगावाट के लगभग
- ख) सैल का उत्पादन करने की भारत की अनुमानित मौजूदा क्षमता – 1039 मेगावाट, माइयूल (तनु फिल्म सहित) लगभग 1937 मेगावाट.
- ग) अनुमानित वैशिक क्षमता- 60000 मेगावाट
- घ) अनुमानित वैशिक उत्पादन - 40000 मेगावाट
- ड.) अनुमानित वैशिक मांग -25000 मेगावाट

(ग) खपत की प्रणाली में परिवर्तन या मांग में संकुचन

147. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस उत्पाद की मांग ने जांच की अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान भारी वृद्धि प्रदर्शित की है। अतः प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति मांग में संकुचन के कारण नहीं हुई है।

(घ) प्रौद्योगिकी में विकास

148. किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने संबद्ध वस्तु के उत्पादन की प्रौद्योगिकी में परिवर्तन होने का कोई साक्ष्य नहीं दिया है जिससे घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

(ङ.) घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन

149. याचिकाकर्ता द्वारा दिया गया निर्यात का विवरण निम्नलिखित है:

अवधि	2008-09	2009-10	2010-11	जांच की अवधि	जांच अवधि वार्षिकीकृत
मात्रा किलोवाट में	***	***	***	***	***
अनुक्रमित	100	341	1,619	596	596

प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन में वृद्धि प्रदर्शित हुई है। तथापि घरेलू उद्योग के क्षति विश्लेषण में घरेलू एवं निर्यात बाजार के लिए अलग-अलग करके दिखाया गया है। इन आंकड़ों से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है। यद्यपि पोओआई के दौरान निर्यात में गिरावट आई, तथापि घरेलू उद्योग पाटित आयातों के कारण अपने घरेलू बाजार हिस्से में सुधार करके बढ़ती भारतीय मांग का लाभ नहीं उठा सका।

त. कारणात्मक संबंध स्थापित करने वाले कारक

150. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हालांकि सूचीबद्ध जात अन्य कारक घरेलू उद्योग को क्षति प्रदर्शित नहीं करते हैं तथापि निम्नलिखित पैरामीटर ये दर्शाते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों द्वारा ही कारित की गई है:

- i. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों में भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन और खपत के संबंध में तथा समग्र रूप से वृद्धि हुई है।
- ii. संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयात घरेलू उद्योग की कीमतों का अधोरदन कर रहे हैं। इसके अतिरिक्त पाटित आयातों के कारण कीमत अधोविक्रयण, कीमत निग्रहण तथा कीमत अवमंदन प्रभाव कारित किया गया है।

iii संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों में भारी वृद्धि के साथ-साथ उसकी मांग में भारी वृद्धि हुई जिसके कारण घरेलू बाजार में घरेलू उद्योग को उसके साथिकार हिस्से से वंचित कर दिया गया।

iv उत्पादन, बिक्री, लाभ, बाजार हिस्सा, नकद लाभ, क्षमता उपयोग, निवेश पर अर्जन, माल सूची स्तर आदि से संबंधित निष्पादन में घरेलू उद्योग की ऋणात्मक वृद्धि प्रदर्शित हुई है।

151. अतः प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हैं कि घरेलू उद्योग को क्षति पाटित आयातों के कारण ही सहन करनी पड़ी है।

थ. क्षति की मात्रा एवं क्षति मार्जिन

152. प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के लिए गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध -III में निर्धारित सिद्धांतों के आधार पर की है। इस तरह निर्धारित की गई गैर-क्षतिकार कीमत की तुलना संबद्ध देशों से आयातों की उत्तराई कीमत से निम्नवत् की गई है:

चीन जन.गण.

चीन जन.गण के नमूनाकृत प्रत्युत्तरदाता सहयोगी निर्यातक

क्र.सं.	निर्यात की सरणी	उत्पादक	निर्यातक	सामान्य मूल्य यूएस डालर/वाट	निवल निर्यात कीमत यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेज - %
1	चीन-हांगकांग-भारत	कनाडियन सॉलर मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसु) इंक, चीन जन.गण.	कनाडियन सॉलर इंटरनेशनल लिमिटेड हांगकांग	***	***	***	***	60-70

चीन के गैर-नमूनाकृत निर्यातक

153. निम्नलिखित निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन, जिन्होंने नमूना प्रश्नावली का प्रत्युत्तर में स्वयं को जात कराया परंतु प्राधिकारी द्वारा जिन्हें नमूनाकृत नहीं किया गया, का निर्धारण नियमावली के नियम 18(2) में उल्लिखित शर्तों के अनुसार चीन के उपर्युक्त सहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए निर्धारित क्षति मार्जिन के आधार पर किया गया है। चीन जन.गण. के गैर नमूनाकृत निर्यातकों के संबंध में क्षति मार्जिन निम्नलिखित हैं:

क्र.सं.	उत्पादक का नाम	निर्यातक का नाम	पाटन मार्जिन यूएस डालर/वाट	पाटन मार्जिन - %	पाटन मार्जिन रेज - %
1	हान्वाह सॉलर वन (मियांग) कं. लि. चीन जन.गण.	हान्वाह सॉलर वन (मियांग) कं. लि. चीन जन.गण.			
2	चिंत सॉलर (झेझियांग)कं. लि. चीन जन.गण.	चिंत सॉलर (झेझियांग)कं. लि. चीन जन.गण.			
3	जिंको सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	जिंको सॉलर आयात एवं निर्यात कं. लि., चीन जन.गण.			

4	झेझियांग जिंको सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	जिंको सॉलर आयात एवं निर्यात कं. लि., चीन जन.गण.			
5	डेल सॉलर (वुजियांग) लि., चीन जन.गण.	डेल सॉलर (वुजियांग) लि., चीन जन.गण.			
6	एलडीके सॉलर हाईटेक (सुझोऊ) कं. लि. चीन जन.गण.	एलडीके सॉलर हाईटेक (सुझोऊ) कं. लि. चीन जन.गण.			
7	चांगझोऊ ट्रिना सॉलर ऊर्जा कं. लि. चीन जन.गण.	चांगझोऊ ट्रिना सॉलर ऊर्जा कं. लि. चीन जन.गण.			
8	शेंगलुओ बीवाईडी इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन.गण.	शेंगलुओ बीवाईडी इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन.गण.			
9	डॉगफैग इलैक्ट्रिक (इक्सिंग)मैगी सोलर पावर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.	डॉगफैग इलैक्ट्रिक (इक्सिंग)मैगी सोलर पावर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.			
10	जियांगइन हेरिओन पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.	जियांगइन हेरिओन पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.			
11	हैंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.	हैंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.			
12	हान्झोऊदाहे थर्मो मैग्नेटिक्स कं.लि., चीन जन.गण.	हान्झोऊदाहे थर्मो मैग्नेटिक्स कं.लि., चीन जन.गण.			
13	झेजियांग जिन्को सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	झेजियांग जिन्को सॉलर ट्रेडिंग कं. लि., चीन जन.गण.			
14	अंजीदासोल सॉलर एनर्जी साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.	अंजीदासोल सॉलर एनर्जी साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.			
15	युहआन सिनोसुला साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.	युहआन सिनोसुला साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.			
16	पर्लाइट सोलर कं. लि., चीन जन. गण.	पर्लाइट सोलर कं. लि., चीन जन. गण.			
17	सीएनपीवी डॉगयिंग सोलर पावर कं. लि., चीन	सीएनपीवी डॉगयिंग सोलर पावर कं. लि., चीन			

	जन.गण.	जन.गण.			
18	निंगबो क्यूक्सिन सॉलर इलैक्ट्रिकल्स एप्लायांस कं. लि., चीन जन.गण.	निंगबो क्यूक्सिन सॉलर इलैक्ट्रिकल्स एप्लायांस कं. लि., चीन जन.गण.			
19	इंगली एनर्जी (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.	इंगली एनर्जी (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.			
20	शंघाई बीवाईडी कं. लि., चीन जन.गण.	शंघाई बीवाईडी कं. लि., चीन जन.गण.			
21	रेनसोला जिंगसु लि., चीन जन. गण.	रेनसोला जिंगसु लि., चीन जन. गण.			
22	शेनझेन टोप्रे सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.	शेनझेन टोप्रे सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.			
क्षति मार्जिन			***	***	50-60

चीन जन.गण. के अन्य सभी निर्यातक

154. चीन जन.गण. के अन्य सभी असहयोगकर्ता निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण प्राथिकारी द्वारा निम्नलिखित तालिका में दिए गए के अनुसार उपलब्ध सर्वोत्तम तथ्यों के आधार पर किया है:

विवरण	गैर-क्षतिकारी कीमत यूएस डालर/वाट	उत्तराई कीमत यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेंज %
अन्य सभी उत्पादक/ निर्यात	***	***	***	***	90-100

यूएसए

यूएसए के मामले में क्षति मार्जिन

155. ऊपर निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत और अवसारित मूल्य पर विचार करते हुए यूएसए के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नवत् किया गया है:

क्र.सं.	निर्यात की सरणी	उत्पादक	निर्यातक	गैर-क्षतिकारी कीमत यूएस डालर/वाट	अवसारित कीमत यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन-यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन- %	क्षति मार्जिन-रेंज - %
1	यूएसए- जर्मनी-भारत	फर्स्ट सॉलर इंक, यूएसए	फर्स्ट सॉलर जीएमबीएच मैंज, जर्मनी	***	***	***	***	25-35
2	कोई	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक	यूएसए के अन्य सभी उत्पादक	***	***	***	***	50-60

मलेशिया

मलेशिया के संबंध में क्षति मार्जिन

156. ऊपर निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत और अवसारित मूल्य पर विचार करते हुए मलेशिया के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नवत् किया गया है:

विवरण	गैर-क्षतिकारी कीमत यूएस डालर/वाट	उत्तराई कीमत यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेज %
अन्य सभी उत्पादक/निर्यात	***	***	***	***	55-65

चाइनीज ताइपेई

चाइनीज ताइपेई के मामले में क्षति निर्धारण

157. ऊपर निर्धारित गैर-क्षतिकारी कीमत और अवसारित मूल्य पर विचार करते हुए चाइनीज ताइपेई के उत्पादकों/निर्यातकों के लिए क्षति मार्जिन का निर्धारण निम्नवत किया गया है:

विवरण	गैर-क्षतिकारी कीमत यूएस डालर/वाट	उत्तराई कीमत यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन यूएस डालर/वाट	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन रेज %
अन्य सभी उत्पादक/निर्यात	***	***	***	***	65-75

द. प्रकटन पश्चात टिप्पणियां

158. निम्नलिखित प्रकटन पश्चात वे प्रस्तुतिकरण/टिप्पणियां हैं जो विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकार द्वारा की गई और जिन्हें प्राधिकारी द्वारा संगत माना गया।

- प्रकटन टिप्पणियों के लिए प्रदान किया गया समय अपर्याप्त है।
- वह याचिका जिसके आधार पर वर्तमान जांच प्रारंभ की गई है उसमें इसे शुरू करने को न्यायोचित ठहराने हेतु पर्याप्त एवं विशुद्ध साक्ष्य नहीं है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को यह याचिका न्यूनतम पाठन, जो परिशुद्ध एवं उपयुक्त साक्ष्य के पश्चात सिद्ध होती है, के आधार पर समाप्त कर दी जानी चाहिए। निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा एक बार यह निष्कर्ष निकाल लिए जाने पर कि तनु फ़िल्म के संबंध में पाठन मार्जिन न्यूनतम है, चूंकि यूएसए से तनु फ़िल्म के आयातों के संबंध में पाठन मार्जिन और उसके परिणामस्वरूप यूएसए से पाठित आयातों की मात्रा न्यूनतम हो जाती है, इसलिए निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष न्यूनतम से परे के पाठन का कोई दावा है ही नहीं।
- प्रकटन विवरण में यह प्रेक्षण किया गया है कि जांच की अवधि के दौरान यूरोपियन यूनियन से इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों की तुलना में बहुत अधिक थी और इसलिए यूरोपियन यूनियन से इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति होने का कोई मामला ही नहीं बनता है। तथापि यह निष्कर्ष त्रुटिपूर्ण है क्योंकि घरेलू उद्योग ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष स्वयं ही एक याचिका यह आरोप लगाते हुए दायर कर रखी है कि यूरोपीय यूनियन से इस विचाराधीन उत्पाद का पाठन हुआ और उसके परिणामस्वरूप उसे क्षति हुई है। प्राधिकारी ने इस तथ्य को स्वीकार किया है कि संबद्ध वस्तु के गैर-संबद्ध देशों से आयात, ईयू के अपवादस्वरूप, महत्वपूर्ण नहीं है। ईयू को संबद्ध देश के रूप में शामिल करने में असफल रहने से कारणात्मक संबंध भी असफल हो जाता है।
- याचिकाकर्ताओं ने अब तर्क दिया है कि ईयू से आयात क्षति कारित नहीं कर रहे हैं क्योंकि ईयू की आयात कीमत संबद्ध देशों की आयात कीमत से अधिक है। तथापि, कीमत संबंधी कोई तुलना सेलों, माड्यूलों और तनु फ़िल्म के लिए अलग-अलग की जानी चाहिए जो यह दर्शाएगी कि ईयू से आयात कीमतें संबद्ध देशों की आयात कीमतों से न्यूनतर हैं।
- डी जी सी आई एंड एस अंकड़ों के अनुसार ऐसी स्थिति के बावजूद, वर्तमान जांच में ईयू का संबद्ध देशों से अपवर्जन कर दिया जाना विधिक प्रावधानों का उल्लंघन है। प्राधिकारी को यह जांच इम्पेक्स अंकड़ों के

आधार पर प्रारंभ करना चाहिए था, जिससे इस जांच के समाप्त होने तक एक पूर्णतया भिन्न डाटा-सेट उपलब्ध होता है और जिससे कोई तर्कसंगत स्पष्टीकरण के बिना न्यायोचित नहीं होता।

(vi) संख्या से किलोग्राम और किलोग्राम से वाट पीक में संपरिवर्तन करने के लिए आवेदक द्वारा अपनाई गई क्रियापद्धति त्रुटिपूर्ण है।

(vii) प्राधिकारी द्वारा अंगीकृत आयात की मात्रा एवं कीमत इस कारण से त्रुटिपूर्ण है क्योंकि याचिकाकर्ताओं द्वारा रिपोर्ट की गई आयातों की मात्रा एवं कीमत त्रुटिपूर्ण है। याचिकाकर्ताओं ने आयात लेनदेनों को मूलवश किस्टालिन माड्यूलों का आयात समझा है जबकि विवरण से यह स्पष्ट हो जाता है कि आयात तनु फिल्म उत्पादों के किए गए। प्राधिकारी को संगत आंकड़ों का प्रकटन करना चाहिए क्योंकि ऐसा प्रतीत होता है कि याचिकाकर्ताओं ने आयात आंकड़ों में फेरबदल की है।

(viii) प्राधिकारी द्वारा अपनाया गया भारित औसत विश्लेषण उपयुक्त है जहां विचाराधीन उत्पाद एक सजातीय उत्पाद है। वर्तमान जांच में पीसीएन-वार विश्लेषण किया जाना अपेक्षित है। डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त पीसीएन विशिष्ट आयात आंकड़ों का देशवार विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा उपलब्ध नहीं कराया गया है।

(ix) भारतीय नवीकरणीय ऊर्जा सेक्टर एक विकासशील उद्योग है और निकट भविष्य में भारत के लिए सौर ऊर्जा सेक्टर नवीकरणीय ऊर्जा से सबसे बड़ा स्रोत है। भारत में सौर ऊर्जा तथा संबद्ध विद्युत परियोजनाओं का विकास भारतीय उत्पादकों की पिछड़ी तकनीक द्वारा किया जा रहा है जिसके परिणामस्वरूप सौर परियोजनाओं के लिए प्रयोग किए जाने वाले उत्पाद न्यून गुणवत्ता के हैं। यदि संबद्ध आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण कर दिया जाता है तो सौर ऊर्जा उत्पादन की लागत 1.6 करोड़ रुपए प्रति मेगावाट बढ़ जाएगी।

(x) पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से, संबद्ध वस्तु के भारतीय निर्यातों पर अन्य देशों द्वारा भी समान प्रतिकारी उपाय किए जाएंगे।

(xi) विकास के अधीन परियोजनाओं को पाटनरोधी शुल्क से छूट प्रदान करनी चाहिए।

(xii) सेल, माड्यूल और तनु फिल्म समान उत्पाद नहीं हैं और इसलिए वे प्रतिस्थापनीय नहीं हैं। तनु फिल्म और सीएसपीवी वस्तुएं वैकल्पिक वस्तुएं हैं परंतु वे समान वस्तुएं नहीं हैं। तथापि, पाटनरोधी नियम समान वस्तु को मान्यता प्रदान करते हैं न कि वैकल्पिक वस्तुओं को। इसलिए प्रत्येक उत्पाद के लिए पृथक क्षति एवं कारणात्मक जांच की जानी चाहिए थी। इसके अतिरिक्त, केवल स्फाट उत्पादों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से तनु फिल्म उत्पादों पर कोई अंतर नहीं पड़ेगा।

(xiii) चूंकि घरेलू उद्योग तनु फिल्म उत्पादों का उत्पादन नहीं करता है इसलिए तनु फिल्म उत्पादों के आयातों से किसी ऐसे उद्योग को कोई क्षति नहीं होनी चाहिए जो केवल स्फाट उत्पादों का ही उत्पादन करता है।

(xiv) यूएस प्राधिकारियों ने स्पष्टतः यह धारित किया है कि तनु फिल्म और स्फाट माड्यूल असमान वस्तुएं हैं। चीन जनवादी गणराज्य से निर्यातित कतिपय स्फाट सिलिकान फोटोवाल्टिक माड्यूलों या पैनलों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच में आस्ट्रेलियाई पाटनरोधी आयोग की रिपोर्ट में सेलों और तनु फिल्मों को उत्पाद को स्फाट सिलिकान फोटोवाल्टिक माड्यूलों या पैनलों के असमान वस्तु माना गया है।

(xv) आवेदकगण पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त, क्षति आंकड़े घरेलू उद्योग के एक बड़े भाग को कवर नहीं करते हैं। वर्तमान जांच में क्षति निर्धारण घरेलू उत्पादकों, जो कुल घरेलू उत्पादन का केवल 12 प्रतिशत है, के क्षति आंकड़ों के आधार पर किया गया है। किए गए क्षति विश्लेषण में घरेलू उद्योग से प्राप्त सूचना के स्थान पर घरेलू उत्पादकों से प्राप्त सूचना को शामिल किया जाना चाहिए था।

(xvi) नियम 5(3) स्पष्ट रूप से यह प्रावधान करता है कि किसी याचिका को कम से कम उन घरेलू उत्पादकों द्वारा समर्थित होना चाहिए जिनका सामूहिक पोतलदान कुल भारतीय उत्पादन का कम से कम 25 प्रतिशत

उत्पादन बनता हो। वर्तमान मामले में, याचिकाकर्ताओं का उत्पादन कुल भारतीय उत्पादन का केवल 11.62 प्रतिशत उत्पादन ही बनता है इसलिए विधि के अंतर्गत निर्धारित शर्त पूरी नहीं होती है।

- (xvii) उन घरेलू उत्पादकों का "घरेलू उद्योग" के दायरे से स्वतः अपवर्जन करने से, जिन्होंने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात किया हो, प्राधिकारियों को यह गलत निष्कर्ष निकालने का अवसर मिल जाता है कि आवेदनकर्ता भारत में इस विचाराधीन उत्पाद का "एक बड़ा भाग" है।
- (xviii) याचिकाकर्ताओं में से एक इंडोसालर लिमिटेड ने, उपलब्ध सूचना के अनुसार, संबद्ध वस्तु का स्वयं ही आयात किया है।
- (xix) प्रकटन विवरण यह उल्लेख करता है कि इस याचिकाकर्ता का 15 अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा भी समर्थन किया गया है। तथापि, समर्थन करने वाली कंपनियों ने उनके द्वारा किए गए आयात के संबंध में कोई सूचना प्रदान नहीं की है। ऐसा मामला होने पर, यह निष्कर्ष प्रतिभागिता करने वाली कंपनियों के अलावा अन्य सभी उत्पादक इस विचाराधीन उत्पाद के आयातक हैं, तथ्यात्मक आधार पर आधारित नहीं है।
- (xx) आवेदक पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत घरेलू उद्योग की अपेक्षाओं को पूरा नहीं करते हैं क्योंकि उनमें से अधिकांश या तो एसईजेड इकाइयां हैं या 100 प्रतिशत ईओयू इकाइयां हैं और उनका उत्पादन संबद्ध वस्तु के कुल भारतीय उत्पादन का एक बड़ा भाग नहीं बनता है।
- (xxi) यदि कोई एसईजेड इकाई घरेलू प्रशुल्क क्षेत्र में बिक्री करती है तो उस पर पाटनरोधी शुल्क लगाया जा सकता है और उस एसईजेड इकाई को घरेलू उद्योग के एक भाग के रूप में नहीं माना जाना चाहिए।
- (xxii) सामान्य मूल्य का परिकलन घरेलू उद्योग के उन सदस्यों का प्रयोग करके करना त्रुटिपूर्ण है जो अकुशल हैं। इसके बजाय, सहयोगकर्ता उत्पादकों की सूची में तृतीय देश के ऐसे निर्यातक का चयन किया जा सकता था जिसकी खपत दर का प्रयोग सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए किया जा सकता है।
- (xxiii) तनु फिल्मों की उत्पादन लागत और कीमत स्फाट की उत्पादन लागत से न्यूनतर है। ऐसा मामला होने पर तनु फिल्म के लिए स्फाट माड्यूलों का सामान्य मूल्य (और गैर-क्षतिकारी कीमत) अपनाना बहुत अधिक त्रुटिपूर्ण है।
- (xxiv) प्रमुख इनपुटों की कीमत तथा विचाराधीन उत्पाद की कीमत में जांच की अवधि के दौरान माह-वार आधार पर भारी गिरावट से क्षति विश्लेषण माह-वार आधार पर करना अपेक्षित होता है।
- (xxv) घरेलू उद्योग तथा संबद्ध वस्तु के अन्य घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति का विश्लेषण करना और गैर-गुणारोपण विश्लेषण के लिए आवश्यक है।
- (xxvi) घरेलू उद्योग इस उत्पाद की बिक्री वस्तुतः आयातों की उत्तराई कीमत से कम कीमत पर कर रहा है। अतः, कथित क्षति का कोई आधार नहीं है।
- (xxvii) क्षति अवधि के दौरान कीमत अधोगदन में कमी आने से घरेलू उद्योग के घाटे में भारी वृद्धि हुई, जिससे पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों का पूर्ण अभाव होने का संकेत मिलता है। घरेलू उद्योग की प्रति यूनिट लागत में इतनी अधिक वृद्धि कुछ अन्य कारकों के कारण हुई है न कि इनपुट लागत में वृद्धि के कारण।
- (xxviii) जब वैश्यिक बाजार मंदी के दौर से गुजर रहा था तब क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग में अपनी क्षमता में लगभग तीस गुना वृद्धि की थी। यह स्पष्ट है कि यह विस्फोटक क्षमता संवृद्धि ही घरेलू उद्योग को होने वाली क्षति का प्रमुख कारणों में एक कारण है। घरेलू उद्योग में निर्यात बाजार जो अब समाप्त हो गई है का विचार करते हुए बहुत अधिक बेशी क्षमता का सृजन कर लिया है। तथापि, प्रकटन विवरण इन मुद्दों का समाधान करने में असफल रहा है।
- (xxix) निष्पादन में गिरावट के कारण घरेलू उद्योग द्वारा सहन की गई वह क्षति जो मुख्यतः निर्यातों के कारण हुई है उसके लिए कथित पाटन और आयातों को उत्तरदायी नहीं ठहराया जा सकता है।

(xxx) उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट मुख्यतः निर्यातों में कमी होने के कारण आई है। जांच की अवधि के दौरान जहां घरेलू बिक्रियों में वृद्धि हुई बहीं निर्यात बिक्रियों में कमी हुई। अतः उत्पादन में गिरावट और उसके परिणामस्वरूप क्षमता उपयोग में गिरावट तथा बिक्री में गिरावट पूर्णतया घरेलू उद्योग के निर्यात में कमी होने के कारण आई है।

(xxxi) इस विचाराधीन उत्पाद में पीवी सालर सेल, माइयूलों और तनु फिल्मों को शामिल किया गया है जो भिन्न प्रकार के विचाराधीन उत्पाद हैं और जिनका प्रयोग अंतर्निमेय रूप से नहीं किया जा सकता है। इसलिए प्रत्येक उत्पाद के लिए पृथक क्षति एवं कारणात्मक जांच की जानी चाहिए।

(xxxii) गैर-क्षतिकारी कीमत में उत्तार-चढ़ाव एक देश से दूसरे देश के लिए नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर आधारित होती है। तथापि, इन प्रस्तुतिकरणों में प्रस्तुत किए गए परिकलनों के अनुसार ऐसा प्रतीत होता है कि गैर-क्षतिकारी कीमत में उत्तार-चढ़ाव होता रहा है जो या तो त्रुटिपूर्ण परिकलन है या संगत आंकड़ों का गलत अगोपनीय सार है।

(xxxiii) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को लगाई गई पूँजी पर 22 प्रतिशत अर्जन की अनुमति देने का कोई कारण या औचित्य प्रदान नहीं किया है और घरेलू उद्योग को इतना अधिक उच्च अर्जन की निरक्षण रूप से एवं अनुचित रूप से अनुमति प्रदान कर दी है।

(xxxiv) निर्दिष्ट प्राधिकारी ने सेल माइयूलों और तनु फिल्मों के लिए अलग-अलग गैर क्षतिकारी कीमत का परिकलन किया है जिसके द्वारा सेलों, माइयूलों और तनु फिल्मों के लिए क्षति मार्जिन एवं पाटन मार्जिन का प्रकटन भी अलग-अलग किया जाना चाहिए था।

(xxxv) प्राधिकारी द्वारा ग्रहण किया गया यह आधार त्रुटिपूर्ण एवं अयुक्त है कि क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन - बीएचडी (क्यू सी एम वाई) लागत निर्धारण एवं वित्तीय आंकड़ों की प्रामाणिकता का प्रदर्शन नहीं कर सकता है। प्राधिकारी को अपने निर्णय में संशोधन करना चाहिए और क्यू सेल्स मलेशिया एसडीएन - बीएचडी के लिए पृथक सामान्य मूल्य का निर्धारण करना चाहिए और एक संशोधित प्रकटन विवरण जारी करना चाहिए जिससे कि क्यू सी एम वाई के लिए, उनके आंकड़ों के आधार पर निर्धारित "पाटन मार्जिन", यदि कोई हो, पर टिप्पणियां की जा सकें। निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया गया था कि क्यू सेल्स मलेशिया एसडीएन - बीएचडी (क्यू सी एम वाई) में जांच की अवधि के दौरान अपनी बिक्रियां करने के लिए *** जर्मनी (****) की सहायता ली थी जिसमें *** ने एक सुविधा प्रदायक के रूप में काम किया था और प्रदान की गई सहायता के लिए शुल्क प्रभारित किया था। *** केवल सुविधा सेवा प्रदान करने तक ही एक एजेंट के रूप में अपनी भूमिका, अदा करता है जिनमें क्रेताओं बिक्री प्रापण की वसूली करना भी शामिल है। इस तथ्य पर ध्यान देते हुए कि *** की भूमिका प्रधानतः क्यू सी एम वाई की ओर से सुविधाकरण प्रदान करने में *** की भूमिका प्राथमिकतः सीमित ही रही है, इसलिए इस तथ्य का कोई कारण नहीं है कि एक एजेंट की हैसियत से *** को निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर करना चाहिए। उपर्युक्त तथ्यों के आलोक में, हम माननीय प्राधिकारी से यह अर्जक है कि क्यू सी एम वाई को व्यक्तिगत निर्यात कीमत प्रदान करें और एक संशोधित प्रकटन विवरण प्रस्तुत करें जिससे कि हम उनके आंकड़ों के आधार पर क्यू सी एम वाई के लिए निर्धारित "पाटन मार्जिन" यदि कोई हो, पर अपनी टिप्पणियां प्रस्तुत करने में सक्षम हो सकें।

(xxxvi) हान्वाह सालर वन (क्विडांग) कंपनी लिमिटेड, चीन (एच एस ओ एल) को एक ऐसे पाटन मार्जिन के अधीन नहीं किया जाना चाहिए जिसका निर्धारण, अन्य बातों के साथ-साथ, चीन के नमूनाकृत उत्पादकों के आंकड़ों/सूचना के अस्वीकरण के कारण, प्राथमिकतः इसलिए कि एच एस ओ एल में बाजार अर्थव्यवस्था दर्जे (एमईटी) की मांग की है, एनएमई मानदंड पर किया गया है, और क्योंकि यह न केवल इसका स्वामित्व विदेशी इक्विटी धारक के पास है बल्कि यह पाटन की प्रक्रियाओं में शामिल भी नहीं थी। प्राधिकारी हान्वाह सोलर वन (क्विडांग) कंपनी लिमिटेड, चीन (एचएसओएल) के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण इसके प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर किया है।

(xxxvii) जहां तक फर्स्ट सालर एसडीएन – बीएचडी मलेशिया को व्यक्तिगत मार्जिन न देने का संबंध है, केवल यह तथ्य कि सूचना का कुछ भाग गुम है, प्राधिकारी को संपूर्ण सूचना नामंजूर कर देने को प्राधिकृत नहीं करता है कोई भी कंपनी जिसको फर्स्ट सालर मलेशिया ने अपने माइयूलों की बिक्री की है, उससे संबंधित नहीं है इसलिए फर्स्ट सालर को यह संभव नहीं है कि वह इन कंपनियों से कहे कि वे निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग करें, इसके अतिरिक्त, डब्ल्यू एच ओ अपीलीय निकाय ने जापान से कतिपय हाट-रोल्ड स्टील उत्पादों पर पाटनरोधी उपाय-यूनाइटेड स्टेट्स के मामले में पैनल ने यह निर्णय दिया है कि उपलब्ध तथ्यों को केवल तभी लागू किया जा सकता है तब जांचकर्ता प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालें कि पक्षकार ने अपनी सर्वोत्तम योग्यता से कार्य नहीं किया है।

(xxxviii) फर्स्ट सालर इंक यूएसए द्वारा यूएसए स्थित कुछ पक्षकारों को जर्मनी स्थित अपने एक संबद्ध पक्षकार के जरिए की गई बिक्रियों पर घरेलू बिक्रियों के रूप में विचार किया जाना चाहिए और उन पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए तदनुसार ही विचार किया जाना चाहिए क्योंकि इन वस्तुओं ने यूएसए के भू-भागीय जल को पार नहीं किया है। फर्स्ट सालर इंक द्वारा जर्मनी स्थित अपनी एक संबद्ध कंपनी को केवल बीजक बना देने मात्र से ही फर्स्ट सालर जीएमबीएच की यह बिक्रियां निर्यात के रूप में नहीं हो जाती हैं।

(xxxix) फर्स्ट सालर मलेशिया एक प्रख्यात सहयोगकर्ता उत्पादक/निर्यातक है जिसका प्रश्नावली प्रत्युत्तर सत्यापित किया गया और इसलिए फर्स्ट सालर व्यक्ति पाटन मार्जिन का हकदार है। निर्दिष्ट प्राधिकारी ने फर्स्ट सालर मलेशिया के असंबद्ध क्रेता से प्रश्नावली प्रत्युत्तर पर अनिवार्य अपेक्षा के रूप में कभी भी विचार नहीं किया। फर्स्ट सालर मलेशिया का प्रश्नावली प्रत्युत्तर स्वीकार कर लेने और फर्स्ट सालर मलेशिया का स्थल सत्यापन कर लेने के पश्चात संपूर्ण प्रश्नावली प्रत्युत्तर को केवल इस दलील वा नामंजूर कर देना उचित नहीं है कि शिपर्स द्वारा प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है।

(xl) प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर फर्स्ट सालर मलेशिया के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करने में अक्षमता फर्स्ट सालर मलेशिया के प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण न करने के लिए आधार सकल रूप से अपार्यप्त है। प्रकटन विवरण यह स्पष्ट करने में असफल रहा कि पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत दो भिन्न तत्व हैं और यदि इन तत्वों में से कोई एक तत्व गुम भी हो तब भी दूसरे तत्व को स्वीकार कर लिया जाना चाहिए।

(xli) फर्स्ट सालर के प्रश्नावली प्रत्युत्तर को निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा नामंजूर कर दिए जाने का निर्णय नियम 6(8) के अंतर्गत और यूनाइटेड स्टेट्स 'एंटी डम्पिंग एंड कार्डिटरवेलिंग मीर्जस आन स्टील प्लेट फ्राम इंडिया डब्ल्यूटी/डीएस 206/आर के मामले में विश्व व्यापार संगठन विवाद निपटान निकाय द्वारा किए गए निर्वचन का स्पष्ट उल्लंघन है।

(xlii) प्रकटन विवरण में फर्स्ट सालर इंक यूएसए के बारे में अपने खुद के निर्धारण की अनदेखी की गई है जहां निर्यात कीमत एवं पाटन मार्जिन का निर्धारण इस तथ्य के बावजूद भी निर्यातक प्रश्नावली के आधार पर किया गया है कि उसके ग्राहकों में से एक ग्राहक जिसके पक्ष में फर्स्ट सालर इंक बीजक तैयार किया है भारत से बाहर का है।

(xliii) फर्स्ट सालर मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण भारतीय लागत के आधार पर करना उस स्थिति में असंगत है जब मलेशिया में उत्पादन की लागत उपलब्ध हो।

(xliv) जांच की अवधि के दौरान भारत स्थित जिन तीन कंपनियों को जेए सालर ग्रुप कंपनियों द्वारा निर्यात किए गए हैं वे प्रकटन विवरण में किए गए उल्लेख के अनुसार एसईजेड इकाइयां हैं और इसलिए इन इकाइयों द्वारा किया गया आयात महानिदेशक (सिस्टम) / जी जी सी आई एंड एस आंकड़ों में रिपोर्ट नहीं किया गया। निष्ठल रूप से प्रतिभागिता करने वाले एक ऐसे निर्यातक की सूचना, जिसके आंकड़ों का विधिवत सत्यापन अधिकारियों की एक टीम द्वारा किया गया हो, की अवहेलना करने से पहले डी जी ए डी को डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदान कराए गए आंकड़ों की परिशुद्धता और यथार्थता से संतुष्ट हो लेना चाहिए था।

(xlv) मोटेक ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु के अपने निर्यात के संबंध में सत्य एवं संपूर्ण सूचना डीजीएडी में दायर की है। निर्दिष्ट प्राधिकारी को जानबूझकर भ्रमित करने का मोटेक का कोई इरादा नहीं है। संबद्ध वस्तु में अंतर्गत संबद्ध पक्षकारों के संबंध में अनजाने में कोई चूक को संपूर्ण प्रत्युत्तर नामंजूर कर दिए जाने के लिए एक आधार के रूप में नहीं मानना चाहिए।

(xlvii) निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में यह उल्लेख किया गया था कि क्यू - सेल्स मलेशिया एसडीएन - बीएचडी (क्यू सी एम वाई) ने जांच की अवधि के दौरान अपनी विक्रियां करने के लिए *** जर्मनी (****) का सहयोग लिया है जिसमें *** ने एक सुविधादायक के रूप में कार्य किया है और प्रदान कराई गई सहायता के लिए एक शुल्क प्रभारित किया है। इसके अतिरिक्त प्राधिकारी द्वारा ग्रहण किया गया यह आधार कि क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन- बीएचडी (क्यू सी एम वाई) लागत निर्धारण और वित्तीय आंकड़ों की अधिप्रमाणिकता का प्रदर्शन नहीं कर सका। त्रुटिपूर्ण एवं अतर्कसंगत है। प्राधिकारी को क्यू सी एम वाई के लिए व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण एक संशोधित प्रकटन विवरण जारी करने के पश्चात अपने आंकड़ों के आधार पर करना चाहिए।

(xlviii) हान्वदा सालर वन (विंडांग) कंपनी लिमिटेड चीन (एच एस ओ एल) विदेशी इक्विटी के स्वामित्व वाली एक कंपनी है और वह पाटन की प्रक्रियाओं में संलिप्त नहीं है। उनके प्रश्नावली प्रत्युत्तर को गैर बाजार अर्थव्यवस्था प्रक्रिया के आधार, उनकी एक संबद्ध कंपनी क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन - बीएचडी की सूचना/आंकड़ों को अस्वीकार कर दिए जाने के कारण, पर नामंजूर नहीं करना चाहिए।

(xli) केवल यह तथ्य कि सूचना का कुछ भाग उपलब्ध नहीं है, जांचकर्ता प्राधिकारी को फर्स्ट सालर की संपूर्ण सूचना नामंजूर कर देने के लिए प्राधिकृत नहीं करता है। यूनाइटेड स्टेट्स - एंटी डम्पिंग मीजर्स आन सरटेन हाट रोल्ड स्टील प्रोडक्ट्स फ्राम जापान के डब्ल्यू टी ओ अपीलीय निकाय मामले में पैनल ने उस निर्णय की पुष्टि की है कि उपलब्ध तथ्यों का प्रयोग केवल तभी किया जा सकता है यदि जांचकर्ता प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकाले कि पक्षकार ने अपनी सर्वोत्तम क्षमता से कार्य नहीं किया है। उन कंपनियों में से कोई भी, जिनको फर्स्ट सालर ने माइयूलों की विक्री की है, फर्स्ट सालर से संबद्ध कंपनी नहीं है। इसलिए फर्स्ट सालर के लिए यह संभव नहीं है कि वह इन कंपनियों से निर्दिष्ट प्राधिकारी के साथ सहयोग करने को कहे।

(xlii) चीन सनर्जी ग्रुप से संबंधित निर्यातक भारत के किए गए उन प्रत्यक्ष निर्यातों के लिए व्यक्तिगत दर्जा प्राप्त करने के पात्र है जिनका विधिवत सत्यापन किया गया है और उनको व्यक्तिगत दर्जा प्रदान न करना त्रुटिपूर्ण है। निर्दिष्ट प्राधिकारी की सदैव यह सुस्थापित प्रक्रिया रही है कि वह एक संबद्ध देश में सभी सहबद्ध पक्षकारों को भारित औसत शुल्क प्रमात्रा प्रदान करते हैं। चूंकि निर्यातक सहबद्ध पक्षकार हैं इसलिए वे निर्दिष्ट प्राधिकारी की सुस्थापित प्रक्रिया और उनके पूर्वोदाहरणों के आधार पर ग्रुप-वार मार्जिन प्राप्त करने के हकदार हैं।

(i) युक्सी सनटेक पावर कंपनी लिमिटेड, चीन सनर्जी (नान्जिंग) कंपनी लिमिटेड के आंकड़ों को नामंजूर नहीं करना चाहिए क्योंकि निर्यातक असंबद्ध निकाय है और असंबद्ध पक्षकार इन कंपनियों के नियंत्रणाधीन नहीं हैं।

(ii) जांच में प्रकार्यात्मक कमियों और पारदर्शिता ने यूएसए को सूचना प्राप्त करने से वंचित कर दिया।

(iii) डीजीएडी द्वारा आयात कीमतों का सत्यापन नहीं किया गया।

159. घरेलू उद्योग ने प्रकटन पश्चात् निम्नलिखित विवरण प्रस्तुतीकरण किया और प्राधिकारी द्वारा उन्हें संगत माना गया :

(i) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों का यह प्रस्तुतिकरण कि ईओय/एसईजेड से की गई आपूर्तियों को घरेलू विक्रियों के रूप में नहीं मानना चाहिए, प्राधिकारी यह नोट कर सकते हैं कि मैसर्स इंडिया एक्सपोर्ट्स बनाम उत्तर प्रदेश राज्य (सिविल विविध रिट याचिका संख्या 2009 की 1488) में माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने यह

निर्णय दिया कि यह तर्क कि चूंकि एसईजेड को भारत के सीमाशुल्क भू-भाग से पृथक माना जाता है, इसलिए एसईजेडसी डीटीए को दी गई बिक्रियों को आयात के रूप में माना जाए, एसईजेड अधिनियम, 2005 या केंद्रीय बिक्री कर अधिनियम, 1956 में से किसी के उपबंधों द्वारा सही नहीं है।

(ii) उन उत्पादकों/निर्यातकों के संबंध में करार के अनुच्छेद 6.10 के अंतर्गत व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान करने के लिए विचार नहीं किया जाना चाहिए जिन्होंने प्राधिकारी को डब्ल्यूटीओ गाट के अनुच्छेद-VI के क्रियान्वयन करार के अनुबंध-II के पैरा 5 तथा अनुच्छेद 6.6, अनुच्छेद 6.7, अनुच्छेद 6.8 की अपेक्षाओं के अनुरूप स्वयं को पात्र बनाने के लिए प्राधिकारी को संतुष्ट नहीं किया है।

(iii) फर्स्ट सालर इंक यूएसए को दिए गए व्यक्तिगत मार्जिन को भी नामंजूर कर दिया जाना चाहिए क्योंकि पाटन मार्जिन का निर्धारण निर्यातक या उत्पादक विशिष्ट होता है और फर्स्ट सालर मलेशिया को व्यक्तिगत मार्जिन न देने से स्वतः ही फर्स्ट सालर यूएसए को व्यक्तिगत मार्जिन नामंजूर हो जाएगा। फर्स्ट सालर यूएसए को व्यक्तिगत मार्जिन न देने से फर्स्ट सालर को समग्र रूप से लाभ होगा क्योंकि अब से संबद्ध वस्तु के निर्यात ऐसे मार्ग से होकर किए जाएंगे जिन्हें व्यक्तिगत मार्जिन दिया गया है।

(iv) चीन जन गण के मामले में वीएटी वापसी का समायोजन निर्यात कीमत में किए जाने की जरूरत है।

(v) वर्तमान मामले में पाटनरोधी शुल्क का सर्वाधिक उपयुक्त एवं प्रभावी रूप विचाराधीन उत्पाद स्तर पर यूएसडी/वाट के अनुरूप अधिरोपित शुल्क का नियत प्ररूप होगा। चूंकि संबद्ध वस्तु के आयातों पर लागू कोई आधारभूत सीमाशुल्क नहीं है इसलिए पाटनरोधी शुल्क से बचने के आशय से सीआईएफ मूल्य की घोषणा न करने के मौके हैं।

(vi) विकासकर्ताओं को भारी लाभ हो रहा है और विद्युत परियोजनाएं विकसित करने और उन्हें चलाने के लिए सरकारी सहायता भी स्पष्ट है। वे घरेलू उत्पादक जिनके पास संबद्ध वस्तु का उत्पादन करने की क्षमता है पाटित आयातों के कारण या तो बंद होने की कगार पर है या वे भारी घाटे में चल रहे हैं। रोजगार सृजित करने की सौर ऊर्योग की क्षमता और तद्वारा देश की जीडीपी में अपना योगदान देने की क्षमता का सृजन संबद्ध देशों से पाटन को रोकने के लिए साधन अधिरोपित करके ही किया जा सकता है।

160. प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रकटन पश्चात की गई अधिकांश टिप्पणियां/प्रस्तुतिकरण दोहराए गए हैं और उनकी जांच उपयुक्त रूप से पहले ही कर ली गई है और उनका उपयुक्त ढंग से समाधान इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में पहले ही कर दिया है। तथापि, हितबद्ध पक्षकारों द्वारा की गई प्रकटन पश्चात् टिप्पणियां/प्रस्तुतिकरण और जिन्हें प्राधिकारी द्वारा विचारार्थ संगत माना गया, उनकी जांच निम्नवत की जाती है :

(i) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि प्रकटन टिप्पणियों के लिए प्राधिकारी द्वारा दिया गया समय अपर्याप्त है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच समयबद्ध होती है और प्रकटन विवरण पर टिप्पणियां प्रस्तुत करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों को तर्कसंगत समय दिया गया है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि प्राधिकारी को उपलब्ध सीमित समय के बाबजूद, समय का विस्तार करने के लिए हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध पर भी संभव सीमा के अंतर्गत विचार किया गया।

(ii) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि उस याचिका में, जिसके आधार पर वर्तमान जांच शुरू की गई है, जांच प्रारंभ करने को न्यूनतम है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फर्स्ट सालर इंक यूएसए से तनु फिल्म के आयातों के बारे में न्यूनतम है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि फर्स्ट सालर यूएसए से तनु फिल्म का ऐसा एकमात्र सहयोगकर्ता उत्पादक है जिसने जांच की अवधि के दौरान भारत को तनु फिल्म का अपने निर्यात के संबंध में जर्मनी में अपने सहबद्ध पक्षकार के साथ सहयोग किया है। हालांकि याचिकाकर्ता द्वारा प्रदान कराई गई प्रथम दृष्टतया सूचना को जांच शुरूआत के प्रयोजनार्थ संगत माना गया, वहीं पाटन की वास्तविक स्थिति का निर्धारण उपर्युक्त उत्पादक/निर्यातक के संबंध में सत्यापित आंकड़ों के आधार पर ही किया गया है। पाटन

के परिमाण का विस्तृत विवरण इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में कर दिया गया है जो स्वतः स्पष्ट है।

(iii) विरोधकर्ता हितबद्ध पक्षकारों ने प्रस्तुतिकरण किया है कि प्रकटन विवरण में किए गए यह प्रेक्षण कि जांच की अवधि के दौरान यूरोपियन यूनियन से इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों की कीमत संबद्ध देशों से इस विचाराधीन उत्पाद के किए गए आयातों की कीमत से बहुत अधिक है और इसलिए यूरोपियन यूनियन से इस विचाराधीन उत्पाद के आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षतिकारित करने का मामला ही नहीं बनता है। प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि उपर्युक्त प्रेक्षण डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात आंकड़ों के विश्लेषण के आधार पर घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत की गई अनुपूरक सूचना पर आधारित है। इसके उन्हीं आंकड़ों को पाठन हेतु सार्वजनिक फाइल में भी रखा गया और उनका ही अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा विश्लेषण किया गया। उक्त आंकड़ों के अनुसार, संबद्ध वस्तु का ईयू से मात्रात्मक रूप से आयात न्यूनतम स्तर से अधिक है परंतु कीमत के रूप में इसकी कीमत संबद्ध देशों की कीमतों से अधिक है। इसलिए संबद्ध वस्तु के ईयू से आयातों ने घरेलू उद्योग की स्थिति को उस सीमा तक प्रभावित नहीं किया होगा जिससे संबद्ध देशों से पाठित आयातों और घरेलू उद्योग द्वारा सहन की जा रही वास्तविक क्षति के बीच कारणात्मक संबंध भंग हो सके।

(iv) इसके अतिरिक्त, इस तर्क के संबंध में कि कीमत की तुलना सेल, माइयूलों तथा तनु फिल्म के लिए अलग-अलग की जानी चाहिए जो यह दर्शाएगा कि ईयू से आयात कीमतें संबद्ध देशों से आयात कीमतों की तुलना में न्यूनतर हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस तरह का पृथक विश्लेषण यह भी दर्शाता है कि सेल्स, माइयूलों और तनु फिल्म के लिए ईयू की आयात कीमतें संबद्ध देशों से संबंधित आयात कीमतों की तुलना में अधिक है।

(v) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि प्राधिकारी ने जांच की शुरुआत इम्पेक्स स्टेटिस्टिक्स आंकड़ों के आधार पर की है और जांच की प्रक्रिया के दौरान बाद में पूर्णतया भिन्न आंकड़ों की ओर मुखातिब होना न्यायोचित नहीं है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियम प्राधिकारी को जांच के किसी भी स्तर पर उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर भरोसा करने से निषिद्ध नहीं करते हैं। इसके अतिरिक्त, डी जी सी आई एंड एस से लेनदेनवार आयात सूचना, जो सूचना का प्राथमिक स्रोत है पर प्राधिकारी द्वारा कई जांचों में भरोसा किया गया है।

(vi) जहां तक प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि संख्या को किलोग्राम और किलोग्राम से वाट पीक में संपरिवर्तित करने के लिए अपनाई गई क्रियापद्धति त्रुटिपूर्ण है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह एक गलत प्रेषण है कि संख्या से किलोग्राम और किलोग्राम से वाट पीक से संबंधित सूचना को सीधे घरेलू उद्योग द्वारा अपना लिया गया है। संबद्ध वस्तु के आत को मापन की कई इकाइयों द्वारा रिपोर्ट किया जाता है जैसे संख्या, सेट्स, नग, यूनिट, किलोग्राम आदि वर्तमान जांच में प्राधिकारी ने प्रभावकारी विश्लेषण के लिए इन सभी यूनिटों को वाट के बराबर परिवर्तित कर दिया है। घरेलू उद्योग और प्राधिकारी द्वारा अंगीकृत रिपोर्ट किए गए आयात लेनदेनों को वाट के बराबर की विभिन्न यूनिटों में संपरिवर्तन की यह क्रियापद्धति याचिका के एनसीवी पाठ में और कई अन्य प्रस्तुतियों में भी दी गई है जो सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध हैं।

(vii) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि विकासाधीन परियोजना को पाटनरोधी शुल्क के दायरे से छूट दी जानी चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच का क्षेत्र और अधिदेश इन पहलुओं को कवर नहीं करता है।

(viii) इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में प्राधिकारी द्वारा अंगीकृत आयात कीमत और मात्रा त्रुटिपूर्ण है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह तर्क साक्ष्यों द्वारा प्रमाणित नहीं है। इस प्रस्तुतिकरण के संबंध में कि याचिकार्कर्ताओं ने तनु फिल्म के लेनदेनों को स्फाट माइयूलों के आयात के रूप में मूलवश मान लिया है जबकि इसका विवरण यह स्पष्ट कर देता है कि ये तनु फिल्म उत्पाद हैं, घरेलू उद्योग ने यह दावा किया है कि उन्होंने सर्वोत्तम उपलब्ध विवरण को मदवार संव्यवहारवार आंकड़ों को वर्गीकृत किया है।

(ix) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि यह विचाराधीन उत्पाद प्रकृति से विजातीय होने के कारण इसका पीसीएन-वार विश्लेषण करना अधिक उपयुक्त होगा, प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्तमान जांच में पाटन एवं क्षतिमार्जिन का निर्धारण किया गया है और क्षति विश्लेषण विचाराधीन उत्पाद बनने वाले स्फाद सेलों, माइयूलों और तनु फिल्म के भारित औसत आयात आंकड़ों के आधार पर किया गया है। इसके अतिरिक्त, जहां तक इस तर्क का संबंध है कि डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त पीसीएन विशिष्ट आयात आंकड़ों का देशवार विवरण हितबद्ध पक्षकारों को प्रदान नहीं कराया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस से प्राप्त आयात सूचना, जिसे सार्वजनिक फाइल में रखा गया है उसमें सेल, माइयूलों और तनु फिल्म के संबंध में अलग-अलग सूचना है।

(x) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि यदि संबद्ध वस्तु के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किया जाता है तो सौर विद्युत उत्पादन की लागत बढ़ेगी, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि पाटनरोधी जांच का आधारभूत उद्देश्य कथित पाटन और पाटन के कारण घरेलू उद्योग को क्षति के तथ्य सिद्ध करना और केंद्रीय सरकार द्वारा अधिरोपण किए जाने के लिए उपयुक्त एवं उचित पाटनरोधी उपायों की सिफारिश करना है जिससे कि पाटन के क्षतिकारी प्रभावों को निष्क्रिय किया जा सके और घरेलू उद्योग तथा पाटित आयात दोनों के लिए समान अवसर सृजित किया जा सके। पाटनरोधी उपाय आयातों को न तो प्रतिबंधित करते हैं और न ही उन्हें रोकते हैं। उपभोक्तागण जिन्हें पाटित आयातों से लाभ हो रहा होता है, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण हो जाने के पश्चात भी उचित कीमतों पर संबद्ध वस्तु का क्रय कर सकते हैं।

(xi) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से अन्य देशों द्वारा भी इसी तरह के प्रतिकारी उपाय किए जा सकते हैं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह भय पुराशयित है। पाटनरोधी जांच डब्ल्यू टी ओ करारों के अध्याधीन की जाती है और इसलिए यह सदस्य देश द्वारा दूसरे सदस्य देश के विरुद्ध पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने या न करने से उन्हें विधि की उचित प्रक्रिया का अनुपालन किए बिना ऐसे उपाय अधिरोपित करने का हक प्रदान नहीं कर देते हैं।

(xii) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि सेल, माइयूल तथा तनु फिल्म समान वस्तु नहीं हैं और इसलिए वे प्रतिस्थापनीय नहीं हैं और तनु फिल्म तथा सीएसपीवी वैकल्पिक वस्तुएं हैं न कि समान वस्तुएं, प्राधिकारी नोट करते हैं कि स्फाट सेलों और माइयूलों तथा स्फाट माइयूलों एवं तनु फिल्मों की प्रतिस्थापनीयता एवं समानता से संबंधित मुद्दों का इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में जांच की गई है और उनका समाधान कर दिया गया है। प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में इस विचाराधीन उत्पाद को उपयुक्त रूप से "माइयूलों या पैनलों में या कांच अथवा कुछ अन्य उपयुक्त विकृत्यों पर पूर्णतया या आंशिक रूप से असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सौर सेलों" के रूप में परिभाषित किया है जिसमें स्फाट और तनु फिल्म प्रौद्योगिकी दोनों के उत्पादों को शामिल किया है और प्राधिकारी ने तदनुसार ही पाटन एवं क्षति विश्लेषण किया है।

(xiii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग तनु फिल्मों का उत्पादन नहीं करती है और इसलिए उसे इस विचाराधीन उत्पाद के दायरे से हटा दिया जाना चाहिए और अन्य देशों में पाटनरोधी प्राधिकारियों ने यह धारित किया गया है कि तनु फिल्म और स्फाट माइयूल समान वस्तुएं नहीं हैं, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस मुद्दे की अच्छी तरह से जांच की गई है और उनका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। प्राधिकारी एक बार पुनः यह नोट करते हैं कि तनु फिल्म प्रौद्योगिकी से बने सौर सेल और स्फाट टेक्नालोजी से बने सौर सेल तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) के आशय एवं दायरे के अंतर्गत समान वस्तुएं हैं। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि चूंकि यह सिद्ध हो चुका है कि तनु फिल्मों और घरेलू उद्योग इस उत्पादित स्फाट माइयूलों के समान वस्तुएं हैं और वे प्रतिस्थापनीय हैं, इसलिए घरेलू उद्योग द्वारा तनु फिल्मों का उत्पादन न किए जाने का प्रश्न ही नहीं उठता है।

(xiv) याचिकाकर्ता का घरेलू उद्योग के रूप में आधार से संबंधित विभिन्न टिप्पणियों के संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की इस जांच परिणाम में जांच की गई है और उसका संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। जैसा कि इस जांच परिणाम में पहले ही सिद्ध कर दिया गया है कि याचिकाकर्ता जांच की अवधि

के दौरान संबंध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन के एक बड़े भाग का उत्पादन करते हैं और इसलिए वे नियम 2(ख) के आशय के अंतर्गत घरेलू उद्योग हैं और वे पाटनरोधी नियमावली के नियम 5(3) के अंतर्गत आधार के मानदंडों को पूरा करते हैं।

(xv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि एक याचिकाकर्ता इंडोसालर लिमिटेड ने संबद्ध वस्तु का स्वयं आयात किया है और इसलिए वे घरेलू उद्योग के रूप में माने जाने के लिए पात्र नहीं हैं, प्राधिकारी हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदान कराई गई सूचना से यह नोट करते हैं कि इस लेनदेन में अंतर्गत वस्तुएं मूलतः निर्यात रिटर्न्स हैं जिनमें उदगम का देश भारत के रूप में दर्शाया गया है।

(xvi) जहां तक अन्य भारतीय उत्पादकों द्वारा आयातों से संबंधित तर्क का संबंध है प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की अच्छी तरह से जांच की गई है और उनका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है और इस संबंध में प्राधिकारी द्वारा लिए गए निर्णय का किसी भी घरेलू उत्पादक ने विरोध नहीं किया है।

(xvii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य का परिकलन घरेलू उद्योग के उन सदस्यों का प्रयोग करके गलत ढंग से कर लिया है जो अक्षम है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य से संबंधित व्याप्र की अच्छी तरह से जांच की गई है और उसका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली में इस प्रयोजनार्थ विहित नियमों के अनुसार किया गया है।

(xviii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि तनु फिल्म की उत्पादन लागत और कीमत स्फाट माड्यूलों की उत्पादन लागत और कीमत से कम है और स्फाट माड्यूलों के सामान्य मूल्य (गैर-क्षतिकारी कीमत) को तनु फिल्म पर लागू करना त्रुटि पूर्ण है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि स्फाट माड्यूल और तनु फिल्म दोनों समान वस्तुएं हैं। इसके अतिरिक्त, आयातों की अवसारित कीमत यह दर्शाती है कि उपभोक्तागण यह सामग्री तुलनीय कीमत पर प्राप्त कर रहे थे जिससे यह संकेत मिलता है कि स्फाट माड्यूलों और तनु फिल्म के बीच कीमत अंतर बहुत अधिक नहीं है।

(xix) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि जांच की अवधि के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद तथा अन्य बड़े इनपुटों की कीमत में माहवार आधार पर भारी गिरावट से यह अपेक्षा की जाती है कि क्षति का माहवार विश्लेषण किया जाए, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि कीमत अधोरदन का माहवार विश्लेषण किया गया है।

(xx) जहां तक घरेलू उद्योग तथा संबद्ध वस्तु के अन्य घरेलू उत्पादकों के बीच प्रतिस्पर्धा की स्थिति का विश्लेषण करने की जरूरत का संबंध है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन घरेलू उत्पादकों सहित, जो घरेलू उद्योग का अंग नहीं है किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने कोई आंकड़े प्रदान नहीं कराए हैं। तथापि प्राधिकारी ने पाटनरोधी नियमावली के अंतर्गत विदेशी एवं घरेलू उत्पादकों के बीच गैर-आरोपण विश्लेषण करवाया है।

(xxi) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग इस उत्पाद की बिक्री आयातों की अवसारित कीमत से कम कीमत पर कर रहा है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध देशों के लिए निर्धारित कीमत अधोरदन सकारात्मक था और जांच की अवधि के दौरान घरेलू उद्योग को भारी कीमत क्षति हुई है।

(xxii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि क्षति अवधि के दौरान कीमत अधोरदन में गिरावट होना और घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में वृद्धि होना पाटन और क्षति के बीच कारणात्मक संबंधों की अनुपस्थिति को दर्शाता है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि पीओआई के दौरान कीमत अधोरदन सकारात्मक था और जांच की अवधि के दौरान आधार वर्ष की तुलना में घरेलू उद्योग की प्रति यूनिट उत्पादन लागत में गिरावट हुई है।

(xxiii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान लगभग तीस गुना क्षमता वृद्धि की है जबकि वैश्विक बाजार मंदी के दौर से गुजर रहा था, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में भी भारी वृद्धि हुई और यह वर्ष 2008-09 में 145833 किलोवाट थी से जांच

अवधि के दौरान 944820 किलोवाट वार्षिकीकृत हो गई। प्राधिकारी पुनः नोट करते हैं कि यदि पाटित आयात न होते तो घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में सुधार हुआ होता।

(xxiv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि घरेलू उद्योग द्वारा सहन की गई क्षति मुख्यतः निर्यातों के कारण हुई है और इसका आरोपण कथित पाटन एवं आयातों पर नहीं किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने घरेलू उद्योग और इसके केवल घरेलू प्रचालनों को ध्यान में रखकर ही क्षति विश्लेषण किया है।

(xxv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि उत्पादन, बिक्री और क्षमता उपयोग में गिरावट स्पष्टतः निर्यातों में गिरावट के कारण आई है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि में इस विचाराधीन उत्पाद की मांग में भारी वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग अपने उत्पादन, बिक्री एवं क्षमता उपयोग में वृद्धि करने में सक्षम नहीं था। प्राधिकारी यह धारित करते हैं कि यदि पाटित आयात न होते तो घरेलू उद्योग उत्पादन और बिक्री के निष्पादन में सुधार अवश्य कर लेता।

(xxvi) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्रत्येक प्रकार के विचाराधीन उत्पाद के लिए पृथक क्षति एवं कारणात्मकता विश्लेषण किया जाना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने सेलों, माड्यूलों और तनु फिल्मों तथा विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्र रूप से कीमत प्रभाव का विश्लेषण किया है।

(xxvii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि गैर-क्षतिकारी कीमत में एक देश से दूसरे देश में उतार-चढ़ाव नहीं किया जा सकता है क्योंकि यह घरेलू उद्योग के आंकड़ों पर आधारित होती है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों (सेलों, स्फाट माड्यूलों और तनु फिल्मों) के लिए प्रति यूनिट गैर-क्षतिकारी कीमत का निर्धारण किया गया है जो संबद्ध देशों के लिए एक समान है। तथापि, विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्र रूप से भारित औसत गैर-क्षतिकारी कीमत इस विचाराधीन उत्पाद के विभिन्न प्रकारों की आयात मात्रा में अंतर के मद्देनजर विभिन्न संबद्ध देशों के लिए भिन्न होगी।

(xxviii) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग को लगाई गई पूँजी पर 22 प्रतिशत के आवक की अनुमति देने के किसी कारण या उसके औचित्य का हवाला नहीं दिया है; प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने लगाई गई पूँजी पर 22 प्रतिशत आवक संगत परम्परा के अनुरूप प्रदान किया है।

(xxix) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि निर्दिष्ट प्राधिकारी को सेलों, माड्यूलों और तनु फिल्मों के लिए पृथक क्षति मार्जिन एवं पाटन मार्जिन का प्रकटन करना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि उन्होंने विचाराधीन उत्पाद के लिए समग्र रूप के पाटन एवं क्षति मार्जिन का खुलासा किया है।

(xxx) जहां तक क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन – बीएचडी (क्यू सी एम वाई) के इस तर्क का संबंध है कि प्राधिकारी को अपने निर्णय में संशोधन करना चाहिए और उनके लिए व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण करना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की अच्छी तरह से जांच की गई है और उसका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। प्राधिकारी एक बार पुनः यह नोट करते हैं कि स्थल सत्यापन के समय, क्यूसीएमवाई - एसएपी प्रणाली के अंतर्गत लागत निर्धारण और वित्तीय आंकड़े प्रदान करने में अक्षम रहा जिन्हें अनुरक्षित करने का द्वारा दावा किया गया था। इसके अतिरिक्त, निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के अभाव में, जिसे इसकी सहबद्ध कंपनी द्वारा जर्मनी में दायर किया गया था, जांच की अवधि के दौरान भारत को दावाकृत निर्यातों के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला को सिद्ध नहीं किया जा सकता है। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी हान्वहा क्यू-सेल्स मलेशिया एसडीएन – बीएचडी को वर्तमान जांच में व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

(xxxi) जहां तक हान्वहा सालर वन (विंडांग) कंपनी लिमिटेड चीन (एचएसओएल) द्वारा व्यक्तिगत मार्जिन के लिए प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन की उक्त कंपनी गैर-नमूनाकृत कंपनी के अंतर्गत आती है और तदनुसार ही मार्जिन निर्धारित किया गया है।

(xxxii) फस्ट सालर मलेशिया ने तर्क दिया है कि यदि सूचना का कुछ भाग गुम हो तो यह प्राधिकारी को संपूर्ण सूचना नामंजूर कर देने के लिए प्राधिकृत नहीं करती है। इसके अतिरिक्त, जैसा कि उन्होंने यह तर्क दिया है

कि जिन कंपनियों को फस्ट सालर मलेशिया ने माइयूलों की बिक्री की है उनमें से कोई भी कंपनी उससे संबद्ध नहीं है और उनके लिए यह संभव नहीं है कि वे इन कंपनियों को प्राधिकारी का सहयोग देने के लिए बाध्य करें। उन्होंने पुनः यह तर्क दिया है कि यूनाइटेड स्टेट्स - एंटी डम्पिंग मीजी आन सर्टन हाट रोल्ड स्टील प्रोडक्ट्स फ्राम जापान मामले में अपीलीय निकाय ने पैनल के इस निर्णय की पुष्टि की कि उपलब्ध तथ्यों का प्रयोग केवल तभी किया जा सकता है जब जांचकर्ता प्राधिकारी यह निष्कर्ष निकालते हों कि पक्षकार ने अपनी सर्वोत्तम योग्यता से कार्य नहीं किया है। इस संबंध में प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की समुचित जांच की गई है और उनका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में समाधान कर दिया गया है। प्राधिकारी एक बार पुनः यह नोट करते हैं कि फस्ट सालर मलेशिया एसडीएन - बीएचडी, मलेशिया द्वारा बीजक की गई संबद्ध वस्तु के भारत को किए गए निर्यातों की पर्याप्त मात्रा और इसकी सहबद्ध कपंनी फस्ट सालर जीएमबीएच जर्मनी द्वारा जांच की अवधि के दौरान अपने कई अन्य पक्षकारों के जरिए कि एगए निर्यात की भारी मात्रा की जानकारी निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर भरकर प्राधिकारी को प्रदान नहीं कराई गई है। अतः इस कंपनी द्वारा जांच की अवधि के दौरान भारत को किए गए निर्यातों के संबंध में पूर्ण जानकारी के अभाव में प्राधिकारी फस्ट सालर मलेशिया द्वारा प्रस्तुत सूचना की परिशुद्धता एवं यथार्थता के संबंध में संतुष्ट होने की स्थिति में नहीं है। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी वर्तमान जांच में फस्ट सालर मलेशिया एसडीएन - बीएचडी मलेशिया और इसके संबद्ध निर्यातक फस्ट सालर जीएमबीएच को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

(xxxiii) जहां तक फस्ट सालर मलेशिया के इस तक का संबंध है कि निर्यात कीमत निर्धारित करने में अक्षमता निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर सामान्य मूल्य का निर्धारण न करेन के लिए सकलतः एक अपर्याप्त आधार है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि व्यक्तिगत मार्जिन का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी को सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत दोनों के संबंध में संपूर्ण जानकारी अपेक्षित होती है। कंपनी द्वारा किए गए निर्यातों के संबंध में संपूर्ण मूल्य शृंखला के अभाव में प्राधिकारी फस्ट सालर मलेशिया को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान करने की स्थिति में नहीं है। उपर्युक्त के मद्देनजर फस्ट सालर मलेशिया के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण करना असंगत है।

(xxxiv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि फस्ट सालर इंक यूएसए द्वारा यूएसए के पक्षकारों को जर्मनी स्थित अपने संबद्ध पक्षकारों के जरिए की गई बिक्रियों पर सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ घरेलू बिक्रियों के रूप में विचार किया जाना चाहिए क्योंकि वस्तु ने यूएसए के भूभागीय जल को पार नहीं किया है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की समुचित जांच की गई है और उसका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। प्राधिकारी एक बार पुनः यह नोट करते हैं कि फस्ट सालर इंक, यूएसए ने संबद्ध वस्तु की आपूर्ति स्थानीय रूप से की है, परंतु उसका भुगतान फस्ट सालर जीएमबीएच जर्मनी से विदेशी मुद्रा में प्राप्त किया है। इसके अतिरिक्त, फस्ट सालर यूएसए ने संबद्ध वस्तु की यूएस बाजारों में बिक्री अन्य संबद्ध एवं असंबद्ध पक्षकारों को फस्ट सालर जीएमबीएच मैन्ज जर्मनी के जरिए लेखाकरण किए बिना की है। अतः प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यूएसए के अंदर संबद्ध वस्तु की किसी अन्य पक्षकार को आपूर्ति तथा उसका लेखाकरण फस्ट सालर जी एम बी एच मैन्ज जर्मनी के जरिए कराना और उसे घरेलू उद्योग के रूप में दावा करना अनिवार्य नहीं है। इसके अतिरिक्त, यूएसए में की गई कुछ बिक्रियों का बीज जर्मनी के जरिए तैयार करने का कोई तर्क नहीं है जबकि अन्य बिक्रियां यूएसए को सीधे ही की गईं।

(xxxv) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि प्रकटन विवरण ने फस्ट सालर इंक, यूएसए के लिए किए गए अपने प्रस्तावित निर्धारण की अनदेखी की है, जहां निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण इस तथ्य के बावजूद कि एक ग्राहक, जिसके पक्ष में फस्ट सालर, यूएसए ने बीजक तैयार कराया है वह भारत के बाहर था, प्रश्नावली प्रत्युत्तर के आधार पर किया गया है प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे का इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में समाधान कर दिया गया है। प्राधिकारी एक बार पुनः यह नोट करते हैं कि भारत को किए गए कुल आयातों में से फस्ट सालर जीएमबीएच मैन्ज जर्मनी द्वारा यूएसए में एक पक्षकार के जरिए एक अल्प मात्रा का बीजक कराया है, जिसके संबंध में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया गया है। चूंकि यह

मात्रा महत्वपूर्ण नहीं थी, इसलिए प्राधिकारी फर्स्ट सालर इंक यूएसए और फर्स्ट सालर जीएमबीएच मैन्ज, जर्मनी द्वारा किए गए कुल निर्यातों में से उक्त अल्प महत्वपूर्ण निर्यात का अपवर्जन करते हैं तथा निवल निर्यात कीमत का निर्धारण करते हैं।

(xxxvi) जहां तक जेए सालर ग्रुप द्वारा किए गए इस तर्क का संबंध है कि ग्रुप कंपनियों द्वारा भरत में एसईजेड इकाइयों को किए गए निर्यातों की सूचना डी जी सी आई एंड एस आंकड़ों में नहीं दी गई है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस तर्क का कोई प्रमाण नहीं है। इस ग्रुप द्वारा किए गए निर्यातों के बारे में संपूर्ण सूचना अभाव में प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि वह इस ग्रुप द्वारा प्रस्तुत की गई सूचना की विशुद्धता एवं यथार्थता से संतुष्ट होने की स्थिति में नहीं है।

(xxxvii) जहां तक मोटेक द्वारा किए गए इस तर्क का संबंध है कि कंपनी ने संबद्ध वस्तु में अंतर्गस्त संबद्ध पक्षकारों के संबंध में सूचना का निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर में विलोपन मूलवश किया है और इसलिए मोटेक के इस कार्य को संपूर्ण प्रत्युत्तर नामंजूर कर दिए जाने के लिए एक आधार नहीं मानना चाहिए, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की समुचित जांच की गई तथा उसका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि मोटेक की चीन सहित कई देशों में संबद्ध कंपनियां हैं जो संबद्ध वस्तु का कार्य करती हैं। प्राधिकारी पुनः नोट करते हैं कि चीन में भी इसकी एक संबद्ध कंपनी है जो जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का भारत को निर्यात करने में अंतर्गस्त रही थी। मोटेक का यह कार्य प्राधिकारी को मोटेक द्वारा प्रदान कराई गई सूचना की यथार्थता एवं विशुद्धता से संतुष्ट नहीं कराता है।

(xxxviii) जहां तक चीन सनर्जी ग्रुप द्वारा किए गए इस तर्क का संबंध है कि उनके द्वारा भारत को किए गए प्रत्यक्ष निर्यातों, जिनका सत्यापन किया गया है, के कारण व्यक्तिगत दर्जा प्रदान किए जाने के हकदार हैं और व्यक्तिगत दर्जा न प्रदान करना त्रुटिपूर्ण है, प्राधिकारी नोट करते हैं कि इस मुद्दे की जांच की गई है और उसका इस जांच परिणाम के संगत पैराग्राफों में निराकरण कर दिया गया है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि चाइना सनर्जी ग्रुप से संबंधित कंपनियों ने जांच की अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का इसके सिंगापुर और हांगकांग स्थित अपने अन्य पक्षकारों के जरिए भी भारी निर्यात किया है। तथापि, इन पक्षकारों ने इस जांच में निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है, जिसके अभाव में चीन सनर्जी ग्रुप द्वारा किए गए निर्यातों की उक्त सरणियों के बारे में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला की स्थापना नहीं की जा सकती है। उपर्युक्त स्थिति के मद्देनजर प्राधिकारी इस ग्रुप को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

(xxxix) जहां तक वुक्सी सनटेक पावर कंपनी लिमिटेड द्वारा किए गए इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि व्यक्तिगत मार्जिन के संबंध में किए गए उनके दावे को प्राधिकारी द्वारा इस आधार पर नामंजूर नहीं कर दिया जाना चाहिए कि भारी मात्रा में निर्यात अन्य पक्षकारों के जरिए किए गए हैं और चूंकि यह पक्षकार उनसे संबद्ध नहीं है, इसलिए प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि इस मुद्दे की जांच की गई तथा उसका इस जांच परिणाम में संगत पैराग्राफों में समाधान कर दिया गया है। तथापि, इन पक्षकारों ने इस जांच में प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किए हैं जिनकी अनुपस्थिति में वुक्सी द्वारा निर्यात की उस सरणी के जरिए किए गए निर्यातों के बारे में संपूर्ण मूल्य श्रृंखला की स्थापना नहीं की जा सकती है। इन हालातों में प्राधिकारी इस कंपनी द्वारा प्रदान कराई गई सूचना की यथार्थता एवं परिशुद्धता से संतुष्ट नहीं है। उपर्युक्त के मद्देनजर प्राधिकारी वुक्सी सनटेक पावर कंपनी लिमिटेड, चीन जन गण को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान नहीं करते हैं।

(x) जहां तक इस प्रस्तुतिकरण का संबंध है कि इस जांच में निर्धारित प्रक्रियाओं और पारदर्शिता का अनुसरण नहीं किया गया है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि यह जांच कार्यविधि के अनुसार ही की गई है। हितबद्ध पक्षकारों को जांच के प्रत्येक स्तर पर अर्थात् जांच के शुरूआत पर, मौखिक सुनवाई स्तर और प्रकटन विवरण, प्रस्तुतिकरण करने का अवसर दिया गया। हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत सूचना का अगोपनीय पाठ सार्वजनिक फाइल में सभी हितबद्ध पक्षकारों को उपलब्ध कराया गया। यूएसए के प्रत्युत्तरदाता के प्रतिनिधियों ने समय-समय पर इस सार्वजनिक फाइल का सत्यापन किया और अगोपनीय सूचना प्राप्त की। अतः, यह तर्क तथ्यों पर आधारित नहीं है।

(xli) जहां तक इस तर्क का संबंध है कि आयात आंकड़ों का सत्यापन प्राधिकारी द्वारा नहीं किया गया है, यह नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने प्रथम व्हष्टया जांच शुरूआत के लिए आवेदक द्वारा प्रस्तुत गौण स्रोत के आंकड़ों पर भरोसा किया और इस जांच के लिए डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों पर भरोसा किया। उक्त आंकड़े सार्वजनिक फाइल में उपलब्ध हैं। यह भी नोट किया जाता है कि प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा तथा सहयोगकर्ता निर्यातकों द्वारा प्रस्तुत आंकड़ों का सत्यापन भी किया है।

(xlii) प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि प्रकटन विवरण के पश्चात् फस्ट सालर इंक यूएसए, फस्ट सालर एसडीएन बीएचडी मलेशिया और सालर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन (एसव डी पी ए) ने माननीय दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष रिट याचिका डब्ल्यूपी (सी) संख्या 3202/2014, 3203/2014 और 3206/2014 दायर कर रखी है।

(क) फस्ट सालर इंक यूएसए ने अपनी डब्ल्यूपी (सी) संख्या 3202/2014 में, अन्य बातों के साथ-साथ, यह तर्क दिया है कि उनके द्वारा उनकी जर्मनी में एक संबद्ध पाटी के जरिए बीजक बनाकर यूएसए की बाजार में की गई भारी घरेलू बिक्रियों को अनदेखी कर सामान्य मूल्य का निर्धारण करना गलत है।

(ख) फस्ट सालर एसडीएन बीएचडी मलेशिया ने अपनी रिट याचिका (सिविल) संख्या 3203/2014 में अन्य बातों के साथ-साथ यह तर्क दिया है कि उन्हें उनके द्वारा दावा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के आधार पर व्यक्तिगत मार्जिन दिया जाना चाहिए था, न कि किसी अन्य आधार पर यदि प्राधिकारी निर्यात कीमत को स्वीकार नहीं करते हैं तब भी सामान्य मूल्य का निर्धारण तो, पिछले जांच परिणामों और डब्ल्यूटीओ पैनल की रिपोर्ट के अनुरूप, उनके द्वारा प्रदान कराई गई सूचना के आधार पर ही किया जाना चाहिए था।

(ग) सालर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन (एस डी पी ए) ने अपनी रिट याचिका (सिविल) संख्या 3206/2014 ने, अन्य बातों के साथ-साथ, संपूर्ण प्रकटन विवरण को इस बात पर जोर देते हुए चुनौती दी है कि घरेलू उद्योग ने तो कुल भारतीय मांग के केवल 2 प्रतिशत को ही पूरा किया है।

(xliii) इस मामले में माननीय डिवीजन बैच ने सुनवाई की तथा 20 मई, 2014 को उसका निपटारा कर दिया। इस आदेश का प्रचालनात्मक भाग निम्नलिखित है :

..... इस न्यायालय ने इन प्रस्तुतिकरणों पर विचार किया है। जैसे ही कोई व्यक्ति सीमाशुल्क प्रशुल्क आनियम तथा 1995 की नियमावली द्वारा अधिदेशित कार्यविधि को समझता है, 1995 की नियमावली के नियम 16 के अंतर्गत इस जांच के पक्षकारों के उपलब्ध कराया गया प्रकटन विवरण निर्दिष्ट प्राधिकारी के परीक्षात्मक विचार हैं। इसे किसी भी हाल में निष्कर्षात्मक नहीं माना जाना चाहिए क्योंकि पक्षकारों को इस प्रकटन विवरण पर प्रत्युत्तर देने के लिए एक और अवसर दिया गया है। यह न्यायालय, परामर्श के रूप में, किसी विशिष्ट संव्यवहार के समावेशन या अपवर्जन के संबंध में दिए गए तर्क के गुणावगुणों पर या इन कार्यवाहियों में प्रदान कराई गई सामग्री की प्रकृति और निर्धारण, जिन पर मलेशियाई कंपनी ने इन कार्यवाहियों में अंतःप्रेरित किया है, कि इसका निर्दिष्ट प्राधिकारी के अंतिम निर्णय पर कुछ न कुछ प्रभाव अवश्य होना चाहिए, टिप्पणी नहीं करता है। मलेशियाई कंपनी तथा यूएस कंपनी, दोनों ने तर्क दिया है कि यह खंडित आदेश भारत से स्टील प्लेटेड के संबंध में यूनाइटेड स्टेट्स पाटनरोधी एवं प्रतिपालनकारी उपायों से संबंधित विवाद (डब्ल्यू/डीएस 206/आर) के मामले में विश्व व्यापार संगठन के समक्ष प्रस्तुत भारत की स्थिति के और स्वयं प्राधिकारी ने अपने पिछले निर्णय के विपरीत है। हम नोट करते हैं कि याचिकाकर्ताओं ने निर्दिष्ट प्राधिकारी के समक्ष इस पहलू पर प्रकाश डाला गया है। इन परिस्थितियों में हम केवल यह

कहने के अलावा अन्य कुछ कहने का प्रस्ताव नहीं करते हैं कि इन सभी पहलुओं पर निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा अपने अंतिम निर्णय के स्तर पर विचार किया जाएगा।

उपर्युक्त शब्दों में इस याचिका का निपटारा कर दिया गया।"

(xlii) संबंधित पक्षकारों द्वारा किए गए प्रस्तुतिकरणों और उपर्युक्त आर्डर के अनुसरण में, प्राधिकारी ने डीजीएडी के कुछ पिछले मामलों पर और फस्ट सालर एसडीएन बीएचडी द्वारा यथा उद्दृत डब्ल्यूटीओ द्वारा दिए गए निर्णय पर भी ध्यान दिया। भारत से स्टील प्लेट पर पाटनरोधी एवं प्रतिवलनकारी यूनाइटेट्स साधन से संबंधित भारतीय स्टील प्राधिकरण के मामले (डब्ल्यूटी/डीएस 206/आर) में, प्राधिकारी नोट करते हैं कि डब्ल्यूटीओ विवाद निपटान पैनल ने निम्नलिखित का प्रतिपादन किया है :

"7.78 हमारे विचार से, यूएसडीओसी का अंतिम निर्धारण स्पष्टतः प्रदर्शित करता है कि एसएआईएल द्वारा प्रस्तुत की गई कुछ सूचना को असत्यापन योग्य पाया गया या उन्हें समय पर प्रस्तुत नहीं किया गया या उनमें कोई अन्य छूक है जिसकी वजह से उनका प्रयोग असम्यक रूप से कठिन हो गया। तथापि, यूएस बिक्री कीमत सूचना के संबंध में ऐसे कोई निष्कर्ष नहीं किए गए हैं। वस्तुतः, संपूर्ण जांच में, ऐसा प्रतीत होता है कि प्रमुख समस्या सेल के अपने घरेलू संव्यवहारों और उत्पादन लागत से संबंधित सूचा से थी। यूएस बिक्री कीमत सूचना के संबंध में समस्याओं, जिस सीमा तक उनका उल्लेख किया गया है, को छोटी-छोटी समस्याओं के रूप में माना गया है। अतः, हमें यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि यूएसडीओसी ने यूएस बिक्री सूचना को वास्तव में, उस सूचना के पैराग्राफ 3 में दिए गए मानदंड के अनुप्रयोग के आधार नामंजूर नहीं किया है बल्कि उसे प्रस्तुत की गई अन्य सूचनाओं से जुड़ी समस्याओं के आधार पर नामंजूर किया है।

7.79 अतः हमारे समक्ष रिकार्ड किए गए स्पष्टीकरणों तथा प्रस्तुत तथ्यों के आधार पर हम यह विचार करते हैं कि सेल द्वारा प्रस्तुत यूए बिक्री कीमत सूचना को यूएसडीओसी द्वारा नामंजूर करने के निर्णय में पाटनरोधी करार के अनुबंध-II के पैराग्राफ 3 के अंतर्गत दिए गए वैध आधार का अभाव है। अतः हम निष्कर्ष निकालते हैं कि यूएसडीओसी ने यूएस बिक्री कीमत सूचना के संबंध में यह निष्कर्ष निकालते समय, कि आवश्यक सूचना प्रदान नहीं कराई गई थी, पाटनरोधी करार के अनुबंध-II के पैराग्राफ 3 और अनुच्छेद 6.8 से बिल्कुल असंगत रूप से कार्य किया है और सेल पर लागू पाटन मार्जिन का निर्धारण करने में केवल उपलब्ध तथ्यों पर ही भरोसा किया है।

7.80 यह निष्कर्ष निकालने के उपरांत कि यूएसडीओसी का पूर्णतया उपलब्ध तथ्यों पर भरोसा करना पाटनरोधी करार के अंतर्गत इसकी प्रतिबद्धता से असंगत है, हम भारत के वैकल्पिक दावों का निराकरण करना जरूरी नहीं समझते हैं।"

(xlv) सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के प्रयोजनार्थ यूएस के पक्षकार को इसके जर्मनी के संबद्ध पक्षकार के जरिए की गई बिक्रियों का अपवर्जन करने के संबंध में फस्ट सालर इंक यूएसए द्वारा दिए गए तर्क के संबंध में यह नोट किया जाता है कि फस्ट सालर इंक यूएसए ने यूएसए के बाजारों में बिक्री तीन तरीकों से की है अर्थात यूएसए में संबद्ध पक्षकारों के प्रत्यक्ष बिक्री, यूएसए में असंबद्ध पक्षकारों को प्रत्यक्ष बिक्री और यूएसए में असंबद्ध/संबद्ध पक्षकारों को जर्मनी में अपने सहबद्ध पक्षकार के जरिए बिक्री। यह उल्लेख किया जा सकता है कि फस्ट सालर, यूएसए ने यह स्पष्टीकरण नहीं दिया है कि उसने जर्मनी में सहबद्ध पक्षकार को की गई बिक्रियों को, का बीजक जर्मनी में उस सहबद्ध कंपनी के जरिए किया है जबकि उसका स्वयं का अपना बीजक विभाग है। इससे यह स्पष्ट होता है कि इन लेनदेनों के पीछे कुछ अस्पष्ट है। यह भी स्पष्ट नहीं है कि जर्मनी में संबद्ध पार्टी को की गई बिक्रियों को, जिनका बीजक यूरो मुद्रा में तैयार किया गया, उनको घरेलू बिक्रियों के रूप में नहीं माना जा सकता है। हालांकि इसकी संबद्ध जर्मन कंपनी ने इसकी बिक्री यूएसए के बाजारों में ही की थी। इसके अतिरिक्त, फस्ट सालर, यूएसए और फस्ट सालर, जर्मनी दो भिन्न विधिक निकाय हैं जो विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं और यह स्पष्ट नहीं है कि एक देश में एक निकाय द्वारा किसी अन्य देश में किसी अन्य निकाय को की गई बिक्रियों को गृह बाजार में की गई बिक्री के रूप में कैसे माना

जा सकता है। उपर्युक्त के मद्देनजर फर्स्ट सालर, जर्मनी द्वारा यूएसए में पक्षकारों के फर्स्ट सालर यूएसए से वस्तु का अधिग्रापण करके, बिक्री करना यूएसए फर्स्ट सालर यूएसए द्वारा की गई बिक्रियों के रूप में नहीं माना जा सकता है। प्राधिकारी पुनः यह नोट करते हैं कि कुछ स्थानीय बिक्रियों का बीजक किसी विदेशी निकाय के जरिए तैयार करना और विदेशी मुद्रा में बिक्री प्रापण की वसूली करने को सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए घरेलू बिक्रियों के रूप में नहीं माना जा सकता है।

(xlvi) प्राधिकारी फर्स्ट सालर मलेशिया द्वारा उद्धृत डब्ल्यूटीओ पैनल के निर्णय से यह नोट करते हैं कि वर्तमान मामले के तथ्य एवं परिस्थितियां डब्ल्यूटीओ द्वारा निर्णीत मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों से भिन्न हैं। वर्तमान मामले में फर्स्ट सालर मलेशिया एसडीएन बीएचडी ने अपने निर्यातों के *** प्रतिशत से अधिक निर्यात तृतीय पक्षकार के जरिए किया है और इस तृतीय पक्षकार ने निर्यातक प्रश्नावली प्रत्युत्तर दायर नहीं किया है। फर्स्ट सालर मलेशिया द्वारा किए गए अधिकांश निर्यातों के संबंध में निर्यात कीमत उपलब्ध न होने की स्थिति में प्राधिकारी ने व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण नहीं किया है। यह नोट किया जाता है कि व्यक्तिगत पाटन मार्जिन का निर्धारण करने के लिए निर्यात कीमत का निर्धारण करना जरूरी है और इसलिए निर्यात कीमत के अभाव में सामान्य मूल्य का निर्धारण करना असंगत हो जाता है। उपर्युक्त के मद्देनजर फर्स्ट सालर मलेशिया एसडीएन बीएचडी के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण उनके आंकड़ों के आधार पर नहीं किया जाता है। इसके विपरीत फर्स्ट सालर मलेशिया द्वारा उद्धृत मामले में निर्यात कीमत उपलब्ध होने के बावजूद भी पाटन मार्जिन केवल इस प्रतिकथन के आधार पर प्रदान नहीं किया गया था कि सामान्य मूल्य का निर्धारण करने के लिए आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं। अतः, यह देखा जा सकता है कि फर्स्ट सालर मलेशिया एसडीएन बीएचडी द्वारा यथा उद्धृत सेल का मामला वर्तमान मामले में फर्स्ट साल मलेशिया एसडीएन बीएचडी में अंतर्गत परिस्थितियों में उपयुक्त नहीं है।

(xlvii) थैलिक एनहाइड्राइड के आयात के मामले में डीजीएडी द्वारा दिए गए पिछले निर्णय के संबंध में यह प्रेक्षण किया जाता है कि वर्तमान मामले में व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान करने से मना करना ऊपर उद्धृत मामले के तथ्यों एवं परिस्थितियों से अलग है। यह नोट किया जा सकता है कि हालांकि वर्तमान मामले में फर्स्ट सालर मलेशिया एसडीएन बीएचडी को व्यक्तिगत मार्जिन प्रदान करने को मना कर दिया गया क्योंकि इस कंपनी द्वारा किए गए *** प्रतिशत निर्यात की निर्यात कीमत का निर्धारण करने के लिए प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत नहीं किया गया है, जब कि थैलिक एनहाइड्राइड से संबंधित मामले में स्थिति ऐसी नहीं थी। वास्तव में, वर्तमान जांच में फर्स्ट सालर यूएसए को व्यक्तिगत पाटन मार्जिन प्रदान किया गया क्योंकि उसने तृतीय पक्षकार के जरिए संबद्ध वस्तु की अमहत्वपूर्ण मात्रा का निर्यात किया है जिसका प्राधिकारी के समक्ष उल्लेख नहीं किया है।

(xlviii) सालर पावर डेवलपमेंट एसोसिएशन के इस तर्क के संबंध में कि घरेलू उद्योग ने जांच की अवधि के दौरान घरेलू मांग के केवल लगभग 1.25 प्रतिशत भाग को ही पूरा कर पाया है, और इसलिए किसी पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण किए जाने की जरूरत नहीं है, प्राधिकारी यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग (इंडो सालर लिमिटेड, वेबसोल एनर्जी सिस्टम्स लिमिटेड और जुपीटर सालर पावर लिमिटेड को मिलाकर बने) की क्षमता घरेलू मांग के 30 प्रतिशत को पूरा करने की है। तथापि, पाटित आयातों के कारण वे घरेलू बाजार में अपना हिस्सा नहीं बढ़ा सके। इसके अतिरिक्त, घरेलू उद्योग के अलावा 39 अन्य ऐसे घरेलू उत्पादक हैं, जिनके पास घरेलू मांग को पूरा करने की पर्याप्त क्षमता है। तथापि, पाटित आयातों के कारण इन उत्पादकों को आयात और व्यापार पर निर्भर रहना पड़ा।

घ. कीमत वचनबद्धता के लिए पेशकश

161. प्रकटन पश्चात चीन के निर्यातकों अर्थात् चांगझाइन ट्रिना सालर इनर्जी कंपनी लिमिटेड, रेनेसोला जियांगसु लिमिटेड, जिनको सालर, पेरलाइट सालर कंपनी लिमिटेड, हैंगडयान ग्रुप, डी एम ई जी सी मैग्नेटिक्स कंपनी लिमिटेड तथा सीसीएमई ने चीन जन गण से भारत को इस विचाराधीन उत्पाद के निर्यात के संबंध में कीमत वचनबद्धता प्रदान

कराने की पेशकश की थी। तथापि, प्राधिकारी ने इन स्तावों को स्वीकार नहीं किया है कि क्योंकि उनका अनुवीक्षण करना व्यावहारिक नहीं था।

न. निष्कर्ष

162. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा उठाए गए मुद्दों और किए गए प्रस्तुतिकरणों तथा प्राधिकारी को उपलब्ध कराए गए तथ्यों की जांच के पश्चात प्राधिकारी निष्कर्ष निकालते हैं कि :

- (घ) इस विचारधीन उत्पाद का निर्यात संबद्ध देशों से भारत को सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया, जिसके परिणामस्वरूप इस उत्पाद का पाटन हुआ।
- (ङ) इस विचारधीन उत्पाद के पाटन के कारण घरेलू वास्तविक क्षति हुई।
- (च) यह वास्तविक क्षति संबद्ध देशों में उदभिवत अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के पाटित आयातों के कारण हुई है।

य. उद्योग के हित तथा अन्य मुद्दे

163. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः घरेलू उद्योग को पाटन की अनुचित व्यापार प्रक्रियाओं द्वारा कारित की जा रही क्षति का उपशमन करता है ताकि भारतीय बाजार में मुक्त एवं पक्षपात रहित प्रतिस्पर्धा स्थापित हो सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने से संबद्ध देशों से आयातों पर कोई प्रतिबंध नहीं होगा और इसलिए उपभोक्ताओं को इसकी उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

164. प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सौर विद्युत उत्पादन में देश की ऊर्जा की भारी जरूरत को पूरा करने की संभावना है और सरकार एमएनआरई के अंतर्गत जेएनएनएसएम जैसी विभिन्न स्कीमों के जरिए भारत में सौर विद्युत परियोजनाओं के बड़े विकासकर्ताओं को सहायता प्रदान करने के लिए कई नीतियां एवं कार्यक्रम तैयार कर रही हैं। सार्वजनिक क्षेत्र में उपलब्ध सूचना दर्शाती है कि संबद्ध वस्तु की वैश्विक विनिर्माण क्षमता भारत की विनिर्माण क्षमता से कई गुनी अधिक है और भारत में संबद्ध वस्तु की घरेलू मांग में तेजी से वृद्धि हो रही है। पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण संबद्ध वस्तु के उन भारतीय क्रेताओं को वंचित नहीं करेगी जिन्हें भारत में विनिर्मित संबद्ध वस्तु तक पहुंच बनाने और वैश्विक बाजार तक पहुंच बनाने की जरूरत है जिससे कि वे सतत प्रौद्योगिकी एवं लागत प्रभावी नवाचारों का अधिकतम लाभ उठा सकें। भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादकों को प्रतिस्पर्धी बाजार सुनिश्चित करने से भारत में संबद्ध वस्तु के लिए एक सशक्त एवं प्रभावकारी घरेलू विनिर्माण आधार विकसित करने में सहायता मिलेगी ताकि भारतीय उपभोक्ता इस संबद्ध वस्तु की घरेलू एवं वैश्विक दोनों तरह की बाजारों का लाभ उठा सकें।

165. ऐसा माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण उन सौर विद्युत परियोजनाओं की लागत को प्रभावित करेगा जो संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु का प्रयोग करती हैं। तथापि, पाटनरोधी शुल्क से भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा कम नहीं होगी, खासकर तब जब पाटनरोधी शुल्क उद्योग की क्षति को दूर करने की सीमा तक प्रतिबंधित कर दिया जाता है। इसके विपरीत, पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण पाटन की प्रक्रियाओं द्वारा अर्जित अनुचित लाभ दूर करेगा, घरेलू उद्योग को अवनति से बचाएगा और संबद्ध वस्तु के उपभोक्ताओं को व्यापक परसंद की उपलब्धता अनुरक्षित रखने में सहायता करेगा।

र. सिफारिशें

166. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यह जांच प्रारंभ की गई और इसकी सूचना सभी जात हितबद्ध पक्षकारों को दी गई तथा निर्यातकों, आयातकों तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पहलुओं पर सूचना प्रदान कराने के लिए पर्याप्त अवसर दिया गया। पाटन, क्षति और उनके कारणात्मक संबंधी की एक जांच पाटनरोधी नियमावली में उल्लिखित शर्तों के अनुरूप शुरू करने और आयोजित करने तथा यह स्थापित करने के पश्चात कि सकारात्मक पाटन मार्जिन है और घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति इन आयातों द्वारा कारित की गई है, प्राधिकारी का विचार है कि क्षति कारित करने वाले पाटन को दूर करने के लिए शुल्क का अधिरोपण किया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के आयातों पर अधोलिखित विहित प्रपत्र एवं स्वरूप में निर्णायक पाटनरोधी शुल्क अधिरोपण करने की सिफारिश करना आवश्यक समझते हैं।

167. प्राधिकारी द्वारा अपनाए जाने वाले न्यूनतर शुल्क नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन के मार्जिन और क्षति के मार्जिन से न्यूनतर के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क का अधिरोपण करने की सिफारिश करते हैं जिससे कि घरेलू उद्योग की क्षति दूर की जा सके। तदनुसार, संबद्ध देशों में उद्भवित अथवा वहां से निर्यातित संबद्ध वस्तु के सभी आयातों पर अधोलिखित शुल्क तालिका के कालम 8 में उल्लिखित राशि के बराबर निर्णायक पाटनरोधी शुल्क, इस संबंध में केंद्रीय सरकार द्वारा अधिसूचना जारी किए जाने की तारीख से, अधिरोपित करने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क तालिका

क्र सं.	उप शीर्ष या प्रशुल्क मद	वस्तु विवरण	विनिर्देशन	उदगम का देश	निर्यात का देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क की राशि*	मापन की इकाई
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	85414011	माइयूल्स या पैनल्स में या कांच या कुछ अन्य उपयुक्त विकृत्यों पर आंशिक रूप से या पूर्णतया असेम्बल किए गए या असेम्बल न किए गए सौर सेल	यूएसए	यूएसए	फर्स्ट सालर इंक – यूएसए	फर्स्ट सालर जी एम बी एच मैन्ज जर्मनी	0.11	वाट	यूएस डालर
2	वही	वही	यूएसए	यूएसए	क्रम सं. 1 में उल्लिखित के अलावा कोई अन्य संयोजन		0.48	वाट	यूएस डालर
3	वही	वही	यूएसए	उन देशों के अलावा, जो पाटन रोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश	कोई	कोई	0.48	वाट	यूएस डालर
4	वही	वही	उन देशों के अलावा, जो पाटन रोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश	यूएसए	कोई	कोई	0.48	वाट	यूएस डालर
5	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण	कनाडियन सालर	कनाडियन सालर	0.64	वाट	यूएस डालर

					मैन्यूफैक्चरिंग (चांगसू) इंक चीन जन गण	इंटरनेशनल लिमिटेड हांग कांग				
6	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण	सूची के अनुसार नमूनाबद्ध न किए गए उत्पादक/ निर्यातक**	सूची के अनुसार नमूनाबद्ध न किए गए उत्पादक/ निर्यात**	0.64	वाट	यूएस डालर	
7	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण	ऊपर क्रम सं. 5 और 6 में उल्लिखित के अलावा कोई अन्य संयोजन		0.81	वाट	यूएस डालर	
8	वही	वही	चीन जन गण	चीन जन गण		कोई	कोई	0.81	वाट	यूएस डालर
9	वही	वही	उन देशों के अलावा, जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश	चीन जन गण	चीन जन गण		कोई	0.81	वाट	यूएस डालर
10	वही	वही	मलेशिया	मलेशिया		कोई	कोई	0.62	वाट	यूएस डालर
11	वही	वही	मलेशिया	उन देशों के अलावा, जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश		कोई	कोई	0.62	वाट	यूएस डालर
12	वही	वही	उन देशों के अलावा, जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश	मलेशिया		कोई	कोई	0.62	वाट	यूएस डालर
13	वही	वही	चाइनीज ताइपेई	चाइनीज ताइपेई		कोई	कोई	0.59	वाट	यूएस डालर
14	वही	वही	चाइनीज ताइपेई	उन देशों के अलावा, जो		कोई	कोई	0.59	वाट	यूएस डालर

				पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश					
15	वही	वही	उन देशों के अलावा, जो पाटनरोधी शुल्क के अध्यधीन हैं, कोई अन्य देश	चाइनीज ताइपेई	कोई	कोई	0.59	वाट	यूएस डालर

* संबद्ध वस्तु का आयात प्रशुल्क शीर्षक संख्या 85414011 के अंतर्गत किया जा रहा है। तथापि, यह सीमा शुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक और यह किसी भी रूप में वर्तमान जांच के दायरे पर बाध्यकारी नहीं है।

**चीन जन.गण के सैम्पल न किए गए निर्यातकों की सूची

1. हान्वाह सॉलर वन (मियडांग) कं. लि. चीन जन.गण.
2. चिंत सॉलर (झेझियांग) कं. लि. चीन जन.गण.
3. जिंको सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.
4. झेझियांग जिंको सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.
5. डेल सॉलर (वुजियांग) लि., चीन जन.गण.
6. एलडीके सॉलर हाईटेक (सुझोऊ) कं. लि. चीन जन.गण.
7. चांगझोऊ ट्रिना सॉलर ऊर्जा कं. लि. चीन जन.गण.
8. शेंगलुओ बीवाईडी इंडस्ट्रियल कं. लि., चीन जन.गण.
9. डॉगफैग इलैक्ट्रिक (इक्सिंग) मैग्नी सोलर पावर टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
10. जियांगइन हेरिओन पॉवर कं. लि., चीन जन.गण.
11. हैंगडियान ग्रुप डीएमईजीसी मैग्नेटिक्स कं. लि., चीन जन.गण.
12. हान्झोऊदाहे थर्मो मैग्नेटिक्स कं.लि., चीन जन.गण.
13. झेजियांग जिन्को सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.
14. अंजीदासोल सॉलर एनर्जी साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
15. युहुआन सिनोसुला साईंस एंड टेक्नोलॉजी कं. लि., चीन जन.गण.
16. पर्लाइट सोलर कं. लि., चीन जन. गण.
17. सोएनपीवी डॉगिंग सोलर पावर कं. लि., चीन जन.गण.
18. निंगबो क्यूक्सिन सॉलर इलैक्ट्रिकल्स एप्लायांस कं. लि., चीन जन.गण.
19. इंगली एनर्जी (चीन) कं. लि., चीन जन.गण.
20. शंघाई बीवाईडी कं. लि., चीन जन.गण.
21. रेनसोला जिंगसु लि., चीन जन. गण.
22. शेनझेन टोप्रे सॉलर कं. लि., चीन जन.गण.
168. इस अंतिम जांच परिणाम अधिसूचना से जारी केंद्रीय सरकार के आदेश के विरुद्ध एक अपील सीमाशुल्क प्रशुल्क अधिनियम के अनुसार सीमाशुल्क, उत्पाद कर एवं सेवा कर अपीलीय अधिकरण में दायर की जा सकती है।

जे. एस. दीपक, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 22nd May, 2014

Final Findings

Subject: - Anti-Dumping Investigation concerning imports of Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates, originating in or exported from Malaysia, China PR, Chinese Taipei and USA.

No. 14/5/2012-DGAD:- Having regard to the Customs Tariff Act 1975 as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Act) and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995 thereof, as amended from time to time (hereinafter also referred to as the Rules);

2. Whereas the Solar Manufacturer's Association (hereinafter also referred to as the applicant) filed an application before the Designated Authority (hereinafter also referred to as the Authority), alleging dumping of Solar Cells, whether or not assembled partially or fully in modules or panels or on glass or some other suitable substrates (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Malaysia, Chinese Taipei and USA (hereinafter also referred to as the subject countries) for and on behalf of some domestic producers of the subject goods, namely M/s. Indosolar Ltd, a 100% Export Oriented (EOU) Unit, M/s Websol Energy Systems Ltd, a unit in a Special Economic Zone (SEZ) and M/s. Jupiter Solar Power Limited, a unit in the Domestic Tariff Area (DTA), (hereinafter also referred to as the domestic industry).
3. The application is supported by the following other domestic producers of the subject goods:
 - i. Moser Baer Photovoltaic Ltd.
 - ii. Moser Baer Solar Systems Pvt Ltd.
 - iii. PV Power Technologies Pvt Ltd.
 - iv. Alpex Exports Pvt Ltd.
 - v. Waaree Energies Pvt Ltd.
 - vi. Lanco Solar Pvt Ltd.
 - vii. HHV Solar Technologies Pvt Ltd.
 - viii. Greenbrilliance Energy Pvt Ltd.
 - ix. Euro Multivision Ltd.
 - x. Tata BP Solar India Ltd
 - xi. Goldi Green Technologies Pvt Ltd
 - xii. Ajit Solar Pvt Ltd
 - xiii. Premier Solar Systems Pvt Ltd
 - xiv. Maharishi Solar Technology Pvt Ltd
 - xv. Birla Surya Ltd.
4. And whereas, the Authority on the basis of sufficient evidence submitted by the applicant, issued a public notice dated 23rd November, 2012, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating anti-dumping investigations concerning imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, in accordance with sub-Rule 6(1) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

5. The procedure described below has been followed by the Authority with regard to the present investigation:
 - i. The Authority notified the Embassies/Representatives of the subject countries in India about the receipt of the anti-dumping application before proceeding to initiate the investigation in accordance with sub-rule (5) of Rule 5 supra.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 23rd November, 2012 to the Embassies/Representatives of the subject countries in India, to all the known exporters from the subject countries, to all the known importers and the other Indian producers of the subject goods as per the addresses made available by the applicant and requested them to make their views known in writing within 40 days of the date of the initiation notification.
 - iii. Since a large number of producers/exporters from the subject countries expressed interest to participate in the subject investigation, the Authority took resort to sampling in terms of Rule 17(3) of the Anti-dumping Rules.
 - iv. Along with the initiation Notification, a sampling questionnaire was sent to the producers/exporters of the subject goods in the subject countries, with copy to the concerned Embassies/Representatives in India, with the advice to fill in the same and provide to the Authority within 15 (fifteen) days of the date of the letter. The Authority also informed the producers/exporters of the subject goods in the subject countries that they will be intimated thereafter, to file the exporters' questionnaire response in the prescribed format (also MET Response in case of China PR), not later than forty days from the date of intimation of the sampling for detailed investigation by the Authority.
 - v. The copy of the initiation notification along with non-confidential version of the application filed by the domestic industry, sampling questionnaire, Exporter's Questionnaire and MET Questionnaire (for China PR) formats were sent to the following known producers/exporters of the subject goods in the subject countries:
 1. JA Solar, China PR
 2. Gold Poly, China PR
 3. Hanwha Solar One, China PR
 4. Wuxi Suntech Power Co., Lt., China PR
 5. Changzhou Trina Solar Energy Co., Ltd, China PR.
 6. Suntech, China PR
 7. Dongfang Electric (Yixi) Magi Solar Power Technology Co., Ltd, China PR
 8. Ningbo Jonshi Solar Electrical Science and Technology Co Ltd, China PR
 9. Nantong Qiabgsgebg Ogitiviktauc Technology Co Ltd, China PR
 10. Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR
 11. Eoply New Energy Technology Co Ltd, China PR
 12. Shanghai BYD Company Ltd, China PR
 13. Hanwha (Qidong) Co Ltd, Korea
 14. Jinko Solar Co Ltd, China PR
 15. Motech (Suzhou) Renewal Energy Co Ltd, China PR
 16. CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR
 17. Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR
 18. Delsolar (Wujiang) Ltd, China PR
 19. Baoding Tianwei Solar Films Co Ltd, China PR
 20. Sungent International Ltd, Hong Kong

21. China Sunenergy (Nanjing) Co Ltd, China PR
22. Chint Solar Zhejian Co Ltd, China PR
23. Jiangyin Hareon Power Co Ltd, China PR
24. Jingao Solar Power Co Ltd, China PR
25. Michael Yuhuan Sino Solar S&T Co Ltd, China PR
26. Scott Xiong, China PR
27. Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR
28. Jetion Solar (China) Co Ltd, China PR
29. Ningbo OSDA Solar Co Ltd, China PR
30. LDK Solar Hi-Tech (Nanching) Co Ltd, China PR
31. LDK Solar Hi-Tech (Xinyu) Co Ltd, China PR
32. LDK Solar Hi-Tech (Hefei) Co Ltd, China PR
33. LDK Solar Hi-Tech (Suzhou) Co Ltd, China PR
34. Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd, China PR
35. Perlight Solar Co Ltd, China PR
36. AnjiDasol Solar Energy Science and Technology Co Ltd, China PR
37. Jiangsu Jiasheng Photovoltaic Technology Co Ltd, China PR
38. Ningbo Qixin Solar Electrical Appliance Co Ltd, China PR
39. Dupont Appollo (Shenzhen) Ltd, China PR
40. China Chamber of Commerce for Imports and Exports of Machinery and Electronics Product, China PR
41. Suntech North & South America, USA
42. Prince Solar Company Ltd, USA
43. Sunrisco IndustriesInc (USA), USA
44. First Solar Inc, USA
45. Canadian Solar, Canada
46. Real Magic Technology SDN.BHD, Malaysia
47. Fidelio International SDN BHD, Malaysia
48. Epic Engineering, Malaysia
49. Q-cells Malaysia SDN BHD, Malaysia
50. Gintech, Chinese Taipei
51. Tsec Corporation, Chinese Taipei
52. Delsolar, Chinese Taipei
53. Delsolar Co Ltd, Chinese Taipei
54. Neo Solar Corporation, Chinese Taipei
55. Sunengine Corporation Ltd, Chinese Taipei
56. Topcell Solar International Co Ltd, Chinese Taipei
57. Motech Industries Inc Solar Division, Chinese Taipei
58. Sun Well Solar, Chinese Taipei

vi. The following producers/exporters from the subject countries submitted the sampling questionnaire response:

1. M/s LDK Solar Hi-tech(Hefei) Co Ltd, China PR.
2. M/s LDK Solar Hitech (Nanchang) Co Ltd, China PR.
3. M/s Wuxi Suntech Power Co Ltd, China PR.
4. M/s Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, China PR.
5. M/s Canadian Solar Manufacturing (Luoyang) INC (LYSP), China PR.
6. Canadian Solar International Ltd, Honk Kong.
7. M/s JA Solar Technology, Yangzhou Co Ltd, China PR.
8. M/s Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR.
9. M/s CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, China PR
10. M/s Chint Solar (Zhejiang), Co Ltd, China PR.
11. M/s Jinko Solar Co Ltd, China PR.
12. M/s Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China PR.
13. M/s Motech (Suzhou) Renweable Energy Co Ltd, China PR.
14. M/s Del Solar (Wujiang) Ltd, Chin PR.
15. M/s CEEG (Shanghai) Solar Sceince Technology Co ltd, China PR.
16. M/s LDK Solar Hitech (Suzhou) Co Ltd, China PR.
17. M/s Baoding Tianwei Solar Films Co Ltd, China PR.
18. M/s Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, China PR.
19. M/s Shangluo BYD Industrial Co Ltd, China PR.
20. M/s Dongfang Electric (Yixing) Magi Solar Power Techology Co Ltd, China PR.
21. M/s Jiangyin Hareon Power Co Ltd, China PR.
22. M/s Hengdian Group DMEGC Magnetics Co ltd, China PR.
23. M/s Hanzhou Dahe Thermo Magnetics Co Ltd, China PR.
24. M/s China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, China PR.
25. M/s JiangAo Solar Co Ltd, China PR.
26. M/s Shanghai JA Solar Technology Co Ltd, China PR.
27. M/s Zhejiang Jinko Solar Trading Co Ltd, 58 Yuanxi Road, Yuanhua Town, Haining City, Zhejiang Province, China PR.
28. M/s AnjidaSol Solar Energy Science & Technology Co Ltd, China PR.
29. M/s Yuhuan Sinosula Science & Technology Co Ltd, China PR.
30. M/s Perlight Solar Co Ltd, China PR.
31. M/s CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR.
32. M/s Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR.
33. M/s Ningbo Qixin Solar Electricals Appliance Co Ltd, China PR.
34. M/s Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR.
35. M/s Shanghai BYD Co Ltd, China PR.
36. M/s Renesola Jingsu Ltd, China PR.
37. M/s Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR.
38. M/s LDK Solar International Co Ltd, Hong Kong.
39. MEMC PTE Ltd, Singapore.
40. Ningbo OSDA Solar Co Ltd.
41. Jiang Su Runda PV Co Ltd.
42. Win Win Precision Technology Co Ltd, Chinese Taipei.
43. Motech Industries INC, Chinese Taipei.
44. Sunwell Solar Corporation, Chinese Taipei.
45. Nex Power Technology Corporation, Chinese Taipei

- 46. Solartech Energy Corporation, Chinese Taipei.
- 47. Del Solar Co Ltd, Chinese Taipei.
- 48. Neo Solar Power Corporation, Chinese Taipei.
- 49. TSEC Corporation, Chinese Taipei.
- 50. Topcell Solar International Co Ltd, Chinese Taipei.
- 51. AU Optronics Corporation, Chinese Taipei.
- 52. M/s First Solar, Inc, USA.
- 53. First Solar Malaysia SDN BHD, Malaysia.
- 54. First Solar GMBH, Rheinstr, Germany.
- 55. Q-Cells Malaysia SDN BHD, Malaysia.

vii. The sampling questionnaire responses filed by MEMC PTE Ltd, Singapore and LDK Solar International Co Ltd, Hong Kong are not considered since Singapore and Hong Kong are not subject countries. Similarly, the sampling questionnaire response filed by Ningbo OSDA Solar Co Ltd and Jiang Su Runda PV Co Ltd are also not considered since the name of the country to which they belong were not provided. Further, the sampling questionnaire responses submitted by M/s LDK Solar Hi-tech(Hefei) Co Ltd, China PR, M/s LDK Solar Hitech (Nanchang) Co Ltd, China PR, M/s LDK Solar International Co Ltd, Hong Kong and M/s Win Win Precision Technology Co Ltd, Chinese Taipei are also not considered as complete information as required in the sampling questionnaire were not furnished.

viii. The following producers/exporters from the subject countries were sampled by the Authority:

- 1. M/s Wuxi Suntech Power Co Ltd, Wuxi, China PR.
- 2. M/s Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, Changshu City, Jiangsu Province, China PR.
- 3. M/s Canadian Solar Manufacturing (Luoyang) INC, Luoyang City, Henan Province, Chin PR.
- 4. Canadian Solar International Ltd, Hong Kong.
- 5. M/s China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, Nanjing, China PR.
- 6. M/s CEEG (Shanghai) Solar Science Technology Co Ltd, Shanghai, China PR.
- 7. M/s CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR.
- 8. M/s JA Solar Technology, Yangzhou, China PR.
- 9. M/s Shanghai JA Solar Technology Co Ltd, Shanghai, China PR.
- 10. M/s JiangAo Solar Co Ltd, Ningjin, Hebei, China PR.
- 11. M/s Baoding Tianwei Solar Films Co Ltd, Baoding City, Hebei Province, China PR.
- 12. Motech Industries INC, Tainan City, Chinese Taipei.
- 13. M/s Sunwell Solar Corporation, Taoyuan, Chinese Taipei.
- 14. M/s Del Solar Co Ltd, Zhunan Township, Mioli County, Chinse Taipei.
- 15. M/s First Solar Malaysia SDN BHD, Kulim, Malaysia
- 16. M/s First Solar, Inc , Tempe, Arizona, USA
- 17. M/s First Solar GMBH, Rheinstr, MAINZ, Germany.
- 18. M/s Q-Cells Malaysia SDN BHD, Selangor Darul Ehsan, Malaysia.

ix. The following sampled producers/exporters from the subject countries along with their related/connected parties filed the exporters questionnaire and MET (as applicable) responses:

- 1. M/s Wuxi Suntech Power Co Ltd, Wuxi, China PR.
- 2. M/s Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, Changshu City, Jiangsu Province, China PR.
- 3. M/s Canadian Solar Manufacturing (Luoyang) INC, Luoyang City, Henan Province, Chin PR.
- 4. M/s Canadian Solar International Ltd, Hong Kong.
- 5. M/s China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, Nanjing, China PR.
- 6. M/s CEEG (Shanghai) Solar Science &Technology Co Ltd, Shanghai, China PR.
- 7. M/s CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR.
- 8. M/s JA Solar Technology, Yangzhou, China PR.
- 9. M/s Shanghai JA Solar Technology Co Ltd, Shanghai, China PR.
- 10. M/s Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd, China PR.
- 11. M/s JiangAo Solar Co Ltd, Nangjin, Hebei, China PR.
- 12. M/s Baoding Tianwei Solar Films Co Ltd, Baoding City, Hebei Province, China PR.
- 13. M/s Motech Industries INC,Tainan City, Chinese Taipei.
- 14. M/s First Solar, Inc, Tempe, Arizona, USA.
- 15. M/s First Solar GMBH, Rheinstr, MAINZ, Germany.

16. M/s First Solar Malaysia SDN BHD, Kulim, Malaysia
 17. M/s Q-Cells Malaysia SDN BHD, Selangor Darul Ehsan, Malaysia.

x. Importers Questionnaire was sent to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

1. Access Solar Ltd.
2. Ammini Group.
3. Jain Irrigation Systems Ltd.
4. KL Solar Company Pvt. Ltd.
5. Kotak Urja Pvt. Ltd.
6. PHOTONIX Solar Private Limited.
7. PLG Power Limited.
8. JJ PV Solar Pvt Ltd.
9. Ever Green Solar System India Pvt. Ltd.

xi. In response, the following importers/users in India have filed importers questionnaire response:

1. Kiran Energy Solar Pvt. Ltd.
2. Louroux Bio Energies Ltd.
3. ACME Solar Energy Pvt Ltd.

xii. Apart from the respondent exporters and importers, the following other interested parties have also made submissions during the course of the investigation:

1. Solar Power Developers Association.
2. Solar Independent Power Producers Association.
3. Embassy of United States of America.
4. China Chamber of Commerce For Import & Export of Machinery & Electronic Products (CCCME).
5. Punj Lloyd Infrastructure Ltd.
6. Embassy of China.
7. Jain Irrigation Systems Ltd.
8. High Commission of Malaysia.
9. Vikram Solar.
10. M and B Switchgears Limited.
11. ACME Solar Energy Pvt Ltd.
12. Gujarat Borosil Ltd.
13. Louroux Bio Energies Ltd
14. Welspan Solar AP Pvt Ltd.
15. US India Business Council
16. Solar Power India
17. MOFCOM, China
18. National Solar Energy Federation of India
19. Renesola Jiangsu Ltd- China PR
20. Perlight Solar Co. Ltd.- China PR

- 21. Jinko Solar Co. Ltd- China PR
- 22. Hengdian Group DMEGC Magnetics Co. Ltd.- China PR
- 23. Changzhou Trina Solar Energy Co. Ltd- China PR
- 24. Hanwha Solar One (Qidong) Co. Ltd
- 25. ASSOCHAM
- 26. National Manufacturing Competitive Council (NMCC)
- 27. Centre for Science & Environment

xiii. Certain other importers/users also expressed their interest in the investigation, but did not make any relevant submission.

xiv. Views received from Ministry of Environment and Forests (MOEF) and Ministry of New and Renewable Energy (MNRE), concerning the present investigation, have also been discussed in this final finding.

xv. Before initiating the investigation, the Authority had requested the concerned Administrative Ministry to provide details of the producers of the subject goods in India. On the basis of details obtained from the concerned Administrative Ministry, the following other domestic producers of subject goods were requested to provide costing/injury information along with details about their import position and support/opposition to the application filed by the domestic industry:

- 1. Moser Baer Solar Ltd.
- 2. Moser Baer Photo Voltaic Ltd.,
- 3. Euro Multivision Ltd
- 4. Tata BP Solar India Ltd
- 5. Emmvee Solar Systems Pvt Ltd
- 6. HHV Solar Technologies Pvt Ltd
- 7. Green Brilliance Energy Pvt Ltd,
- 8. Alpex Solar Pvt Ltd
- 9. Vikram Solar Pvt Ltd,
- 10. Ajit Solar Pvt Ltd,
- 11. PV Power Technologies Pvt Ltd,
- 12. Solar Semiconductor Pvt Ltd,
- 13. Lanco Infratech Ltd,
- 14. Waaree Instruments Ltd,
- 15. Evergreen Solar Systems India Pvt Ltd,
- 16. Photonix Solar Pvt Ltd,
- 17. Goldi Green Technologies Pvt Ltd,
- 18. Borosil Glass Works Ltd,
- 19. Modern Solar Pvt Ltd,
- 20. Topsun Energy Ltd,
- 21. XL Energy Ltd,
- 22. Bharat Heavy Electricals Limited (BHEL),
- 23. CEL,
- 24. Maharishi Solar Technology,
- 25. KL Solar,
- 26. Kotak Urja Pvt. Ltd.
- 27. Microsol,
- 28. Photon Energy Systems
- 29. Photonix,
- 30. PLG Power,
- 31. Premier Solar Systems (P) Ltd,
- 32. Rajasthan Electronics & Instruments Ltd,
- 33. Reliance Industries Ltd,
- 34. Shurjo,
- 35. Surana Ventures,

- 36. Titan Energy,
- 37. UPV Solar - Udhaya Energy Photovoltaics Pvt Ltd,
- 38. USL Photovoltaics PVT Ltd,
- 39. Yash Birla,

- xvi. However, except Moser Baer Solar Ltd, Moser Baer Photo Voltaic Ltd. and Tata BP Solar India Ltd, none of the supporting parties furnished any costing/injury information.
- xvii. Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted the time extension, keeping in view the time bound nature of the anti-dumping investigations.
- xviii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known exporters and to the Embassies/Representatives of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) supra;
- xix. The Authority also made available non-confidential version of the evidences presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xx. The applicant provided import information based on secondary source i.e. Impex Statistic Services for the injury period including the POI at the time of application. Post-initiation, the domestic industry submitted data from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) also. A request was also made by the Authority to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to arrange details of imports of subject goods for the relevant periods. Information received from the DGCI&S has been relied upon by the Authority in the present investigation.
- xxi. The Non-injurious Price based on the cost of production and cost to make and sell the subject goods in India based on the information furnished by the domestic industry on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) and Annexure III to the Anti-dumping Rules has been worked out so as to ascertain whether Anti-Dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to the Domestic Industry.
- xxii. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis
- xxiii. Investigation was carried out for the period starting from 1st January 2011 to 30th June, 2012 (POI). The examination of trends, in the context of injury analysis, covered the periods April 2008-March 2009, April 2009-March 2010, April 2010-March 2011 and the POI.
- xxiv. The Authority held Oral Hearing on 18th July, 2013 to hear the interested parties orally. The interested parties present at the time of hearing were advised to file written submissions of the views expressed orally and were also given an opportunity to file rejoinders to the views expressed by other interested parties. The written submissions and rejoinders received from interested parties have been considered by the Authority to the extent considered relevant.
- xxv. Information provided by the domestic industry and the cooperating producers/exporters in the subject countries were verified by the Authority to the extent considered necessary.
- xxvi. In accordance with Rule 16 of Rules Supra, the essential facts of the investigation were disclosed to the known interested parties vide disclosure statement dated 13th May, 2014 and comments received thereon, considered relevant by the Authority, have been addressed in this final finding.
- xxvii. *** in this final finding notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xxviii. The exchange rate adopted for the POI is 1 US\$=Rs.48.67.
- 6. Post initiation, the name of the applicant has been amended as Indian Solar Manufacturers Association (hereinafter also referred to as the applicant).

B. PRODUCT UNDER CONSIDERATION AND DOMESTIC LIKE ARTICLE

7. The product under consideration (PUC) in the present investigation is "Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates" originating in exported from China PR, Malaysia, Chinese Taipei and USA. As stated by the applicant, Solar Cells are manufactured through two technologies in India i.e. crystalline silicon technology and thin film technology. Solar cells produced through both the technologies are covered under the product under consideration
8. Solar cells are also known as Photovoltaic Cells in the market parlance. Photovoltaic is the direct conversion of sun light into electricity at the atomic level. Some materials exhibit a property known as the photoelectric effect that causes them to absorb photons of light and release electrons. When these free electrons are captured, electric current results, which can be used as electricity. Semiconductor materials such as silicon used in microelectronics industry possess such photoelectric effect. When light energy strikes the semiconductor material, electrons are knocked loose from the atoms in the semiconductor material. If electrical conductors are attached to the positive and negative sides, forming an electrical circuit, the electrons can be captured in the form of an electric current i.e. electricity. The subject goods are classified under Customs Classification chapter heading 85414011. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of the present investigation.

Submissions made by the Opposing Interested Parties

9. The submissions made by the opposing interested parties with regard to the product under consideration and like article during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. Designated Authority has made only a "prima facie" determination of the product under consideration at the stage of initiation of the investigation and therefore it is impermissible to proceed with the investigation on the basis of prima facie determination.
 - ii. The present petition and investigation combined for Thin Film and c-Si PV products is inappropriate. Subject goods produced through Thin Film Technology must be excluded from the scope of the investigation as they are not like article. Solar cells of crystalline and thin film technologies differ in terms of basic raw materials, production process, physical properties, efficiencies, etc. Both have limited interchangeability/substitutability along with different uses. A module to module interchangeability between crystalline and thin film technology is not possible.
 - iii. Domestic industry is not manufacturing thin film and therefore the same should be excluded from the purview of the product under consideration.
 - iv. As regards similarity in functions & usages between Thin Film and c-Si PV products, neither of the two products can generate useable electricity without the Balance of System (BoS). Thus, Thin Film and c-Si PV are only intermediate products whose only function is to get integrated with the BoS and then generate useable electricity. Since these are only intermediates of complete solar power plant, these per se do not perform any function (unless integrated into system) and are therefore not interchangeable. Only after integration with the Balance of System that the two products can generate useable electricity. That makes them two alternatives and not like article.
 - v. Petitioners have sought to include cells, modules and thin film within the scope of product under consideration on the grounds that cells are like articles to modules and modules is like articles to thin films. It would be illegal to include two products in the product scope, merely because the two are like articles. Product scope includes both cells and modules and module is a value added product and hence should be treated as separate product. Also, all the domestic producers are not manufacturing modules. Moreover, there are a number of other types of solar power systems such as CSPV Systems (Concentrated Solar Photovoltaic) and CSP Systems (Concentrated Solar Thermal Power), which perform function similar to the function performed by PV systems but not included in the purview of the present investigation.
 - vi. Thin film and crystalline products are not substitutable either from producers' point of view or from consumers' point of view. The thin film producers cannot produce crystalline products and similarly

crystalline product producers cannot produce thin film products. The two do not share the same product characteristics. The consumers cannot use the two interchangeably.

- vii. Thin film and crystalline products are not homogenous product. US ITC has held in its findings that crystalline and thin film products are unlike articles. The European Commission also observed in its findings that thin film PV products have different physical, chemical and technical characteristics compared to the product concerned and are clearly excluded from the product definition. The Indian Designated Authority should also act accordingly.
- viii. Petitioners contend that crystalline and thin films have been interchangeably used in India. This statement is factually incorrect. It is not possible for the consumers to interchangeably use thin film and crystalline modules. At the stage of conceiving the project, a developer has option of choosing between the two technologies. However, once the developer has chosen one of the two technologies and ordered the products including balance of systems, it is not feasible for the developer thereafter to switch to other technology.
- ix. It is not possible to substitute thin film with a crystalline module at the stage of replacement. As far as expansions are concerned, if these are separate additions, then a developer can alternatively use any of the two products. However, if these expansions are linked to the existing project and share some of the balance of system from the existing projects, the consumer cannot replace a thin film with crystalline and vice-a-versa.
- x. The petitioners have contended that crystalline cells/modules and thin film products are comparable in price at project level. Whether or not there is significant difference between crystalline cells/modules and thin films at projects level is entirely immaterial in deciding whether or not there is significant difference in the two at product level. However, the fact that the two are comparable in price at project level does not mean that the two are comparable in terms of price at product level.
- xi. Crystalline and thin films are at best alternate products and not same product. An alternate article is "another article", which is different in character from the article, but which performs the same functions or uses. Alternate article satisfies the same requirement. As alternate products they may serve the same use. They are, however, not the same product having same use.
- xii. Thin film prices are lower than crystalline prices. Despite so, majority imports in to India are of crystalline cells. Huge imports of thin film only show that this is an alternate product available to the project developers. If these were indeed perfectly substitutable, given lower price of thin film, entirely or at least majority of the imports would have been of Thin Film products.
- xiii. There is no dispute that thin film and crystalline products are competing products. However, all competing products are not like articles. Indeed, all competing products may not be the same product, whereas all like products must be competing products.
- xiv. The modules namely New Edge modules, Quartech module with innovative 4 bus bar solar cell technology, BIPV modules and Andes Solar Home System, which are not manufactured by the domestic industry, should be excluded from the scope of the PUC. New Edge modules combine high quality and performance, Quartech module with innovative 4 bus bar solar cell technology shortens current transmission path between the bus bars, thus reducing cell resistance loss and increasing module output by 3%, BIPV modules, which uses double low iron tempered glass with solar cells laminated in between are ideal for roofs, skylights and/or facades and Andes Solar Home Systems are off-grid solar power systems, providing electricity to homes and communities with no access to electricity or in an emergency. Product lines above 280W or those having efficiency above 16.5% should also be excluded from the scope of PUC since the domestic industry does not manufacture the same. Specialized products viz; QSAR II (mono crystalline) and WARATAH (poly crystalline) should also be excluded from the scope of PUC.
- xv. Indian products are inferior in quality and product warranties given by the exporters are for a longer period as high as 25 years.

xvi. ADD should only be imposed on modules and not on cells. Indian solar cell manufacturing is about 700 MW however the module manufacturing is around 1250 MW. Capacity of solar manufacturer being low coupled with poor utilization will lead to low module manufacturing capacity utilization.

Submissions made by the domestic industry

10. The submissions made by the domestic industry, regarding product under consideration and like article, during the course of the investigation and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. Product scope is defined appropriately. There is no legal basis to say PUC should have been frozen at the time of initiation. Initiation notification defines PUC appropriately and without any ambiguity. Use of the term *prima facie* did not leave the PUC undefined and vague.
- ii. The product under consideration (PUC) is Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates.
- iii. There is no basis in the argument that solar cells and modules are different products. Solar cell is a solid state electrical device that converts sunlight directly into electricity by the photovoltaic effect. To make practical use, solar cells are placed on devices like panels/module etc. A module is nothing but an array of solar cells. EU has considered cells and modules as one product in their ongoing investigation against China PR.
- iv. Solar Cells are manufactured through two technologies in India i.e. crystalline silicon technology and thin film technology. Solar cells produced through both the technologies are covered under product under consideration. PUC includes solar cells of crystalline and thin film technology. Solar cells through both the technologies have same end use and are like articles since both technologies use semiconductor material as the basic raw material. Under c-Si Technology or crystalline technology, Crystalline Silicon wafer based solar cells are made separately. A mosaic of multiple cells is created on a substrate and the cells are interconnected by Copper (Cu) ribbon and encapsulated using EVA and back sheet. Under thin film technology, the semiconductor material is deposited on a substrate and then scribed into a mosaic of cells and the cells are interconnected by metallic connection and encapsulated with EVA and back sheet to form modules. Both products look similar in appearance. Solar cells manufactured under both the technologies operate on the same principle using photoelectric effects to produce electricity. Solar cells of both the technologies are used to build photovoltaic power systems that generate electricity. Solar cells manufactured under both the technologies use p-n-junction diodes to transmit electricity in the required direction. Under both the technologies, the photovoltaic power system is built by interconnecting the respective modules i.e., c-Si modules or a-Si modules. For interconnecting the modules, cables, inverters, switches, combiner boxes, etc are used under both the technologies. Such items are known as 'Balance of System' (BOS) to complete the PV power system. Modules manufactured using both the technologies are either fitted on roof-top or ground mounted. They have common installation and commissioning teams and BOS suppliers in the value chain.
- v. The Indian market predominantly consists of Solar Power projects set up under Jawaharlal Nehru National Solar Mission (JNNSM) of the Central Government or other schemes of the State Governments concerned. In such projects, the solar cells are ground-mounted. The power generated from these power plants are connected to the national or regional grid. They are also called 'on-grid' market. There is also a market for roof-top systems that are not connected to the grid which are called 'off-grid' systems. The current size of the ground mounted 'on-grid' solar power systems in India during the period of 2011-2012 is around 445.55 MW. The market for roof-top mounted 'off-grid' system is minuscule and is approximately 11 MW. In the on-grid market, there is no discernible preference for the technology. End-users have no restriction in the usage of either technology. In fact, a power project may be built using solar cells of either technology. All projects under JNNSM or under the various States neither differentiate the technology nor award separate auction price for projects developed using different technologies. Solar cells of both the technologies are interchangeably and simultaneously used in such power projects.
- vi. Even for off-grid market, there is no preference for technology. Capital subsidy provided by the government is based on size & application and is independent of technology used. The National Solar Mission policy document goes on to specify both the crystalline & Thin Film technologies can be used and mentions the certifications required for each. Thus, project developers do not have any particular preference for either technology and they use both the technologies interchangeably and simultaneously within the same project.

- vii. Solar cells of both the technologies are sold through same distribution channel and even have same set of customers who are predominantly large scale solar power project developers.
- viii. Solar cells of Crystalline and Thin Film technologies can be simultaneously used in a power project and is a perfect substitute to each other. In the event of exclusion of Thin Films from the scope of anti-dumping duties the buyer's choice would be for Thin Films only. Thus, subject goods of crystalline and thin film technology should be treated as like product.
- ix. The final finding of USITC as quoted below shows cells and modules are not two different products:

"Based on the record in the preliminary investigations, the Commission defined a single domestic like product, CSPV cells and modules (collectively "CSPV products"), that is coextensive with the scope of the investigations. In so doing, the Commission considered whether to treat CSPV cells and CSPV modules as separate domestic like products, and it considered whether to define "off-grid" CSPV modules as a separate domestic like product. No party had advocated in favor of finding any of these items to be separate domestic like products, and the Commission found no basis on that record to do so. In these final investigations, no party disagrees with, and the record continues to support, the Commission's findings on these two issues from its preliminary determinations. Consequently, we do not treat CSPV cells and CSPV modules as separate domestic like products, nor do we define "off-grid" CSPV modules as a separate domestic like product." (Italics supplied)

- x. As per MNRE information, usage of Thin Film modules in the Batch II (2012-2013) of JNNRM Phase I project is about 78% which was around 51% in JNNRM Batch I (2011-12), as against the global installation of Thin films which is around 15%. Hence, any claim of limited substitutability/interchangeability and user preference for crystalline technology due to space constraints/design/physical specifications etc is baseless.
- xi. The subject goods of crystalline and thin film technology imported into India are like article to the domestically manufactured subject goods. Thus, the issue of non-production of thin film by the domestic industry is irrelevant.
- xii. Difference in technology and allied process does not render products different. "Solar cells whether or not assembled in modules or panels" as per ITC (HS) classification clearly covers crystalline and thin film in cell and module/panel form.
- xiii. Facts of the USA and EU cases with regard to inclusion of thin films are different from Indian case. The applicants in both the countries never asked for the inclusion of thin films in the scope of the PUC. Decision of EU and USA authority with regard to inclusion/exclusion of thin film in the product scope is out of place in the Indian context as the PUC involved in the current investigation is different from that of US and EU investigations.
- xiv. Substitutability in the present case denotes availability of subject goods of two technologies with the project developers which are interchangeable also. The developer can choose any technology or any combination at the design phase. Availability of two technologies itself shows direct competition between the two technologies. Developer's choice at the design stage is primarily governed by cost of modules. BOS, land etc are required under both the technologies. Thus, the choice of developer would always be to source the dumped material. Thus, CSPV and thin films are substitutes.
- xv. Cost of crystalline and thin films are comparable at the product or project level, although cost of thin film is a little less. Since the cost of both the technologies is comparable at the project level, the developer would always look for a low priced dumped product irrespective of the technology. Thus, leaving thin films without anti-dumping duties would lead to complete shift of imports into thin films.
- xvi. The subject goods, which are being dumped into India, are identical to the goods produced by the domestic industry. There are no known differences either in the technical specifications, functions or end-uses of the dumped imports and the domestically produced subject goods. Hence, the goods produced by the domestic industry are 'Like Article' to dumped goods from subject countries. There is no difference in the dumped goods and the product under consideration manufactured by the petitioners. The two are technically and commercially

substitutable and interchangeable hence should be treated as 'like article' under the Anti-Dumping Rules.

xvii. Contentions of exporters especially from China with regard to inclusion of thin film in the PUC are contrary to their views before USA in the anti-dumping investigation concerning solar cells. Chinese exporters vide their association (CCCM) filed their response before the US authority. CCCM made a reasoned argument for inclusion of thin film in the PUC before the US authority. However, before the Indian Authority, Chinese exporters have argued that thin film is not like article.

xviii. With regard to domestic industry not manufacturing thin film products, injury information with regard to one of the domestic producers of thin films products i.e. Moser Baer is provided to the Authority. Moser Baer should be considered within the scope of domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of AD Rules. Without prejudice, even if the domestic industry is not manufacturing thin film products, they cannot be excluded from the scope of PUC as long as they are 'like article' to subject product being manufactured by the Indian Industry under rule 2 (d) of AD Rules. Past cases by DGAD and also foreign agency like EC upholds the view that production of a particular type by the domestic industry is immaterial once the 'like article' is determined.

xix. With regard to the contention that not all the domestic producers are manufacturing modules, it should be noted that cells and modules are not two different products. Cells are manufactured to be used in modules. Module is nothing but a frame to put multiple cells together. Dumping/injury analysis of cells to cell and module to module basis is illogical as imports of modules would have impacted the cell producers also and vice versa.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

11. The Authority notes that the product under consideration (PUC) in the present investigation is "Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates", originating in exported from China PR, Malaysia, Chinese Taipei and USA. As stated by the applicant, Solar Cells are manufactured through two technologies in India i.e. crystalline silicon technology and thin film technology. Solar cells produced through both the technologies are covered under the product under consideration

12. Solar cells are also known as Photovoltaic Cells in the market parlance. Photovoltaic is the direct conversion of sun light into electricity at the atomic level. Some materials exhibit a property known as the photoelectric effect that causes them to absorb photons of light and release electrons. When these free electrons are captured electric current results, which can be used as electricity. Semiconductor materials such as silicon used in microelectronics industry possess such photoelectric effect. When light energy strikes the semiconductor material, electrons are knocked loose from the atoms in the semiconductor material. If electrical conductors are attached to the positive and negative sides, forming an electrical circuit, the electrons can be captured in the form of an electric current i.e. electricity. The subject goods are classified under Customs Classification chapter heading 8541 40 11. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

13. With regard to like article, Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules provides as under :—

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such article, another article which although not alike in all respects, has characteristics closely resembling those of the articles under investigation;

14. The Authority notes that there is no known difference in product under consideration produced by the Indian industry and exported from subject countries. Product under consideration produced by the Indian industry and imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.

15. The Authority notes that the domestic producers namely M/s Indosolar Ltd, M/s Websol Energy Systems Ltd, and M/s Jupiter Solar Power Limited, constituting domestic industry in the present investigation are producers of Crystalline Cells/Modules and does not manufacture thin films. As stated by the domestic industry, the only domestic producer which holds the capacity to manufacture thin film and manufactured

thin film of a very small quantum during the POI is Moser Baer units. However, Moser Baer being a major importer of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, cannot be considered as constituting domestic industry under the Rules. Therefore, the submission of the domestic industry that M/s Moser Baer is holding the capacity to manufacture or has manufactured thin films during the POI is not relevant to the present investigation.

16. The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of PUC and domestic like article and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows;

- i. As regards the submission that PUC should have been frozen while initiating the investigation, the Authority notes that the PUC has been defined unambiguously by providing a detailed product description in the initiation notification itself. As regards the submission that the PUC has been defined by the Authority only *prima facie* and not conclusively at the time of initiation of the investigation, the Authority notes that the product under consideration and the scope of the product under consideration have been defined clearly and elaborately in the initiation notification itself and therefore does not leave any scope for any ambiguity as such.
- ii. As regards the submission that product scope includes both cells and modules and module is a value added product and hence should be treated as separate product, the Authority notes that to make practical use, solar cells are placed on devices like panels/module etc and are not separate product per se. Solar cells are manufactured to be used in Modules. A solar module/panel is nothing but a packaged, connected assembly of solar cells which would render generation of electricity through photovoltaic technique. It is also noted that there is no major value addition or major manufacturing process involved in placing cells on a module/panel. Submissions on record of the Authority show that a lot of module manufacturers are importing cells from subject countries and are assembling them into modules. Authority holds that Cells and Modules are not different products as modules or panels are nothing but an array of cells to make the practical use of cells.
- iii. The Authority also notes that similar contentions have been raised before the EU and US authorities in respect of their anti-dumping investigations concerning imports of similar products from China. The conclusion drawn by the authorities in EU and US in their findings are *inter alia* extracted below:

USITC Investigation Nos. 701-TA-481 and 731-TA-1190 November, 2012

Based on the record in the preliminary investigations, the Commission defined a single domestic like product, CSPV cells and modules (collectively "CSPV products"), that is coextensive with the scope of the investigations. In so doing, the Commission considered whether to treat CSPV cells and CSPV modules as separate domestic like products, and it considered whether to define "off-grid" CSPV modules as a separate domestic like product. No party had advocated in favor of finding any of these items to be separate domestic like products, and the Commission found no basis on that record to do so. In these final investigations, no party disagrees with, and the record continues to support, the Commission's findings on these two issues from its preliminary determinations. Consequently, we do not treat CSPV cells and CSPV modules as separate domestic like products, nor do we define "off-grid" CSPV modules as a separate domestic like product.

EC Council Implementing Regulation (EU) No 1238/2013 Dated 2nd December, 2013

(33) Interested parties reiterated that cells and modules are not a single product, and should therefore be assessed separately, mainly repeating arguments already addressed in recitals (27) to (39) to the provisional Regulation. Unlike wafers, however, cells and modules do share the same basic property, i.e. the ability to generate electricity from sunlight. These arguments were therefore rejected.

- iv. As regards the submission that subject goods produced through Thin Film Technology must be excluded from the scope of the investigation as they are not like article the Authority examines the contentions as follows;
 - a) The subject goods are produced through two technologies i.e crystalline photovoltaic technology and thin film technology. Photovoltaic systems use cells to convert solar radiation into electricity. The cell consists of layers of a semi-conducting material. When light shines on the cell, it creates an electric field across the layers, causing electricity to flow. Crystalline silicon cells are made from thin slices cut from a single crystal of silicon or from a block of silicon

crystals. A thin-film solar cell, also called a thin-film photovoltaic cell (TFPV), is a solar cell that is made by depositing one or more thin layers (thin film) of photovoltaic material on a substrate preferably made of glass.

- b) The Authority notes that the product under consideration as defined for the purpose of present investigation includes subject goods of both crystalline and thin film technology. Subject goods of both the technologies are classified under the same ITC (HS) subheading i.e. 85414011. The Authority also notes that the Information Technology Agreement between India and other WTO members vide Ministerial Declaration on Trade in Information Technology Products No. WT/MIN (96)/16 dated 13th December, 1996, lists subject goods of both the technologies under unique heading i.e. *photovoltaic cells whether or not assembled in modules or made up into panels*. Thus, by virtue of the same the product is imported into India without any Customs duties.
- c) The Authority further notes that although there are differences in production technology, basic raw materials and production process, subject goods of both these technologies have a number of common characteristics such as semiconductor materials possessing photoelectric effect are used in both the technologies rendering basic nature of raw materials the same. Production process involved is different but principles are the same which is photoelectric effects to produce electricity. Also, finished products through both the technologies have similar basic properties and functional use.
- d) The Authority also notes that such similarities can be seen in transmission methodology also i.e. subject goods manufactured through both the technologies use p-n-junction diodes to transmit electricity in the required direction, under both the technologies, photovoltaic power system is built by interconnecting the respective modules i.e., crystalline modules or thin film modules. For interconnecting the modules, cables, inverters, switches, combiner boxes, etc are used under both the technologies. Such items are known as 'balance of system' or BoS to complete the PV power system. Modules manufactured using both the technologies are either fitted on roof-top or ground mounted.
- e) It is also noted that the efficiency level of crystalline modules and thin film modules is not similar and crystalline modules are stated to be having higher efficiency level as compared to thin films. It is also given to understand that the difference in efficiency levels may vary between 5% to 7% under these technologies and the difference in efficiency might lead to a higher requirement of modules under thin film technology to get the same output on account of difference in efficiency. However, the difference in efficiency level do not render crystalline module and thin film modules two different products. It is a well-settled jurisprudence that quality and the so-called efficiency are not relevant for defining the scope of the Product under Consideration in an anti-dumping investigation. Since the products of both the technologies are ultimately used for generating electricity out of sun light, the consumers perceive crystalline and thin film products as one single product. Therefore, it is a common man's knowledge that Crystalline and Thin Film products are directly competing with each other in the market and are therefore functionally substitutable.
- f) It is further noted that subject goods of both the technologies are substitutes and a solar power plant can be set up using either of the technologies or a combination of both in separate lines at the design phase as technology per se do not render any restraints on the end user.
- g) As regards the contention that the consumers who have got space constraints can't use thin film and therefore both the technologies have limited substitutability, the Authority notes that first of all space is not a major constraint in India when it comes to larger solar projects. Moreover, solar cells of both the technologies are used both in ground mounted as well as roof-top fitments. Therefore, the argument that requirement of bigger space for using thin films makes it different from the crystalline solar cells does not hold good.
- h) Also, the landed price of imports shows that the consumers were getting the material at comparable prices indicating direct competition between crystalline and thin film products. Commercial substitutability is also visible between subject goods produced through two technologies as the price difference between crystalline solar cell modules and thin films is not significant.
- i) Authority also makes note of the fact that thin film products were introduced in the market as a cheaper solution against the then high priced crystalline technology. However, the gap in the cost and price of crystalline and thin film products reduced over the years with reduction in prices

of silicon wafers. The import information shows that during the POI crystalline modules were imported at a price of about Rs. 53/Watt from subject countries while thin film imports from subject countries were at about Rs. 51/watt showing proximity and closeness between the products of both the technologies. About 25% of total imports of subject goods into India from subject countries during the POI were constituted by thin films.

- j) With regard to the contention that there is a limited interchangeability on a module to module basis and between the technologies, the Authority notes that there is a limited interchangeability between the technologies as the user would have to change the Balance of System also while changing the modules. However, the limited interchangeability cannot be construed as a significant factor to break the likeness of crystalline and thin film technology as the nature of product suggests that the chances of a developer converting from an existing crystalline project to a thin film project is almost illusive as there is no rational behind it. Authority holds that any limited interchangeability between the technologies when there exists substitutability between the technologies do not render crystalline and thin film solar cells two different products. The Authority also notes that it has not been substantiated by the opposing parties that imposition of duties only on crystalline products would not lead to a shift in imports from crystalline products to thin film products and thin film would not replace crystalline products in the market.
- k) The Authority concludes that different technologies as such do not make end products different and subject goods of crystalline and thin film technologies are required to be treated as like article for the purpose of defining the 'product under consideration' in this investigation. While determining this, the Authority acknowledges that the subject goods of crystalline and thin film technology broadly differs in terms of (a) Technology (b) usage of basic raw materials(c) production process (d) plant and machinery (e) Balance of System and (f) efficiency levels. However, the Authority places its reliance on the following conclusive similarities and factors to uphold that crystalline and thin film products are 'like article' and therefore substitutable:
 - i. Difference in technology do not alter or impede the end uses of solar panels through either technology;
 - ii. Even though the technology is different the principle adopted in both the technologies are similar i.e. photovoltaic process to convert sunlight into electricity;
 - iii. Even though the basic raw materials differ, technical character of raw materials used under both the technologies have the qualities to suit photovoltaic technology;
 - iv. Crystalline Solar cells are semiconductor p-n junction diodes which converts light into electricity. Similarly, thin film based solar cells are also semiconductor p-n junction diodes and convert light into electricity.
 - v. There is a direct competition between both the technologies as the products of both the technologies can produce power out of solar light and developers can chose either of the technologies for their power projects in the inception stage and thereafter simultaneously in independent lines.
 - vi. Significant penetration levels of thin films products in India which is evident as 25% of the total imports from subject countries were of thin film products;
 - vii. Very insignificant price difference at per watt level between the products extending commercial substitutability as the difference in landed price of thin film and crystalline modules were less than 5% during the POI;
 - viii. Subject goods are offered in module/panel form to the ultimate end user under both the technologies;
 - ix. The cost/pricing is also decided based on factors such as Watt per unit, efficiency of the cell/modules and the competition in the market parlance between the crystalline and thin film products are also generally based on such factors under both the technology;
 - x. The Solar Cells of all technologies are classified under common Customs Classification chapter heading 8541 40 11 with common tariff heading.

- xi. Imposition of antidumping duty on the product of one technology, which is functionally substitutable with the product of another technology would be futile, as the product having no duty can replace the other in the market.
- xii. The domestic content criteria laid down by the MNRE for the JNNSM projects do not differentiate between the technologies.

v. In view of the above position, the Authority notes that solar cells made of thin film technology and crystalline technology is technically and commercially substitutable and is like articles within the meaning and scope of Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules. The Authority also notes that since it is established that thin film products are like article to the crystalline products produced by the domestic industry, the question of non-production of thin film products by domestic industry is irrelevant.

vi. Even the opposite interested parties have acknowledged that solar cells made of thin film and crystalline technologies are alternative article. The Authority notes that by virtue of being alternative article, they are substitutable.

vii. Considering the magnitude of contentions raised by interested parties regarding non-production of thin film by the domestic industry, the Authority also takes note of the practices by European Commission in certain anti-dumping investigations as follows:

- a) In *Cargo Scanning Systems originating from China* (EC No.1242/2009 dated 16 December 2009) the product under consideration was defined as “systems for scanning cargo, based on the use of neutron technology or based on the use of X-rays with an X-ray source of 250 KeV or more, or based on the use of alpha, beta or gamma radiations”. Thus, the PUC covered products based on three different technologies namely neutron technology, x-ray technology and alpha, beta or gamma radiation technology. There was only one domestic producer within the EC and it was argued that cargo scanners with neutron technology or gamma technology were not produced within the European Community. European Commission concluded as follows in their final findings:

(17) *In view of the above, it is concluded that all types of systems for scanning of cargo, based on the use of neutron technology or based on the use of X-rays with an X-ray source of 250 KeV or more or based on the use of gamma radiations, currently falling within CN codes ex 9022 19 00, ex 9022 29 00, ex 9027 80 17 and ex 9030 10 00 and motor vehicles equipped with such systems currently falling within CN code ex 8705 90 90 share the same basic physical and technical characteristics, have the same basic end-uses and compete with one another on the Union market. On this basis, the conclusions in recitals (10) to (15) of the provisional Regulation are hereby confirmed to the extent they do not refer to alpha and beta radiation technologies.* (Emphasis Added)

- b) In the matter of *Black Color formers* originating in Japan (COUNCIL REGULATION (EC) No 2263/2000) EC held as follows;

(33) *It was argued that since the Community industry only produces two types of black color formers, i.e. ODB-1 and ODB-2, the product under consideration should be limited only to those types produced by the Community industry.*

(34) *It should firstly be noted that, in anti-dumping proceedings, the product under consideration and the like product are defined by reference to its basic physical, chemical and/or technical characteristics and its basic use. Once the product under consideration is defined, i.e. the product exported from Japan, it has to be examined whether the product produced and sold domestically, and the product produced and sold by the Community industry in the Community are like products to the product under consideration. In this respect, the fact that a certain product type is not produced in the Community is irrelevant.*

- c) In the matter of crystalline silicon photovoltaic modules and key components (i.e. cells) originating in or consigned from the People's Republic of China [Council Implementing Regulation (Eu) No 1238/2013 EC held as follows;

(49) *One interested party claimed that there was no production of mono crystalline cells in the Union, and that their exports of mono crystalline cells were not competing with the Union industry. The investigation showed however that there was indeed production of mono crystalline cells in the Union. This argument was therefore rejected. In any event, the General Court held in Brosmann that the absence of Community production of a particular product type is not decisive.*

d) The Authority notes the judgment of the general court (Eighth Chamber) in Brosmann Case (T-401/06) as follows:

"135 The arguments relating to the existence of separate production lines for the manufacture of patented technology footwear, the absence of Community production of that type of footwear and the existence of a patent are not conclusive. The manufacturing process does not, in itself, influence consumer perception nor, therefore, the interchangeability of a number of types of footwear, if the physical characteristics and the intended use of the products are the same. The same is true of the absence of Community production of patented technology footwear since the decisive question is whether that type of footwear is, on account of its physical characteristics, its intended use and, therefore the perception which consumers have of it, in competition with footwear of Community production. In that context, clearly the fact that a type of footwear enjoys the protection of a patent is not indicative as regards its competitive position with respect to products of Community origin". (Emphasis added)

viii. Authority also takes note of direct competition between crystalline solar producers and thin film producers in the market. Discussion in the Annual Report of 2011 of one of the thin film producers from USA namely First Solar Inc, which is extracted below, shows that a direct competition between crystalline and thin film products exists:

"Competition- The renewable energy, solar energy, and solar module sectors are highly competitive and continually evolving as these sector participants strive to distinguish themselves within their markets and compete within the larger electric power industry. We face intense competition, which may result in significant price reductions, reduced margins, or loss of market share. With respect to our components business, our primary sources of competition are currently crystalline silicon solar module manufacturers, as well as other thin-film module manufacturers and companies developing solar thermal and concentrated PV technologies. Certain of our existing or future competitors may be part of larger corporations that have greater financial resources and greater brand name recognition than we do and, as a result, may be better positioned to adapt to changes in the industry or the economy as a whole. Certain competitors may have direct or indirect access to sovereign capital, which could enable such competitors to operate at minimal or negative operating margins for sustained periods of time.

Among PV module and cell manufacturers, the principal methods of competition include price per watt, production capacity, conversion efficiency, reliability, warranty terms, and payment terms. In 2011, industry average module pricing declined significantly as competitors reduced prices to sell-through inventories in Europe and elsewhere. If competitors reduce module pricing to levels near or below their manufacturing costs, or are able to operate at minimal or negative operating margins for sustained periods of time, our results of operations could be adversely affected. At December 31, 2011, the global PV industry consisted of more than 150 manufacturers of solar modules and cells. In the aggregate, these manufacturers have installed production capacity that significantly exceeded global demand in 2011. We believe this structural imbalance between supply and demand (i.e., where production capacity significantly exceeds current global demand) will continue for the foreseeable future, and we expect that it will continue to put pressure on pricing, which could adversely affect our results of operations". (Annual Report of FSI for 2011)

ix. While the Chinese exporters have argued in the present investigation that thin film is different from crystalline cells and vehemently pitched for its exclusion from the purview of the PUC, the Authority notes the following submissions made by the Chinese exporters through CCCME(Association) before the US authorities as extracted below from the USITC final finding Nos. 701-TA-481 and 731-TA-1190 November, 2012:

"In the preliminary investigations, the CCCME Respondents asked to define the domestic like product more broadly than the scope to include thin-film products, which Petitioner opposed. Based on that record, the Commission did not include thin-film products in the domestic like product, but stated it would revisit this issue after concluding this was "a close question" at the time.

In the final investigations, the CCCME Respondents again ask the Commission to define a single domestic like product that includes CSPV cells and CSPV modules as well as thin-film photovoltaic products ("thin-film products"). Based on the Commission's usual six-factor analysis, they argue that CSPV and thin-film products are part of the same

domestic like product. Petitioner Solar World contends that the Commission should define a single domestic like product consisting of CSPV cells and modules and not including thin-film products.

The CCCME Respondents argue that CSPV and thin-film products each consist of laminated photovoltaic layers, although thin-film products require less silicon. They note that both products are fitted with junction boxes, connected through inverters, and then combined with BOS equipment for mounting on the ground or roof. They acknowledge that thin-film products convert sunlight into electricity at a lower efficiency range per square meter than multi- and mono-crystalline CSPV products, but they argue that thin-film products work more efficiently in hot-weather conditions and during periods of lower sunlight. In commercial reality, both technologies compete directly to serve large-utility, commercial, and residential-rooftop applications, and both are sold directly to large utilities and through wholesalers and distributors for commercial and residential applications. Whereas one technology may not be used as a “drop-in substitute” for the other and the two technologies would not be mixed within a particular project, the CCCME Respondents argue that both are interchangeable and compete with one another for new solar projects and for government subsidies. They contend that according to industry publications, marketing brochures, annual reports, and questionnaire data, customers and producers perceive both technologies to be competitors, particularly for utility applications, although they admit there is at most minimal overlap in terms of production facilities, processes, and employees. They argue that CSPV and thin-film products are both priced in dollars/kilowatt and that CSPV solar systems compete on a price basis with thin-film solar systems, even if thin-film components tend to be less expensive than CSPV components in a system and thin-film systems cost more to install to achieve the same energy output as CSPV systems. They argue that the price differential for the two systems has declined since 2009 as polysilicon prices dropped. CCCME Respondents’ Preh’g Brief at 4-18”[Source: USITC finding].

x. As regards the submission that USA and EU in a similar AD investigation found solar cells of crystalline and thin film technology as two different products, the Authority notes that the investigations initiated by DGAD are independent from any such investigations by any other agencies. However, the Authority has taken note of the exclusion of thin film products from the product scope of PUC by US and Europe. It has also taken a note of the submissions of Chinese exporters through CCCME (Association) before the US Authority that thin film should be included in the product scope and CCCME extended arguments to draw the similarities between solar cells through crystalline and thin film technology. Since subject goods imported into India include solar cells of thin film technology and crystalline technology, these have been appropriately included within the scope of the product under consideration. Further, the Authority notes as follows with regard to the product definition adopted by US and EU which is evidently different from PUC definition in the present investigation:

EU (EC)

“(72) In view of the above, the product scope is definitively defined as crystalline silicon PV modules or panels and cells of the type used in crystalline silicon PV modules or panels, originating in or consigned from the PRC unless they are in transit in the sense of Article V GATT. The cells have a thickness not exceeding 400 micrometres. This product is currently falling within CN codes ex 8501 31 00, ex 8501 32 00, ex 8501 33 00, ex 8501 34 00, ex 8501 61 20, ex 8501 61 80, ex 8501 62 00, ex 8501 63 00, ex 8501 64 00 and ex 8541 40 90.

(73) The following product types are excluded from the definition of the product concerned:

- solar chargers that consist of less than six cells, are portable and supply electricity to devices or charge batteries,*
- thin film photovoltaic products,*
- crystalline silicon photovoltaic products that are permanently integrated into electrical goods, where the function of the electrical goods is other than power generation, and where these electrical goods consume the electricity generated by the integrated crystalline silicon photovoltaic cell(s),*

-modules or panels with a output voltage not exceeding 50 V DC and a power output not exceeding 50 W solely for direct use as battery chargers in systems with the same voltage and power characteristics" (Council Implementing Regulation (EU) No 1238/2013).

US (USITC)

"{CSPV} cells, and modules, laminates, and panels, consisting of {CSPV} cells, whether or not partially or fully assembled into other products, including, but not limited to cleaning, etching, coating, and/or addition of materials (including, but not limited to, metallization and conductor patterns) to collect and forward the electricity that is generated by the cell.

Subject merchandise may be described at the time of importation as parts for final finished products that are assembled after importation, including, but not limited to, modules, laminates, panels, building-integrated modules, building-integrated panels, or other finished goods kits. Such parts that otherwise meet the definition of subject merchandise are included in the scope of this investigation.

Excluded from the scope of this investigation are thin film photovoltaic products produced from amorphous silicon (a-Si), cadmium telluride (CdTe), or copper indium gallium selenide (CIGS).

Also excluded from the scope of this investigation are {CSPV} cells, not exceeding 10,000 mm² in surface area, that are permanently integrated into a consumer good whose function is other than power generation and that consumes the electricity generated by the integrated {CSPV} cell. Where more than one cell is permanently integrated into a consumer good, the surface area for purposes of this exclusion shall be the total combined surface area of all cells that are integrated into the consumer good" (Italics supplied)(Investigation Nos. 701-TA-481 and 731-TA-1190 (Final)

xii. The Authority also notes that unlike the product definition forming part of the present investigation which includes thin film, EU and US never included thin film in the product scope in their investigations. Relevant extracts of EU and US findings in this respect are inter alia extracted below:

EU (EC)

"(296) The investigation showed that although thin film PV products are less expensive than the product under investigation, they only capture a limited market share of the total Union solar market as they have much lower conversion efficiencies and a lower wattage output than crystalline silicon modules. According to the information available, the market share of thin film products was not significant comparing to the total Union solar market during the IP. Therefore, the findings in recital (208) to the provisional Regulation, that although there may be some competition between the thin film products and the product under consideration, this competition is considered to be marginal, are confirmed. On these grounds, the arguments brought forward in this regard had to be rejected". (Council Implementing Regulation (EU) No 1238/2013)

US (USITC)

Conclusion: As noted above, in the preliminary determinations, the Commission did not define the domestic like product to include thin-film products. In these final investigations, we have had the opportunity to survey domestic producers, importers, and purchasers on this issue. Based on the current record, we again conclude that thin-film products should not be included in the same domestic like product as CSPV cells and CSPV modules. The record demonstrates a number of differences between CSPV and thin-film products. Specifically, the two products are manufactured using different raw materials, manufacturing facilities, manufacturing processes, and production employees. Differences between the two products in terms of chemical composition, weight, size, conversion efficiency, output, inherent properties, and other factors limit their interchangeability after the design phase and in specific projects, and they also limit overlap in distribution channels, particularly for non-utility sales. A number of market participants reported viewing CSPV and thin-film products as sometimes competitive, but generally different products; they reported CSPV products to be generally higher-priced than thin-film products. On balance, we find that the differences between CSPV and thin-film products are more significant than their similarities in today's evolving marketplace and weigh in favor of a finding of a single domestic like product consisting of the CSPV products within the scope of the investigations. (Italics supplied)(Investigation Nos. 701-TA-481 and 731-TA-1190 (Final)

- xii. While the reason for exclusion of thin film in the case of EU and US is evident from the above paras, the Authority notes that in India the competition between thin films and crystalline products are very high and significant and the low efficiency of thin film modules hasn't vitiated the growth of demand for thin film products. Consumers perceive both the products as similar and find them as perfect substitutes. Under such market conditions prevailing in India, exclusion of one product will open up backdoor entries to the other type nullifying the purpose of entire exercise. Thus, subject goods cover both crystalline and thin film technology.
- xiii. As regards the submission that other advanced technologies produced by the exporter also to be excluded the Authority notes that PUC covers crystalline and thin film technology only.
- xiv. As regards the submission that modules namely QSAR II (mono crystalline) and WARATAH (polycrystalline), New Edge modules, Quartech module with innovative 4 bus bar solar cell technology, BIPV modules and Andes Solar Home System, which are not manufactured by the domestic industry, should be excluded from the scope of the PUC, the Authority notes that such modules are not different products and are merely innovations or improvisations and therefore cannot be considered as different from the PUC.
- xv. As regards the submission that Indian products are inferior in Quality and Product warranty given by the exporters are for a longer period as high as 25 years, the Authority notes that there are no evidences provided by the opposing parties to support such arguments. On the contrary, applicants submitted that Indian products are at par with subject goods imported into India and warranties as per the industry practices are provided by the domestic industry as well. Moreover, quality factor is not relevant in differentiating like articles in an anti-dumping investigation.
- xvi. As regards the submission of certain opposing module manufacturers that anti-dumping duty should only be imposed on modules and not on cells the Authority notes that solar cells and modules are not different products. Solar modules are basically an array of solar cells.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 17. The submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. The majority of the petitioners is SEZ/EOU units and therefore cannot be considered as constituting domestic industry under the AD Rules. Moreover, their production does not constitute a major proportion in Indian production and therefore the petition does not have standing under the AD Rules.
 - ii. All the three participating companies are not manufacturing thin films and therefore do not constitute domestic industry.
 - iii. The present petition has been filed by domestic industry that is almost non-existent in the domestic market. Out of the total demand of the product under consideration in India, the petitioner domestic industry has met a meager 1.32% of the Indian demand during injury period and a meager 1.04% during the POI.
 - iv. The total production of the Participating Companies is 12.10% of the total production in India. If cells and modules are considered as distinct products, the participating companies have produced modules attuning to only 1MW, which is 0.26% of the total production.
 - v. The 25 % test regarding locus standi of the domestic industry to file the Application as mandated under Rule 5 of the AD rules has not been satisfied. Besides, a number of domestic producers of the subject goods have been excluded merely on the plea that they have been importers of the subject goods as well. The contention of the petitioner that all other domestic producers are importers is a mere statement without any verifiable evidence. There is no evidence on record of the authority which establishes that all other producers are indeed importers of the product under consideration. There are 90 producers of subject goods in India and not 42 as claimed by the domestic industry. Applicants have deliberately not provided production details of all the domestic producers in India.

vi. Moser Baer being a major importer of the subject goods from the subject countries cannot be treated as domestic industry under the AD Rules. Further, any information pertaining to Moser Baer cannot be taken on record at this stage for the reason that the same has not been made available to other interested parties.

Submissions made by the Domestic Industry

18. The submissions made by the domestic industry during the course of the investigation with regard to scope of domestic industry & standing and considered relevant by the authority are as follows:

- i. The petition has been filed by Solar Manufacturer's Association on behalf of Indian producers of Subject goods. Three domestic producers i.e. Indosolar Ltd, Jupiter Solar Power Ltd and Websol Energy Systems Ltd have provided all relevant information for the purpose of the said petition. Petitioner has identified as per the information available around 42 producers engaged in the manufacturing of subject goods in India. Petitioner has provided names and address of all such 42 producers prior to the initiation of the investigation to the Authority. The claim of some interested parties that there are more producers in India is baseless.
- ii. The applicant producers constitute domestic industry within the meaning of Rule 2(b) of AD Rules.
- iii. Although participating domestic producers have crystalline technology, Moser Baer, who has supported the petition, is a producer of subject goods using thin film technology. Post initiation, Moser Baer has provided complete information to the Authority and requested to treat them a part of domestic industry. Inclusion of Moser Baer within the scope of domestic industry would ensure availability of information pertaining to thin film. The Authority has the discretion to include Moser Baer within the scope of domestic industry even though Moser Baer has imported the product.
- iv. There is no explicit exclusion of EOU and SEZs from the scope of domestic industry or as a domestic manufacturer under Rule 2(b) of AD Rules. SEZ/EOU units need to be treated as part of domestic industry within the meaning of Rule 2 (b) and any deeming provision of FTP or SEZ Act are irrelevant for the purpose of AD investigations.
- v. It is incorrectly argued by the opposing parties that SEZ and EOU units are linked to Customs duty leviable on imports into India hence should be treated as imports and not domestic sales. Discussion on what can be sold in DTA and what cannot be sold in DTA are irrelevant for the purposes of construing the meaning of domestic industry. As per Rule 2(b) of AD Rules the definition of DI is not sale specific rather production specific. "Domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and not domestic sellers of the goods under consideration.
- vi. EOU and SEZs both are located in India and are producing the goods within India and carry made in India label and thus as per definition they are very much part of domestic industry of India. They contribute to GDP of India and Indian economy as a domestic industry and nothing else. By no stretch of imagination they can be called foreign industry (as opposed to domestic industry of India).
- vii. Under customs law the manufactured goods of SEZ/EOU do not qualify as imports into India. The nature of EOU and SEZ remains that of domestic industry, however, for quantification of their tax liability references are made to Customs Law.
- viii. Petitioner provided details of all known other Indian producers as per reliable sources (MNRE). Petitioner provided reasonable information with regard to all such other producers and it was reasonably asserted that they were all importing the material during the POI. This assertion of the petitioner is not yet proved wrong by any of such other producers.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

19. The various submissions made by the interested parties with regard to the scope of domestic industry & standing and considered relevant by the Authority are examined and addressed as follows:

- i. The application has been filed by Solar Manufacturer's Association of India on behalf of three of its member companies namely M/s Indosolar Ltd (100% EOU), M/s Jupiter Solar Power Limited (DTA

unit) and M/s Websol Energy Systems Ltd (SEZ unit). As claimed by the applicant there are thirty nine other producers of the product under consideration in India out of which 21 are the members of the association and 18 are not the members of the association. Majority of such producers are engaged in manufacturing modules, mostly importing crystalline cells from the subject countries. While, a few domestic producers including the domestic industry manufacture crystalline cells, none of them, except Moser Baer, have the capacity to manufacture thin films. Even Moser Baer, which holds the capacity to manufacture thin films, is a major importer of subject goods and is stated to have manufactured a very nominal quantity of thin films during the POI. It has been also submitted by the applicant that all other producers in India have imported the subject goods from subject countries during the POI and such producers who have imported the subject goods should be excluded for the purpose of determination of standing under Rule 2 (b). The Authority notes that none of the interested parties including the other domestic producers have disputed this position with substantiated information.

- ii. As already elaborated in this final finding, prior to the initiation of the investigation, Authority had also obtained the details regarding the producers of the subject goods in India from the concerned administrative department. As per the information provided by the concerned administrative department, there are 42 domestic producers of the subject goods including the applicant industries.
- iii. Following the initiation of investigations another producer in India i.e Moser Baer who originally supported the application and who has got two SEZ units to produce the subject goods namely Moser Baer Photovoltaic Ltd and Moser Baer Solar systems Pvt Ltd provided the relevant injury information and requested the Authority to consider them in the scope of domestic industry even though they have admittedly imported the subject goods from subject countries during the POI. In the event of Moser Baer being a major importer of the subject goods from the subject countries during the POI, Authority does not consider them as domestic industry under the Rules. Similarly, M/s Tata BP Solar India Ltd, one of the supporters of the application, also submitted some injury information post initiation. However, the Company acknowledged to have imported subject goods from the subject countries during the POI. In view of the above position, the Authority does not consider them also as domestic industry under the Rules.
- iv. The Authority notes that M/s Indosolar Ltd (100% EOU), M/s Jupiter Solar Power Limited (DTA unit) and M/s Websol Energy Systems Ltd (SEZ unit) jointly constitute domestic industry for the purpose of present investigation. The Authority also notes from the submissions of the applicant that rest of the producers have imported the subject goods from the subject countries during the POI. Also, none of such producers haven't come before the Authority by providing any information even though ample opportunities provided to them as per the rules apart from Moser Baer. And no information to refute the claims of the applicant either have been provided by such known other producers in India. The Production by the three participating producers holds 11.96% of total Indian production. However, 11.96% production by these three producers should be considered as constituting 100% as rest of the producers do not qualify to constitute domestic industry considering the imports made by such producers. Thus, the production of the applicant domestic producers as provided herein above accounts for "a major proportion" in the total production of the product under consideration in India.
- v. As regards the contention that the applicant constitutes only a negligible share in the Indian production and they do not even hold 25% of total Indian production, the Authority notes that the applicants account for "a major proportion" in the total production of the product under consideration in India. With regard to the negligible share in the total Indian production the views of the Authority are consistent with the view taken by the Hon'ble High Court of Madras vide their orders dated 23rd December, 2011 while disposing off the writ petition No. 23515 of 2011 filed by M/s Saint Gobain Glass India Ltd in the matter concerning dumping Soda Ash into India. The operative part of the judgment, *inter alia*, is as follows:

"78. In the light of the above, even though I agree with the contentions of the petitioner on the interpretation placed on Rule 2(b), that the provision does not reserve any discretion with the Designated Authority to bring in an excluded category into the definition of 'domestic industry', yet, going by the said definition that M/s DCW Limited is a domestic industry, it fully satisfies the requirement under Rule 5(3)(a) proviso. In the circumstances, while setting aside that portion of the order of the Designated Authority relating to this interpretation on Rule 2(b), I uphold the order of the Designated Authority in so far as it relates to the

satisfaction on Rule 5(3)(a) proviso on 4% production of M/s DCW Limited as constituting 100%. Consequently, I reject the Writ Petition on this aspect".

vi. As regards the submission of the interested parties that the applicants being a 100% EOU unit or SEZ unit cannot be considered as domestic industry, the Authority notes that Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules defines domestic industry as under:-

(2)(b) "domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers";

vii. With regard to the eligibility of the 100% EOU units and conditions to sale in the DTA, the Authority notes that Paragraph 6.8 (a) and (h) of the Foreign Trade Policy, 2009-14 lays down the relevant provisions as follows:

"6.8 Entire production of EOU/EHTP/STP/BTP units shall be exported subject to following:

(a) Units, other than gems and jewellery units may sell goods upto 50% of FOB value of exports, subject to fulfilment of positive NFE, on payment of concessional duties. Within entitlement of DTA sale, unit may sell in DTA, its products similar to goods which are exported or expected to be exported from units. However, units which are manufacturing and exporting more than one product can sell any of these products into DTA, up to 90% of FOB value of export of the specific products, subject to the condition that total DTA sale does not exceed the overall entitlement of 50% of FOB value of exports for the unit, as stipulated above. No DTA sale at concessional duty shall be permissible in respect of motor cars, alcoholic liquors, books, tea (except instant tea), pepper & pepper products, marble and such other items as may be notified from time to time. Such DTA sale shall also not be permissible to units engaged in activities of packaging/labeling/segregation/ refrigeration/compacting/micronisation/pulverization/granulation/ conversion of monohydrate form of chemical to anhydrous form or vice-versa. Sales made to a unit in SEZ shall also be taken into account for purpose of arriving at FOB value of export by EOU provided payment for such sales are made from Foreign Exchange Account of SEZ unit. Sale to DTA would also be subject to mandatory requirement of registration of pharmaceutical products (including bulk drugs). An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit."

"(h) EOU/EHTP/STP/BTP units sell finished products, except pepper and pepper products and marble, which are freely importable under FTP in DTA, under intimation to DC, against payment of full duties, provided they have achieved positive NFE. An amount equal to Anti-Dumping duty under section 9A of the Customs Tariff Act, 1975 leviable at the time of import, shall be payable on the goods used for the purpose of manufacture or processing of the goods cleared into DTA from the unit."

viii. With regard to the eligibility of the SEZ units and conditions to sale in the DTA, the Authority notes that Section 47 of the SEZ Rule 2006 lays down the relevant provisions as follows:

"47. Sales in Domestic Tariff Area — (1) A Unit may sell goods and services including rejects or wastes or scraps or remnants or broken diamonds or by-products arising during the manufacturing process or in connection therewith, in the Domestic Tariff Area on payment of customs duties under section 30, subject to the following conditions, namely:—

a) *Domestic Tariff Area sale under sub-rule (1), of goods manufactured by a Unit shall be on submission of import licence, as applicable to the import of similar goods into India, under the provisions of the Foreign Trade Policy:*

Provided that goods imported or procured from the Domestic Tariff Area and sold as such without being subjected to any manufacturing process shall be subject to the provisions of the Foreign Trade Policy as applicable to import of similar goods into India;

b) *Domestic Tariff Area sale under sub-rule (1) of rejects or scrap or waste or remnants arising during the manufacturing process or in connection therewith by the Unit shall not be subject*

to the provisions of the Import Trade Control (Harmonized System) of Classification of Export and Import Items:

Provided that the Central Government may notify restrictions, as it deems fit on all or any class of such goods mentioned under this clause".

- ix. In several earlier investigations involving imports of Compact Discs-Recordable (CD-Rs) from China PR, Hong Kong, Singapore and Chinese Taipei. (F. No.14/15/2005-DGAD), Compact Disc – Recordable (CD-R) from Iran, Malaysia, Korea ROK, Thailand, UAE and Vietnam (F. No.14/9/2007-DGAD), Digital Versatile Discs- Recordable (DVD-R and DVD-RW) from China PR, Hong Kong, and Chinese Taipei (F. No.14/17/2007-DGAD), etc., the Authority had considered 100% EOUs as domestic industry.
- x. As regards the eligibility of SEZ units for the status of domestic producer/domestic industry under the AD Rules, although there seems to be no precedent in any earlier AD investigations conducted by the Authority, the following points are relevant:
 - a. Although the SEZ units are specially delineated areas beyond the Customs Tariff Zone, they belong to the national geographic territory of India.
 - b. The SEZ Act and SEZ Rules allow the SEZ units to sell their products in the DTA subject to fulfilment of positive NFE and on payment of Customs duties and other applicable duties.
 - c. The AD Rules, especially Rule 2(b) and 5(3), nowhere prohibit an SEZ unit to be considered as a part of the domestic producer/domestic industry.
 - d. When an SEZ unit or an EOU unit sells their products in the domestic tariff area, they also compete with their DTA counterparts as well as the imported goods.
 - e. As claimed by the petitioner, the subject goods are IT products and part of the WTO IT Agreement and attract nil Customs Duty, thereby directly competing with the subject goods emanated from the DTA.
- xi. In terms of the above stated Rule, there is no explicit exclusion of EOUs/SEZs from the scope of domestic industry. The Authority, however, notes that EOU/SEZ units may form part of the domestic industry to the extent of their domestic sales within the limit of their entitlement permitted under the foreign trade policy of India and SEZ Rules, 2006 as amended time to time.
- xii. The Authority also notes that Paragraph 6.5 of the FTP with regard to EOU and Section 53 of the SEZ Rules with regard to SEZ units stipulate that EOU/SEZ unit shall be a positive Net Foreign Exchange (NFE) unit. It is further noted that Paragraph 6.9 (f) FTP and Section 53 (A) (I) of the SEZ Rules provides that supplies of Information Technology Agreement (ITA -1) effected from EOU/SEZ units to DTA will be counted for fulfillment of positive NFE. Since subject goods falls under the ITA list, units can maintain their positive NFE situation without taking any physical exports. The Authority notes that conditions of EOU/SEZ scheme do not restrict the ability of producers who are EOU/SEZ units to supply in the DTA.

"6.5 EOU / EHTP / STP / BTP unit shall be a positive net foreign exchange earner except for sector specific provision of Appendix 14-I-C of HBP v 1, where a higher value addition shall be required. NFE Earnings shall be calculated cumulatively in blocks of five years, starting from commencement of production. Whenever a unit is unable to export due to prohibition / restriction imposed on export of any product mentioned in LoP, the five year block period for calculation of NFE earnings may be suitably extended by BoA. BoA may also consider extension of block period by another one year, for calculation of NFE, on case to case basis, for those units which complete 5 years block period in between 30.09.2008 and 30.09.2009, keeping in view the decline in exports in that particular unit, due to economic slowdown only.

6.9 Following supplies effected from EOU/ EHTP / STP / BTP units to DTA will be counted for fulfilment of positive NFE:

(f) Supplies of Information Technology Agreement (ITA -1) items and notified zero duty telecom / electronics items.

53. *Net Foreign Exchange Earnings — The Unit shall achieve Positive Net Foreign Exchange to be calculated cumulatively for a period of five years from the commencement of production according to the following formula, namely:—*

$$\text{Positive Net Foreign Exchange} = A - B >> 0$$

Where:—

A: is Free on Board value of exports, including exports to Nepal and Bhutan against freely convertible currency, by the Unit and the value of following supplies of their products, namely:—

(I) supply of Information Technology Agreement items and notified zero duty telecom or electronic items, namely, Color Display Tubes for monitors and Deflection components for colour monitors or any other items as may be notified by the Central Government;”

- xiii. As regards the submission that automatic exclusion of domestic producers, who have allegedly imported the subject goods, not permitted, the Authority notes that some domestic producers may not wish to support an anti-dumping application merely because they themselves are importing the product. The discretion vested in the Authority in this regard enable the Authority to exclude such entities for the bonafide redressal of injury caused to the domestic producers who are not engaged in importing the dumped goods.
- 20. After detailed examination the Authority determines domestic producers as provided herein above account for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti- dumping Rules.

D. CONFIDENTIALITY

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

- 21. The various submissions made by the producers /exporters/ importers/other interested parties with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. Applicant has claimed excessive and unwarranted confidentiality in their submissions.
 - ii. Confidentiality granted to the export and import data of the DI is not warranted.

Submissions made by the domestic industry

- 22. The various submissions made by the domestic industry with regard to confidentiality and considered relevant by the Authority are as follows:
 - i. Exporters claimed excessive confidentiality on each and every information restricting the petitioner from offering any meaningful comments in complete violation of antidumping rules.
 - ii. There are instances wherein the exporters merely claimed confidentiality but such information are publically available.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

- 23. As regards the submissions concerning confidentiality the Authority notes that Rule 7 of Anti-dumping Rules provides as follows:-

Confidential information: (1) Notwithstanding anything contained in sub-rules and (7) of rule 6, sub-rule (2), (3) (2) of rule 12, sub-rule (4) of rule 15 and sub-rule (4) of rule 17, the copies of applications received under sub-rule (1) of rule 5, or any other information provided to the designated authority on a confidential basis by any party in the course of investigation, shall, upon the designated authority being satisfied as to its confidentiality, be treated as such by it and no such information shall be disclosed to any other party without specific authorization of the party providing such information.

(2) The designated authority may require the parties providing information on confidential basis to furnish non-confidential summary thereof and if, in the opinion of a party providing such information, such information is not susceptible of summary, such party may submit to the designated authority a statement of reasons why summarization is not possible.

(3) Notwithstanding anything contained in sub-rule (2), if the designated authority is satisfied that the request for confidentiality is not warranted or the supplier of the information is either unwilling to make the information public or to authorise its disclosure in a generalized or summary form, it may disregard such information.

24. Information provided by the interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claim. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis was directed to provide sufficient non confidential version of the information filed on confidential basis. The Authority also made available the non-confidential version of the evidences submitted by various interested parties in the form of public file.

E. MISCELLANEOUS SUBMISSIONS

Submissions made by producers/exporters/importers/other interested parties

25. The miscellaneous submissions made by producers/ exporters/importers /other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The import of the subject goods from the European Union during the Period of Investigation stands at over 5.5% of total imports into India during the POI, which is above the de-minimis margin. With regard to the price, the Product under Consideration is being imported at an assessable rate of Rs. 41 per watt. Thus, non-inclusion of European Union (EU) as a Subject Country/Territory is incorrect and discriminatory. Filing of a separate anti-dumping application by the petitioners in respect of imports of subject goods from EU and Japan confounds this position. Thus the present investigation is void *ab initio* and therefore be terminated forthwith.
- ii. Authority is required to examine the accuracy and adequacy of the information/data as provided in the Application before initiating an investigation. However, the adequacy and accuracy test has not been done by the Authority before initiating the investigation. There is absence of 'sufficient evidence' in the application filed to justify initiation of this investigation.
- iii. The initiation of the investigation is not legally founded because the evidence on dumping causing injury for the period from January 2011 through June 2012 was not submitted to the authorities before the initiation of the investigation.
- iv. It has been contended by the petitioners that imports of thin film have been done in view of Exim Financing available to the Indian consumers. Such being the case, there is no basis for the argument that thin film products are being preferred because of possible dumping of the product. The Exim-financing available to Indian buyers is totally irrelevant to the issue of dumping. It has neither impacted normal value, nor it has impacted export price.
- v. None of the submissions made by Gujarat Borosil should be considered relevant for the purpose of present investigation, as the company lacks status of an interested party.
- vi. Petitioners have adopted Impex Statistic Services for assessment of volume and value of imports into India. The petitioners have adopted "watt" as a unit of measurement. The said import data does not contain sufficient information with regard to the volume of imports in individual import transactions when expressed in "watt".
- vii. Imposition of retrospective duties in the present case is not justified in view of the facts that it is not a case of massive dumping. The petitioners have not established their claim for retrospective imposition of anti-dumping duty on the basis of the requirements as laid down under Anti-dumping Rules.
- viii. Imposition of antidumping duties on imported solar products is against the overall public interest of India. Levy of antidumping duties will only increase the construction costs of photovoltaic

power stations and the electric energy produced by them, which is not in the best interest of India's long-term and overall development.

- ix. China and India are both BRICS countries with strategic partnership and have a vast cooperation prospective and numerous business opportunities in the field of green energy. India should handle this case with prudence, refrain from applying trade remedy measures in green energy, and encourage industries in both countries to enhance dialogue and communication.
- x. The Petitioners' claim that stringent measures by EU and USA have put further pressure on Chinese producers to dump in a market like India is not correct. EU and China have reached a common understanding following the recent price undertaking agreement between the two nations. As a result, the "pressure" on Chinese producers to dump in India is buffered.
- xi. ADD should only be imposed on modules and not on cells. Indian solar cell manufacturing is about 700 MW however the module manufacturing is around 1250 MW. Capacity of solar manufacturer being low coupled with poor utilization will lead to low module manufacturing capacity utilization.
- xii. The methodology adopted to convert import transactions in terms of KW/MW is not disclosed also import data provided by the applicant are erroneous and unreliable.
- xiii. Costs and prices of each MW when sold as a Solar Cell on the one hand and when sold as Solar Module on the other hand are significantly different and facts in this respect were not disclosed to the Authority.
- xiv. The volume from US is below de minimis levels and exclusion of erroneous import transactions would show negative dumping margin from USA which requires termination of investigation against USA.

Submissions made by the domestic industry

26. The miscellaneous submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. There is no basis in the allegation of some parties with regard to exclusion of EU, as a petition against EU is already on record of the Authority.
- ii. The petitioner had relied upon import information as per secondary source i.e. Impex Statistics Services for the purpose of application, which was relied upon by the Authority for initiating the present investigation. The petitioner is now in receipt of the information as per DGCI&S. A comparative analysis of import of subject goods into India as per DGCI&S and Impex Statistics Services is as follows:

POI	As Per Impex Statistics		As Per DGCI&S	
Country	Qty KW	Rate/Watt	Qty KW	Rate/Watt
China PR	613145	43.33	636667	50.91
Taiwan	148145	41.37	249866	40.57
Malaysia	350434	46.93	177943	50.19
USA	90417	38.65	143884	45.19
Subject Countries Total	1202,142	43.79	1208,362	47.99

Petitioner has adopted the following methodology for making the above comparative analysis.

- a) The raw data received from DGCI&S were identified for PUC and Non PUC as the subheading for subject goods covered certain other products also.

- b) Certain entries concerning subject goods wherein description is not clear as to whether cell, module, or thin film or its wattage and numbers etc were identified as non-PUC to reduce the chances of erroneous conclusions.
- c) Entries of subject goods were converted into equivalents of KW as per the available information in the entries itself with regard to number of cells/modules and its wattage, also referring to the product brochures of the concerned producer and also as per the best knowledge of the applicant wherever the required information was unavailable otherwise.

It may be noted that DGCI&S data shows slightly higher volume of imports coincided with a higher price vis-à-vis imports reported by Impex Statistics Services.

- iii. In addition to our earlier submissions on issues of exclusion of EU from the scope of subject countries raised by the opposing parties, it may be noted that DGCI&S shows an import volume of 80,213 KW from EU as a whole which constitutes 5.73% of total imports into the country. However, the price reported by DGCI&S in case of EU is Rs. 61.43/Watt which is significantly higher than subject countries. It is submitted that the exclusion of EU issue raised by the opposing interested parties are irrelevant on this factual position alone. The Authority may consider DGCI&S information for the purpose of findings in the present case.
- iv. The following is the comparative analysis of the imports data as per Impex Statistics on the basis of which the petition was filed and the investigation was initiated by the Authority and the DGCI&S data:

	Volume (KW)	Value (Rs.Lacs)	Price/Rs. watt	Share in Imports
Imports as per Impex Statistics				
Total Imports	13,74,402	6,05,996.77	44.09	100
Imports from Subject Countries	12,02,143	5,26,361.48	43.79	87.47
Imports from EU	75,026	30,786.72	41.03	5.46
Imports as per DGCI&S				
Total Imports	13,98,874	6,84,441.33	48.93	100
Imports from Subject Countries	12,08,362	5,79,780.68	47.98	86.38
Imports from EU	80,213	49,278.23	61.43	5.73

- v. The petitioner further submits that the Designated Authority may take note of the comparison of DGCI&S and Impex Statistics Services data regarding imports of the subject goods from the various members of the EU during the POI as follows, which amply clarifies that the data from DGCI&S source shows reasonable prices vis-à-vis the Impex Statistics Services:

Country	Impex Statistics			DGCI&S		
	KW	Rate/Watt	Share%	KW	Rate/Watt	Share%
Belgium	506	12.15	0.0%	518	11.75	0.04%
Czech republic	1941	24.31	0.1%	960	32.90	0.07%
France	3925	20.34	0.3%	412	48.69	0.03%
Germany	36027	54.80	2.6%	53324	58.84	3.81%
Italy	6916	70.05	0.5%	18371	69.91	1.31%
Netherland	10292	18.77	0.7%	3696	71.00	0.26%
Norway	2272	10.69	0.2%	147	18.63	0.01%
Poland	24	68.72	0.0%	24	68.04	0.00%
Spain	15310	18.87	1.1%	2720	65.74	0.19%
Sweden	24	35.98	0.0%	27	48.39	0.00%
UK	61	33.89	0.0%	0	0.00	0
Greece	0	0.00	0	5	102.94	0.00%
Ireland	0	0.00	0	9	66.19	0.00%
Grand Total	77297	40.14	5.6%	80213	61.43	5.73%

- vi. It can be seen that DGCI&S shows a higher volume in case of EU coincided with a higher per Watt price which is Rs.61.43/- vis-à-vis imports as per Impex Statistics which showed a quantity of 77297 KW

imports at a per watt price of Rs.40.14/- . It may also be noted that among the EU members Germany accounted maximum share of imports and the price of Germany as per both the sources remained comparable. Low prices reported by Impex in case of Czech Republic, France, Netherland, Sweden and Spain looks reasonable as per DGCI&S data even though price from Belgium, Czech Republic, and Norway still look low even though over all EU prices have increased by about Rs.20/- as per DGCI&S data.

- vii. Exclusion of EU from the subject countries does not imply that there is any kind of violation of the principle of non-discrimination. The petition was based on the data obtained from the secondary source i.e. Impex Statistics Service. As per the said source, the imports from the EU during the POI was above de minimis level and the per unit price was reported to be lesser than that of the subject countries. However, post-initiation, the petitioner obtained the data from the DGCI&S source, which is found to have reported the imports from the EU during the POI as above de minimis level, but the per unit price higher than that of the subject countries. The total quantity and value of imports is found to have been reported in the DGCI&S data at a higher level than that of the Impex Statistics Service source. Thus the contention of the opposite interested parties that the exclusion of EU from the purview of the subject countries makes the present investigation ab initio void and therefore be terminated forthwith has no relevance.
- viii. Nevertheless, the imports from EU is a trivial issue as the same hasn't breached the causal link between dumped imports from subject countries and material injury suffered by the domestic industry. The non-inclusion of EU in the scope of present investigation has in no way prejudiced the present investigation. Exclusion of EU upholds the fact that there was a fair administration of test of negligible imports as none of the individual members of EU except Germany appeared to have exported any commercial volumes to India. Individual examination of imports from Germany would show that imports from Germany were well below the 3% threshold to determine de minimis levels and other members of EU were negligible and were at 1% or less of the total imports into India. In any case, petitioner found marginal increase in the import volumes from EU in the post POI period and a petition is filed for initiation of anti-dumping investigation against EU and also Japan.
- ix. At the time of initiation, the annualized volume of imports from subject countries were 801 MW in the POI, whereas the imports from EU were only 41 MW in which 24 MW was from Germany at a rate of Rs.54/Watt which was higher than the rates from subject countries. Even the share of German import was below 3% threshold.
- x. In the case of Pentaerythritol from EU other than Sweden, a similar situation was prevalent as imports from Saudi Arabia were above de minimis levels however was not included in the investigation. Nevertheless, a separate petition was filed by the domestic industry eventually and the case was later initiated.
- xi. Under-reporting of imports by the subject countries is a major problem which needs to be addressed by the authority. If the under reporting of imports as admitted by CCCME are corrected then any such minuscule level from EU would go further down in terms their percentage in total imports.
- xii. Chinese producers are facing huge challenges due to over capacity and low demand in domestic market. Since EU and USA have imposed anti-dumping measures against China, the Chinese exporters may prefer to dump the material more intensively in a robust market like India.
- xiii. The importers are enjoying foreign funded dumping especially from USA. The importers/users are getting subject goods at dumped prices and also fund support.
- xiv. The present case is a suitable case for recommending retrospective measures as the injury is caused by massive dumping of subject product occurred in a relatively short time and considering the huge volume of such imports, unless duty is recommended retrospectively as envisaged in Section 3 of the Anti-dumping Act, the desired remedial measures of anti-dumping duties may not be accomplished in the present case. Considering the magnitude of dumping and injury suffered by the domestic industry, the anti-dumping measures should be imposed retrospectively.
- xv. Parties like SIPPAA have made their submissions when they are yet to establish that they are interested parties within the meaning of AD rules.

- xvi. Any determination, consideration, examination etc in the initiation notification is *prima facie* only. There is nothing unusual in the word '*prima facie*' used in the present initiation notification.
- xvii. India has adequate capacity to meet the domestic demand.
- xviii. The import of dumped modules has a direct bearing on the market of supplier of glass, which is a major component of modules.
- xix. It was also argued that the Chinese and the US companies give 25 years warranty on their products unlike the Indian suppliers. The said parties should be asked to provide reliable evidence in support of their contention.
- xx. The EXIM Bank of USA is the official export credit agency of the USA. EXIM's mission is to assist and finance the export of US goods and services. Producers of solar cells from USA are getting financial assistance from EXIM Bank while exporting the material to India. Due adjustment for such financial assistance should be considered while determining normal value for US producers.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

27. Various miscellaneous issues raised by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined herein below:

- i. As regards the submissions that anti-dumping duty should only be imposed on modules and not on cells as capacity of solar manufacturer being low coupled with poor utilization will lead to low module manufacturing capacity utilization, the Authority notes that anti-dumping duties imposed, would be applicable on the 'subject product' as determined herein above.
- ii. As regards the submission that the methodology adopted to convert import transactions in terms of KW/MW is not disclosed, the Authority notes that clarifications were sought from the petitioner prior to the initiation of investigations and replies from the petitioner were incorporated in the non-confidential version of the petition made available in the public domain which is self-explanatory and comprehensive.
- iii. As regards the submission that costs and prices of each MW when sold as a Solar Cell on the one hand and when sold as Solar Module on the other hand are significantly different and facts in this respect were not disclosed to the Authority, it is noted that the injury information pertaining to the subject goods as per the prescribed formats and to the extent considered necessary were provided by the petitioner.
- iv. As regards the submission that there is absence of 'sufficient evidence' in the application filed to justify initiation of this investigation, it is noted that there was sufficient justification to initiate the investigation. The investigations were initiated only upon receipt of a written application, which was in the form and manner as specified by the Authority and was supported by relevant and necessary evidence relating to dumping, injury and causal link. The investigations were initiated after determining that the application was made by or on behalf of the domestic industry and after sufficient examination with regard to accuracy and adequacy of the evidence provided in the application and due satisfaction of the Authority that there was sufficient evidence regarding dumping, injury and causal link to justify the initiation of investigations.
- v. As regards the submission that the pre-initiation submissions by petitioners should be provided to the interested parties, the Authority notes that pre-initiation scrutiny of application is a routine process. Once the petitioner has filed an updated application, incorporating therein information/submission made before initiation, it is not necessary that such information forming part of pre-initiation scrutiny of the Authority should be disclosed to other interested parties.
- vi. As regards the submission that Non-inclusion of European Union (EU) as a Subject Country/Territory is incorrect and discriminatory and present investigations should be terminated on this ground alone, the Authority notes that as per the information furnished by the petitioner from the secondary source based on which present investigations were initiated, individual volumes from EU members except Germany were all very insignificant and do not appear to be of any commercial volume. Imports from Germany were 2.62% of total imports at a price of Rs 55/Watt which was much higher than average price from subject countries. Rest of the EU members reported very negligible imports adding all of them together made the overall percentage from EU at around 5.46% in total imports into India. Thus, it has not been shown that imports from EU have had significant adverse effects on the domestic industry to such an extent to break the causal link between injury to the domestic industry

and dumping from subject countries. Exclusion of EU does not negate any injuries if caused to the domestic industry by dumping from subject countries.

- vii. The import data obtained from the DGCI & S and relied upon by the Authority for the purpose of the present findings shows an import of 80.21 MW of subject goods from EU at an average price of Rs. 61.43/Watt which is much higher than the average price of Rs. 47.98/Watt reported from the subject countries and also significantly higher than the net sales realisation of the domestic industry. Therefore, the imports of subject goods from EU could not have affected the situation of the domestic industry to the extent to break the causal link between the dumped imports from the subject countries and the material injury suffered by the domestic industry.
- viii. As regards the submission that imposition of duties are against Public interest, the Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the Domestic Industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way and therefore would not affect the availability of the products to the consumers. The basic intent behind anti-dumping measures is to create a level playing field for the domestic industry vis-à-vis dumped imports and not to restrict the imports, which can continue though at higher cost. The imposition of anti-dumping duty in the instant case would not only enable the domestic industry to revive themselves in a more competitive manner, it may also leverage further Indian and foreign investments.
- ix. As regards the submission that adequacy and accuracy of the evidence in the petition is questionable with regard to USA and the volume from US is below de minimis levels and exclusion of erroneous import transactions would show negative dumping margin from USA which requires termination of investigation against USA, it is noted that dumping with regard to USA is examined in detail at the respective place in this final finding which is self-explanatory.
- x. As regards the contention of the domestic industry that the Authority should make appropriate adjustments to the export prices of the American exporters due to the long-term funding of the developers by the US agencies which is not made available if the products are bought from the Indian suppliers, the Authority notes that such long term funding may be stated to have impacted the market prospects of the American exporters, but cannot be stated to have facilitated dumping.

28. Apart from the submissions made by various interested parties which are considered relevant and addressed by the Authority, the following views were also received from the Ministry of Environment and Forests (MOEF), Government of India, Ministry of New And Renewable Energy (MNRE) Government of India, Department of Electronics & Information Technology, National Manufacturing Competitiveness Council (NMCC) and Centre for Science & Environment (CSE):

- a) The MOEF opined that imposition of anti-dumping duty will lead to increase in the cost of generating solar energy.
- b) The MNRE opined that the scheme of reserving/procuring solar power with a condition of domestic content may provide enough business and protection to the manufacturers of cells and modules in India. MNRE further opined that imposition of anti-dumping duty may have adverse implications on the ongoing JNNSM projects.
- c) NMCC opined that the domestic solar manufacturing sector is suffering from cheap imports from China etc. Anti-dumping duty is essential for nurturing this sunrise high technology sector. The nascent domestic manufacturing industry is in difficulty and delay in imposition of anti-dumping duty is coming in the way of the achievement of one of the primary objectives of National Solar Mission which is the creation of the domestic manufacturing capacity.
- d) CSE opined that the solar manufacturing sector in India is not in a very healthy state to-day. Therefore, the domestic solar manufacturers should get a level playing field so as to be able to compete with the exporters from USA, China, etc.
- e) Department of Electronics & Information Technology opined that in the absence of anti-dumping duty, the solar industry is facing extreme financial stress. Almost all solar cell manufacturers have been referred to BIFR and further investments have dried. Unless domestic manufacturing

takes place, there is threat of perpetuating dependence on import of solar products and technology.

The Authority notes that in terms of Rule 4 of the Anti-dumping Rules, the Designated Authority is to investigate as to the existence, degree and effect of any alleged dumping in relation to import of any article, to identify dumping, injury and causal link and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied by the Central Government, would remove the injury to the domestic industry. Anti-dumping measures neither restrict nor prevent imports. The intent of anti-dumping measures is to create a level playing field for the domestic industry vis-à-vis the dumped imports.

F. MARKET ECONOMY TREATMENT, NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

29. The Authority notes that in the past three years China PR has been treated as a non-market economy country in anti-dumping investigations by India and other WTO Members. China PR has been treated as a non-market economy country subject to rebuttal of the presumption by the exporting country or individual exporters in terms of the Rules.
30. As per Paragraph 8 of Annexure I of the Anti-dumping Rules, the presumption of a non-market economy can be rebutted, if the exporter(s) from China PR provide information and sufficient evidence on the basis of the criteria specified in sub paragraph (3) of Paragraph 8 and establish the facts to the contrary. The cooperating exporters/producers of the subject goods from People's Republic of China are required to furnish necessary information/sufficient evidence as mentioned in sub-paragraph (3) of paragraph 8 in response to the Market Economy Treatment questionnaire to enable the Authority to consider the following criteria as to whether:
 - a. the decisions of concerned firms in China PR regarding prices, costs and inputs, including raw materials, cost of technology and labour, output, sales and investment are made in response to market signals reflecting supply and demand and without significant State interference in this regard, and whether costs of major inputs substantially reflect market values;
 - b. the production costs and financial situation of such firms are subject to significant distortions carried over from the former non-market economy system, in particular in relation to depreciation of assets, other write-offs, barter trade and payment via compensation of debts;
 - c. such firms are subject to bankruptcy and property laws which guarantee legal certainty and stability for the operation of the firms and
 - d. the exchange rate conversions are carried out at the market rate.
31. The Authority notes that consequent upon the initiation notice issued by the Authority and intimation of sampling, the following Chinese producers and exporters have submitted their exporter's questionnaire responses including the market economy questionnaire responses and sought to rebut the non-market economy presumption.
 - i. CEEG Nanjing Renewable Energy Co., Ltd
 - ii. China Sunergy (Nanjing) Co., Ltd
 - iii. Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc
 - iv. Canadian Solar Manufacturing (Luoyang) Inc
 - v. CEEG (Shanghai) Solar Science Technology Co., Ltd
 - vi. Baoding Tian Wei Solar Films Co., Ltd.
 - vii. Ja Solar Technology Yangzhou Co., Ltd.
 - viii. JingAo Solar Co., Ltd.
 - ix. Shanghai JingAo Solar PV Technology Co., Ltd.
 - x. Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd
32. The questionnaire responses and the market economy responses of the responding producers and exporters were examined and deficiencies in the submissions were pointed out and clarifications were sought.

33. The submissions concerning market economy, normal value, export price and dumping margin made by the producers/exporters/importers/other interested parties and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. The normal value as arrived by the domestic industry in respect of the subject countries is incorrect.
- ii. The dumping margin in respect of exports by First Solar from US and Malaysia are de-minimus. Therefore, the investigation is required to be terminated immediately.
- iii. Canadian Solar Inc, China PR is a market economy entity and Authority should arrive at the normal value of exports of the subject goods on the basis of the data on costs and pricing structure as provided by the exporters.
- iv. Despite the fact that China PR is considered as a NME country, China Sunergy Group operates under market economy principles and should be treated so by the authority for arriving at the normal value.
- v. Export price has been calculated at ex-factory level by reducing various post factory expenses calculated as a percentage of total gross value per Watt. The expenses such as port expenses, inland freight, ocean freight and commission are not calculated on a per watt basis.

34. The submissions made by the domestic industry concerning market economy, normal value, export price and dumping margin and considered relevant by the Authority are as follows:

- i. None of the Chinese producers satisfy market economy status and therefore normal value should be constructed as per Para 7 of Annexure 1 of the AD Rules.
- ii. Recently concluded investigations by EU and USA found Chinese producers operating under Non Market Economy conditions and all the producers from China were denied MET. Applicants reiterate that the circumstances based on which EU and USA denied MET to Chinese producers hasn't changed and India also should deny MET to any of the producers from China.
- iii. India is an appropriate surrogate country for Chinese producers. Therefore cost of production in India should be taken for construction of normal value with due adjustments in respect of China PR.
- iv. Dumping margin from subject countries are not only more than de-minimus but also very substantial.
- v. Large number of importers who have participated in the present investigation hasn't filed any questionnaire response. In view of that the export price claimed by the exporters does not seem to be reliable. The Authority should compare export prices claimed by the exporters with that reported by Indian customs.

EXAMINATION BY THE AUTHORITY

35. The Authority notes that subject goods, originating in or exported from China PR, has been subjected to anti-dumping duty in European Union and USA in the recent period. EU and USA did not grant MET to the Chinese companies on the grounds of prevailing Non Market Economy conditions in China and the inability of Chinese producers to meet all the MET criteria. The Authority notes that the following findings by EU and USA are relevant;

EU (EC)

(54) The verification established that all seven exporting producers (groups of companies) claiming MET did not meet the requirements of the criteria laid down in Article 2(7)(c) of the basic Regulation.

(64) The main substantial comments received concerned the preferential tax regime and grants. Exporters did not contest the facts established, but questioned their importance for the fulfilment of

the MET criterion 3. In particular, they argued that State benefits do not represent a significant proportion of their respective turnovers.

(65) It is noted in this regard that an income tax system that treats favourably certain companies deemed strategic by the Government is clearly not one of a market economy. Such a system is still heavily influenced by State planning. It is also noted that distortions introduced by income tax reductions are significant, as they completely change the amount of pre-tax profits the company has to achieve in order to be attractive to investors. The distortions are also permanent, and the absolute benefit received during the investigation period is, because of the nature of the advantage, irrelevant for assessing whether the distortion is 'significant'. Rather, the assessment of the significance has to be based on the overall impact of the measure on financial and economic situation of the company.

(66) With regard to criterion 2, three groups of companies claimed that they complied with the respective rules of the international accounting standards since their US consolidated accounts were fully in line with those standards. Some companies also claimed that, in general, their accounts were in compliance with Chinese accounting standards, which they consider to be equivalent to the international ones. This issue at hand, however, is not whether Chinese accounting standards are in line with international accounting standards. The issue at hand is whether the accounts comply with the applicable accounting standards or not. In particular, those comments failed to address the fact that, with regard to the individual financial statements of the Chinese companies in question, a number of international accounting standards (and the corresponding Chinese equivalent), including in particular inventory depreciation and disclosure of related parties' transactions, were found to be violated.

(67) With regard to criterion 1, taking into account comments received from the parties and in the light of the judgment Case C-337/09 P (1), it is concluded that this criterion is met by all companies. However, overall MET determination for all sampled exporters remains unchanged since they still fail to meet the requirements of criteria 2 and 3.

(68) With regard to criterion 4, the company group referred to in recital 57 above could demonstrate that a bankruptcy proceeding was initiated against the main Chinese group company in the meantime. It is therefore concluded that this criterion is met by this company group. However, overall MET determination for this company group remains unchanged since they fail to meet the requirements of criteria 2 and 3.

(69) In conclusion, it has not been shown that MET criteria 2 and/or 3 were fulfilled by either of the sampled exporting producers. Therefore, MET cannot be granted to any of these companies.

(85) In the absence of other comments regarding the Market Economy Treatment, all determinations in recitals (50) to (69) to the provisional Regulation are confirmed. (Council Implementing Regulation (EU) No 1238/2013 and Commission Regulation (EU) No 513/2013)

US (DOC)

"Nonmarket Economy Country: The Department considers the PRC to be a nonmarket economy ('NME') country. In accordance with section 771(18)(C)(i) of the Act, any determination that a foreign country is an NME country shall remain in effect until revoked by the administering authority. The Department continues to treat the PRC as an NME for purposes of this final determination." (77 FR 63791, October 17, 2012)

36. As regards the contention that the normal value and export price as arrived by the domestic industry in respect of the subject countries is incorrect, the Authority notes that the information furnished by the applicant at the time of initiation is *prima facie*. However, for the purpose of this final finding the Authority has determined the normal value and export price as per the Rules. The specific submissions made by the exporters with regard to their normal value and export price have been addressed in the respective paras of this final finding.
37. The Authority notes that Baoding Tian Wei Solar Films Co., Ltd did not provide consent for verification of their data/information. In view of this the Authority treats the said company as non-cooperative and also does not treat the company as market economy. The Authority further notes that M/s Wuxi Suntech Power Co Ltd, Wuxi, China PR has not claimed market economy treatment.

38. The following Chinese producers/exporters who claimed market economy treatment and filed questionnaire response to that effect, could not substantiate their claim during on the spot verification and withdrew their market economy treatment claim by furnishing a letter to that effect:

- CEEG Nanjing Renewable Energy Co., Ltd
- China Sunergy (Nanjing) Co., Ltd
- CEEG (Shanghai) Solar Science Technology Co., Ltd
- Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc
- Canadian Solar Manufacturing (Luoyang) Inc

39. The verification reports were sent by the Authority to the concerned Chinese companies for their comments. The Authority notes that in response to the verification report, as regards their MET claim, the above stated Chinese companies stated that it was found appropriate to waive the right for market economy treatment as due to time constraints it was impossible to satisfy the MET claim by the companies.

40. The Authority notes that the anti-dumping investigations are time bound. The intimation regarding the verification and the obligation of the concerned Chinese companies to be ready with the required information and evidence to be provided to the verification team to establish their MET claim was intimated to them much in advance prior to the verifications. In terms of Anti-dumping Rules, the onus of rebutting the presumption of non-market economy condition lies with the concerned Chinese companies and not with the Authority.

41. The Authority also notes that in the anti-dumping findings of USA and EU concerning solar cells, the authorities in the respective countries have not granted market economy status to any of the Chinese companies, including the above stated companies.

42. In view of the above stated positions, the Authority treats the above stated Chinese companies as operating under non-market economy conditions.

JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd, JingAo Solar Co., Ltd, Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd and Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd

- i. The Authority notes that JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd, JingAo Solar Co., Ltd, Shanghai, JingAo Solar PV Technology Co., Ltd and Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd who filed MET response and claimed market economy treatment in the present investigation are related parties. As submitted by the respondent companies, the control over these companies is vested in M/s JA Solar Holding Co Ltd, and form part of Jinglong Group.
- ii. As per the consent and convenience of the above stated related parties, the Authority conducted on the spot verification of the information / data provided by the said parties. The concerned parties were informed much in advance to keep the relevant information/data/documents *inter alia* concerning the origin and history of the companies, their shareholding patterns, investments, relationships and activities, capital goods, raw materials and utilities purchase details, history, ownership and activities of the related and parent companies, etc to substantiate the MET claim made by the concerned Chinese companies in their MET response. During the verification, the respondent companies were asked to substantiate their claim for MET with supportive documents. But, the companies could not rebut their non-market position by furnishing satisfactory information/documents. Instead, the concerned Chinese companies expressed their inability in writing to provide the required documents during the course of on the spot verification.
- iii. The verification reports were sent by the Authority to the concerned Chinese companies for their comments. The Authority notes that in response to the verification report, as regards their MET claim, the above stated Chinese companies acknowledged that the intimation regarding the verification and the obligation of the concerned Chinese companies to be ready with the required information and evidence to be provided to the verification team to establish their MET claim was intimated to them as early as 17th February, 2014. As regards their comment that it is the responsibility of the Authority to ask for and verify the documents substantiating the MET claim made by the Chinese companies, the Authority notes that the onus of rebutting the presumption of non-market economy condition lies with the concerned Chinese companies and not with the Authority in terms of Anti-dumping Rules.

- iv. The Authority also notes that in the anti-dumping findings of USA and EU concerning solar cells, the authorities in the respective countries have not granted market economy status to any of the Chinese companies, including the above stated companies.
- v. In view of the above positions, the Authority does not grant market economy treatment to JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd, JingAo Solar Co., Ltd, Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd and Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd.

G. DETERMINATION OF NORMAL VALUE

Determination of Normal Value for producers and exporters in China PR

43. The Authority notes that none of the sampled producers/exporters from China PR have been found to be operating under market economy condition for determination of normal value in China in terms of Para-6 of Annexure-I to the Rules. Under the circumstances, the Authority is not in a position to apply Para 8 of Annexure 1 to the Rules to the above named Chinese companies and the Authority has to proceed in accordance with Para 7 of Annexure - I to the Rules.

44. Paragraph-7 of the Annexure-1 to the Anti-dumping Rules provides as follows:

“In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin”.

45. According to these Rules, the normal value in China can be determined on any of the following basis:

- a) On the basis of the price in a market economy third country, or
- b) The constructed value in a market economy third country, or
- c) The price from such a third country to other countries, including India.
- d) If the normal value cannot be determined on the basis of the alternatives mentioned above, the Designated Authority may determine the normal value on any other reasonable basis including the price actually paid or payable in India for the like product duly adjusted to include reasonable profit margin.

46. The Authority notes that for determination of normal value based on third country cost and prices, the complete and exhaustive data on domestic sales or third country export sales, as well as cost of production and cooperation of such producers in third country is required, which is not available with the Authority in the present investigation. Also, no such verifiable information with regard to prices and costs prevalent in other such market economy third countries have been provided either by the applicant or by the responding exporters, nor any publicly available information could be accessed, nor the responding Chinese companies have made any claim with regard to an appropriate market economy third country. Under such circumstances the Authority proceeds to construct the normal value based on any other reasonable basis.

47. The Authority proceeds to determine Normal Value for China PR on available fact basis in terms of Para 7 of Annexure 1 to the Rules. Accordingly, the ex-works weighted average Normal Value for the product under consideration considering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films has been determined based on constructed costs of production of the most efficient domestic industry, duly adjusted to include selling, general & administrative costs/expenses and reasonable profits i.e. 5%. The CNV for Thin Films is considered as the same for Crystalline Solar Modules since both are treated as substitutable and like article. The constructed normal value (CNV) determined by the Authority for the product under consideration covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average constructed normal value (CNV) determined by the Authority for the product under consideration is US\$***/Watt.

Determination of Normal Value for producers and exporters in USA, Malaysia and Chinese Taipei

48. Under section 9A (1) (c), the normal value in relation to an article means:

- (i) *The comparable price, in the ordinary course of trade, for the like article, when meant for consumption in the exporting country or territory as determined in accordance with the rules made under sub-section (6), or*

(ii) *When there are no sales of the like article in the ordinary course of trade in the domestic market of the exporting country or territory, or when because of the particular market situation or low volume of the sales in the domestic market of the exporting country or territory, such sales do not permit a proper comparison, the normal value shall be either:*

- Comparable representative price of the like article when exported from the exporting country or territory or an appropriate third country as determined in accordance with the rules made under sub-section (6); or*
- The cost of production of the said article in the country of origin along with reasonable addition for administrative, selling and general costs, and for profits, as determined in accordance with the rules made under sub-section(6):*

Provided that in the case of import of the article from a country other than the country of origin and where the article has been merely transshipped through the country of export or such article is not produced in the country of exporter there is no comparable price in the country of export, the normal value shall be determined with reference to its price in the country of origin.

Determination of Normal Value for producers and exporters in USA

First Solar Inc, USA

49. The Authority notes that only one producer from USA namely First Solar Inc filed exporter's questionnaire response. M/s. First Solar Inc, USA has provided cost of production and selling price in the USA market to be considered as normal value. M/s First Solar Inc, USA has reported total domestic sales of ***MW of subject goods during POI for the total invoice value of US\$ ***.
50. During the verification, it was observed that *** KW of the subject goods have been sold by First Solar Inc, USA in the USA market by accounting the transactions through its related party M/s First Solar GmbH Mainz, Germany. First Solar Inc, USA claimed the same transactions as domestic sales arguing that the goods are supplied within USA itself, although the payments were received in free foreign exchange. This fact was pointed out to M/s First Solar Inc, USA in the verification report. In response, M/s First Solar Inc, USA reiterated their earlier position and continued to claim the said supplies as domestic sales. The Authority notes that First Solar Inc, USA has supplied the subject goods locally, but received payment from First Solar GmbH Mainz, Germany in foreign exchange. Moreover, when First Solar Inc, USA has sold subject goods in USA market to other affiliated and non-affiliated parties without accounting through First Solar GmbH Mainz, Germany and received the payment in US\$. First Solar, USA has not explained clearly why it was invoicing the goods to USA party through its related party in Germany, even though it was having its invoicing department in USA. This shows that there is some unexplained cause behind such transactions. Therefore, supply of subject goods inside USA and invoicing through First Solar GmbH Mainz, Germany and claiming the same as domestic sale is not acceptable. The Authority notes that First Solar Inc, USA has claimed to have made sales in USA market through three modes i.e. direct sales to affiliated parties in USA, direct sales to unaffiliated parties in USA and sales in USA to affiliated/unaffiliated partiers through its affiliated party in Germany. The practice of invoicing some local sales through a foreign country involving realisation of sale proceeds in foreign exchange cannot be considered as domestic sale for the purpose of determination of normal value.
51. Further, First Solar Inc, USA has made substantial volume of sale of subject goods to its affiliated party namely First Solar Electric, Inc, USA and claimed the same as not domestic sale on the ground that First Solar Electric Inc, USA has not purchased thin film products from its affiliated company for resale in either US or other international markets. First Solar Electric has bought/procured thin film products from its affiliated companies only for setting up of power plant. This company is situated in USA. Hence, sales made to First Solar Electric cannot be treated as sales of product under consideration at all. It was further claimed that such transactions are on cost basis governed by the transfer price policy of the company. The Authority notes that the sales made to the related company is on cost price basis as per the transfer price policy which is much below the price at which such sales are made to un-affiliated companies and therefore they are not at arm's length basis. It is further noted that First Solar Electric Inc, USA is not selling the thin film modules. In view of the above, the Authority does not treat the sales made by First Solar Inc, USA to First Solar Electric Inc, USA as domestic sales.

52. Thus, excluding the sales made by First Solar Inc, USA accounted through First Solar GmbH Mainz, Germany and the sales made by First Solar Inc, USA to First Solar Electric Inc, USA and taking only the sales made to unaffiliated parties in USA, the Authority determines the normal value in respect of First Solar Inc, USA as US\$ ***/Watt.

Normal value for non-cooperative exporters from USA

53. The Authority notes that no other exporter/producer from USA has responded to the Authority in present investigation. For the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in USA, the Authority determines the normal value on the basis of best available information. The normal value (NV) determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in USA covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average normal value of the product under consideration determined on the above basis is US\$ ***/Watt.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Malaysia

54. The following sampled producers/exporters from Malaysia have filed exporter's questionnaire response:

- i. First SolarSDN BHD, Malaysia.
- ii. Q-CellsMalaysia SDN BHD, Malaysia

First Solar SDN BHD, Malaysia

55. M/s. First Solar SDN BHD, Malaysia has provided cost of production and selling price in Malaysia market to be considered as normal value. Information filed by the company has been verified by the Authority and a verification report was provided to the company. Comments offered by the company and considered relevant by the Authority have also been examined and addressed in this final finding. The Authority notes that First Solar SDN BHD, Malaysia, in addition to their exports through their related party namely First Solar GmbH, Mainz, Germany, has made substantial volume of exports of the subject goods to India during the POI through many parties who have not cooperated in the present investigation. Consequently, the complete value chain of the exports of subject goods by First Solar SDN BHD, Malaysia to India during the POI is absent before the Authority. Consequently, the Authority is not in a position to determine and grant individual margins to First Solar Malaysia. Under the above stated circumstances, determination of normal value concerning First Solar Malaysia is not considered to be relevant. In view of this position, the Authority does not determine individual normal value for M/s. First Solar SDN BHD, Malaysia based on the information provided by the said exporter.

Q-Cells Malaysia SDN BHD, Malaysia

56. M/s. Q-Cells Malaysia SDN BHD, Malaysia has provided cost of production and selling price in Malaysia market to be considered as normal value. Q-Cells Malaysia SDN BHD, Malaysia has reported the entire domestic sales of *** KW of subject goods during only one month of the POI for the total invoice value of US\$ ***. During the on the spot verification by the Authority, the Company could not demonstrate the authenticity of the costing and financial data in the SAP System claimed to be maintained by the Company. In view of this position, the Authority does not determine individual normal value for M/s. Q-Cells Malaysia SDN BHD, Malaysia based on the information provided by the said exporter.

Normal value for non-cooperative exporters from Malaysia

57. The Authority notes that no other exporter/producer from Malaysia has responded to the Authority in present investigation. For all the non-cooperative exporters/producers in Malaysia, including the above stated companies, the Authority determines the normal value for Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films on the basis of best available information. The normal value (NV) determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in Malaysia covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average normal value of the product under consideration determined on the above basis is US\$ ***/Watt.

Determination of Normal Value for producers and exporters in Chinese Taipei
Motech Industries INC, Chinese Taipei

58. M/s. Motech Industries INC, Chinese Taipei provided cost of production and selling price in Chinese Taipei market to be considered as normal value. Motech Industries INC, Chinese Taipei has reported total domestic sales of ***MW of subject goods during POI for the total invoice value of US\$ ***lakhs.

59. In the EQ response, at Para A.5, with regard to information regarding all subsidiaries or related companies in all countries which are involved with the product concerned, Motech Industries INC declared AE Polysilicon Corporation, USA as the only subsidiary involved in the manufacture of subject goods. But, during the on the spot verification it has come to notice of the Authority that Motech Industries INC has many other related companies in Chinese Taipei and also in other countries namely TSMC Solar, Taiwan, Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR, Motech America LLC and Itogumi Motech, Japan which are also involved in the subject goods but not declared by Motech Industries INC in the EQ response filed before the Authority. Further, as per the information available with the Authority M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co. Ltd., China PR, one of the related companies, has made substantial volume of export of subject goods to India during the POI, the details of which has not been declared by Motech Industries INC in the EQ response filed before the Authority, despite China PR being one of the subject countries in the present investigation.

60. The verification report was provided by the Authority to Motech Industries INC, Chinese Taipei for comments. In their comments to the verification report, Motech Industries INC stated that M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR had submitted the sampling questionnaire but not sampled by the Authority. Further, it is acknowledged that solar cells have been sold by Motech Industries INC, Chinese Taipei to M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co. Ltd., China PR for producing modules for sale to other countries and not India. The subject goods exported by M/s. Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR are of Chinese origin.

61. The Authority notes that non-selection of M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR in the sampling process does not justify non-declaration of the details of the said related party along with other such related parties in the exporter's questionnaire response filed by Motech Industries INC, Chinese Taipei. Further, China PR being a subject country, the post verification submission of Motech Industries INC, Chinese Taipei that the solar cells sold by Motech Industries INC, Chinese Taipei to M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR during the POI are meant for producing modules by M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR for sale to other countries and not India and the subject goods exported by M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR to India during the POI are of Chinese origin, are not verifiable and therefore cannot be accepted.

62. In view of the above position, the Authority does not treat the exporter's questionnaire response filed by Motech Industries INC, Chinese Taipei and the data provided therein as reliable. In view of this position, the Authority does not determine individual normal value for M/s. Motech Industries INC, Chinese Taipei based on the information provided by the said exporter.

Normal value for non-cooperative exporters from Chinese Taipei

63. The Authority notes that no other exporter/producer from Chinese Taipei has responded to the Authority in present investigation. For all the non-cooperative exporters/producers in Chinese Taipei, the Authority determines the normal value for Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films on the basis of best available information. The normal value (NV) determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in Chinese Taipei covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average constructed normal value (CNV) determined by the Authority for the product under consideration is US\$***/Watt.

H. EXPORT PRICE

China PR

Determination of Export Price for Cooperative Exporters in China PR

64. The Authority notes that Baoding TianWei Solar Films Co., Ltd, China PR, although sampled by the Authority, did not cooperate/consent for verification and therefore treated as non-cooperative party by the Authority.

65. The following are the sampled respondent cooperative producers/ exporters from China PR, whose data/information were verified by the Authority:

- i. M/s. Wuxi Suntech Power Co Ltd., Wuxi, China PR.
- ii. M/s. Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, Changshu City, Jiangsu Province, China PR.
- iii. M/s. Canadian Solar Manufacturing (Luoyang) INC, Luoyang City, Henan Province, Chin PR.
- iv. M/s. Canadian Solar International Ltd., Hong Kong.
- v. M/s. China Sunergy (Nanjing) Co. Ltd., Nanjing, China PR.
- vi. M/s. CEEG (Shanghai) Solar Science &Technology Co Ltd, Shanghai, China PR.
- vii. M/s. CEEG Nanjing Renewable Energy Co. Ltd., Nanjing, China PR.
- viii. M/s. JA Solar Technology, Yangzhou, China PR.
- ix. M/s. Shanghai JA Solar Technology Co. Ltd., Fengxian District Shanghai, China PR.
- x. M/s. Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd., Zhabei China PR.
- xi. M/s. JiangAo Solar Co Ltd, Nangjin, Hebei, China PR.

A. Wuxi Suntech Power Co Ltd, Wuxi, China PR

66. Wuxi Suntech Power Co Ltd, China PR is a producer of both Crystalline Solar Cells and Modules. During the POI, Wuxi Suntech exported only crystalline solar modules to India. During the POI, it reported *** export transactions to various importers in India. The total reported quantity of export of modules to India during POI was *** pieces (***) with gross invoice value of USD ***.

67. Out of the total reported exports to India during the POI, Wuxi Suntech exported *** pieces (export value USD ***) and *** pcs (export value USD ***) through M/s ***, Singapore and ***, Germany respectively, constituting *** % of the total claimed quantity of export to India during the POI. The Authority notes that M/s *** Singapore and *** Germany have not cooperated and filed exporter's questionnaire response in the present investigation, in the absence of which, the complete value chain in respect of the said channels of export cannot be established.

68. In response to the verification report, Wuxi Suntech submitted that M/s *** Singapore and *** Germany may have no obligation to file EQ response since they are neither exporter in China nor related to Wuxi Suntech. However, the Authority notes once again that unless such exports are brought before the Authority by the concerned exporters, the complete value chain cannot be established. In view of the fact that substantial volume of exports made by Wuxi Suntech through *** Singapore and *** Germany is not before the Authority due to non-cooperation by *** Singapore and *** Germany, the Authority does not grant individual export price to Wuxi Suntech Power Co Ltd, China PR.

B. JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd, JingAo Solar Co., Ltd, Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd and Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd

69. The Authority notes that JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd, JingAo Solar Co., Ltd, Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd and Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd are related parties. Out of these related companies, JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd is the major exporter (contributing about ***% of the total exports by the group) of the subject goods to India during the POI.

70. The Authority verified the data/information furnished by the above stated Chinese companies and reports were sent to them for comments. The comments considered relevant by the Authority are addressed in this final finding.

71. JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd is a producer of both crystalline solar cells & modules. During the POI the Company claimed to have directly exported *** pcs (***) crystalline solar cells to India in ***transactions for the gross invoice vale USD ***. The company also exported solar cells through Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd.

72. During on the spot verification, it was observed that being the major exporter, JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd made ***% of the exports of subject goods to three importers namely ***, ***, and ***. The Authority notes that the said exports claimed to have been made to these three importers have not been reported in the DGCI&S data relied upon by the Authority in the present investigation. The reasons for the said discrepancy was sought from the concerned exporter during the on the spot verification. The verification report was provided to the above stated companies for comments. In response to the verification report, JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd informed that being an exporter in China, they cannot provide accurate reasons for any such discrepancy.

73. After considering the response of the concerned Chinese companies, the Authority notes that ***% (*** % of the total exports made by the group) of the exports of the subject goods claimed to have been made by JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd cannot be relied upon since the said transactions have not been found to have been reported in the DGCI&S data. Moreover, despite opportunity given by

the Authority, JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd could not justify the above stated discrepancy in the claimed exports. In view of the above position and considering the fact that JA Solar Technology Yangzhou Co., Ltd, JingAo Solar Co., Ltd, Shanghai JA Solar PV Technology Co., Ltd and Shanghai JA Solar Technology Co., Ltd are related companies, the Authority does not grant individual export price to any of these companies.

C. Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, China PR and Canadian Solar International Ltd, Hong Kong

74. Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc, China PR and Canadian Solar International Ltd, Hong Kong, who had filed exporters questionnaire response, are related companies. The Authority verified the data/information furnished by the above stated companies and reports were sent to them for comments. The comments considered relevant by the Authority are addressed in this final finding.
75. Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc is a producer of Crystalline Solar Modules and Canadian Solar International Ltd, Hong Kong is a Hong Kong based related trading company. Solar modules produced by Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc have been exported by Canadian Solar International Ltd, Hong Kong to India during the POI.
76. During the on the spot verifications, it was noted that as per the information available with Authority Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc exported a small quantity of Solar Modules to India directly during the POI. This observation was intimated to the company in the verification report for comments. In response to the verification report, the company has commented that CSAS has not invoiced any goods directly to any entity in India. The said goods were invoiced to a Singapore entity and will therefore not appear as an India sale in the Company's database.
77. During the POI, Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc shipped *** Pcs (***) KW of crystalline solar modules directly to the Indian buyers, but invoiced through Canadian Solar International Ltd, Hong Kong. Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc made payments to Canadian Solar International Ltd, Hong Kong on lump sum basis at certain intervals and payments from the Indian buyers were realized by Canadian Solar International Ltd, Hong Kong. The invoice value of the subject goods to India is US\$ **. The total adjustments of US\$ ** were made on account of Inland Freight, Overseas Freight, Insurance Charges, Bank Charges, Cargo Handling Charges and Credit Cost and SGA Expenses of M/S Canadian Solar International Ltd. After making the above adjustments, the Authority determines net export price (NEP) of Canadian Solar Manufacturing (Changshu) Inc for the modules exported through Canadian Solar International Ltd, Hong Kong at US\$ **/Watt.

D. M/s China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, China PR, CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR and CEEG (Shanghai) Solar Science &Technology Co Ltd, Shanghai, China PR

78. The Authority notes that China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, China PR, CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR and CEEG (Shanghai) Solar Science &Technology Co Ltd, Shanghai, China PR are related companies. The Authority verified the data/information furnished by the above stated Chinese companies and reports were sent to them for comments. The comments considered relevant by the Authority are addressed in this final finding.
79. China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, China PR is a producer of crystalline solar cells only. During the POI, China Sunergy (Nanjing) Co Ltd exported *** pcs (***) KW of crystalline photovoltaic cells to India for the gross invoice value of US \$ **.
80. CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR is a manufacturer of only crystalline photovoltaic modules. It manufactures crystalline photovoltaic modules by procuring solar cells from their related companies. CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd exported to India *** KW (***) pcs of Modules of a gross invoice value of US \$ ** during the POI. Out of the total sales to India, *** PCS were exported to India through M/s **, Singapore and *** pcs were exported to India through M/s **, Hong Kong, together accounting for about **%. However, the Authority notes that **, Singapore and **, Hong Kong have not filed exporter's questionnaire response in the present investigation, in the absence of which, the complete value chain in respect of the said channels of export constituting about **% of the total exports to India made by CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR cannot be established.
81. CEEG (Shanghai) Solar Science &Technology Co Ltd, Shanghai, China PR is a manufacturer of only crystalline photovoltaic modules. It manufactures crystalline photovoltaic modules by procuring solar

cells from their related company i.e. M/S CEEG (Nanjing) Renewable Energy Company Limited, China PR. During the POI, CEEG (Shanghai) Solar Science & Technology Co Ltd exported *** pcs (KW -) of Modules of a gross invoice value of US \$ ***. Out of the total sales of ***pcs, *** pcs (*** %) of the total sales were exported through ***, Hong Kong and only ***pcs were exported directly to India. The Authority notes that ***, Hong Kong has not filed exporter's questionnaire response in the present investigation, in the absence of which, the complete value chain in respect of the said channel of export constituting about *** % of the total exports to India made by CEEG (Shanghai) Solar Science & Technology Co Ltd, Shanghai, China PR cannot be established.

82. The Authority verified the data/information of the above stated Chinese companies and the verification report was provided to the said companies for their comments. In response to the observations in the verification report, the said companies submitted that the sales made through ***, Hong Kong and ***, Singapore were shipped directly to India by the Company and were duly reported and disclosed under the Appendix-2 filed with the Designated Authority. They further submitted that ***, Hong Kong and *** Singapore are unrelated entities and therefore could not force them to file EQ response.
83. The Authority notes that the above stated related respondent producers/exporters have made significant exports of the subject goods to India during the POI through ***, Singapore and ***, Hong Kong. However, ***, Singapore and ***, Hong Kong have not filed exporter's questionnaire response in the present investigation, in the absence of which, the complete value chain in respect of the said channel of export made by China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, China PR, CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR and CEEG (Shanghai) Solar Science & Technology Co Ltd, Shanghai, China PR cannot be established. In view of the above position, the Authority does not grant individual export price to China Sunergy (Nanjing) Co Ltd, China PR, CEEG Nanjing Renewable Energy Co Ltd, Nanjing, China PR and CEEG (Shanghai) Solar Science & Technology Co Ltd, Shanghai, China PR.
84. The Authority notes that M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR had filed the sampling questionnaire but not sampled by the Authority. In the sampling questionnaire filed by the Company, it was declared that Power Island Ltd is the 100% owner of the Company. But, during on the spot verification of M/s Motech Industries Inc, Chinese Taipei, a respondent producer/exporter from Chinese Taipei in the present investigation, it has come to the notice of the Authority that M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR is a subsidiary company of M/s Motech Industries Inc, Chinese Taipei involved in the production of Solar Modules by procuring Solar Cells from M/s Motech Industries Inc, Chinese Taipei and exporting the subject goods to India during the POI. Since the Authority has not granted individual export price to M/s Motech Industries Inc, Chinese Taipei for the reasons well explained in the respective para pertaining to M/s Motech Industries Inc, Chinese Taipei in this final finding, the Authority does not consider M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR as eligible for the export price determined for the non-sampled category of exporters from China PR.

Non-cooperative Exporters From China PR

85. In respect of all other exporters from China PR who are treated to be non-cooperative, the Authority has determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The net export price determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in China PR covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$-***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average net export price of the product under consideration determined on the above basis is US\$ ***/Watt.

USA

Determination of Export Price for Cooperative Exporters in USA

86. The Authority notes that only First Solar Inc, USA filed exporters questionnaire response from USA along with its related exporter namely First Solar, GMBH Germany, whose data/information have been verified by the Authority. As per the responses filed and verified, the Authority notes that M/s First Solar Inc, USA is a producer of thin films and it has exported the said goods to India through its related company namely M/s First Solar GMBH, Germany. M/s First Solar Inc, USA exported a total of ***KW of subject goods (thin film modules) to India during POI through its related company First Solar GmbH – Mainz Germany for a gross CIP value of US \$ ***. In all the cases, material was shipped directly to India and invoices routed through First Solar GmbH Mainz – Germany. Out of the total exports to India, an insignificant volume (***KW) was invoiced by First Solar GmbH – Mainz Germany through *** USA, in respect of which exporter's questionnaire response has not been filed. In view of the above position, the Authority excludes the export of ***KW of subject goods from the total exports and determined the net

export price for First Solar Inc, USA and First Solar GmbH – Mainz Germany. The Authority has determined net export price (NEP) at US\$ ***/Watt in respect of the subject producer/exporter after making due adjustments for inland/overseas freight, overseas insurance and packing cost as claimed by the exporter and as verified by the Authority.

Non-cooperative Exporters From USA

87. In respect of all other exporters from USA who are treated to be non-cooperative, the Authority has determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The net export price determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in USA covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$-***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average net export price of the product under consideration determined on the above basis is US\$ ***/Watt.

Malaysia

Determination of Export Price for Cooperative Exporters in Malaysia

88. The Authority notes that the following producers/exporters from Malaysia had filed sampling questionnaire response and were sampled by the Authority. Further, the same sampled producers/exporters from Malaysia filed the exporters questionnaire response:

- i. Q-cells Malaysia SDN BHD (renamed as Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD).
- ii. First Solar Malaysia SDN BHD, Malaysia.

Q-Cells Malaysia SDN BHD (renamed as Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD)

89. The Authority notes that only Q-Cells Malaysia SDN BHD (renamed as Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD) filed the exporter's questionnaire response from Malaysia whose data/information has been verified by the Authority. The Company produced and exported only crystalline solar cells to India during the POI. The exports were made to four customers in India during the POI on ex-works basis. During the verification it was observed that the exports of the subject goods have been made by Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD through its related German Company namely ***Germany. On being asked to explain the modality of the transactions having taken place through the stated related German Company when the same fact has not been reported in the EQ response filed by Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD, it was informed that ***Germany gets the orders from Indian buyers, raises the invoices on Indian buyers and gives direction to Hanwha Q-Cells Malaysia to deliver the goods to the Indian buyers. Further, ***Germany, after effecting the sales for and on behalf of Q-Cells Malaysia, collects the sales proceeds from the Indian buyers and remits the money to Hanwha Q-Cells Malaysia on a periodic basis after deducting its commission at the rate of ***% as agreed in the agency agreement.

90. The verification report was supplied to Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD for comments. In their comments on the verification report, the respondent Company reiterated their position, which was not found to be satisfactory. The Authority notes that the entire shipments have been made by Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD on account of ***Germany. Moreover, payments have also been realised by ***Germany from the Indian buyers. Despite the above nature of transactions, neither Hanwha Q-Cells Malaysia declared the involvement of ***Germany in the export sales channel to India in the exporter's questionnaire response, nor *** Germany filed exporter's questionnaire response in the present investigation. In view of the above position, in the absence of exporter's questionnaire response of ***Germany, the complete value chain in respect of the claimed exports to India during the POI cannot be established. In view of the above position, the Authority does not grant Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD individual export price in the present investigation.

First Solar Malaysia SDN BHD, Malaysia

91. The Authority notes that M/s First Solar SDN BHD, Malaysia, along with First Solar, GMBH Mainz Germany filed the exporter's questionnaire response, whose data/information have been verified by the Authority. As per the response filed and as verified, the Authority notes that M/s First Solar Malaysia is a producer of thin films which has exported the said goods to India through its related company namely M/s First Solar GMBH, Germany. During the POI the First Solar SDN BHD, Malaysia exported a total of *** KW of the subject goods for a total CIP value of US \$ *** through First Solar, GMBH Germany. In all the cases, material is shipped directly to India by First Solar Malaysia Sdn Bhd and invoices routed through First Solar GmbH – Mainz Germany. Out of the total *** KW exports of subject goods to India during the POI, produced by First Solar SDN BHD, Malaysia, First Solar, GMBH Germany exported

directly to India *** KW (****%) and the balance ***KW (****%) was exported through various other parties in different countries namely, ***, Germany (** KW), ***, Germany (**KW), ***, Germany (** KW), ***Germany (** KW), West ***UAE (**KW), ***, USA (** KW), ***, Spain (** KW) and ***, Netherlands (** KW), in respect of which exporter's questionnaire response has not been filed by the concerned parties.

92. This fact was brought to the notice of First Solar in the exporter's verification report. In response to the verification report, it is argued by First Solar that the values & consequent price in most of these transactions are higher than the values & consequent price reported by First Solar in its questionnaire response. It is further argued by First Solar that Moser Baer, one of the supporters of the petition in the present case, is related to and has purchased the subject goods from *** and that's why *** did not cooperate with the Authority in the present investigation.
93. The Authority notes that *** is not the only party which is involved in the export of subject goods produced by First Solar SDN BHD, Malaysia and exported by First Solar, GMBH Mainz Germany. There are many other parties as well namely ***, Germany ***, Germany, ***, Germany, ***Germany, ***, USA, ***, Spain etc. None of these parties have filed exporter's questionnaire response in the present investigation. The Authority further notes that Moser Baer, one of the supporting domestic producers in the present investigation, is an importer of the subject goods from the subject countries and therefore not considered as eligible domestic industry by the Authority. Moreover, neither First Solar SDN BHD, Malaysia nor First Solar, GMBH Mainz Germany has demonstrated with documentary evidence that they have acted to their best of their ability to ensure the participation and cooperation by all such third parties including *** through whom ***% of the exports through third parties. In view of this position, the existence of any compensatory arrangements between such parties cannot be ruled out.
94. The Authority notes that in the absence of exporter's questionnaire response filed by these parties, the complete value chain in respect of the exports of subject goods made by First Solar SDN BHD, Malaysia, through First Solar, GMBH Mainz Germany cannot be established. In view of the above position, the Authority does not determine individual export price to First Solar SDN BHD, Malaysia and First Solar, GMBH Mainz Germany.

Non-cooperative Exporters From Malaysia

95. In respect of all other exporters from Malaysia who are treated to be non-cooperative, the Authority has determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The net export price determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in Malaysia covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$-***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average net export price of the product under consideration determined on the above basis is US\$ ***/Watt.

Chinese Taipei

Determination of Export Price for Cooperative Exporters in Chinese Taipei

96. The Authority notes that the following producers/exporters from Chinese Taipei were selected in the sampling process:
 - i. Motech Industries INC
 - ii. M/s Sunwell Solar Corporation
 - iii. M/s Del Solar Co Ltd
97. The Authority notes that M/s Motech Industries INC is the only respondent cooperative producer/exporter from Chinese Taipei which filed exporter's questionnaire response. The data/information furnished by Motech Industries INC was verified by the Authority. The Authority further notes that in the EQ response, Motech Industries INC, Chinese Taipei claimed export of ***pcs (**KW) for a gross value of US \$ *** of subject goods to India during the POI.
98. In the EQ response, at Para A.5, with regard to information regarding all subsidiaries or related companies in all countries which are involved with the product concerned, Motech Industries INC declared AE Polysilicon Corporation, USA as the only subsidiary involved in the manufacture of subject goods. But, during the on the spot verification it has come to notice of the Authority that Motech Industries INC has many other related companies in Chinese Taipei and also in other countries namely TSMC Solar, Taiwan, Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR, Motech America LLC and Itogumi Motech, Japan which are also involved in the subject goods but not declared by Motech

Industries INC in the EQ response filed before the Authority. Further, as per the information available with the Authority M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR, one of the related companies, has made substantial volume of export of subject goods to India during the POI, the details of which has not been declared by Motech Industries INC in the EQ response filed before the Authority, despite China PR being one of the subject countries in the present investigation.

99. The verification report was provided by the Authority to Motech Industries INC, Chinese Taipei for comments. In their comments to the verification report, Motech Industries INC stated that M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR had submitted the sampling questionnaire but not sampled by the Authority. Further, it is acknowledged that solar cells have been sold by Motech Industries INC, Chinese Taipei to M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR for producing modules for sale to other countries and not India. The subject goods exported by M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR are of Chinese origin.
100. The Authority notes that non-selection of M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR in the sampling process does not justify non-declaration of the details of the said related party along with other such related parties in the exporter's questionnaire response filed by Motech Industries INC, Chinese Taipei. Further, China PR being a subject country, the post verification submission of Motech Industries INC, Chinese Taipei that the solar cells sold by Motech Industries INC, Chinese Taipei to M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR during the POI are meant for producing modules by M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR for sale to other countries and not India and the subject goods exported by M/s Motech (Suzhou) Renewable Energy Co Ltd, China PR to India during the POI are of Chinese origin, are not verifiable and therefore cannot be accepted.
101. In view of the above position, the Authority does not accept the EQ response filed by Motech Industries INC, Chinese Taipei as reliable and therefore does not grant individual export price to Motech Industries INC, Chinese Taipei in the present investigation.

Non-cooperative Exporters From Chinese Taipei

102. In respect of all other exporters from Chinese Taipei who are treated to be non-cooperative, the Authority has determined their net export price as per facts available in terms of Rule 6(8) of the Rules. The net export price determined by the Authority for the non-cooperative exporters/producers of the product consideration in Chinese Taipei covering Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films as US\$***/Watt, US\$***/Watt and US\$ ***/Watt, respectively. The weighted average net export price of the product under consideration determined on the above basis is US\$ ***/Watt.

I. DUMPING MARGIN

Sampled and Cooperative Exporters from China PR

103. Considering the Normal value and Export prices as determined above, the dumping margins have been determined as follows for the sampled cooperative exporters from China PR:

Sl.No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Normal Value - US\$/ Watt	Net Export price - US\$/ Watt	Dumping Margin - US\$/ Watt	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	China - Hong Kong - India	Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, China PR	Canadian Solar International Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	60-70

Non Sampled Exporters from China

104. The dumping margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, has been determined on the basis of the dumping margin determined for the above stated cooperative exporter in China in terms of Rule 18(2) of the Rules. Thus the dumping margin in respect of the non-sampled exporters from China PR is as per the table below:

Sl. No	Name of the producer	Name of the Exporter	Dumping Margin - US\$/Watt	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR	Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR			
2	Chint Solar (Zhejiang), Co Ltd, China PR	Chint Solar (Zhejiang), Co Ltd, China PR			
3	Jinko Solar Co Ltd, China PR	Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China PR			
4	Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR	Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China PR			
5	Del Solar (Wujiang) Ltd, Chin PR	Del Solar (Wujiang) Ltd, Chin PR			
6	LDK Solar Hitech (Suzhou) Co Ltd, China PR	LDK Solar Hitech (Suzhou) Co Ltd, China PR			
7	Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, China PR	Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, China PR			
8	Shangluo BYD Industrial Co Ltd, China PR	Shangluo BYD Industrial Co Ltd, China PR			
9	Dongfang Electric (Yixing) Magi Solar Power Technology Co Ltd, China PR	Dongfang Electric (Yixing) Magi Solar Power Technology Co Ltd, China PR			
10	JiangyinHareon Power Co Ltd, China PR	JiangyinHareon Power Co Ltd, China PR			
11	Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd, China PR	Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd, China PR			
12	HanzhouDahe Thermo Magnetics Co Ltd, China PR	HanzhouDahe Thermo Magnetics Co Ltd, China PR			
13	Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR	Zhejiang Jinko Solar Trading Co Ltd, China PR			
14	AnjiDaSol Solar Energy Science & Technology Co Ltd, China PR	AnjiDaSol Solar Energy Science & Technology Co Ltd, China PR			
15	YuhuanSinosula Science & Technology Co Ltd, China PR	YuhuanSinosula Science & Technology Co Ltd, China PR			
16	Perlight Solar Co Ltd, China PR	Perlight Solar Co Ltd, China PR			
17	CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR	CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR			
18	Ningbo Qixin Solar Electricals Appliance Co Ltd, China PR	Ningbo Qixin Solar Electricals Appliance Co Ltd, China PR			
19	Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR	Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR			
20	Shanghai BYD Co Ltd, China PR	Shanghai BYD Co Ltd, China PR			
21	Renesola Jingsu Ltd, China PR	RenesolaJingsu Ltd, China PR			
22	Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR	Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR			
Dumping Margin			***	***	60-70

All other exporters from China PR

105. Dumping margin for all other non-cooperating exporters from China PR has been determined by the Authority on the basis of best available facts as given in the table below:

Particulars	Normal Value - US\$/Watt	Net Export price - US\$/Watt	Dumping Margin - US\$/Watt	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
All other Producers/ Exporters	***	***	***	***	100-110

Dumping Margin in case of USA

106. Considering the normal value and export price as determined above, the dumping margin for the producers/exporters from USA is determined as follows:

Sl.No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Normal Value - US\$/Watt	Net Export price - US\$/ Watt	Dumping Margin - US\$/ Watt	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
1	USA - Germany - India	First Solar Inc, USA	First Solar GmbH Mainz, Germany	***	***	***	***	5-15
2	Any	All Other Producers from USA	All Other Exporters from USA	***	***	***	***	40-50

Dumping Margin in case of Malaysia

107. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin has been determined by the Authority with regard to Malaysia as per the table below:

Particulars	Normal Value - US\$/ Watt	Net Export price - US\$/Watt	Dumping Margin - US\$/ Watt	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	60-70

Dumping Margin in case of Chinese Taipei

108. Comparing the normal value and export prices as determined in the preceding paragraphs, the dumping margin has been determined by the Authority with regard to Chinese Taipei based on best available facts as per the table below;

Particulars	Normal Value - US\$/ Watt	Net Export price - US\$/ Watt	Dumping Margin - US\$/ Watt	Dumping Margin - %	Dumping Margin Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	70-80

J. METHODOLOGY FOR INJURY DETERMINATION AND EXAMINATION OF INJURY AND CAUSAL LINK**INJURY EXAMINATION****Submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties**

109. The following are the injury related submissions made by the producers/exporters/importers/other interested parties:

- Injury analysis is based on the injury data of only 12% of the total production of the PUC in India and the same cannot be considered as representative of domestic industry.
- There is a huge gap between the capacity and demand. Domestic module producers working at 100% capacity utilization would only fulfil 13% of the total demand. Indian demand is being met by imports, as the Indian industry was created and focused itself on exports.
- PCN-wise Analysis is required for a Heterogeneous PUC in order to meet the "fair comparison" requirements under WTO Agreement.
- There has been a significant dip in the prices of major inputs as well as the PUC on a month-wise basis over the POI. Price fluctuations in the PUC and major inputs thereof call for a month-wise analysis to avoid skewed results.
- The domestic industry has not suffered injury due to imports into India. Performance of the domestic industry has materially improved as far as domestic market is concerned. The reasons for significant price decline are significant decline in the cost of basic input, silicon wafer. The cost of production of the

domestic industry has increased due to incidence of fixed costs due to collapse of exports of the domestic industry.

vi. Domestic Industry has created significant excess capacity considering export markets, which collapsed. Petitioners have invested too heavily in the product under consideration which are not only disproportionately higher as compared to capacity additions but also were intended for exports.

vii. A determination of injury shall involve an objective examination of both (a) the volume of the dumped imports and the effect of the dumped imports on prices in the domestic market for like article and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. The Designated Authority is required to determine both.

viii. The domestic industry had capacity utilization of 88.61% in 2008-09, which implies that the domestic industry could have produced 410.26 MW during period of investigation. As against this, the domestic industry produced only 26.03 MW. Thus, the domestic industry was faced with exorbitant fixed cost, high depreciation, high interest cost during this period which had to be absorbed on the production of 26.03 MW only. Thus, petitioners have suffered very heavy high fixed cost during this period which is the sole cause of decline in profitability.

ix. The petitioners have claimed steep decline in profits despite significant decline in raw material cost which clearly establishes that decline in profits is due to steep increase in the fixed cost as a result of collapse of export market.

x. For determining injury margin, Authority is required to determine non injurious price for thin film. However, the Designated Authority cannot determine non injurious price for thin film for the reason that there is no producer of thin film who is part of petitioners. Thus, possibility of thin film substituting crystalline products, in any case, cannot be a ground for including thin film products within the scope of the product under consideration.

xi. Cost of production of Moser Baer for thin film could not have been an appropriate benchmark for the reason that Moser Baer itself has found its production facilities insufficient/inappropriate/incompetitive and instead of production, the company has resorted to significant imports.

xii. Imports price from subject countries and non-subject countries are at comparable level. Thus, if the petitioners contend that these imports are at dumped prices, they have proceeded on a discriminatory basis in violation of Rule 19. Further, if petitioners maintain that these imports are undumped imports, this directly attracts the provisions of causal link. Either way, the petition is not maintainable in its present form.

xiii. It would be seen that depreciation cost of the two companies increased from Rs.267 lacs to 5417 lacs i.e. about twenty times, whereas interest cost increased from 960 lacs to 9100 lacs, i.e., about ten times. The disproportionate increase in depreciation & interest cost is because of collapse of export market. Even though petitioners have stated that they have segregated injury because of exports, it seems the same has been done only in respect of profits and not in respect of other parameters such as production, capacity utilization, sales volumes, etc. and also not done for apportionment of expense between domestic and exports. The depreciation and interest cost must be charged to domestic production for the purpose of determining domestic profit in the ratio of capacity.

xiv. Further, on the same lines, conversion and all other fixed costs of the company must be charged onto the domestic production in the ratio of capacity. Since petitioner domestic industry has not even produced the product under consideration during the relevant period despite enhancement of capacities to the extent it has produced in the past, such high fixed cost cannot be charged to the domestic production for the purpose of determining domestic profit under Annexure-II.

xv. Since collapse of export market is clearly a different factor and since this injury cannot be charged to the domestic market for the purpose of determining profit under Annexure-II, the DA should normate the fixed cost and thereafter determine profits.

xvi. The analysis of import and determination of volume and value of import is full of serious errors. There are hundreds of transactions where the assessment of imports volume is flawed. If import volumes are rectified in all these transactions, the emerging position shall be entirely different than what claimed by the petitioners.

xvii. The imports from non-subject countries increased significantly in period of investigations as compared to preceding year. It would, therefore, be inappropriate to discriminatorily proceed against imports from subject countries and ignore imports from non-subject countries.

xviii. Domestic industry is selling the product at a price materially below the landed price of imports. Such being the case, the domestic industry cannot claim that imports have adversely impacted the domestic industry.

xix. It is submitted that the level of co-operation from USA is 100% in this investigation. Therefore, the Designated Authority is required to consider the weighted average export price of co-operating exporters for the purpose of examination of price effect of the alleged dumped imports on the domestic industry.

xx. Petitioners have reported significant increase in per unit costs during period of investigation. There is no justification for such a massive increase in the cost of sale during POI particularly because there is no material increase in the prices of various materials/inputs consumed in the production of the product concerned.

xxi. The domestic industry has resorted to massive capacity expansion over the period. It is obvious that such robust capacity expansion could not be commercialised immediately. Further, it also shows that the capacity expansion have been made without adequate consideration to the market situation. It would be seen that these capacity additions were not made keeping in mind the domestic demands. These were made keeping in mind the export demands. However, unfortunately for the petitioners, the market for product under consideration has not done well in the global market and the global situation is faced with severe economic recession, thus leading to collapse of performance of the domestic industry.

xxii. The decline in selling price of the domestic industry is far too high as compared to decline in cost of production. At the same time, there is increase in landed price of imports. There is therefore, no relation between cost, price and landed price.

xxiii. The petitioners have completely withheld a vital fact from the Designated Authority that the silicon wafer prices have very dramatically declined over the injury period, which is the primary cause of the decline in the prices of c-Si PV products.

xxiv. Thin Film and c-Si PV do not and cannot compete with each other. These are alternatives and not like articles. The developer's decision on Thin Film or c-Si PV or even others totally depends on overall project cost and profitability of the developers. It would, therefore, be inappropriate to compare Thin Film price with c-Si PV price.

xxv. The petitioner's claim that per unit cost have increased in period of investigation as compared to previous year is not correct. None of the inputs involved with product under consideration have shown so significant increase in the cost that the same shall result in so significant increase in the cost of production. Indeed, increase in cost by 50% in POI as compared to preceding year is very significant increase and the same is totally unjustified. Rather one of the plausible reasons for significant increase in the cost seems to be the decline in the production in the POI, which plummeted because of significant decline in exports. Thus, the reason for increase in cost of production is not on account of either increase in the input cost or any other factor associated with the production for the domestic market but because of collapse of exports.

xxvi. The increase in depreciation is extremely high as compared to the increase in capacity, production and Gross Fixed Assets. Evidently, the depreciation charged to the product under consideration for domestic market does not in fact pertain to domestic operations thus leading to an excessive high cost of production and resultantly lower profits in the product under consideration.

xxvii. Whereas domestic production and domestic sales have shown a consistent increase over the entire period, the profits of the domestic industry have very steeply declined over the period. There can be no justification for so significant decline in profitability when (a) domestic production and domestic capacity utilisation have improved, (b) cost of production has declined globally due to decline in input costs and (c) price undercutting is negative.

xxviii. While it is not clear whether information with regard to capital employed has been segregated for domestic and exports, it appears that the information presented is in respect of overall operations. The capital employed appears to have increased far disproportionate to the increase in the capacities.

- xxix. The trend in working capital is also highly erratic. There was significant increase in working capital during 2009-10 and decline thereafter. Further, working capital declined in period of investigation.
- xxx. The parameters such as employment, productivity and wages of the domestic industry during the POI showed improvement.
- xxxi. As regards price undercutting, the claim of the petitioner is actually a result of serious errors in assessment of import volume and resultantly import price. The price undercutting during the period of investigation in fact is negative.
- xxxii. Non-utilization of investments is because of adverse performance in exports and not due to domestic performance.
- xxxiii. The installed capacity with petitioners shows an increase in first twelve months and then a decline in subsequent six months. There appears no rationality for this aberration barring some possible inaccuracy in the data.
- xxxiv. Production of petitioners significantly declined in this period from 157 MW in 2007-08 to 81 MW in first twelve months and 10 MW in later six months of POI.
- xxxv. Domestic sales volumes of the domestic industry have shown continued increase from almost '0' in base year to 2, 3, 5 and then 10 MW respectively in subsequent periods. Further, sales volumes in later six months of period of investigation were doubled of sales volumes in first twelve months of period of investigation (i.e., four times increase in later six months in a situation where the sales volumes in first 12 months were already higher than previous year).
- xxxvi. Comparison of production and sale shows that the entire production in later six months was for domestic market and exports have declined to zero.
- xxxvii. The drop in selling price appears far disproportionate to the decline in import price during the period.
- xxxviii. Petitioners have claimed the same per unit cost in twelve and eighteen months, which implies the same per unit cost in first twelve and next six months of period of investigation. This is impossible and clearly shows either some error or non upgradation of cost of production by the domestic industry.
- xxxix. Profit before tax steeply declined despite the fact that sales volumes doubled between first twelve months and later six months. This clearly shows adverse effect of large fixed cost that are being incurred by the petitioners because of their exports orientation and total collapse of export markets.
- xl. Interest shows whopping increase in eighteen months as compared to twelve months which implies significant increase in interest cost in later six months as compared to first twelve months of the proposed period of investigations.
- xli. Profit before interest and tax shows a position similar to profit before tax. In fact, data shows far higher deterioration in profit before interest as compared to profit before tax because of whopping increase in interest cost.
- xlii. Depreciation trend shows a position similar to that of interest. There is whopping increase in depreciation in six months despite three times increase in the domestic production and domestic sales.
- xliii. Productivity of the domestic industry has very steeply declined in period of investigation and the same may not be attributed to alleged dumped imports.
- xliv. Market share of domestic industry shows a robust increase in six months.
- xlv. Even when performance of the domestic industry declined significantly in later six months of the period of investigation; the decline is very clearly due to collapse of export market which became zero in later six months of the period of investigation. Performance of the domestic industry has shown robust improvement in the domestic market while export performance collapsed. Thus, injury cannot be attributed to imports of the subject goods.
- xlvi. The segmented assets of Indosolar are segregated purely on geographical basis and its asset base in India should not be construed to be solely for domestic operations. Both Indosolar and Websol are having very high interest and depreciation cost due to their high capital investments and borrowing, mainly for catering to export markets, thereby breaking the causal link.
- xlvii. The lower quality of cells and modules offered by the Indian producers is a direct result of the Petitioners being unable to employ the new technological changes in the world. Thus the alleged dumping and injury have no causal link.

xlviii. The injury analysis provided by the Applicants is inconsistent with their own claims of dumping. At one instance, the Applicants have done a product to product comparison of dumping. On the other hand, the injury analysis appears to be presented for the entire product under consideration as one. Such an analysis pre-supposes interchangeability between cells, modules and thin films. This is bound to create an unbalanced and untenable injury analyses.

xlix. Most of the solar cell and module manufacturers of India do not provide anti-reflective coating to protect against Potential Induced Degradation (PID) i.e. loss of system power caused by leakage of current at high voltage and at high temperatures.

- i. While most of the imported modules come with 25 years warranty supported by insurance policy, the Indian industries do not provide any such facility.
- ii. Not all the domestic producers manufacturing modules, and, so injury should be seen separately for cells and modules.
- iii. There is no causal link between alleged dumping and injury. Domestic Industry has erroneously attributed injury caused by other factors (as also admitted in their Annual reports) to dumping.

Submissions made by the domestic industry

110. The following are the injury related submissions made by the domestic industry:

- i. The issue that the petitioners are 100% EOU/SEZ unit does not negate their rights and interests in domestic market. The segregated injury information shows that the domestic producers have suffered material injury due to dumping from subject countries.
- ii. The allegation that the domestic industry does not have sufficient capacity to meet the Indian demand is baseless.
- iii. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate since the subject goods are like articles and are competing in the same market; the imported products are being sold through the comparable channel of distribution and to comparable category of customers; products from the subject countries are undercutting the prices of the domestic industry in the market and imports from subject countries are increasing.
- iv. Though the demand has increased significantly during POI as compared to base year, the market share of domestic industry went up only nominally which evidently shows that the domestic industry has been crowded out by such huge dumped imports. Entire increase in demand was absorbed by dumped imports putting the domestic industry in an absolute adverse situation.
- v. Imports from subject countries increased in absolute term as also in relation to total imports, production and consumption in India. Imports from subject countries constituted almost 87% of the total Indian demand.
- vi. During POI, the price undercutting was significant. Further the decline in selling price was higher than such decline in cost of production that the domestic industry remained in financial losses. This shows there is price depression as well.
- vii. Domestic industry has suffered material injury as well as threatened with continued injury.
- viii. The production and capacity utilization of the domestic industry have declined both in absolute and relative term in the POI. Production and sales of the domestic industry that should have increased with the pace of increase in demand of product in India have on the contrary shown a significant decline in POI. Almost 80% of its capacity is lying idle despite increasing demand.
- ix. Performance of the domestic industry has declined over the years as a result of increase in dumped imports from subject countries. Dumping is causing huge financial losses to the domestic producers and the domestic industry is unable to pass on even the cost of sales to the customers leave aside any profit.

- x. Market share of the domestic industry has severely declined or never materialized whereas that of imports from subject countries has materially increased and in a way dominated the Indian market leaving no space for the Indian producers.
- xi. Solar Cell industry has the potential to provide large number of employment to skilled, semi-skilled and unskilled class of labour. The ability of the industry to provide more employment did not materialize as the domestic industry was almost wiped out from the market.
- xii. Productivity of the domestic industry declined in the POI over the previous year in line with decline in production.
- xiii. Both ROI and cash profit was increasing till 2010-11 and has declined significantly thereafter.
- xiv. Since petitioner was not able to utilize its capacity fully, inventories level has been kept as low as possible to minimize the blockage of working capital. In spite of that fact inventories during 2010-11 and thereafter has increased significantly.
- xv. Growth in terms of, production, capacity utilization, market share, profit per Watt, PBIT, cash profit and ROI has been negative.
- xvi. Given the state of affairs of the domestic industry, substantial fresh investments could not have been made. Yet, small investments have been made to debottleneck capacities in an effort to achieve higher scale of production.
- xvii. The installed capacity of applicant domestic industry is about 308 MW. In a scenario of increasing demand for the PUC, the domestic industry should have achieved a significant market share and operated at 100% capacity utilization. On the contrary the domestic industry has only been able to operate its plant at 20% capacity utilization (POI) mainly due to low priced dumped imports from subject countries.
- xviii. The price undercutting and underselling are so significant that domestic industry is not able to match the price which does not cover even cost.
- xix. The domestic producers as a whole have invested more than Rs. 10,000 Crores in fixed assets alone which are likely to become a sunken investment if the corrective actions to address dumping are not initiated immediately.
- xx. Various interested parties contented that the injury to the domestic industry is due to self-inflicted reasons referring to annual reports of some of the producers. There is no legal or factual basis to this claim. The non-attribution analysis would show that the injury to the domestic industry is primarily caused by the dumped imports.
- xi. Petitioner has exported the product under consideration. However, the claimed injury to the domestic industry is on account of domestic operations in respect of product under consideration only.
- xxii. There is significant difference between the prices offered by the domestic industry and foreign producers. Resultantly, domestic industry lost sales volumes. Thus, decline in sales volumes is a direct consequence of dumped imports from subject country.
- xxiii. Increase in import volumes led to decline in production, domestic sales and capacity utilization of the domestic industry.
- xxiv. Market share of the imports from subject countries increased significantly. As a direct consequence, the market share of the Indian producers declined or remained at negligible levels.
- xxv. Growth of the domestic industry became negative in respect of a number of parameters.
- xxvi. Injury to the domestic industry is only due to dumping. The fact of the matter is when the demand for the product showed robust growth in the country, the sales thereby share of the domestic

industry remained at minuscule levels seriously impacting the profitability. When the dumped imports from subject countries was around 801 MW in the POI (Annualized), the sale that of the domestic industry was only 9.67 MW.

xxvii. The capacity of the domestic industry which was 10 MW in the base year has been increased to 308 MW in the POI where as the demand which was 130 MW in the base year increased to almost 931 MW. So, any enhancement in the capacity was targeting the growing Indian demand and the factor which requires a special mention here is that the imports from subject countries which were 28 MW in the base year increased to 801 MW in the POI. Thus, it can't be said that the increase in capacity by the petitioner was not in tandem with the increase in domestic demand.

xxviii. The aggressive dumping practiced by the producers/exporters from subject countries has literally bulldozed the domestic industry and the domestic industry was left in a situation of serious injuries.

xxix. Decline in sales volumes of domestic industry is a direct consequence of dumped imports from subject countries; Imported product is severely undercutting the prices of the domestic industry and there is serious price underselling; Imported product is severely undercutting the prices of the domestic industry and there is serious price underselling; Increase in import volumes led to decline in production, domestic sales and capacity utilization of the domestic industry; Market share of the imports from subject countries increased significantly. As a direct consequence, the market share of the Indian producers declined or remained at negligible levels irrespective of the mammoth growth in demand; Growth of the domestic industry became negative in respect of a number of parameters.

xxx. Injury to the domestic industry needs to be examined based on different injury parameters as per the rule and factor like volatility in input price or any alleged other reasons in the annual reports can't be the sole factor with regard to determination of injury and causal link.

xxxi. Export performance of the company doesn't have any linkage to the injury information in the application as the applicant has segregated injury data for domestic and exports. Information about exports by the applicants is also provided at the appropriate places in this final finding.

Examination by the Authority

111. Article 3.1 of the WTO Agreement and Annexure-II of the AD Rules provide for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like products; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such products. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

112. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry para (iv) of Annexure-II of the AD Rules states as follows.

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment, wages, growth, ability to raise capital investments."

113. The injury analysis made by the Authority hereunder ipso facto addresses the various submissions made by the interested parties. However, the specific submissions made by the interested parties are addressed by the Authority as below:

- i. As regards the contention that injury analysis is based on the injury data of only 12% of the total production of the PUC in India and the same cannot be considered as representative of domestic industry, the Authority notes that in terms of Rule 11 read with Annexure II of the Anti-dumping Rules, the designated authority shall determine injury to the domestic industry vis-à-vis dumped imports. Further, the domestic industry has been defined under Rule 2(b) of the Rules. The applicants in the present investigation constitute domestic industry under Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules and the injury analysis has been done on the basis of the verified information pertaining to the domestic industry.
- ii. As regards the submission that there is a huge gap between the capacity and demand in India and imports are inevitable, the Authority notes that it is neither mandatory on the part of the domestic industry under the Anti-dumping Rules to fulfill the entire demand to be eligible for a fair price in the market, nor justifies dumping by any country. Moreover, the Authority notes that imposition of anti-dumping measures do not prevent the importers/users to import, but rather ensures multiple sources of supply at fair and competitive prices. The Authority also notes that despite significant increase in domestic demand, the market share of the domestic industry increased very nominally which signifies that the entire domestic demand is absorbed by dumped imports.
- iii. As regards the submission that PCN-wise Analysis is required for a “fair comparison”, the Authority notes that the PUC in the present investigation consists of Crystalline Cells and Modules and Thin Film Modules and the injury analysis is conducted taking in to consideration the data both individually and cumulatively considering the PUC as defined for the present investigation.
- iv. As regards the submission that a month-wise analysis is required in the present investigation due to significant fluctuation in the prices of major inputs and the finished products during the POI, the Authority notes that the price undercutting has been done on monthly basis.
- v. As regards the submission that the domestic industry has not suffered injury due to imports, but rather due to fluctuations in the input prices, fall in the export market etc, the facts as laid down in the injury analysis herein below, which has taken in to account all such factors, is self-explanatory. Moreover, while conducting injury analysis, the Authority has segregated the information concerning exports by the domestic industry and the export performance has no bearing on the injury determined in the present investigation. As regards the submission that NIP should be determined taking into consideration the export orientation of domestic industry it is noted that NIP is determined as per Annexure III of the AD Rules.
- vi. As regards the contention that the domestic industry has created excess capacity considering export markets and fall in the export market has caused real injury to the domestic industry, the Authority notes that the domestic industry has in fact added capacity during the injury period, but not primarily to cater to the overseas markets alone. The Authority further notes that during the same period, the demand in the domestic market has shown significant increases. Despite increasing demand and increased capacity, the domestic industry could not increase its market share due to dumping. Thus, the market share of the domestic industry has remained at abysmally low level throughout the injury period.
- vii. As regards the contention that the silicon wafer prices have very dramatically declined over the injury period, and is the primary cause of the decline in the prices of c-Si PV products, the Authority notes that impact of such decline in the prices of major raw materials is an international phenomena and true of all markets. Thus, decline in the prices of major raw materials do not vitiate the eligibility of the producer to realize a fair price in the market and landed price of imports from subject countries have also influenced domestic prices.
- viii. As regards the submissions that no injury and no causal link between injury and dumping and annual reports of the producers show other reasons of injury such as long term raw material contracts, authority notes that it is not necessary that dumping should only be the conclusive reason for injury to the domestic industry but what is important is any injury due to other reasons are not attributed as

injury due to dumping and an examination of any such other factors are done at the appropriate places in this final finding.

K. Cumulative Assessment

114. The Annexure II (iii) of the Anti-Dumping Rules requires that where imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the designated authority will cumulatively assess the effect of such imports, only when it determines that :

- The margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article; and
- Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

115. The Authority notes that the dumped imports are entering the Indian market simultaneously from the subject countries. Therefore, the issue of cumulative assessment of the injury caused to the domestic industry due to dumped imports from these sources has been examined with respect to the above parameters and it was observed that:

- The margins of dumping of individual products from each of the subject countries are more than the *de-minimis* limit;
- The volume of imports of individual products from each of the subject countries is more than the *de-minimis*;
- Imports from the subject countries are significantly undercutting the prices of the domestic industry in the market;

116. In view of the above, the Authority considers it appropriate to cumulatively assess the effects of dumped imports of the subject goods from the subject countries on the domestic industry in the light of conditions of competition between imported product and like domestic product. The Authority notes that the margin of dumping and quantum of imports from subject countries are more than the limits prescribed above.

117. Annexure-II of the Anti-dumping Rules provides for an objective examination of both, (a) the volume of dumped imports and the effect of the dumped imports on prices, in the domestic market, for the like articles; and (b) the consequent impact of these imports on domestic producers of such articles. With regard to the volume effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been a significant increase in dumped imports, either in absolute term or relative to production or consumption in India. With regard to the price effect of the dumped imports, the Authority is required to examine whether there has been significant price undercutting by the dumped imports as compared to the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress the prices to a significant degree, or prevent price increases, which would have otherwise occurred to a significant degree.

118. As regards the impact of the dumped imports on the domestic industry. Para (iv) of Annexure-II of the Anti-dumping Rules states as follows:

"The examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry concerned, shall include an evaluation of all relevant economic factors and indices having a bearing on the state of the Industry, including natural and potential decline in sales, profits, output, market share, productivity, return on investments or utilization of capacity; factors affecting domestic prices, the magnitude of margin of dumping actual and potential negative effects on cash flow, inventories, employment wages growth, ability to raise capital investments."

119. For the examination of the impact of imports on the domestic industry in India, the Authority has considered such further indices having a bearing on the state of the industry as production, capacity utilization, sales quantum, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping etc. in accordance with Annexure II(iv) of the Rules supra.

L. Volume Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

a) Demand and market share

120. Authority has defined, for the purpose of the present investigation, demand or apparent consumption of the product in India as the sum of domestic sales of the Indian Producers and imports from all sources. The demand so assessed is given in the table below:

i) Demand

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Demand	KW	1,45,833	1,67,455	2,43,277	14,17,230	9,44,820
Indexed	Trend	100	115	167	648	648
Imports from Subject Countries	KW	57,661	1,00,871	1,73,015	12,08,362	8,05,575
Imports from Other Countries	KW	84,593	59,623	61,930	1,90,512	1,27,008
Sales of Domestic Industry	KW	70	1,982	3,482	10,181	6,788
Sales of other Indian Producers (Estimated)	KW	3,510	4,980	4,850	8,175	5,450

ii) Market Share in Demand

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Imports from Subject Countries	%	39.54	60.24	71.12	85.26	85.26
Imports from Other Countries	%	58.01	35.61	25.46	13.44	13.44
Sales of Domestic Industry	%	0.05	1.18	1.43	0.72	0.72
Sales of other Indian Producers	%	2.41	2.97	1.99	0.58	0.58

121. Considering imports from various sources and sales of the Indian Producers, market share of subject imports in demand in India was examined. It is seen that the demand for the product under consideration increased significantly in the country throughout the injury period and also during the POI. While the share of imports from subject countries which was 39.54% in the base year has increased to 85.26% in the POI, the share of the domestic industry which has increased to 1.43% in the immediate previous year has declined to 0.72% in the POI. Thus, the imports from subject countries constituted a significant increase, whilst the share of domestic industry remained abysmally low.

b) Import volume and market share

122. Imports volume from subject country and other countries are as under:-

Particulars		Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Volume	Subject Countries	KW	57,661	1,00,871	1,73,015	12,08,362	8,05,575
	Other countries	KW	84,593	59,623	61,930	1,90,512	1,27,008
	Total imports	KW	1,42,253	1,60,494	2,34,945	13,98,874	9,32,583
Market Share in Imports	Subject Countries	%	40.53	62.85	73.64	86.38	86.38
	Other countries	%	59.47	37.15	26.36	13.62	13.62

123. It is observed from the above table that imports from subject countries increased significantly. It is also noted that imports from subject countries account very significant proportion of total imports of product under consideration in India. Market share of imports from other countries showed a declining trend.

c) Share of imports in relation to production

124. Authority observes that the imports from subject countries have increased in relation to the production of the domestic industry, as is evident from the following table:

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Imports from Subject Countries	KW	57,661	1,00,871	1,73,015	12,08,362	8,05,575
Production of domestic industry	KW	8,861	42,039	1,56,313	89,621	59,747
Imports in relation to production of domestic industry.	%	651	240	111	1,348	1,348

d) Production

125. Production data of the domestic industry is given in the following table:-

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Production	KW	8,861	42,039	1,56,313	89,621	59,747
Trend	Indexed	100	474	1,764	674	674
Demand	KW	1,45,833	1,67,455	2,43,277	14,17,230	9,44,820
Trend	Indexed	100	115	167	648	648
Production in relation to Demand	%	6.08	25.10	64.25	6.32	6.32

It is observed that the production of the domestic industry has increased from 6.08% in 2008-09 to 64.25% in 2010-11 and thereafter declined to 6.32% in the POI.

e) Sales volume

126. Sales volume of the domestic industry is given in the following table:

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Domestic sales	KW	70	1,982	3,482	10,181	6,788
Demand	KW	1,45,833	1,67,455	2,43,277	14,17,230	9,44,820
Market Share of domestic industry in Demand	%	0.05	1.18	1.43	0.72	0.72

It is observed from the above table that market share of the domestic industry has showed increasing trend between 2008-09 and 2010-11 and declined thereafter in the POI though the demand for the product has been increasing significantly during the injury period. It is noted that in 2010-11, the production of the domestic industry had reached the peak level of 64.25% of the demand.

I. Price Effect of the Dumped imports on the Domestic Industry

127. With regard to the effect of the dumped imports on prices, the Designated Authority is required to consider whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like product in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the purpose of this analysis, the weighted average cost of production (COP), weighted average Net Sales Realization (NSR) and the Non-Injurious Price (NIP) of the domestic industry have been compared with the landed cost of imports from the subject countries.

i. Price Undercutting

128. The net sales realization was arrived after deducting outward freight and taxes. The subject goods are freely imported into India as the product falls under the ITA agreement. Landed value of imports has been calculated by adding 1% handling charge only, and the same was compared with net sales realization of the domestic industry and it was found that the dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry as per the table below. The Authority has analysed month-wise the data in respect of the product under consideration comprising of Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films while determining the price undercutting on weighted average basis as given below:

Particulars	Units	China-PR	Malaysia	Taiwan	USA	Subject Countries
Import Volume	KW	6,36,668	1,77,943	2,49,867	1,43,884	12,08,362
CIF Value	Rs.Lacs	3,24,073.95	89,316.77	1,01,371.08	65,018.88	5,79,780.68
CIF Price	Rs./Watt	50.90	50.19	40.57	45.19	47.98
Basic Customs Duty	%	-	-	-	-	-
Cess on BCD	%	-	-	-	-	-
Landed Value	Rs./Watt	51.41	50.70	40.98	45.64	48.46
Net sales realisation	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Price Undercutting	%	***	***	***	***	***
Price Undercutting	Range %	10-20	25-35	5-15	25-35	15-25

It is observed from the above table that imports are undercutting prices of domestic industry. Undercutting is found to be significant and positive in the case of subject countries.

ii. **Price Underselling**

129. Authority notes that the price underselling is an important indicator of assessment of injury. Non-injurious price has been worked out and compared with the landed value of the subject goods to arrive at the extent of price underselling. The non-injurious price has been determined considering the cost of production of the domestic industry for the product under consideration during the POI, in accordance with Annexure III of the Anti-dumping Rules.

130. The Authority has analysed the data in respect of the product under consideration constituted by Crystalline Solar Cells, Crystalline Solar Modules and Thin Films while determining the price underselling on weighted average basis as given below:

Particulars	Units	China-PR	Malaysia	Taiwan	USA	Subject Countries
Import Volume	KW	6,36,668	1,77,943	2,49,867	1,43,884	12,08,362
CIF Value	Rs.Lacs	3,24,073.95	89,316.77	1,01,371.08	65,018.88	5,79,780.68
CIF Price	Rs./Watt	50.90	50.19	40.57	45.19	47.98
Basic Customs Duty	%	-	-	-	-	-
Cess on BCD	%	-	-	-	-	-
Landed Value	Rs./Watt	51.41	50.70	40.98	45.64	48.46
NIP	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Price Underselling	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Price Underselling	%	***	***	***	***	***
Price Underselling	Range %	50-60	55-65	70-80	70-80	60-70

It is observed from the above table that imports of subject goods from the subject countries are causing underselling effects on the prices of domestic industry.

iii. **Price suppression/depression**

131. The Authority examined whether the dumped imports are depressing the prices of the like article in India, or preventing price increases which would have otherwise occurred. The details are given in the table below:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Cost of production	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	55	49	77	77
Selling Price	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Indexed	Trend	100	32	35	26	26

132. It can be seen from the above table that while the cost of production has decreased from 100 to 77(indexed points) from 2008-09 to POI which is primarily due to the fall in basic raw material price consistent with the global trends with regard to silicon wafer prices, the selling price decreased from 100 to 26 (indexed points) during the same period. Thus the domestic selling prices were depressed on account of dumped imports.

M. Economic parameters of the domestic industry

i. **Capacity & capacity utilization**

133. As noted from the table below, there is an enhancement of capacity of the domestic industry in the period 2009-10 and 2010-11 keeping pace with increase in demand. However, capacity utilization of the domestic industry over the injury period has declined despite increase in demand, in the face of increase in imports from the subject countries.

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Capacity	KW	10,000	2,63,093	2,96,869	4,45,303	2,96,869
Capacity utilization	%	88.61	15.98	52.65	20.13	20.13

ii. **Profit/Loss**

134. The profitability of the domestic industry is given in the following table:

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Profits	Rs./Watt	***	***	***	***	***
	Indexed	100	-118	-59	-321	-321
Cash Profit	Rs./Watt	***	***	***	***	***
	Indexed	100	-51	-23	-178	-178
ROCE	%	***	***	***	***	***
	Indexed	100	-18	-32	-149	-149

It is seen from the above table that profitability of the domestic industry declined significantly during the injury period.

iii. **Cash Flow**

135. Authority has examined the trends in cash profits in order to examine the impact of dumping on cash flow situation of the domestic industry. Information regarding cash profit of the domestic industry is given in the following table:

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Cash profits	Rs./Watt	***	***	***	***	***
Trend	Indexed	100	-51	-23	-178	-178

It is seen that the cash profits of the domestic industry declined over the injury period and were in cash losses.

iv. **Inventories**

136. The Inventory position of the domestic industry is as follows:

	Units	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Average Stock	KW	664	6,041	15,332	17,437	17,437
Stock as no. of days sale	Days	27	69	38	107	107

It is noted that inventories with the domestic industry increased in the POI as compared to the base year as well as the previous year.

v. **Productivity**

137. Authority notes that productivity of the domestic industry shows same trend as that of production. Productivity was increasing till 2010-11 and declined in POI.

Particulars	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Productivity per employee	KW/Nos.	***	***	***	***	***
Productivity per day	KW/day	24	115	428	164	164

vi. **Employment and Wages**

138. It is seen from the table below that the employment level has increased throughout the injury period.

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualized
Employment	Nos.	***	***	***	***	***
	Indexed	100	272	360	373	373
Wages	Rs.Lacs	***	***	***	***	***
	Indexed	100	444	670	651	651

vii. Magnitude of Dumping

139. The dumping margin determined in respect of the producers/exporters from the subject countries are above de minimis.

viii. Growth

140. The Authority notes from the table below that growth of the domestic industry in respect of production, capacity utilization, price and profit and ROI was negative.

	Unit	2008-09	2009-10	2010-11	POI
Production	%	--	374	272	(62)
Domestic sales	%	--	2742	76	95
Capacity utilisation	%	--	(72.63)	36.68	(32.53)
Imports from Subject Countries	%	--	75	72	366
Profit/ Watt	%	--	218	50	(445)
ROI	%	--	(20.56)	(2.49)	(20.51)
Selling Price/Watt	%	--	(67.71)	8.66	(25.49)

ix. Ability to raise capital investment

141. It is noted that the domestic industry's ability to rope in any additional investments in the product depends upon the market situation. As it is evident, the market share of the domestic industry is yet to reach any considerable levels.

x. Factors Affecting Domestic Prices

142. The examination of the import prices from the subject countries and other countries, change in the cost structure, competition in the domestic market, factors other than dumped imports that might be affecting the prices of the domestic industry in the domestic market, etc shows that the landed value of imported material from the subject countries is below the selling price and the non-injurious price of the domestic industry, causing significant price undercutting as well as price under selling in the Indian market. It is also noted that the demand for the subject goods was showing significant increase during the injury period and therefore it could not have been a factor affecting domestic prices. Thus, the principal factor affecting the domestic prices is landed value of subject goods from subject countries.

N. Conclusion on material injury

143. After examining and analysing the facts and figures concerning injury to the domestic industry, the Authority concludes that the dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India. It is further noted that imports of the product from subject countries were undercutting the prices of the domestic industry in the market. Even though cost of production decreased over the injury period, decline in selling price were higher than decline in cost of production. The imports were thus suppressing/depressing the prices of the domestic industry and preventing the price increase that would have otherwise occurred in the absence of dumped imports. With regard to consequent impact of the dumped imports on the domestic industry, it is noted that demand for the subject goods in the domestic market increased very significantly, whereas production and sales of the domestic industry remained at the minimal level and more or less stagnant in the face of dominant presence of the dumped imports from the subject countries.

O. CAUSAL LINK AND OTHER FACTORS

144. Having examined the existence of material injury, volume and price effects of dumped imports on the prices of the domestic industry, in terms of its price underselling and price suppression and depression effects, other indicative parameters listed under the Anti-dumping Rules have been examined to see whether any other factor, other than the dumped imports have contributed to injury to the domestic industry. Accordingly, the following parameters have been examined:-

(a) Volume and prices of imports from third countries

145. During the POI, imports of the subject goods from non-subject countries (excluding EU) have been insignificant. As regards the imports from the EU, which has already been examined and addressed in the relevant para of this final finding, the Authority notes that in volume terms the import of the subject goods from EU during the POI was above de minimis level, but price-wise, the said imports are much above than that of the subject countries. Therefore, the imports of subject goods from EU could not have affected the situation of the domestic industry to the extent to break the causal link between the dumped imports from the subject countries and the material injury suffered by the domestic industry.

(b) Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers

146. The Authority notes that the imports of the subject goods in India are freely importable. As regards competition between domestic and foreign producers, the Authority notes that the imported subject goods and domestically produced goods are like articles and are used for similar applications/end uses and are competing in the same market. Further, the Authority notes that imposition of anti-dumping duties by EU and USA on the imports of subject goods from China PR, may result in intensification of Chinese dumping in the Indian market, considering growing demand factor in the Indian market. On the basis of information provided by MNRE, the estimated volume of cell/module production capacity in India and the global capacity/demand is as follows:

- a) Installation of solar projects in India – so far to the tune of 1700 MW.
- b) India's current estimated capacity to produce cells – 1039 MW, Modules (including thin film) about 1937 MW.
- c) Estimated global capacity- 60000 MW
- d) Estimated global production – 40,000 MW.
- e) Estimated global demand - 25,000 MW.

(c) Contraction of demand or Changes in the pattern of consumption

147. The Authority notes that demand for the product showed significant increase during the injury period including the POI. Thus, the Authority that injury to the domestic industry was not due to contraction in demand.

(d) Development in Technology

148. None of the interested parties have furnished any evidence of any change in technology of production of the subject goods which can be construed as cause of injury to the domestic industry.

(e) Export performance of Domestic Industry:

149. The details of exports by the petitioner are as follows;

Period	2008-09	2009-10	2010-11	POI	POI Annualised
Volume in KW	***	***	***	***	***
Indexed	100	341	1,619	596	596

The Authority notes that the export performance of domestic industry has improved during the injury period and declined during the POI. However, in the injury analysis, the performance of the domestic industry has been segregated by the Authority for domestic and export markets. The segregated data has established injury to the domestic industry on account of dumped imports. Although during the POI there is a decline in exports, the domestic industry could not take advantage of increased demand in India by improving its domestic market share due to dumped imports.

P. FACTORS ESTABLISHING CAUSAL LINK

150. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters show that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- i. The dumped imports of the subject goods from the subject countries have increased in absolute terms as also in relation to production and consumption of the subject goods in India.
- ii. The imports of the subject goods from the subject countries are undercutting the prices of domestic industry. Further, the dumped imports have caused price underselling, price suppression as well as price depression effects.
- iii. Significant increase in the demand coincided with significant increase in imports of subject goods from subject countries deprived the domestic industry from its rightful share in the domestic market;
- iv. Performance of the domestic industry with regard to production, sales, profits, market share, cash profit, capacity utilisation, return on investments, inventory level etc, have shown negative growth.

151. Thus the Authority concludes that the domestic industry suffered material injury due to dumped imports.

Q. MAGNITUDE OF INJURY AND INJURY MARGIN

152. The Authority has determined non-injurious price for the domestic industry on the basis of principles laid down in the Annexure III of the Anti-dumping Rules. The non-injurious price so determined has been compared with the landed prices of imports from the subject countries as follows:

China PR**Sampled Respondent Cooperative Exporters from China PR**

Sl. No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Non Injurious Price - US\$/ Watt	Landed price - US\$/Watt	Injury Margin - US\$/ Watt	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
1	China - Hong Kong - India	Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, China PR	Canadian Solar International Ltd, Hong Kong	***	***	***	***	50-60

Non Sampled Exporters from China

153. The injury margin for the following exporters who had made themselves known in response to the sampling questionnaire but not sampled by the Authority, has been determined on the basis of the injury margin determined for aforesaid cooperative exporter in China in terms of Rule 18(2) of the Rules. The injury margin in respect of the non-sampled exporters from China PR is as per the table below:

Sl. No	Name of the producer	Name of the Exporter	Injury Margin - US\$/ Watt	Injury Margin - %	Injury Margin Range %
1	Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR	Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR			
2	Chint Solar (Zhejiang), Co Ltd, China PR	Chint Solar (Zhejiang), Co Ltd, China PR			
3	Jinko Solar Co Ltd, China PR	Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China PR			
4	Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR	Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China PR			
5	Del Solar (Wujiang) Ltd, Chin PR	Del Solar (Wujiang) Ltd, Chin PR			
6	LDK Solar Hitech (Suzhou) Co Ltd, China PR	LDK Solar Hitech (Suzhou) Co Ltd, China PR			
7	Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, China PR	Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, China PR			
8	Shangluo BYD Industrial Co Ltd, China PR	Shangluo BYD Industrial Co Ltd, China PR			
9	Dongfang Electric (Yixing) Magi Solar Power Technology Co Ltd, China PR	Dongfang Electric (Yixing) Magi Solar Power Technology Co Ltd, China PR			
10	Jiangyin Hareon Power Co Ltd, China PR	JiangyinHareon Power Co Ltd, China PR			
11	Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd, China PR	Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd, China PR			
12	HanzhouDahe Thermo Magnetics Co Ltd, China PR	HanzhouDahe Thermo Magnetics Co Ltd, China PR			
13	Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR	Zhejiang Jinko Solar Trading Co Ltd, China PR			
14	AnjiDaSol Solar Energy Science & Technology Co Ltd, China PR	AnjiDaSol Solar Energy Science & Technology Co Ltd, China PR			
15	Yuhuan Sinosula Science & Technology Co Ltd, China PR	YuhuanSinosula Science & Technology Co Ltd, China PR			
16	Perlight Solar Co Ltd, China PR	Perlight Solar Co Ltd, China PR			
17	CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR	CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR			
18	Ningbo Qixin Solar Electricals Appliance Co Ltd, China PR	Ningbo Qixin Solar Electricals Appliance Co Ltd, China PR			

19	Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR	Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR			
20	Shanghai BYD Co Ltd, China PR	Shanghai BYD Co Ltd, China PR			
21	Renesola Jingsu Ltd, China PR	RenesolaJingsu Ltd, China PR			
22	Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR	Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR			
Injury Margin			***	***	50-60

All other exporters from China PR

154. Injury margin for all other non-cooperating exporters from China PR has been determined by the Authority on the basis of best available facts as given in the table below:

Particulars	Non Injurious Price - US\$/Watt	Landed price - US\$/Watt	Injury Margin - US\$/Watt	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
All other Producers/Exporters	***	***	***	***	90-100

USA

Injury Margin in case of USA

155. Considering the Non Injurious Price and landed value determined above, the injury margin for the producers/exporters from USA is determined as follows:

Sl. No.	Channel of Export	Producer	Exporter	Non Injurious Price - US\$/Watt	Landed price - US\$/Watt	Injury Margin - US\$/Watt	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
1	USA - Germany - India	First Solar Inc, USA	First Solar GmbH Mainz, Germany	***	***	***	***	25-35
2	Any	All Other Producers from USA	All Other Exporters from USA	***	***	***	***	50-60

Malaysia

Injury margin in case of Malaysia

156. Considering the Non Injurious Price and landed value determined above, the injury margin for the producers/exporters from Malaysia is determined as follows:

Particulars	Non Injurious Price - US\$/Watt	Landed price - US\$/Watt	Injury Margin - US\$/Watt	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	55-65

Chinese Taipei

Injury Margin in case of Chinese Taipei

157. Considering the Non Injurious Price and landed value determined above, the injury margin for the producers/exporters from Chinese Taipei is determined as follows;

Particulars	Non Injurious Price - US\$/Watt	Landed price - US\$/Watt	Injury Margin - US\$/Watt	Injury Margin - %	Injury Margin Range - %
All Producers/Exporters	***	***	***	***	65-75

R. Post Disclosure Comments

158. The following are the post-disclosure submissions/comments made by the opposing interested parties and considered relevant by the Authority:

- The time granted by the Authority for disclosure comments is inadequate.

- ii. The petition on the basis of which the present investigation has been initiated does not have accurate and adequate evidence to justify initiation. Designated Authority should terminate the investigation on the ground of de-minimus dumping margin which may arise after establishing accurate and adequate evidences. Once DA comes to a conclusion that dumping margin in respect of thin film is de-minimus, dumping margin in respect of imports of thin film from USA and resultantly volume of dumped imports from USA become de-minimus, there is no surviving claim of dumping beyond de-minimus before the Designated Authority.
- iii. The disclosure statement has observed that import of the PUC from the European Union during the POI was priced much higher as compared to the import of the PUC from the subject countries and therefore there is no case of causing injury to the DI due to import of the PUC from the European Union. However this conclusion is erroneous as the DI itself has presently filed a petition before the DA alleging dumping and subsequently material injury due to import of the PCU from the European Union. Authority has acknowledged the fact that imports of the subject goods from non-subject countries have been insignificant, with the exception of the EU. Failure to include the EU as a subject country fails the causal link as well.
- iv. Petitioners have now contended that imports from EU are not causing injury because the import price from EU is higher than the import price from subject countries. However, any price comparison must be done separately for cells, modules and thin film, which would show that the import price from EU were lower than the import price from subject countries.
- v. Despite the situation as per the DGCI&S data, exclusion of the EU as a subject country in the present investigation constitutes a violation of the legal provisions. Authority had initiated the investigation on the basis of the Impex Statistics data, shifting to a completely different data set towards the end of the investigation with no reasoned explanation is not justified.
- vi. The methodology adopted by the Applicant for conversion from Nos to Kgs and from Kgs to Watt peak is erroneous.
- vii. The volume and price of imports adopted by the authority is erroneous for the reason that the volume and price of imports reported by the petitioners is erroneous. Petitioners have erroneously considered the import transactions as imports of crystalline modules, while the description makes it evident that these are thin film products. The Authority should disclose the relevant data since petitioners seem to have manipulated the import data.
- viii. Weighted average analysis adopted by the Authority is appropriate where the PUC is a homogenous product. What is required in the present investigation is PCN wise analysis. The country-wise breakdown of PCN specific import data from the DGCI&S has not been provided by the Designated Authority.
- ix. The Indian Renewable Energy sector is a growing industry and the Solar Energy sector is potentially one of the largest sources of renewable energy for India in the foreseeable future. The developments of Solar Energy and related power projects in India is encumbered by the backward technology of the Indian producers which results in lower quality products being utilised for solar projects. The cost of solar power production will increase by at least Rs 1.6 crore per mw if anti-dumping duty is imposed on the subject imports
- x. The imposition of anti-dumping duty may invite similar retaliatory measures by other countries on the Indian export of the subject goods.
- xi. Project under development should be exempted from anti dumping duty.
- xii. Cells/modules and thin films are not like articles and therefore not substitutable. Thin film and CSPV are alternate articles but not like articles. Antidumping Rules however recognize like articles and not alternate articles. Therefore separate injury and causality examination should have been done for each of the products. Further, the imposition of anti-dumping duties only on crystalline products would not lead to a shift to thin film products.

- xiii. As the domestic industry does not produce thin film products, imports of thin film products cannot be causing injury to a domestic industry that produces only crystalline products.
- xiv. US Authorities have clearly held that thin film and crystalline modules constitute dislike articles. Report of Australian Anti-dumping Commission in the matter of anti-dumping investigations concerning imports of Certain Crystalline Silicon Photovoltaic Modules or Panels exported from the People's Republic of China has considered cells and thin film products as dislike article to Crystalline Silicon Photovoltaic Modules or Panels.
- xv. Applicants do not fulfill the requirement of domestic industry under the AD Rules. Moreover, Injury data does not cover major proportion of the domestic industry. The injury determination in the present investigation has been conducted based on the injury data of domestic producers that constitute only 12% of total domestic production. Injury analysis conducted must include information for the domestic producers and not the domestic industry.
- xvi. Rule 5(3) in clear terms provides that petition must be supported by at least those domestic producers whose collective shipment constitutes at least 25% of Indian production. In the instant case, the petitioner's production constituted only 11.62% of Indian production and therefore the conditions specified under the law are not met.
- xvii. Automatic exclusion of those domestic producers from the scope of "domestic industry" who may have imported the subject goods during the POI has led the Authority to conclude wrongly that the Applicant accounts for "a major proportion" of the total production of the product under consideration in India.
- xviii. Indosolar Ltd, one of the petitioners has themselves imported the subject goods as per the import information available.
- xix. The disclosure statement states that the petition was supported by 15 other domestic producers. However, supporting companies have not provided information with regard to imports made by them. Such being the case, the conclusion that all other producers barring participating companies were importer of the product under consideration is without factual basis.
- xx. Applicants do not fulfill the requirement of domestic industry under the Indian AD Rules as most of them are either SEZ units or 100% EOUs and do not have major proportion of Indian production of subject goods. Further, the sole producer of thin film in India has produced thin film of a very small quantum during period of investigation.
- xxi. Since an anti-dumping duty would be attracted if an SEZ unit sells the subject goods in the Domestic Tariff Area (DTA), the SEZ unit ought not to have been considered as part of the domestic industry.
- xxii. Normal Value has been calculated incorrectly by using the data of the domestic industry members who are inefficient. Instead, a third country exporter could easily have been selected from the list of cooperative producers whose consumption rates could have been utilised to formulate normal value.
- xxiii. The cost of production and price of thin film are lower than cost of production of crystalline. Such being the case, it is highly erroneous to apply crystalline modules normal value (and NIP) to thin film.
- xxiv. A significant dip in the prices of major inputs as well as the PUC on a month-wise basis over the POI requires month-wise injury analysis.
- xxv. An analysis of the conditions of competition between the domestic industry and the other domestic producers of the subject goods is necessary for a non-attribution analysis.
- xxvi. The domestic industry is selling the product at a price materially below the landed price of imports. Thus, alleged injury is unfounded.
- xxvii. With declining price undercutting over the injury period, the losses of the domestic industry have significantly increased indicating total absence of causal link between the dumping and injury. The per

unit cost of the domestic industry has increased so significantly as a result of some other factors and not because of increase in the cost of inputs.

- xxviii. The domestic industry has added almost thirty times capacity over the injury period when the global market was suffering from recession. It is natural that this exploding capacity addition is one of the principal causes of injury to the domestic industry. Domestic Industry has created significant excess capacity considering export markets, which collapsed. However the disclosure statement failed to address such issues.
- xxix. The injury suffered by the domestic industry due to deterioration in performance largely due to exports cannot be attributed to alleged dumping and imports.
- xxx. The decline in production, sales as well as capacity utilisation is clearly because of decline in exports. While domestic sales have increased in the POI, export sales have declined. Thus, the decline in production and consequently capacity utilization and decline in sales is entirely because of decline in exports of the domestic industry.
- xxxi. PUC includes PV solar cells, modules and thin films which are different types of PUC and which cannot be used interchangeably. Therefore separate injury and causality examination should have been done for each of the products.
- xxxii. NIP cannot fluctuate from country to country since it is based on the domestic industry's figures. However as per the calculations presented in these submissions NIP appears to be fluctuating reflecting either an erroneous calculation or an improper non-confidential summary of the relevant data.
- xxxiii. The Designated Authority has not provided any reasons or justification to allow 22% return on capital employed to the domestic industry and has arbitrarily and unfairly accorded such an inexplicably high return to the domestic industry.
- xxxiv. The Designated Authority has clearly calculated NIP separately for cells modules and thin films whereby injury margin and dumping margin should also have been disclosed separately for cell, modules and thin films.
- xxxv. The stand taken by Authority that Q-Cells Malaysia SDN BHD (QCMY) could not demonstrate the authenticity of costing and financial data is erroneous and unreasonable. Authority should revise its decision and determine individual normal value for Q-Cells Malaysia SDN BHD and issue a revised Disclosure statement to enable to comment further on the 'Dumping margin' if any, determined for QCMY based on their data. It was mentioned in the EQR that Q-Cells Malaysia SDN BHD (QCMY) took assistance of *** Germany (*** for effecting sales during the POI wherein *** acted as facilitator and charged a fee for the assistance rendered. *** plays its role as an agent only to the extent of providing facilitation services which includes realization of sales proceeds from the buyers. Given the fact that *** role has been limited primarily to facilitation on behalf of the principal – QCMY, there is no reason why *** should have filed the EQR in the capacity of an agent. In the light of the above facts, we urge the Hon'ble Authority to grant individual export price for QCMY and issue a revised Disclosure statement to enable us to comment further on the 'Dumping margin' if any, determined for QCMY based on their data.
- xxxvi. Hanwha Solar One (Qidong) Co. Ltd., China (HSOL) should not be subjected to a dumping margin that has been determined, inter alia, based on the NME criteria due to rejection of the information/data of the sampled producers from China, primarily for the reason that HSOL had claimed market economy treatment (MET) as not only is it a foreign-equity owned company but also has not indulged in dumping practices. Authority determines an individual dumping margin for Hanwha Solar One (Qidong) Co. Ltd., China (HSOL), based on its questionnaire response.
- xxxvii. As regards rejection of individual margin to First Solar SDN Bhd Malaysia, mere fact that some part of the information is missing does not authorize an investigating authority from rejecting entire information. None of the companies to whom First Solar Malaysia has sold the module are in any way related to them. Therefore, it is not possible for First Solar to force these companies to cooperate with the Designated Authority. Moreover, WTO Appellate Body in the matter of United States – Anti-Dumping

Measures On Certain Hot-Rolled Steel Products from Japan, upheld Panel decision that facts available could be applied only if the investigating authority concludes that the party has not acted to the best of its abilities.

- xxxviii. Sales made by First Solar Inc, USA to the parties in USA through a related party in Germany should be considered as domestic sales and accordingly considered for the purpose of determining normal value as the goods have not left territorial waters of USA. Mere invoicing of goods by First Solar Inc to its related company in Germany, First Solar GmbH does not make such sales as exports.
- xxxix. First Solar Malaysia is a known, cooperative producer/ exporter, whose questionnaire response has been verified and First Solar is therefore entitled to individual dumping margin. The Designated Authority never considered the questionnaire responses from unaffiliated purchasers of First Solar Malaysia as mandatory requirement. After having accepted the questionnaire response of First Solar Malaysia and conducted on the spot verification at the premises of First Solar Malaysia, it is grossly inappropriate to reject the entire questionnaire response on the plea that the shippers have not filed questionnaire response.
- xl. Inability to determine export price for First Solar Malaysia on the basis of questionnaire response is grossly insufficient ground for not determining normal value on the basis of questionnaire response of First Solar Malaysia. The disclosure statement failed to appreciate that normal value and export price are two distinct elements for determination of dumping margin and even if one of the elements is missing the other one is required to be accepted.
- xli. The decision of the Designated Authority to reject the questionnaire response of First Solar, Malaysia is directly in contravention of the meaning of cooperation under Rule 6(8) and as interpreted by the WTO Dispute Settlement Body of in the matter of United States-Anti-Dumping and Countervailing Measures on Steel Plate from India WT/DS206/R.
- xlii. The disclosure statement has ignored its own proposed determination in respect of First Solar Inc. USA where the export price and dumping margin have been determined based on questionnaire response despite the fact that one of the customers to whom First Solar had invoiced the goods was outside India.
- xliii. Determination of normal value for First Solar Malaysia on the basis of Indian costs is inconsistent when cost of production in Malaysia is available.
- xliv. The exports made by JA Solar group companies to India during the POI to the three companies as mentioned in the Disclosure Statement are SEZ units and therefore imports by these units are not reported in the DG (System)/DGCI&S data. The DGAD should satisfy itself about the authenticity and accuracy of the data from DGCI&S before disregarding the information of a sincerely participating exporter whose data has been duly verified by the team of officers.
- xlv. Motech has filed true and complete information regarding its exportation of the subject goods during the POI with DGAD. Motech had no intention to deliberately mislead the Designated Authority. An inadvertent omission regarding related parties involved in the subject goods cannot be considered as a ground for rejection of the entire response.
- xlvi. It was mentioned in the EQR that Q-Cells Malaysia SDN BHD (QCMY) took assistance of *** Germany (****) for effecting sales during the POI wherein ***acted as facilitator and charged a fee the assistance rendered. Further, the stand taken by Authority that Q-Cells Malaysia SDN BHD (QCMY) could not demonstrate the authenticity of costing and financial data is erroneous and unreasonable. Authority should determine individual dumping margin for QCMY based on their data after issuing a revised disclosure statement.
- xlvii. Hanwha Solar One (Qidong) Co. Ltd., China (HSOL) is a foreign-equity owned company and not indulged in dumping practices. Their EQ Response should not be rejected on NME criteria due to rejection of the information/data of their related party namely Q-Cells Malaysia SDN BHD.

xlviii. The mere fact that some part of the information is missing does not authorize an investigating authority to reject the entire information of First Solar. WTO Appellate Body in the matter of United States – Anti-Dumping Measures On Certain Hot-Rolled Steel Products from Japan, upheld Panel decision that facts available could be applied only if the investigating authority concludes that the party has not acted to the best of its abilities. None of the companies to whom First Solar has sold the module are in any way related to First Solar. Therefore, it is not possible for First Solar to force these companies to cooperate with the Designated Authority.

xlix. The exporters belonging to China Sunergy group are liable to receive individual treatment on the basis of the direct exports to India which have been duly verified and the denial of individual treatment is erroneous. The established practice of the Designated Authority has always been to allot one weighted average duty quantum for all related producers in one subject country. The Exporters being related parties are entitled to a Group wise margin based on the established practice and precedents followed by the Designated Authority.

- i. Wuxi Suntech Power co. Ltd. , China Sunergy (Nanjing) Co. Ltd.- data should not be rejected as the exporter are non related entities as unrelated parties are not under the control of these companies.
- ii. Procedural flaws and transparency in the investigation have prevented USA respondent from obtaining information.
- iii. Import prices have not been verified by DGAD

159. The following are the post-disclosure submissions made by the domestic industry and considered relevant by the Authority:

- i. The submission of the opposing interested parties that supplies from EOU/SEZ units should not be treated as domestic sales, the Authority may note that the Hon'ble Allahabad High Court in the matter of M/s India Exports Vs. State of U.P. & Ors [Civil Misc. Writ Petition No.1488 of 2009] observed that "*The arguments that since SEZ is deemed to be outside the customs territory of India, the sale from SEZ to DTA has to be treated as import, is not born out from the provisions of either SEZ Act, 2005 or Central Sales Tax Act, 1956*".
- ii. Producers/exporters who have not enabled the Authority to satisfy itself of the requirements of Article 6.6, Article 6.7, Article 6.8 and Para 5 of Annexure II of Agreement on implementation of Article VI of the WTO GATT, 1994 and also the Indian AD Rules by providing complete relevant information should not be considered for individual margin under Article 6.10 of the Agreement.
- iii. Individual margin to First Solar Inc, USA also needs to be rejected as determination of dumping margin is exporter or producer specific and denial of individual margin to First Solar Malaysia should automatically lead to a denial of individual margin to First Solar USA as well. Non denial of individual margin to First Solar USA will lead to undue advantages to First Solar as a whole for the reason exports of subject goods henceforth would be undertaken by the route which has got an individual margin.
- iv. Adjustments on VAT refunds needs to be made in the Export Price with regard to China PR.
- v. The most appropriate and effective form of AD duty in the present case would be fixed form of duty imposed in terms of USD/Watt at a PUC level. Since there is no basic customs duty applicable on the import of the subject goods, the chances of mis-declaration of CIF value with an intention to avoid AD duties are not ruled out.
- vi. The developers are operating under significant profits and the supports from the govt to develop and run the power projects are also visible. The domestic producers who have got the capacity to produce subject goods are either getting closed down due presence of dumped imports or are running in huge losses. The ability of the solar industry to generate employment and thereby contribute to the GDP of the country can only be re-established by putting measures in place to curb dumping from subject countries.

160. The Authority notes that the post-disclosure comments/submission made by the interested parties is mostly reiterations and already examined suitably and adequately addressed in the relevant paras of this finding. However, the post-disclosure comments/submissions made by the interested parties and considered relevant by the Authority are examined as below:

- i. As regards the submission that the time granted by the Authority for disclosure comments is inadequate, the Authority notes that the anti-dumping investigations are time bound and reasonable time has been granted to the interested parties for furnishing comments on the disclosure statement. The Authority further notes that despite the limited time available with the Authority, the request of the interested parties for an extension of time was also considered to the extent possible.
- ii. As regards the submission that the petition on the basis of which the present investigation has been initiated does not have accurate and adequate evidence to justify initiation and the investigation should be terminated simply on the ground of de-minimus dumping margin especially in respect of thin film imports from USA, the Authority notes that First Solar Inc is the only cooperative producer of thin films from USA which has cooperated along with its related party in Germany with regard to its exports of thin films to India during the POI. While the *prima facie* information provided by the petitioner were considered relevant for the purpose of initiation, the actual position of dumping has been determined on the basis of verified data in respect of the above stated producer/exporter. The details of magnitude of dumping are elaborated in the relevant paras of this finding, which is self explanatory.
- iii. The opposing interested parties have submitted that the observations made in the disclosure statement that import of the PUC from the European Union during the POI was priced much higher as compared to the import of the PUC from the subject countries and therefore there is no case of causing injury to the DI due to import of the PUC from the European Union is erroneous. The Authority notes that the above observation was based on the supplementary information submitted by the domestic industry based on an analysis of the import data sourced from the DGCI&S. Further, the same data was placed in the public file for perusal and analysis by the other interested parties. As per the said data, the imports of the subject goods from EU in terms of volume is above de minimis level, but price-wise much above the prices of the subject countries. Therefore, the imports of subject goods from EU could not have affected the situation of the domestic industry to the extent to break the causal link between the dumped imports from the subject countries and the material injury suffered by the domestic industry.
- iv. Further, with regard to the argument that any price comparison must be done separately for cells, modules and thin film which would show that the import price from EU were lower than the import price from subject countries, the Authority notes that such separate analysis also show that the import prices of EU for cells, modules and thin films were higher than the respective import prices from the subject countries.
- v. As regards the submission that Authority had initiated the investigation on the basis of the Impex Statistics data and shifting to a completely different data later during the course of the investigation is not justified, the Authority notes that the Anti-dumping Rules do not prohibit the Authority from relying upon the best available information at any stage of the investigation. Moreover, transaction-wise import information from the DGCI&S, which is primary source of information, has been relied upon by the Authority in several investigations.
- vi. As regards the submission that methodology adopted for conversion from nos. to kgs and from kgs to watt peak is erroneous, the Authority notes that it is an incorrect observation that import information in nos. to kgs and from kgs to watt peak has been straightaway adopted by the domestic industry. The imports of the subject goods are reported in various units of measurements such as nos, sets, pcs, units, kgs etc. In the present investigation the Authority has converted all such reported units into equivalent of Watt for effective analysis. The methodologies of such conversion as adopted by the domestic industry and adopted by the Authority to convert import transactions reported in terms of different units to equivalents of watt are given in the NCV version of the petition and also in various submissions which were made available in the public file.

vii. As regards the submission that the projects under development should be exempted from anti-dumping duty, the Authority notes that the purview and mandate of the present investigation does not cover such aspects.

viii. With regard to the submission that the volume and price of imports adopted by the authority is erroneous, the Authority notes that the contention is not substantiated. With regard to the submission that petitioners have erroneously considered the import transactions of thin films as imports of crystalline modules while the description makes it evident that these are thin film products, the domestic industry has claimed that they had classified the data based on the description available in the transaction wise import data.

ix. As regards the contention that the PUC being heterogeneous in nature, a PCN wise analysis would be more appropriate, the Authority notes that in the present investigation the dumping and injury margins have been determined and injury analysis has been made on the basis of weighted average import data of crystalline cells, modules and thin films constituting the PUC. Further, as regards the contention that the country-wise breakdown of PCN specific import data from the DGCI&S has not been provided to the interested parties, the Authority notes that the import information as per DGCI&S as made available in the public file contains segregated information for cells, modules and thin films.

x. As regards the contention that the cost of solar power production will increase if anti-dumping duty is imposed on the imports of subject goods, the Authority notes that the basic objective of anti-dumping investigations are to establish the facts of alleged dumping and injury to the domestic industry on account of dumping and to recommend suitable and adequate anti-dumping measures for imposition by the central government to neutralize the injurious effect of dumping and to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis dumped imports. Anti-dumping measures neither restrict nor prevent imports. The consumers, who may be benefitting out of dumped prices, may have to buy the subject goods at fair prices after imposition of the anti-dumping duty.

xi. As regards the submission that the imposition of anti-dumping duty may invite similar retaliatory measures by other countries, the Authority notes that the fear is presumptuous. Anti-dumping investigations are subject to WTO Agreement and therefore imposition or non-imposition of antidumping measures by one member country against another cannot entitle them to impose such measures without following due process of law.

xii. As regards the submission that Cells/modules and thin films are not like articles and therefore not substitutable and Thin film and CSPV are alternate articles but not like articles, the Authority notes that the issues concerning substitutability and likeness of crystalline cells and modules and crystalline modules and thin films have been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority has appropriately defined the product under consideration (PUC) in the present investigation as "Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates" which includes products of both crystalline and thin film technology and the dumping and injury analysis have been carried out by the Authority accordingly.

xiii. As regards the contention that the domestic industry does not produce thin films and therefore same should be excluded from the purview of the PUC and anti-dumping Authorities in other countries have held that thin film and crystalline modules are not like articles, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority notes once again that solar cells made of thin film technology and crystalline technology is technically and commercially substitutable and is like articles within the meaning and scope of Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules. The Authority also notes that since it is established that thin films are like article and substitutable to the crystalline module produced by the domestic industry, the question of non-production of thin films by the domestic industry is irrelevant.

xiv. As regards various comments concerning standing of the petitioner as domestic industry, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. As already established in this finding, the petitioners account for a major proportion of the total domestic production of the subject goods during the POI and constitutes domestic industry within the meaning of the Rule 2 (b) and satisfies the criteria of standing in terms of Rule 5 (3) of the Anti- dumping Rules.

xv. As regards the contention that Indosolar Ltd, one of the petitioners, has themselves imported the subject goods and therefore not eligible to be considered as domestic industry, the Authority notes from the information provided by the concerned interested party itself that goods involved in the transactions are basically export returns wherein the country of origin has been shown as India.

xvi. As regards the contention concerning the imports by other Indian producers, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding and none of such domestic producers have disputed the position taken by the Authority in this regard.

xvii. As regards the contention that the normal value has been calculated by the Authority incorrectly by using the data of the domestic industry members who are inefficient, the Authority notes that the details regarding determination of normal value has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority notes that the normal value has been determined in terms of Rules laid down for this purpose.

xviii. As regards the contention that the cost of production and price of thin film are lower than cost of production of crystalline modules and it is highly erroneous to apply crystalline modules normal value (and NIP) to thin film, the Authority notes that crystalline and thin film modules are like articles. Moreover, the landed price of imports shows that the consumers were getting the material at comparable prices indicating the price difference between crystalline modules and thin films is not significant.

xix. As regards the contention that a significant dip in the prices of major inputs as well as the PUC on a month-wise basis over the POI requires month-wise injury analysis, the Authority notes that the month-wise analysis of price undercutting has been made.

xx. As regards the need for analysis of the conditions of competition between the domestic industry and the other domestic producers of the subject goods for non-attribution analysis, the Authority notes that none of the interested parties including domestic producers who are not part of domestic industry have provided any data. However, the Authority has conducted non-attribution analysis of Trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers as per the AD Rules.

xxi. As regards the contention that the domestic industry is selling the product at a price materially below the landed price of imports, the Authority notes that the price undercutting determined for the subject countries was positive and the domestic industry suffered significant price injury during the POI.

xxii. As regards the contention that declining price undercutting over the injury period and increase in cost of production of domestic industry signifies absence of causal link between the dumping and injury, the Authority notes that price undercutting during the POI was positive and significant and the per unit cost of production of the domestic industry has declined during the POI over the base year.

xxiii. As regards the contention that the domestic industry has added almost thirty times capacity over the injury period when the global market was suffering from recession, the Authority notes that the demand for the PUC has also increased significantly during the injury period i.e. from 145833 KW in 2008-09 to 944820 KW in annualized POI. The Authority further notes that if there were no dumped imports, the domestic industry could have improved its market share.

xxiv. As regards the contention that injury suffered by the domestic industry was largely due to exports and therefore cannot be attributed to the alleged dumping and imports, the Authority notes that it has made injury analysis taking into account the performance of the domestic industry in its domestic operations only.

xxv. As regards the contention that the decline in production, sales as well as capacity utilisation is clearly because of decline in exports, the Authority notes that in spite of steep increase in demand for the PUC during the injury period, the domestic industry was not in a position to increase its production, sales and capacity utilisation. The Authority holds that but for the dumped imports, the domestic industry could have improved its performance in domestic sales, production, etc.

xxvi. As regards the contention that separate injury and causality examination should have been done for each type of PUC, the Authority notes that it has made the analysis of price effects for the cells, modules and thin films and also for PUC as a whole.

xxvii. As regards the contention that NIP cannot fluctuate from country to country since it is based on the domestic industry's figures, the Authority notes that per unit NIP for different types of products under consideration (Cells, Crystalline Modules and Thin films) has been determined which is uniform for all the subject countries. However, the weighted average NIP for the PUC as a whole would be different for different subject countries in view of the difference in the import volumes of different types of PUC.

xxviii. As regards the contention that the Designated Authority has not provided any reasons or justification to allow 22% return on capital employed to the domestic industry, the Authority notes that it has provided 22% return on capital employed as per its consistent practice.

xxix. As regards the submission that The Designated Authority should have disclosed dumping margin and injury margin separately for cells, modules and thin films, the Authority notes that it has disclosed the ranges of dumping and injury margin for the PUC as a whole.

xxx. As regards the contention by Q-Cells Malaysia SDN BHD (QCMY) that Authority should revise its decision and determine individual margin for it, the Authority notes that this issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority notes once again that during the on the spot verification, QCMY failed to demonstrate the authenticity of the costing and financial data in the SAP System claimed to be maintained by the Company. Further, in the absence of exporter's questionnaire response filed by its related party in Germany, the complete value chain in respect of the claimed exports to India during the POI cannot be established. Under the above circumstances, the Authority is not in a position to satisfy itself about the accuracy and adequacy of the information furnished by QCMY. In view of the above position, the Authority does not grant Hanwha Q Cells Malaysia SDN BHD individual margin in the present investigation.

xxxi. As regards the submission by Hanwha Solar One (Qidong) Co. Ltd., China (HSOL) for individual margin, the Authority notes that the said Chinese company falls under the non-sampled category and the margin has been determined accordingly.

xxxii. First Solar Malaysia has argued that if some part of the information is missing, it does not authorize an investigating authority from rejecting the entire information. Moreover, as they argued, none of the companies to whom First Solar Malaysia has sold the modules are in any way related to them and it is not possible for them to force these companies to cooperate with the Designated Authority. They have further argued that WTO Appellate Body in the matter of United States – Anti-Dumping Measures On Certain Hot-Rolled Steel Products from Japan, upheld Panel decision that facts available could be applied only if the investigating authority concludes that the party has not acted to the best of its abilities. In this regard the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority once again notes that information with regard to substantial volume of exports of the subject goods invoiced by First Solar Malaysia SDN BHD, Malaysia and its related exporter First Solar GMBH, Germany to India during the POI through many other parties have not brought

before the Authority by filing exporters questionnaire response. Therefore, in the absence of complete information with regard to the exports made by the Company to India during the POI, the Authority is not in a position to satisfy itself about the accuracy and adequacy of the information furnished by First Solar Malaysia. In view of the above position, the Authority does not grant individual margin to First Solar Malaysia SDN BHD, Malaysia and its related exporter First Solar GMBH, in the present investigation.

- xxxiii. As regards the contention by First Solar Malaysia that inability to determine export price is grossly insufficient ground for not determining normal value on the basis of questionnaire response, the Authority notes that for the purpose of determining individual margin, the Authority requires complete information as regards both export price and normal value. In the absence of complete value chain concerning exports made by the company, the Authority is not in a position to grant individual margin to First Solar Malaysia. In view of the same, determination of normal value concerning First Solar Malaysia is irrelevant.
- xxxiv. As regards the contention that sales made by First Solar Inc, USA to the parties in USA through a related party in Germany should be considered as domestic sales for the purpose of determining normal value as the goods have not left territorial waters of USA, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority once again notes that First Solar Inc, USA has supplied the subject goods locally, but received payment from First Solar GmbH Mainz, Germany in foreign exchange. Moreover, First Solar Inc, USA has sold subject goods in USA market to other affiliated and non-affiliated parties, without accounting through First Solar GmbH Mainz, Germany. Therefore, the Authority holds that supply of subject goods inside USA to some other party and accounting the same through First Solar GmbH Mainz, Germany and claiming the same as domestic sale, not acceptable. Further, there is no logical basis for invoicing some sales for USA through Germany, when other sales for USA are made directly.
- xxxv. As regards the contention that the disclosure statement has ignored its own proposed determination in respect of First Solar Inc. USA where the export price and dumping margin have been determined based on questionnaire response despite the fact that one of the customers to whom First Solar, USA had invoiced the goods was outside India, the Authority notes that the issue has been addressed in the relevant para of this finding. The Authority once again notes that out of the total exports to India, an insignificant volume was invoiced by First Solar GmbH – Mainz Germany through a party in USA, in respect of which exporter's questionnaire response has not been filed. Since the volume was found to be insignificant, the Authority excluded the said insignificant export from the total exports made by First Solar Inc, USA and First Solar GmbH – Mainz Germany and determined the net export price.
- xxxvi. As regards the argument made by JA Solar group that exports made by the group companies to the SEZ units in India are not reported in DGCI&S data, the Authority notes that the argument is unsubstantiated. In the absence of complete information about the exports made by the group, the Authority is not in a position to satisfy itself about the accuracy and adequacy of the information furnished by the group.
- xxxvii. As regards the argument made by Motech that the company has inadvertently omitted information in the EQ Response regarding related parties involved in the subject goods and therefore such action of Motech should not be considered as a ground for rejection of the entire response, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority notes that Motech has a number of related companies in various countries including China are involved in the subject goods. The Authority further notes that one of its related companies in China which are involved in the export of the subject goods to India during the POI. Such action by Motech not only amounts to mis-declaration, but also deprives the Authority of enabling the Authority to satisfy itself about the accuracy and adequacy of the information furnished by Motech.
- xxxviii. As regards the argument made by China Sunergy group that they are entitled to receive individual treatment on the basis of the direct exports to India made by them which have been

duly verified and the denial of individual treatment is erroneous, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. The Authority further notes that companies belonging to China Sunergy group have made significant exports of the subject goods to India during the POI through other parties situated in Singapore and Hong Kong. However, such parties have not filed exporter's questionnaire response in the present investigation, in the absence of which, the complete value chain in respect of the said channels of export made by China Sunergy group cannot be established. In view of the above position, the Authority does not grant individual margin to the group.

xxxix. As regards the submission made by Wuxi Suntech Power Co. Ltd that their claim for individual margin should not be rejected by the Authority on the ground that substantial exports have been made by them through other parties since such parties are not related to them, the Authority notes that the issue has been adequately examined and addressed in the relevant paras of this finding. However, such parties have not filed exporter's questionnaire response in the present investigation, in the absence of which, the complete value chain in respect of the said channels of export made by Wuxi cannot be established. In such circumstances the Authority is not in a position to satisfy itself about the accuracy and adequacy of the information furnished by the company. In view of the above position, the Authority does not grant individual margin to Wuxi Suntech Power Co. Ltd, China PR.

- xl. As regards the submission that the laid down procedures and transparency principles have not been followed in the present investigation, the Authority notes that the investigation has been conducted as per the procedure. The interested parties have been given opportunities to make submissions at each stage of the investigation i.e. initiation of the investigation, oral hearing and disclosure statement. The non-confidential information furnished by the interested parties are made available in the public file. The representatives of USA respondent has verified the public file time and again and obtained non-confidential information. Thus the contention is not based on facts.
- xli. As regards the submission that the import data is not verified by the Authority, it is noted that the Authority has relied upon the secondary source data furnished by applicant *prima facie* for initiation and relied upon the DGCIS data for the investigation. The said data are available in public file. It is also noted that Authority has verified the data furnished by the domestic industry as well as the cooperative exporters.
- xlii. The Authority notes that post-disclosure First Solar Inc, USA, First Solar SDN BHD Malaysia and Solar Power Developers Association (SDPA) filed writ petitions before the Hon'ble High Court of Delhi vide WP (C) No. 3202/2014, 3203/2014 and 3206/2014.
 - a. First Solar Inc, USA vide their WP (C) No. 3202/2014 has *inter alia* argued that determination of normal value by ignoring significant domestic sales in USA market made by them by invoicing through their related party in Germany is flawed.
 - b. First Solar SDN BHD Malaysia vide their WP (C) No. 3203/2014 has *inter alia* argued that they should have been given an individual margin based on the normal value and export price claimed by them and not otherwise. Even if Authority does not accept export price, the normal value should have been determined based on the information provided by them, in line with authority's earlier findings and WTO Panel Report.
 - c. Solar Power Developers Association (SDPA) vide their WP (C) No. 3206/2014 has *inter alia* challenged the entire disclosure statement emphasizing that the domestic industry has catered to only about 2% of the total Indian demand.
- xliii. The matters were heard and disposed by the Hon'ble Division Bench on 20th May, 2014. The operative part of the order is as follows:

.....This Court has considered the submissions. As one understands the procedures mandated by the CT Act and the 1995 Rules, the disclosure statement made available to the parities to the enquiry under Rule 16 of the 1995 rules, is in the nature of a tentative view of the Designated Authority. By no means can it be considered as

conclusive because the parties are given one more chance to respond to this disclosure statement. This Court would, advisedly, refrain from making any comment on the merits of the arguments as to the inclusion or exclusion of the particular transactions or even as to the nature of the material and the determination, which the Malaysian company urges in these proceedings as that would necessarily have a direct bearing on the final decision of the Designated Authority. Both the Malaysian company and the US company have urged that the impugned order is contrary to India's position before the WTO in the matter of dispute relating to United States- Anti- Dumping and Countervailing measure on Steel Plated from India (WT/DS206/R) and the previous decisions of the authorities itself. We note that this aspect has been highlighted before the Designated Authority by these petitioners. In these circumstances, we do not propose to say anything further except to say that all these aspects would be considered at the stage of final decision by the Designated Authority.

The petitions are disposed off in the above terms."

xliv. Pursuant to the above orders and submissions made by the concerned parties, the Authority has taken note of certain past cases by DGAD and also decision by WTO as cited by First Solar SDN BHD Malaysia. In the matter of United States anti-dumping and countervailing measures on steel plate from India (WT/DS206/R) with regard to SAIL, the Authority notes that the WTO dispute settlement Panel has found as follows;

"7.78 In our view, USDOC's final determination clearly demonstrates that certain of the information submitted by SAIL was found to be unverifiable, or not timely submitted, or to have other flaws which made it unduly difficult to use. However, no such conclusions are set forth with respect to the US sales price information. Indeed, throughout the investigation, it appears that the principal problems were with the information concerning SAIL's home market transactions and cost of production. The references to problems with respect to the US sales price information, to the extent they are mentioned, are treated as minor. Thus, it seems clear to us that USDOC did not in fact reject the US sales information based on the application of the criteria of paragraph 3 to that information, but rather on the basis of problems associated with other information submitted.

7.79. Thus, on the basis of the facts and explanations on the record before us, we consider that USDOC's decision rejecting the US sales price information submitted by SAIL lacked a valid basis under paragraph 3 of Annex II of the AD Agreement. Therefore, we conclude that USDOC acted inconsistently with Article 6.8 and paragraph 3 of Annex II of the AD Agreement in concluding, with respect to US sales price information, that necessary information was not provided and relying entirely on facts available in determining the dumping margin applicable to SAIL.

7.80. Having concluded that USDOC's decision to rely entirely on facts available was inconsistent with its obligations under the AD Agreement, we do not consider it necessary to address India's alternative claims."

xlv. With regard to the submission of First Solar Inc, USA in regard to exclusion of sales to USA party through its related party in Germany for the purpose of determination of normal value, it is noted that First Solar Inc, USA has made sales in USA market through three modes i.e. direct sales to affiliated parties in USA, direct sales to unaffiliated parties in USA and sales in USA to affiliated/unaffiliated parties through its affiliated party in Germany. It may be stated that First Solar, USA has not explained clearly why it was invoicing the goods to USA party through its related party in Germany, even though it was having its invoicing department in USA. This shows that there is some unexplained cause behind such transactions. It is also not clear how the sales made to an affiliated party in Germany by raising invoice in Euro currency could be treated as domestic sales even though such German related company had further sold the goods to a party in USA. Further, First Solar, USA and First Solar, Germany are two different legal entities operating in different countries and it is not clear how sales made by one entity in one country to another entity in another country can be considered as home market sale. In view of the above, the sales made by First Solar, Germany to a party in USA, by procuring the goods from First

Solar, USA cannot be treated as domestic sales made by First Solar, USA in USA. The Authority further notes that the practice of invoicing some local sales through a foreign entity involving realisation of sale proceeds in foreign exchange cannot be considered as domestic sale for the purpose of determination of normal value.

- xlvi. The Authority notes from the WTO Panel decision cited by First Solar, Malaysia that the facts and circumstances of the present case are different from the facts of the case decided by WTO. In the present case, First Solar Malaysia SDN BHD had exported more than ***% of the exports through third parties and such third parties haven't filed exporter questionnaire response. In the absence of the export price for the majority of the exports made by First solar, Malaysia, the Authority has not determined individual dumping margin. It is noted that determination of export price is crucial for determination of individual dumping margin and therefore in the absence of export price, determination of normal value becomes irrelevant. In view of the above, determination of normal value for First Solar Malaysia SDN BHD based on their data has not been made. On the contrary, in the case cited by First Solar, Malaysia, no individual dumping margin was granted even when the export price was available on the plea that data for determination of normal value was not available. Thus, it may be seen that the SAIL case as cited by First Solar Malaysia SDN BHD is not appropriate in the circumstances involving First Solar Malaysia SDN BHD in the present investigation.
- xlvii. With regard to the reference made to past decision by DGAD in respect of recent case involving imports of Pthalic Anhydride, it is observed that the decision to deny individual margin in the present case is different from the facts and circumstances of the above stated case. It may be noted that while the individual margin for First Solar Malaysia SDN BHD has been denied in the present case as ***% of the exports made by the company are not before the Authority for determining the export price, whereas the position was not so in the case concerning Pthalic Anhydride. In fact in the present investigation, First Solar, USA has been granted individual dumping margin as they had exported an insignificant volume of less than 10% of subject goods through third parties which is not before the Authority.
- xlviii. With regard to the contention of Solar Power Developers Association that domestic industry has catered to only about 1.25% of the domestic demand during the POI and therefore there is no need to impose any antidumping duty, the Authority notes that the domestic industry (constituted by Indosolar Ltd, Websol Energy Systems Ltd and Jupiter Solar Power Limited), had capacity to cater to 30% of domestic demand. However, due to dumped imports, they could not increase their share in the domestic market. Further, besides the domestic industry, there are 39 other domestic producers, who have created adequate capacity to cater to the domestic demand. However, due to dumped imports, these producers had resorted to imports and trading.

S. Offers for Price undertaking

- 161. Pot disclosure the Chinese exporters namely Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, Renesola Jiangsu Ltd, Jinko Solar, Perlight Solar Co Ltd, Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd etc including CCCME offered to provide price undertaking with respect to the export of the PUC from China PR to India. However, the Authority does not accept the said price undertaking offers considering them as impractical to monitor.

T. CONCLUSIONS:

- 162. After examining the issues raised and submissions made by the interested parties and facts made available before the Authority, as recorded in this finding, the Authority concludes that:
 - a. The product under consideration has been exported to India from subject countries below its normal value, thus resulting in dumping of the product.
 - b. The domestic industry has suffered material injury due to dumping of the product under consideration.
 - c. The material injury has been caused by the dumped imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

U. INDIAN INDUSTRY'S INTEREST & OTHER ISSUES

163. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the Country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the products to the consumers.

164. The Authority also notes that solar power generation has the potential to cater to the larger energy requirements of the country and the Government has been formulating policies and programmes to support the developers of large scale solar power projects in India through various schemes such as JNNNSM under the MNRE. Information available in the public domain shows that the global manufacturing capacity of subject goods is several times higher than that of India and India has a rapidly growing domestic demand for the subject goods. Imposition of anti-dumping duties would not deprive the Indian buyers of subject goods who would need access to subject goods manufactured in India and also global market to take the maximum benefits of continued technological and cost effective innovations. Ensuring a competitive market for producers of subject goods in India will help India to develop a strong and effective domestic manufacturing base for subject goods in India so that Indian consumers can benefit both from the domestic as well as global market of the subject goods.

165. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the cost of the solar power projects using the imported subject goods from the subject countries. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the anti-dumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

V. RECOMMENDATIONS

166. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the exporters, importers and other interested parties to provide positive information on the aspect of dumping, injury and causal links. Having initiated and conducted investigation into dumping, injury and causal links in terms of the Anti-dumping Rules laid down and having established positive dumping margin as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of definitive anti-dumping duty is required to offset dumping and injury. Therefore, the Authority considers it necessary to recommend imposition of definitive anti-dumping duties on the imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.

167. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of anti-dumping duty equal to the lesser of margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, the definitive anti-dumping duty equal to the amount mentioned in Col 8 of the duty table below is recommended to be imposed from the date of notification to be issued in this regard by the Central Government, on all imports of the subject goods, originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

Sl.No.	Heading / Subheading*	Description of goods	Country of origin	Country of export	Producer	Exporter	Duty amount	Unit	Currency
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)	(8)	(9)	(10)
1	85414011	Solar Cells whether or not assembled partially or fully in Modules or Panels or on glass or some other suitable substrates	USA	USA	First Solar Inc, USA	First Solar GmbH Mainz, Germany	0.11	Watt	US\$
2	-do-	-do-	USA	USA	Any combination other than mentioned in Sl No-1 above		0.48	Watt	US\$

3	-do-	-do-	USA	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	0.48	Watt	US\$
4	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	USA	Any	Any	0.48	Watt	US\$
5	-do-	-do-	China PR	China PR	Canadian Solar Manufacturing (Changhsu) Inc, China PR	Canadian Solar International Ltd, Hong Kong	0.64	Watt	US\$
6	-do-	-do-	China PR	China PR	Non-Sampled Producer/ exporters as per list **	Non-Sampled Producer/ exporters as per list **	0.64	Watt	US\$
7	-do-	-do-	China PR	China PR	Any combination other than mentioned in Sl No-5 & 6 above		0.81	US\$	Watt
8	-do-	-do-	China PR	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	0.81	Watt	US\$
9	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	China PR	Any	Any	0.81	Watt	US\$
10	-do-	-do-	Malaysia	Malaysia	Any	Any	0.62	Watt	US\$
11	-do-	-do-	Malaysia	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	0.62	Watt	US\$
12	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Malaysia	Any	Any	0.62	Watt	US\$
13	-do-	-do-	Chinese Taipei	Chinese Taipei	Any	Any	0.59	Watt	US\$

14	-do-	-do-	Chinese Taipei	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Any	Any	0.59	Watt	US\$
15	-do-	-do-	Any country other than those subject to Anti-dumping duty	Chinese Taipei	Any	Any	0.59	Watt	US\$

* The subject goods are being imported under tariff headings No. 85414011. However, the customs classification is indicative only and in no way binding on the scope of this investigation.

**** List of Non-sampled exporters from China PR**

1. Hanwha Solar One (Qidong) Co Ltd, China PR (Producer and Exporter)
2. Chint Solar (Zhejiang), Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
3. Jinko Solar Co Ltd, China PR (Producer), Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China(Exporter)
4. Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR(Producer), Jinko Solar Import & Export Co Ltd, China PR(Exporter)
5. Del Solar (Wujiang) Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
6. LDK Solar Hitech (Suzhou) Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
7. Changzhou Trina Solar Energy Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
8. Shangluo BYD Industrial Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
9. Dongfang Electric (Yixing) Magi Solar Power Technology Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
10. Jiangyin Hareon Power Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
11. Hengdian Group DMEGC Magnetics Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
12. HanzhouDahe Thermo Magnetics Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
13. Zhejiang Jinko Solar Co Ltd, China PR(Producer) , Zhejiang Jinko Solar Trading Co Ltd, China PR (Exporter)
14. AnjiDaSol Solar Energy Science & Technology Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
15. Yuhuan Sinosula Science & Technology Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
16. Perlight Solar Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
17. CNPV Dongying Solar Power Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
18. Ningbo Qixin Solar Electricals Appliance Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
19. Yingli Energy (China) Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
20. Shanghai BYD Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
21. Renesola Jingsu Ltd, China PR, (Producer and Exporter)
22. Shenzhen Topray Solar Co Ltd, China PR, (Producer and Exporter)

168. An appeal against the order of the Central Government arising out of this Final Findings Notification shall lie before the Customs, Excise and Service Tax Appellate Tribunal in accordance with the Customs Tariff Act.

J.S. DEEPAK, Designated Authority